

**GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM**

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0314**

Classification:

Original File No. 2 II

Title

Bengal Synod

Volume:

Running from year: 1949 till year: 1958

Content:

- Duars Matters of G.E.L Congregation.

FLOWER BRAND

1949-58

FLAT FILE

File No. 2 II

me

~~(Bhuttan)~~ Duars File

bject

Bengal Syngel

1246
1912

2-II

गड़बड़ के बाद (बांगाल सिनोड)

डुमसे की हालत का रिपोर्ट ।

सन् १९४८ साल के बाद डुमसे में लुथेरान कलीशा का काम शुरू हुआ । डुमसे और कलकत्ता मिल कर बांगाल सिनोड कहलाया । जिसका सिनोड प्रेसिडेन्ट पाद्री दानिएल लकड़ा था । इस सिनोड संगठन में कलकत्ता, डुमसे से मतलब रखा गया था । सन् १९५५ साल के बाद सिनोड प्रेसिडेन्ट दानिएल लकड़ा चर्च कौंसिल से सहयोग करने लगा । जिसको सिनोड नहीं जानती थी । सन् १९५६-५७ साल तक मतलब रहा । १९५८ साल में यह साफ़ प्रगट हो गया ।

चर्च कौंसिल और मिनिस्टीरियम की फैसला अनुसार, चर्च कौंसिल सेक्रेटरी से कन्डिक्ट एन. एम. सुरिन को एक चिट्ठी मिली । उस चिट्ठी के मुताबिक वो ordination के लिये संची चलें गये । उसी बीच सिनोड प्रेसिडेन्ट दानिएल लकड़ा तंग डाला चाह बांगाल में एक सिनोड काम समा जुलाई । इस सिनोड काम समा का विशेष उद्देश्य यह था कि "कन्डिक्ट एन. एम. सुरिन सिनोड का बिना इजाजत ordination के लिये चला जाना ।" इस सिनोड काम समा में यह बात तय होत नहीं पाया । इसलिये दूसरी मीटिंग ता. १८-५-१९५८ को हल्दीबाड़ी चाह बांगाल में जुलाई गई । इस मीटिंग में सिनोड प्रेसिडेन्ट खिर हिला-हिला कर कहने लगे कि हम किसी हालत से इसका पदामोषक को नहीं मानेंगे । क्योंकि वर्तमान चर्च कौंसिल नजायज है । इसपर कितने सिनोड सदस्यगण और साधारण भाई भी यह बोले कि जो चर्च कौंसिल से ordination हो कर लाया है, उसको हम पाद्री मान लेंगे, और वह सिनोड की आधीनता में काम करे । पर सिनोड प्रेसिडेन्ट उसको पाद्री मानने से साफ़ इन्कार-इन्कार कर दिया । जिसके कारण सिनोड को भाग ले गया । जिसका रिपोर्ट चर्च कौंसिल में भी पाद्री एन. एम. सुरिन की ओर से दिया गया है ।

ऐसी गड़बड़ी का समाचार पाकर चर्च कौंसिल बांगाल सिनोड को फिर से सुसंगठित करने का भार पाद्री एन. एम. सुरिन को सौंपा । पाद्री एन. एम. सुरिन जी आगुबांड से एक organizing कमीटी बनी, जो १५ जून को बनारहाट में हुई । इस कमीटी के द्वारा अब तक २२ मराडलियां चर्च कौंसिल के आधीनस्त बिबर हैं । इसी बीच २६ जून को प्रेसिडेन्ट जे. जे. पी. तिगा डुमसे का मुलाहिजा करने आये थे । उनका स्वागत इन्हीं कमीटी के द्वारा हुई । इसके पीछे पाद्री के. डी. सोरा भी चर्च कौंसिल के हुक्मनुसार २२ वीं जुलाई को डुमसे आ पहुंचे । उनका स्वागत के लिये यही कमीटी के द्वारा १३-१४ सितंबर को एक

सिनोड काम सभा करबला में बुलाई गई। इसी कमीटि के द्वारा उसके स्वागत किया गया। अधिक जानकारी और अनुमती समझ कर उसके सिनोड प्रेसिडेंट भी बनाया गया। पर हम सिनोड के कार्यकर्ताओं को प्रचारकगण उसके काम को बातों को सुन कर डरते हैं कि सिनोड भागे चल कर कहीं ठेस न लग जाय।

जड़बड़ी होने के पहले दुर्गस में ५० मराडलियां थीं। १९४६-४८ साल तक केवल २२ मराडलियां थीं। कठिदत्त एम. एम. सुरिन की कठिन परिश्रम से ३६ मराडलियां बानी थीं। उसी ने शरणा दल को भी लोड़ डाला।

आभी तक Pastor Quarter के लिये कोई ठीक प्रबन्ध नहीं है। जिसके कारण पादियों को काम करने में बहुत कठिनाईयां भेलानी पड़ती है। हम लोग बागडोगरा में जमीन खरीदने का निश्चय किये हैं। पर रोकड़ की घटी से जमीन नहीं खरीदा सकता है। जब प्रेसिडेंट विष्णु दुर्गस आये थे, उस समय हम लोग दुर्गस की हालतों को बातलाते-दुर १०००) रु० जमीन खरीदने के लिये दाबी किये हैं।

इसके प्रतिउत्तर में प्रेसिडेंट विष्णु हमें बोले कि मैं चर्च-कौंसिल में इसका प्रस्ताव डालूंगा। मैं यथाशक्ति कोशिश करूंगा कि बागडोगरा में मिशन के लिये जमीन लिया जाय। हम आशा रखते हैं कि चर्च कौंसिल हमों की ऐसी दीन निवेदन पर ध्यान देगी।

yours faithfully

Dkandulna

Secretary

Bengal Synod

21/29/11/58

1253
19/12

2-II

बंगाल सिनद का रिपोर्ट।

29. 11. 1958.

बिगत 1955 साल से बंगाल सिनद श्री हफ रेखा कुछ अजीब ही ढंग की लखती थी। वह मापनी मां को मूल सा गयी थी, पर 1952 साल के सेप्टेम्बर 13-14 की तारीख से पुनर्संगठित हो मां की प्या में फिर लिफ्ट गयी तथा नये नये स्वाप्ति में निमग्न हो यह पहली बार है कि वह कौंसिल की बैठकी में सामिल होती है।

डुवर्स की वर्तमान जनसंख्या:- करीब एक हजार है जो 250 घरों में रहते हैं। दृढ़ीकृत अंग 850 हैं। पुराने अर्मा-खोजक 9 और नये अर्मा-खोजक 20 हैं। इन की चरवाही दो पादियों (Rev. K.D. Soy - Eastern Parish, Gangakia और Rev. N.M. Surin - Western Parish, Rungamath) से की जाती है। क्षेत्र 850 वर्ग मीलों में बंगाल की उत्तरी सीमास्थित है।

कलकत्ता लुचेरान वर्क:- सूकी कलीघाट से बंगाल की लड़ी तक दक्षिण बंगाल इसकी सीमा है जो 800 वर्ग मीलों में है। वहां दो पादी (Rev. P.D. S. Bage - 2 Ahiripukur 2nd Lane, Cal. 19 और Rev. G. Devadas, 76 Wellesly St. Cal. 16) चरवाही करते हैं। एक हिन्दी भाषा पादियों के लिये और दूसरा मद्रासियों के लिये। वहां की जनसंख्या करीब 800 है जो 60 घरों में रहते हैं। दृढ़ीकृत संख्या 260 है।

गत 2 सालों से बंगाल सिनद का काम जारी तो है पर सुचारुरूप में नहीं लाया जा सका है। आई बहनों की लौकिक दशा अच्छी नहीं जा सकती है। आत्मिक दशा उतनी अच्छी नहीं है। स्वस्थान की ओर आगे बढ़ने की कोशिश जोरों हो रही है। बड़े विस्तृत स्थान में चार पादियों से चरवाही करना कठिन है। Full time प्रचारक शिर्ष एक ही जन है। काफी

II

60 Part time प्रचारक हैं और कितने Volunteer प्रचारक हैं।
Full time प्रचारकों की आवश्यकता है।

Lutheran Work Calcutta — बंगाल सिनद में शामिल होने के लिये लगापीछा कर रही है। यदि वह वर्तमान दशा में ऐसा ही रहेगा तो उसका उत्थान के जगह पतन निश्चय ही है।

उत्तरी बंगाल में North Zone की हवा बह रही है जिससे कामों में अनेक असुविधाएं आधिरी हैं। उनको हल करना अनिवार्य है।

Evangelistic Work के लिये अनेक लोग बोन हैं। उत्तरी और पहाड़ी लोगों में और दक्षिण में बंगालियों के बीच में। इन के बीच काम करने के लिये उनकी भाषा जानना आवश्यक है। अनेक मिशन इस कार्य में हाथ बटाये हैं पर पूर्ण सफलता नहीं मिली है। यदि सिलिगुड़ी के आसपास एक केन्द्र खोला जाय तो अविष्य में अच्छा फल मिलने का सम्भावना है। उनके हृदय में प्रवेश करने का उपाय स्थूल हो सकता है।

General Education :— शिक्षा विषयक बातें अति सोचनीय हैं। 5-8 सैकड़ें शिक्षित हैं। बच्चे शिक्षा बिना काला कन्न और भैंस के बराबर हैं। उनकी अविष्यत अंधकारमय दिखती है और वे अति ही निःसहाय पाये जाते हैं। कहीं कहीं अलीश के स्कूल नहीं हैं। Child Education और Adult Literacy का प्राबल्य काल निहायत आवश्यक है।

Religious Education :— समाज और सन्डे स्कूलों से धर्म की शिक्षा बच्चों और बड़ों को दी जाती है। बंगाल प्रचारकों से यह काम प्रयोजित रीति से चलना अठिग हो जाता है। धर्म प्रेता करना अभी अभी तक बोन में सम्भव नहीं हुआ है।

चाय बगानों में पाप :— अधिकतर मतकालपन और व्यवचार का पाप पाया जाता है। कहीं कहीं मूर्तिपूजा और भोगमती पाया जाता है।

दान पुस्तक :— भाई कहते इसके लिये कमजोर नहीं हैं पर निद्रा निद्रा में पड़ जाते हैं, उनको जागृती और जोत्साहन देने से अच्छा काम होता है।

उक्त समस्याओं को हल करने से बंगाल सिनद मजबूत हो कर बड़ेगी और इश्वर की बड़ी प्रसीदा होगी।

R. S. Roy 27/11

President,
BENGAL SYNOD.
G. E. L. CHURCH, GANGUTIA T. E.
KALCHINI P. O., JALPAIGURI,
WEST BENGAL.

From:—Rev. K.D. Soy.

2-II Camp Killcott,
The 20th Oct. 1958.

To,
The Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

1064
24/10

Dear Sir,

The letters No^s 1403/58-cc-2-8 d) 24th Sept. 1958, 1456-71/58 d) 3rd Oct 1958 and 1472-89/58 d) 3rd Oct. '58 are acknowledged by me on 19th Oct. '58 with thanks.

According to the letter No 1403/58 d) 24th Sept I am submitting the minute of our Bengal Synod meeting dated the 13th-14th Sept '58 attached herewith.

I thank you very much for your Congratulation. I hope and I have great Confidence that God will do His glory in the Tea Gardens of Doars. Please pray for us.

The Small Congregations of Doars received your greetings and are also conveying their "Yishusahay". They are very very anxious of the coming of Dr. Lokies.

I am very glad to let you know about your letter No 1456-71/58 d) 3rd Oct. '58 that the Karmchari of Doars had already been asked to collect the Census on my arrival here and are going to complete it by the early December. I hope, I can send you before time. If you wanted any changes in the Census, please inform me by return. This is a very

H

vast area and the Catechists are very poor helpless, wholly devoted in the Tea gardens only.

To the reply of the letter No 1472-89/58
D) 3.10.58. The Mandli Paisa Collection is being done & The Bengal Synod Treasures will be remitting the money to the CC Treasures sooner.

With thanks.

Yours sincerely,
K. D. Ly 20/10

Bengal Synod Organising Meeting Karbala 13th & 14th Sept. 1958.

1. पंचना : — Rev. N. M. Surin के द्वारा उपासना करने
समा खोला गया ।

2. हाजिरी : — निम्न जन हाजिर थे : — I Gangutia - a Rev.
K. D. Soy. & Mr. S. Bhengra, c Mr. J. Hemrom, और d Mr. A.
Barla. II Chinchula. a, Cat. J. Topono, III Bharnobari -
a Mr. J. Surin IV Dalsingpara - a Mr. Jaimasik Topono
b Mr. Paulus Guia. V Malangi - a Mr. M. C. Kiso
VI Huldibari a Cat. N. Sanga VII Karbala & Banarhat
a Cat. L. Bhengra, VIII Jiti - a Cat. Chain Sanga
IX Killcott - a Cat. D. Kandulna, X Rungamatta
a Rev. N. M. Surin, b Cat. E. Sanga और c Mr. S. Prind. XI Patin.
bari - a Cat. K. Kullu. और XII Sahabad - a Cat. N.
Ekka. मनुष्य स्थिति को निम्न निम्नलिखित हैं - Jainti,
Mogolketa, Satali, Bara dighi, Kumlai Nayakaman,
Sylee, Bhojnarayan और Sukna। मनुष्य स्थिति
के कारण यह कोरम माना गया ।

3. स्वागत : — पाद्री K. D. Soy का स्वागत Chairman
के द्वारा किया गया तदपश्चात् समाने काज के काम
को चलाने के लिये उसे समापति का काम सोपा । सत्र ने
इसको स्वीकार किया ।

4. सिनद तब और अब : — 1882 ईस्वी से लेकर
आज तक की दशा को Rev. N. M. Surin ने लगा को
दूरी रीति से बताया । 1882 साल से सिनद का सम्बन्ध
ऑफिसिल के साथ नहीं है । मत्र 192 ई. 22 से संगठन
बनाने को ऑफिसिल से सम्बन्ध रखने का प्रयत्न किया जा रहा
है । वर्तमान में ऑफिसिल अधिकतम 22 मंडलियां हैं जो
ये हैं : — 1. Jainti, 2. Gangutia, 3. Chinchula, 4. Satali,
5. Bharnobari, 6. Malangi, 7. Dalsingpara, 8. Huldibari
9. Banarhat, 10. Karbala, 11. Mogolketa, 12. Jiti,
13. Killcott, 14. Bara dighi, 15. Rungamatta, 16. Kumlai
Nayakaman, 17. Sylee, 18. Sukna, 19. Bhojnarayan,
20. Tirritamal, 21. Sahabad, और 22. Saraswathipal.
और बाकी मंडलियां North Zone में हैं जिनका मनुष्य पाद्री
D. Lakra और Rev. Joseph Bara हैं ।

२. सिनद निर्माण :- (a) दोन बांटना - सभा के द्वारा दोन बांटने के लिये तीन जनों को एक अमीर बनाई जमी-जो निम्न जन को थी - (a) Cst. E. Sanga, (b) Mr. J. Hemrom और (c) Mr. J. Toppo. ने यह सिफारिश लाये। सभा बंगाल प्रदेश दो भागों में किया गया। पहिली छोट से बहिला एक हिस्सा जिसका केन्द्र Calcutta और दूसरा उत्तरी बंगाल यह डैन नदी से पूर्व एक पेरिश और डैन नदी से पश्चिम दूसरा पेरिश किया गया। पूर्व देश का केन्द्र Gangadiah में और पश्चिम पेरिश का केन्द्र Rungamathur में रखा गया और सभा से मंजूर किया गया।

सिनद जननिधियों का चुनाव :-
Calcutta 1. Rev. P. D. S. Bage, 2. Rev. G. Devadas और 3. Vacant.
Western Parish 1. Rev. M. M. Surin, 2. Cst. K. Kullen और 3. Cst. D. Kandulna.
Eastern Parish 1. Rev. K. D. Soy, 2. Mr. S. Bhengra और 3. Mr. J. Hemrom.
युवा संग और महिला समाज से - Mr. M. C. Kiro और Mr. J. Toppo.

८) सिनद अधिकार व कार्य निरसी अंग :-

I President :-

उत्पादन K. Kullen } Rev. K. D. Soy. सर्व सम्मति से
समापन E. Sanga } मंजूर किया गया और
हराया गया।

II Secretary :-

उत्पादन J. Toppo } D. Kandulna मोह फल
समापन S. Bhengra } "

उत्पादन D. Kandulna } K. Kullen 5
समापन J. Toppono }

मोह फलनुसार Mr. D. Kandulna हराये गये।

III Treasurers :-

J. Rev. N. M. Surin } S. Bhengra सर्व सम्मति से
Cst. K. Kullen } मंजूर किया गया और
हराया गया।

IV Rev. N. M. Surin. Executive member

V Cst. K. Kullen Executive "

उक्त जनों से Executive Committee बना।

- II Mr. Joseph Hemrom member
 III " M.L. Kiso "
 IV " J. Toppo "
 V Rev. P.D. S. Bage "
 VI " G. Devadas "
 VII Vacant.

d) Church Council प्रतिनिधि —

G. D. Kandulna } Rev. N.M. Surin मोक्ष फल 4.
 H. J. Toppo }

G. S. Phengra } Rev. K.D. Soy 11.
 H. J. Toppo }

मोट अनुसार पाडी K.D. Soy चुना गया

e) B.C.C. प्रतिनिधि: — सर्व समति से Rev. G. Devadas चुना गया

f) खजाना विषयक बातें: — खजाना ने बताया कि कि कमी खजाने में एक भी होकर नहीं है सो हमें सेकंडों को जमा करने के लिये Centralise प्रथा काम में लाना जरूरी है। हमारी सिनद का महबारी वार्क करिये में सो हमका तफ लगेगा और अनुमानित आमदनी सिर्फ चार पांच लों ही माफ़ होना है। सो हमें अधिक जोरों काम करना है।

g) अन्य बातें: — पाट्रियों के रखने की धरों का आवश्यकता बताया गया और यह कहा गया कि Gangutia में घर का प्रकल्प होकर किया जाय। Ranyamath में एक घर का प्रकल्प हुआ है।

h) सिनद आफिसर और प्रतिनिधियों के लिये विशेष प्रार्थना: — पाडी N.M. Surin के द्वारा प्रार्थना किया गया और सब आफिसर और प्रतिनिधि साथे थे।

i) बिदाई — Chairman से छोटी प्रार्थना के साथ (गा) विसर्जन किया गया।

Rev. N. M. Surin 15/9/58
 Chairman

DKandulna
 Secretary.
 15/9/58

from the Hindu Community, the work is going on and non christians have shown extraordinary courage and conviction in their intention to become christians. There were some ~~victimisation~~ Cases of victimisation which resulted in law proceedings, but that has instead of discouraging them, encouraged them more.

The S. E. L. C generally works among the tribals but now during the last two years members of Hindu Community have begun to accept Jesus Christ as their savior and many have been baptised. These Hindus are Caste Hindus. The average baptism of the new england is 1500 per year in the S. E. L. Church.

2, There is enough evidence of missionary zeal among the congregations. In several congregations individual members contact non-christians and tell them about Jesus Christ. There have been instances of congregations having pioneer workers in bringing the heathens to Christ. Evangelistic Committees have been formed wherever there are educated lay leaders who raised subscription to finance the church in extending the task of Evangelism. Evangelistic Committees are in existence in almost all synods who have the main task to promote evangelistic activities within their jurisdiction.

to do more evangelistic work in their areas. 3,
they ~~also~~ discussed the ways and means of
furthering the evangelistic campaign in their
Committees with the result that the Parish
or Dekas Committees had to appoint new
Catechists for villages purely inhabited by
non-Christians. Congregations collected special
subscriptions for supporting this work. The
attitude of the Congregations was so favorable
that the Church Council had to appoint
special officers to look after the evangelis-
tic work with a view to coordinate
the work done by the Congregations.

The Church Council has now appointed
fixed 2nd November to be observed
as a Mission Festival where special
services on Evangelism is held
and special offerings are made
and Collections collected which is year
marked for the support of the Evangelistic
task. Every Congregation meets once
a month and conducts an Evangelistic
Service (Raj) popularly known as

Rajya Bidhi Gita.

The Congregation has been demanding
more meetings, Shram Melas, and ~~etc~~
conduct of interesting week

The Impact upon the non-Christians -
The response of the non-Christians
towards the evangelistic efforts is very
encouraging. From several places we
are receiving calls for sending them
either preachers or groups who could
tell them more about Jesus Christ
and His Gospel. It is heartening to
know that such calls have also come
where no one of us has ever
visited. Although from time to time
we receive objections and opposition,

by visits to the villages.

(C) Every Sunday or during the ~~the~~ ^{the} Barite class, are and youth meetings ~~are~~ ^{were} held in different congregations. The groups attending these meetings visited the neighbouring villages and preached the gospel. These divisions in to many preaching groups which visited the neighbouring villages simultaneously. The Catechists and Pastors took care to visit these villages in the subsequent months.

(d) Several Dharan Melas were held in different areas or in different parishes during the summer where thousands of people Christians and non Christians attended. The purpose of the Dharan Melas were to conduct ~~these~~ ^{new} appeal. The ~~workers~~ ^{new} attended the Dharan Melas itself several enquires were baptised. This had a very good impression on the non Christians with the result that several non Christians expressed their intention to get more instruction and to be baptised. The workers attending these melas were instructed to contact people individually or in groups with a view to carry on as a ~~series~~ ^{short} of follow up programme.

(e) The specially appointed field workers contacted individuals or families by visiting their houses. The Catechists and members of the congregations also did the same. This was done under the programme of house visitation.

Result: -

I. ~~The~~ ^{The} Attitude of the congregations -
The congregations were encouraged

Report of the On Evangelism in the Gossner church (Bihar)

The Gossner Evangelical Lutheran church has a separate department of evangelism under the direct guidance and administration of the Church Council. This church works in five States in the North-Eastern India including Bihar. Evangelistic work is a regular programme of the church conducted by the special appointed field workers called the catechists. During last two years, as usual, the church

Report on Evangelism of the G. E. L. Church, to the B. E. C.

The G. E. L. church usually conducts its programme of evangelism through its department which is in-charge of a director. The church Council reminds the congregation that the evangelistic work is the primary responsibility of the congregation themselves, as such the programme is carried out by (a) the congregation themselves (b) the C.C. through its specially appointed workers.

(c) The youth groups

(d) the individuals by personal witnessing. During last two years special evangelistic efforts were made by the above mentioned groups in the following manner:-

(a) The congregation were called upon to organise witnessing weeks which they did round about their areas. Usually groups of people visit different villages and collect the people at a place and tell them about the way of salvation. Several persons speak in the subject and people from the group are called upon to give personal witness. In between the talks songs and bhajans are sung. They then visit the sick of the village and they pray for their recovery.

(b) The witnessing week are followed by personal contact in order to find out if any one has decided to know more of the Gospel, this is kept up

Recd. 4/10

2-II

G.E.L. Church,
Gangutia T.E.
P.O. Kalchini,
Jalpaiguri.
The 1st Oct. 1958.

976
6/10

To,
The Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

Sir, The Secretary Bengal Synod was to send you the following letter, but I learnt he could not do so. Therefore, I am sending you the copy of it sent to me. for your information and needful.

To, The Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

Yours sincerely,
W.D. By. 1/10

महाशय,
गत १३-१४ सेप्टेम्बर १९५८ की बंगाल सिनद संगठन बैठकी ~~कल~~ कर बला के फैसलाबुसार निम्न बातें आप की जानकारी और आवश्यक काम के लिये भेजी जाती हैं।

पेटन नं. ५. सिनद संगठन और निर्माणा:—

इस बात पर सोच विचार कर निम्न संकल्प लिया गया और फैसला हुआ।

सिनद क्षेत्र का बांटना — दो सिमाना बनाया गया।
डैंग नदी से पूर्व जससात बोर्डर तक एक पेरीश जिसका हेड कार्टर गंगुटिया में रहेगा और डैंग नदी से पश्चिम बोर्डर बिहार बोर्डर तक जिसका हेड कार्टर रंगा मही में रहेगा। पूर्व के पेरीश में १० उपनगरकर्म हैं जो ये हैं — जैती, चित्तुला, गंगुटिया, सतानी, भरनोड़ी, दलसिंगपड़ा, हल्दीबड़ी, कनरहाट-करबला और भोगोलबटा। पश्चिम पेरीश में ये हैं — जिटी, किलकोट, बरादिगो, रंगामही, कुमलाई-ग्याकमान, सैली, तिर्हिहना, सुकन-पगापुर, सहाबाद, भोजनरायण और सरस्वतीपुर।

सिनद प्रतिनिधियों का चुनाव:—

१. कलकत्ता
1. Rev. P.D.S. Bage
 2. " G. Devades
 3. vacant.

२. पश्चिम पेरीश — 1. Rev. N.M. Sunain

- पश्चिम पोलीश — 2. Ck. Keora Kullu.
3. Mr. D. Kandulua.

- III पूर्व पोलीश — 1. Rev. K. D. Soy.
2. Mr. S. Bhengra,
3. " Jussaph Hemrom.

सिद्ध भूमिहार, मार्च कौंसी और मंग —

1. Rev. K. D. Soy. President.
2. Mr. D. Kandulua Secretary.
3. " S. Bhengra Treasurer.
4. Rev. N. M. Surin Executive member
5. Ck. K. Kullu Executive member
6. Mr. Jussaph Hemrom Member
7. " C. M. Kioo member
8. " Jaimasik Toppo member
9. Rev. P. D. S. Bage member
10. " G. Devadas member
11. Calcutta — Vacant.

Church Council प्रतिनिधि का चुनाव :—

प्रस्तावक D. Kandulua } मोट
सामर्थक J. Toppo } Rev. N. M. Surin — 4

प्रस्तावक S. Bhengra }
सामर्थक J. Topono } Rev. K. D. Soy — 11.

मोट के अनुसार Rev. K. D. Soy. C.C. में स्वीकृत हुए गये।

Bengal Christian Council प्रतिनिधि का चुनाव :—

सर्व सम्मति से Rev. G. Devadas चुने गये।

Sd/ Rev. N. M. Surin
Chairman
15-9-58.

मार्च का विस्तार,
Sd/ D. Kandulua
Secretary.
Synod Organising
Committee.

NB. The Secy. Cal. Luth. Work, 15-9-1958
writes to Rev. Surin
that they are not willing to remain in the Bengal
Synod. They want a Separate Synod. If the constitution allow
this please make us clear. K. D. Soy.

Rev. K.D. Soy.

2-11

G.E.L. Church, GANGUTIA T.E.
P.O. Kalchini, Dt. Jalpaiguri.
The 12th August 1958.

To, The Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

Sir,

मुझे चर्च कौंसिल यहां भेज तो दी और आज्ञानुसार जो के अपना काम भी कर रहा हूँ, पर मुझे कोई सुझाव न मिलने से कठिनाई में हूँ। मुझे प्या करना और न करने के जटिल समस्य में हूँ। इस लिखे मैं ने गत तारीख 26th जुलाई 1958 को एक पत्र भी आप को दिया कि आप मेरी कुछ सहायता कर सकें।

देखिये! निम्न बातों से डुवर्स क्षेत्र के लुथेरान बिगाड़े जा रहे और बिगाड़े जा रहे हैं, जिसके फल स्वरूप कितने फिर Scottish Mission में लौट गये और कितने Roman Catholic Mission हुए और होते हैं।

I. Roman लोग तो साफ़ साफ़ माई-बहनों को कहते हैं कि अब लुथेरान कलीशा डवांडोल हो गया, नहीं ठहरेगा; सो Roman Catholic हो जाओ।

II. पहले Rev. D. Lakra कहा करते थे कि हम यहां Neutral रहेंगे— न Church Council की ओर न North Zone की ओर जाएंगे। Commission के फैसले पर किसी एक ओर हो जाएंगे (vide Haldibari meeting dt. 18.7.58).

III. Cand. N.M. Surin ने Synod की बेंडे को तोड़के Ordination के लिये रांची गया— उसको हम पाद्री ग्रहण नहीं करेंगे और क्षेत्र में यदि वह काम करे तो Candidate के हेसियत से। (vide Haldibari meeting dt. 18.7.58.)

IV. Majority हम (उरांव) Minority पर दबाव करती है।

V. Church Council हम पर अन्याय करती और जबरदस्त करती है।

VI. Church Council के शासन से हम असन्तुष्ट हो Strike किये हैं। North Zone — Strike करने वालों का दल है। (vide Gangutia - dt. 8.8.58)

VII. Dooars क्षेत्र में मुन्डा लोग आप ही अलग हुए— वे Synod से Walk-out किये — जाने वाला चला जावे। (vide Malangi - May 58)

VIII. हम लोग (उरांव) पुराने Council (Rev. J. Lakra Council) में हैं, मुन्डा लोग नया Council में हैं। (vide Malangi meeting of May 1958)

IX. Rev. J.J.P. Tiga ने हम उरांव लोगों को छोड़ दिया। मुन्डा लोगों की गुटबन्दी में सामिल हो गया और मुन्डा लोगों ने उसको President बनाया— हम उरांव एक हो कर रहेंगे। (vide Rungamattie dt. 7.7.58)

X. President Tiga ही यहां आ कर हम को North Zone हो गया कहा— हम लोग तो नहीं हुए थे— सो अब हम लोग North Zone हो गये। इस बात की Report को Rev. D. Lakra ने Bishop Manikam को शीघ्र दिया कि देखिये President Tiga हम को अलग कर दिये। तिसपर Bishop Manikam ने उत्तर दिया है (Rev. D. Lakra को) कि मुझे Gossone कलीशा की गड़बड़ से मन में अति दुःख है। (vide Gangutia - dt. 8.8.58).

XI. लुथेरान कलीशा अंधकार की ओर चली गयी, पर कुछेक कलीशा ज्योति की ओर जा रही है। (vide Report dt. 1.8.58 of Darjiling District)

XII. हम अपना अपना रास्ता देखेंगे जब तक Commission फैसला नहीं करती है। (vide Gangutia dt. 8.8.58).

भागी जो C.C. की भाधिनता को ग्रहण कर चुके हैं उनकी कुल संख्या ४०० है, प्रचारक पद २१, जन संख्या लगभग ७०० है जो दुवर्स की १½ से कम मील दूर में बिखरे हुए हैं। उनमें २०-२५ जन उरांव और बाकी मुन्डा और (बड़िया हैं)। पूर्व द्वोर की दौरा भन्ना कर जब पश्चिम की ओर तारीख २२-२-५२ को जा रहा हूँ। बीच के भाग में Rev. N.M. Sutton दौरा कर रहे हैं।

तो आप कृपा करके काम के लिये सुझाव तथा सुसलाह शीघ्र दीजिये कि Bengal Synod को नियमानुसार Re-organise करने में सहायता मिले।

आर्थिक आवस्था इस प्रकार है : —

आमद — चन्दे और दान से २५० रुपया

खर्च — पाद्री-प्रचारकों के तलबों- ५५० रुपया

घटी ३०० रुपये की होती है।

यदि आप आर्थिक सहायता भी हमें न दें तो भीतर और बाहर की दो मार हमें मिलती है जो सहाय से बाहर है। भाई बहनों की आर्थिक आवस्था तो बगनों के द्वारा सम्भाली जाती है — पर हम अर्धकारीगण जो मराडली आमदनी में जीते हैं — अति सोचनीय दशा में हैं। कृपया इस पर ध्यान रखिये कि वर्तमान महांगी के जमाने में २१ प्रचारक और दो पादियों को ४०० कुटीकृत जो बिखरे हुए हैं किस प्रकार सम्भालेंगे।

मुझे प्रभु भोज बांटने के लिये कटोरा और बसन नहीं है। भागी उन्हें खरीदने भी नहीं लकते हैं जिससे काम में फिर भी कठिनाई है। मैंने C.C. आफिस में एक कटोरा देखा था, यदि उससे काम नहीं लिया जाता है तो कृपा करके काम चलाने के लिये पैसा बतौर भी कम से कम दीजिये कि यहां इन्तजाफ करके आप को वापस कर सकूँ।

उक्त बातों का उत्तर शीघ्र पाने की आशा में,
आप का विश्वस्ती,

K.S. Jy 12/8
Pastor J.C. Gangulia. T.E.

949
23/9

Bengal Synod

2-II: 2-XXX

From: Rev. K.D. Soy. President,

Lutheran Church,
Gangutia T.E.

P.O. Kalchini:
St. Jalpaiguri (W.B)

Rev. 23/9/58

To,
The Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

Dear Sir,

आप की चिट्ठी दिनांक 24वीं अगस्त 1958 को
लिखे हादिके धन्यवाद। उसके अनुसार हमारा यहां काम जारी है।
सिनद संगठन का काम 12-18 की सेप्टेम्बर '58 को हुआ जो था
है।

- | | |
|-------------------------------------|--|
| 1. Rev. K.D. Soy President | } Executive members
of
Bengal Synod. |
| 2. Mr. Daniel Kandulna Secy. | |
| 3. Mr. Suleman Bhengra Treasurer | |
| 4. Rev. N.M. Sain | |
| 5. Mr. Keora Kullu | |
| 6. Rev. Premdan Silas Bage | - member |
| 7. " George Devadas | - " |
| 8. Mr. Jusaph Hemrom | - " |
| 9. " C.M. Kero | - " |
| 10. " Jaimasik Toppo | - " |
| 11. Vacant for Cal. representative. | |

क्षेत्र तीन भागों में बांटा गया : —

- | | | |
|--------------------|---------------------------------------|-----------------------|
| I Calcutta | (Southern Bengal from Sakri Kalighat) | } Northern
Bengal. |
| II Eastern Parish | (From river Daina to
Assam Border) | |
| III Western Parish | (From river Daina to
Bihar Border) | |

चर्च कोसिल प्रतिनिधि : —

Rev. K. D. Soy.

Bengal Christian Council का प्रतिनिधि : —

Rev. G. Devadas.

मराडलियों में अभी खलबली मची हुई है। सच
और झूट को लोग पहचान रहे हैं। जो पहचान रहे हैं वे
दिनोंदिन C.C. के अधिनस्त हो रहे हैं, पर जो ढाँठ हैं वे
कठुवाये हुए हैं।

आर्थिक कठिनाई तो मालूम हो ही रही है जो भी माई
लोग यथा सम्भाव हल करने में जुटे हुए हैं।

Relief advisory Committee अभी तक नहीं बनी हुई है।

चादला जाते : —

3) वर्तमान में सिनद का Head Quarter Gangutia T.E.

4) Secretary's address: —

ms. Daniel Kandulna
Lutheran Church, Kilkot T.E.
P.O. Matelli, St. Jalpaiguri (W.B)

5) Treasurer's address: —

Mr. Suleman Bhengra,
Luth. Church, Gangutia T.E.
P.O. Kalchini, St. Jalpaiguri (W.B).

6) Pastors of North Bengal: —

1. Rev. K. D. Soy.
Lutheran Church, Gangutia T.E.
P.O. Kalchini, St. Jalpaiguri (West Bengal)

2. Rev. N.M. Sasin,
Lutheran Church, Rungamattu T.E.
P.O. Mal, St. Jalpaiguri (W. Bengal)

7) Pastors of South Bengal: —

1. Rev. P.D.S. Bage,
3/1, Ahiripukins 2nd Lane, Cal. 19. (W.B)

2. Rev. G. Dewadas.
Wellesley Square Church,
76 Wellesley Street, Cal. 16 (W.B)

हमारे Director H. Lokies का आगमन कब है? या वे इस बार भी इधर के नाप बगाने का दर्शा करेंगे? यदि ऐसी बात है तो मुझे सूचित कीजिये कि Managers लोगों से मैं क्या बला कर सकूँ।

Assam में भी North Zionist बढ़ा पहुँच रहा है। उसके लिये precaution जल्द देने तो अच्छा होता।

यहाँ के सब कामों को ठीक से Regularise करने के लिये कुछ समय लगेगा - ऐसा मामला पड़ता है। कृपया आप भी समय बनाइये कि यहाँ आ कर हमें कुछ मदद कीजिये। आप के आने जाने का आपा खर्च माई लोग उठाने को बहुत ही खुशी हैं।

मराडली के माई - बहनों को आप का तमस्कार दिये और वे भी सहर्ष आप को अपना तमस्कार भेज रहे हैं।

आप का विभक्त,

K.K. Das 18/9

President,

Bengal Synod.

2-11-58

488
12/8

12/8/58

To

The Secretary

G. E. L. Church in CH. Nagpur
and Assam
Ranchi Bihar

महाराज

ग्राप को प्रीतुसहाय ।

विगत महासभा के समय से बंगाल सिनोड चर्च कौंसिल
से सम्बन्ध छोड़ी हुई है और पाद्री N. M. Surin के Ordination
के समय से यहां गड़बड़ प्रत्याधिक बढ़ गई है ।
चर्च कौंसिल के रिपोर्टों के द्वारा जनाया गया है । इस पर
चर्च कौंसिल चयान देकर सिनोड का सम्बन्ध चर्च कौंसिल
के साथ रखने के लिये उपाय किया और यहां के मराडलियों का
पुनर्संगठन करके चर्च कौंसिल के अधिनास्त बनाने के लिये
पाद्री N. M. Surin को भर् दिया तथा उसकी सहायता के लिये
पाद्री K. D. Soy को यहां भेज दिया है ।

हमारे आर्थिक कठिनाई को सुगुवास्था में लाने का प्रयत्न कर
 एक डेढ़ साल करीब लगेगा। अतः दो पादियों को हमें सम्भालने
 के लिये और संगठन के काम को पूरा करने के लिये जटिल
 समस्या है। इस लिये आप से दोन अर्जी है कि हमें आर्थिक
 सहायता के लिये एक पाद्री का तलब जब ^{तक} यहां को आर्थिक
 सुगुवास्था नहीं सुधरती है तब तक देने की ^{अति} कृपा करें।
 जिस के लिये आप को हार्दिक धन्यवाद होवे।

दुवर्स
 ता: २६-६-५८

आप के बिश्वास्त
 चर्च कौंसिल के उपचिनस्त
 दुवर्स के लूथेरान भाई लोग।

- | | | |
|---|--------------------------------|----------------------------------|
| १ योहन सोय मुखम | २ Premchand Kulkarni | १५ अनन्द मासोह कीनगाड़ी |
| २ Suleman Vengra | ६ चतरास हेमरोम | १६ जीवन मासोह गुडीया |
| ३ Joseph Hemrom | १० Jakria Soyman | १७ PAULUR CURIA |
| ४ प्रीतम मसीह ^{बसुजी} बसुजी | ११ Santosh Haro | १८ Paulus Topno |
| ५ जवाहिर्दास हेमरोम हेमरोम | १२ अनाम मासोह बसुजी | १९ Jibit Dinter ^{Topno} |
| ६ शी गलं यस बसुजी | १३ बसुजी Haro | २० जीसेफ लुमुन |
| ७ Anand masih k | १४ बसुजी | २१ पोहन बड़ी |

487

डुवर्स की चरवाही पत्र।

12/8

डुवर्स के लुथेरान भाई-बहनों को यीशुसहाय।

हमारे धर्म पिता फादर गोस्सनर साहेब की प्रार्थनाओं का प्रतिकूल है कि हमारे हिन्दुस्तान में ईश्वर की महिमा के लिये गोस्सनर एवं जेलिकल लुथेरान कलीशा सन १८४५ ई० में चार मिशनरियों (दूतों) के द्वारा स्थापित किया गया जिसकी डाल और सखाह छोटेनागपुर आसामस्त बिस्तृत है।

छोटेनागपुर के मसीही नक्त यहां डुवर्स क्षेत्र में अपनी जीविका के लिये गत मोर्ड २०-६० सालों से आकर चाय बगानों में काम करते और अपना प्रतिपालन कर रहे हैं। अपने जीवन में वे यह अनुभव करते आ रहे थे कि हमारे आत्मिक सेवकाई की कमी है, सो कलीशा के अधिकारियों को जनाये कि यहां की आत्मिक सेवकाई के लिये प्रबन्ध करना उचित है। कलीशा के अधिकारी इस पर ध्यान लिये। लेकिन अत और जन से सहायता करना कठिन था। सो क्षेत्र में जो स्कोटिस मिशन काम कर रही थी उसी की आत्मिक सेवकाई का भार सौंपा। सन् १८४६ साल तक उन्होंने हमारे लुथेरान भाई बहनों की सेवकाई की पर उनकी सेवकाई में हमारे भाई बहने धटी पाये, इस लिये माता मराडली से भर्जी किये कि उनकी आत्मिक सेवकाई माता मराडली ही करे। इस पर माता मराडली ने प्रबन्ध करके १८४८ ई० में पाद्री सामुसल दोपो को यहां भेजा, यूँ डुवर्स में लुथेरान मराडली स्थापित की गयी। मराडली के इतिहास में यह स्मरणीय बात है कि शैतान आरम्भ ही से मराडली को बिगाड़ने और नष्ट करने में लगा है। सच्चे भक्तों की प्रार्थनाओं से मलयुद्ध लड़ाई हो कर शैतान हार खाया और मराडली में शांति पनपने लगी थी। पर शैतान फिर अपना करतूत दिखाया। वह मराडली को द्विगमिक करने लगा और कितनों को बहकाया और बिगाड़ा। यूँ डुवर्स की मराडलियां माता मराडली के सुन्दर सम्बन्ध "धार" से वंचित किये गये। यह खबर माता मराडली को मालूम हुआ और उसने अपनी मातृ प्रेम को फिर भी दिखा कर अपना हाथ फैलाया कि उसके बच्चे उसकी गोद में बटोरे जाएं और मातृ प्रेम और शांति का आनन्द पावें।

जब हमारे लिये मातृ प्रेम का इतना सुन्दर द्वार खुला है तो अब हम लोगों को अपने में देखना है कि हम शैतान के बहकावे की ओर खींचे जाते वो अपनी मातृ प्रेम में लिपट कर ईश्वर की महान आनन्द को शांति की ओर खींचे जाते हैं। शैतान स्वार्थता, जातीयता और विभिन्नता के रूप में ईश्वर की मराडली को बिगाड़ रहा है। पर ईश्वर को बचन (इफ़ि. ४:१-६) दिखाता है कि हम अपनी बुलाहट में योग्य चल चलें क्योंकि हमारा इक ही परमेश्वर और एक ही स्वर्गीय पिता है। फिर गलाती ६:१५ में साफ है कि मसीह में जातीयता नहीं है। इस लिये जब ईश्वर की बड़ी महिमा हमारे सामने रखी हुई है तो नलिये हम उस ओर दौड़ें और जम का मुकुट पा कर ईश्वर के सामने शांति और आनन्द के साथ उसकी स्तूति करें।

ईश्वर दया करे कि वह अपने आत्मा के द्वारा हमें बल और सामर्थ्य देवे कि हम शैतान की बुरी युगतों का साम्रा कर सकें और उसकी आगनी बरसों को बुझा सकें तथा डुवर्स में ईश्वर की बड़ी महिमा होवे।

रंगमही,
३०वीं जुलाई १९५८।

उम्र में आप लोगों का सेवक,
सही. एन. एम. सुरिन (पाद्री)

2-11

From - Rev. N.M. Saha, G.E.L. Church
Rungamattar T.E.
P.O. Mal,
Dist - Jalpaiguri,
West-Bengal.
The 31st July 58.

her
ms

486
12/8

To,

The Secretary
Lutheran Work Calcutta.

महाशय,

आप की प्रतिक्रिया।
आप की मजदूरी देखें कि - बीते सालों में जो
Bengal Synod का संगठन था वह कलीआ
के नियमावली के आधार पर नहीं था। सन्
1955 साल के महासभा के समय से यह
बंगाल सिनोड (इवर्स) Church Council से
सहयोगी बन गई। अपनी अस्तित्व की, खो दिनांक
संकाय अब Church Council के आदेशानुसार
कलीआ की नियमावली के आधार पर Bengal
Synod का पुनर्संगठन करना अति आवश्यक
है। जो कृपा करें आप Calcutta Lutheran
Work कमीटी के प्रतिनिधियों की नियमावली

11-2
के अनुसार इन करने शरारतें कि जब वह सिनोड
सिनोड संगठन कार्य के लिये सभा बैठेगी तो
उनकी हम बुलाने सके और वे आकर इस
कार्य की सफल बनवें। आप कृपया इसके बख
विषय में साथ पत्र व्यवहार कीजिये। आप के
भीष्ट प्रति उत्तर की उपेक्षा कर रहे हैं।

प्रभु के - आप से सौकर -

Rev. N.M. Surin.

Copy to:- 1. Rev. P.D. Bage Col. 31. 7. '58.

2. The Secretary,

G.E.L. Church, for information.

Gossner Ev. Luth. Church Ch. Nagar & D. Am

no. — of —

2-II

Extract from the minutes of the full Church Council of 12th April 1958.

Resolution No 24:58: "if for Part II 1"
(Take it from the minute book)

23/5/58

The above mentioned document is forwarded to Rev. J. J. P. Tiza, Convenor Commission for ~~Duro~~ Bengal Synod, ~~and~~ Rev. Silas Hoo, Terfer member of the Commission and Team S. E. L. for information, guidance and necessary action. The C.C. has appointed a commission with President Rev. J. J. P. Tiza, ~~President~~ as its Convenor and Rev. Silas Hoo as its member to enquire into the ~~reasons~~ circumstances ~~concerning~~ with the Bengal Synod authorities on non-cooperating with the Church Council and to give ^{maintain} ~~advice~~ and then such advice which will ~~serve~~ and strengthen the relationship of the Bengal Synod with the S. E. L. Church Council. This Commission should visit ~~the~~ ^{the} ~~over~~ ^{over} (Bengal Synod) ~~within~~ ^{within} ~~in the~~ ^{in the} this month and do the work as envisaged in the Church Council resolution under reference.

W. Evans
7/5/58
Secretary,
S. E. L. Church

From: - I 21 G.E.L. Church,
Rev. D. Lahra Gangutia T.E.
Syd. President - G. S. Kalchini
Bengal Synod (Dooars) D. Jalpaiguri
(W.T.S.)
22/7/58

The Rev. J. J. P. Niga (468)
President, G.E.L.C. 21/7
Chota Nagpur Assam:
Ranchi.

Sir,

The Good God has vested upon you the authority and Power of Presidentship of the G.E.L.C. in Chota Nagpur Assam. And this is the hour and a golden opportunity for you to suppress and oppress and plunder the Children of God in G.E.L.C. To legalize all these sorts of your actions you have been always following the Political methods.

Is this not the Clonex of the unjustification on your part to cause a breach of the Peace in The Bengal Synod (Dooars) by calling and giving Ordination to Candidate Niral Nathias

Swiss without any opinion and recommendation of the Synod. Of course the C.E. had asked for the Synod's opinion and recommendation. But the Synod could not give that, as it had adopted the middle path of Neutrality. The Bengal Synod (Doxars) was rather compelled to adopt that path because of its own position and condition.

The Lutheran Work has very recently been started in this field, and it has not yet reached its teenage even. I, being the Synod president and having been experienced for eight years about the position and condition of the field, had tried my best to keep all the Lutherans together in one unity. I could see only one way to this end and it was the

Course of the Neutrality. Of course One can not remain Neutral for long but only for a specific time. The Bengal Synod (Doors) was most anxiously and most prayerfully waiting for the Report of the Commission. Thus there was no fault and division in itself.

This became an eyesore to you and you shot at it and has caused a fatal wound to its unity. And I can dare say, you are responsible and accountable for this.

To make the matter worse you visited this field without any proper information and it was for one fault. In this way you have caused the wound rather incurable.

The Bengal Synod (Doors) has never declared itself to be

in the North Zone. The North Zone itself can bear witness about this. But it is you who have declared this Synod to be in the North Zone.

Under all these circumstances the Bengal Synod (Dooars), hereby, declares that it has no confidence in you and your Council, and henceforth it joins, for better or for worse, the North Zone of the G.E.L.C. in Chota Nagpur and Assam and cry for justice.

Copy to: —

1. Secy N.E. Hore Secy C.C. Daniel Lakha
2. Secy P.D. Panna Secy N.Z. President,
3. Rev. J. Kujur President N.Z. Bengal Synod
4. Right Rev. Bishop R.B. Manikam Ph.D. (Dooars)

From - Rev. N. M. Surin

No. 461
29/7/58

2-II

G. E. L. Church
Rungamattar Tpo.
P. O. Mal
Dist. Jalpaiguri
West Bengal
The 25th July 58.

To,

The Secretary

G. E. L. Church in Ch. Nagpur & Assam
Ranchi, Bihar.

Sir,

वीभूषण ॥

मुझे आप की कई पत्रियां मिली परन्तु उन पत्रियों का जवाब प्रक वर मैं नहीं दे सका हूँ। आज उनके पत्रियों के प्रत्युत्तर में यह चिठी लिख रहा हूँ।

आप की चिठी नं 1089/58 दिनांक 29 मई 58 के प्रत्युत्तर में मुझे यह कहना है -

1. ला - पादर Daniel Lakra मुझ से असहयोग करते हैं। पादर Joseph Bara भी पादर Daniel Lakra के साथ कलीआ के बाहर हैं। सन 1955 साल के बाद से चर्च कीस्तल में होकर रहे भेजने का फैसला सिनोड में कभी नहीं हुआ है।

2. ला - बंगाल सिनोड किसी प्रकार से गीसम कलीआ के बाहर रहना नहीं चाहती है।

बंगाल सिनोड में गड़बड़ फैल जाने पर, दुबई के आर्च-बिशपों को कलीआ में स्थिर रहने का आग्रह

II-8

जो फुफ्फुस पर रखा गया है, मैं अप्रामाणिकता काफ
र रहा हूँ। सिनोड संगठन का काम अभी हो
रहा है। फुफ्फुस संगठन होने से आप को खबर दी
जाएगी।

आप की चिट्ठी नं० ॥ ५५/५४ जून ५ '५४ के
प्रति उत्तर में अप्रामाणिक के साथ कहना है कि - पाद्री
K.D. डोय के तलब का भार सिनोड संगठन के न हो
सकने के कारण कहना है। अतः चर्च मॉसिल
मैबरबानी को सिनोड संगठन के प्रारंभ होने तक
हमारे संबंधित बतौर पाद्री K.D. डोय का तलब
देने की कृपा करें।

आप की चिट्ठी नं० ॥ ३४/५४ तब ५ जून ५४;
और चिट्ठी नं० ॥ ३९/५४ तब ५.६.५४ के उत्तर में

अप्रामाणिक के साथ आप को खबर दी जाती है
कि हमारे इस क्षेत्र में ऐसे मोड़ जिन योग्य न
कादर खारस्त करते नहीं हैं।

आप की चिट्ठी नं० ॥ ५३/५४, तब ५ मार्च '५४,
के प्रति उत्तर में मुझे कहना है कि हम Reliet
Advisory Committee अब तक नहीं बनाने सके
हैं। आभार है कि यदि हम निर्धारित करने की अपेक्षा
आप को रिपोर्ट देंगे।

हमें के साथ यह लिखते हैं कि पादर R.D. Singh
वात २२वीं जुलाई को हमारे द्वैर्मापहुँच कर काम
प्रारम्भ कर दिम है। आभार है कि सिनर
उसकी सहायता पर कर भीष्ट हो सुसंगठित
हो जायगी।

आप का विश्वास -
Rev. N. M. Singh,
25/7.

अब वह भी नहीं आया है।
 फिर भी उम्मीद है कि वह जल्द
 चला आये। हमने गंगुलिआ
 में उसके डेरे का प्रबन्ध
 किया है। कृपाया भादसजीय
 क्योंकि उसके आने के निमित्त
 माँझ हम नहीं दे सकते हैं।
 हमारे पास कुछ भी खजाना
 नहीं है। दुर्गसि मीरुलत
 प्रेसिडेंट साहब खुद ही देख
 कर गये हैं। आप का विश्वास
 Rev. N. M. Suman.

DEIV
 14-7-58
 पोस्ट कार्ड
 2-50
 R. K. S. P. T.
 7.

2-7



The Secretary,
 G. E. L. Chandra Commission
 Ranchi P.O.
 Dist - Ranchi, Bihar

From - Rev. N. M. Sin

Per 14/7/58

G. E. L. Church
Rungamuttie P.O.
P. O. Mal
Dist Jalpaiguri W.B.
The 5th July 58.

To,
The Secretary,
G. E. L. Church in CH. Nagpur & Assam,
Ranchi, Bihar.

Dear Sir,

आप 18.6.58 की चिट्ठी जिसका नं
1197 है मुझे मिली। मैं इससे पहले ही आप से वहाँ
Rev. K. W. Soy को एक एक चिट्ठी लिखी है। इससे
दुरन्त पश्चात ही मैंने आप एक चिट्ठी Rev. K. W. Soy
से की है कि वह जल्दी इसी चला आवे। परन्तु वह

2-II

21/6/58

Gangutia Rd
G. H. L. Chatterjee
P.O. Kalchini

To

The

Rev. S. Swain

Sis. Jalpaiguri
W. Bengal

जी. एच. एल. चटर्जी
की ओर से प्रेम की आर्क्ष बहाय
होए।

आगे समाचार है की आप लोग कि
Dears के लिये कोन पदों को चुने है
आगे कितना दिन तक में यह
पहुंचे वा जाय आपका है की
बाहने का घर भी बान्देबास करना
पड़ेगा इस लिये हम लोग आप
के पास बिछी खिसना पडा सौ आप
इस बिछी को पले ही खबर देने की कृपा
कि लिये Rev. N. M. Swain के थोडा थोडा
हम लोगो के बताया और इतना ही मे
बरखा में रहने के लिये घर बान्देबास है
माँरे जाय आप खबर देने से

11-9

गांगुलिया मे मान ले लीये
चीनयूजा के पचाव बावु के पास
निरन के लीये उसके सप्त सप्त

Jayash. Tojono
G. L. Chatterjee
P. O. Kalchini
Dist. Jalpaiguri
W. Bengal

At. Suleman Vengra
Gangutia 76

मो. 11-9-13
गंगुलिया मे मान ले लीये
चीनयूजा के पचाव बावु के पास
निरन के लीये उसके सप्त सप्त

मो. 11-9-13
गंगुलिया मे मान ले लीये
चीनयूजा के पचाव बावु के पास
निरन के लीये उसके सप्त सप्त

hr. 19/6/58

File / 2-II

From - Rev. N.M. Srim. G.E.L. Church
Rungamattar P.O.
P. O. Mal
Dist - Jalpaiguri
West - Bengal
The 14th June 58.

To,

The Secretary

G.E.L. Church in Chitlagpur Assam
RANCHI, BIHAR.

Dear Sir,

I received your letter No 114/58
and 1156/58. of dated the 4th June 1958,
Through which I come to know that
Rev. K.W. Soy is transferred in the Bengal
Synod; and has to join in Bengal Synod
from June 16th 1958. Thanks to the C.C. for
this kind. At present, the Bengal Synod
is already disorganized, and due to
that there is a great problem we
have, to arrange a quarter for lodging
of Rev. K.W. Soy. I am going to

II-2/17
arrange a meeting at my peoples in
this subject. Please wait for my
final information in very near
future.

yisur shai.

yours sincerely
Rev. N.M. Swin,
14/6.

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

Ref. No. 1089/58

7.2 //

G.E.L. Church Compound
Ranchi.

From:- Mr. N.E.Horo, B.A.
Secretary.

The 29th May, 1958.

To

Rev. Niral Mathias Surin,
G.E.L. Church, Runga mattee T.E.
P.O. Mal,
Dist. Jalpaiguri, West Bengal.

Dear Rev. Surin,

Ap ka patr tarikh 22 May 1958 ka Church Council Karjkarini sabha ke bich hi mila. Bahut apsoch ki bat hai ki Durars men Rev. Daniel Lakra ne bidroh ka karj arambh kiya hai. Itne donon tak Church Council se sambandh na rakh kar usne na kewal Bengal Synod ko ya puri kalisha ko hani pahunchai hai.

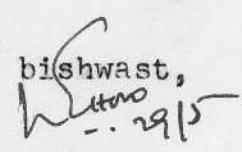
Ap ko ya kisi ko yah sandeh nahin hona chahiye ki Church Council najayaj hai. Kalisha men swarth khojne walon ke chillane se Church Council najayaj nahin hoti hai. Church Council aur Ministerium ne Niyamanusar ap ko tatha Padri Christodham Kujur ko padabhishek dene ka phaisla aur prabandh bahut pahle hi kiya tha. Isi ke anusar Christodham Kujur ka January 1958 men tatha ap ka 13.4.58 men padabhishek hua. Rev. Daniel Kalra ki anumati na lene ke karan ap ka ordination nahin uth jata hai, na ap doshidar hote hain.

Church Council ne ap ke ordination se kisi ka apman nahin kiya hai. Agar Bengal Synod apman samajhti hai to yah asamajh ~~hi~~ ki bat hai. Synod President se puchha gaya hai ki kyon wah Church Council se sambandh nahin rakhti hai aur kyon wah apna member Church Council men 1955 ke bad nahin bheji hai? Iska jabab Rev. D. Lakra ab tak nahin dete hain. Kya Synod ne Council member nahin bhejne ka phaisla kiya hai? Kya Synod Kalisha se bahar rahna chahti hai?

Ap ke report ke anusar Synod ke bhai-bahan log anek hain jo is samay ki garbari men kalisha men sthir rahna chahte hain. Yah shanti ka samachar hai. Bahut sambhaw hai ki Rev. Jusaph Bara bhi Rev. Daniel Lakra hi ki rarah kalisha se alag hona chahte hain is liye ab Synod ke bhai bahinon ko kalisha men sthir rakhne ka bhar ap hi ke upar hoga. Ata ap yathasambhaw bhai bahanon ko kalisha men ho rahi washtawik sthiti se parichit karawen. Khushi ki bat hai ki ap aur anek bhaiyon ne Bengal Synod ka naya sangathan karne ka bichar kiya hai yahi uchit hoga. Sangathan ka prabandh hone par aur adhik samacha milne par ham ap ko aur uchit salah denge.

Ham ap ko apni prarthna men yad karte rahenge aur ap logon ki kathinaiyon ko sujhlane men madad denge. Ishwar ap ko aur Mandli ke bhai bahanon ko subuddhu pradan karen.

Ap ka bishwast,


Secretary,

Rev. 21/5/58 No 299/58 2-II

From - Rev. Niral Mathias Surin, G.E.L. Church
Rungamatttee T.E.
P. O. Mal.
Dist - Jalpaiguri
West Bengal
The 22nd May '58.

To,

The Secretary
G.E.L. Church Chotanagpur & Assam
RANCHI, BIHAR.

Sir,

आप की थीकसलख।

आप की मालूम होवे कि मैं Ordination के पत्रवात
तब 4.5.58 की रान्ची से दुर्गम आ पहुँचा हूँ। यहाँ आकर मैं
अपना डेरा बदल लिख। मैं अपने पुराना डेरा से जी-G.E.L.
Church Killcott T.E., P.O. Matelli, Dist - Jalpaiguri में
आ - 33 की - G.E.L. Church Rungamatttee T.E., P.O. Mal.,
Dist - Jalpaiguri, West Bengal में चला आया। अब मैं
Killcott T.E. में रहूँ पर Rungamatttee T.E. में रहता हूँ।

वर्तमान में - हमारे Bengal Synod की मंडलियों
की स्थिति प्रति सोचनीय हो गई है। हमारे गोस्वामि कली आ
की अमानि इस Bengal Synod में भी सदात रूप में प्रगट
हो गई है। मैं दुख के साथ यह प्रगट करता हूँ कि -
हमारा Bengal Synod दो भागों में बंट गई। मेरे Ordination
के लिये रान्ची आने पर हमारा सिनोड प्रेसिडेंट Rev. Daniel
Lakra कई रक्त प्रिटिगो बुलाये। इन प्रिटिगो में विषय था -
"Cand. N. M. Surin का Ordination के लिये Ranchi
चले जानें के विषय सम्मति सोच विचार"। मैं सब प्रिटिगो
में बौरे-हाजिर हो मैं हुआ, जबकि मैं Ordination के लिये
रान्ची हो गया। इन प्रिटिगो में उन्होंने इस विषय पर यह
निर्णय किया -

1. Cand. N. M. Surin Ordination के पत्रवात
Bengal Synod में न बहारा मिर जाए, क्योंकि
वह सिनोड से walk out करके Ordination के
लिये रान्ची चला गया।

॥ २४ - उसका पात्र हुआ Ordination, Ordination न माना जाए ; क्योंकि Ordination देने से चर्च को सिल Bengal Synod में अपमान भी है।

॥ २५ - यदि Candl. N.M. Synod Ordination के पत्रवात Bengal Synod में आवे तो, तो वह अभिहित पात्र हो कर नहीं पर कठिंदर हो कर हो काम करे ; जब तक कि कतिबन जो कलीभा में भक्ति स्थापित करने के लिये बनाई गई है, अपना काम समाप्त न करे। हमारे विचार में ये सब फैसला है कथित भी जाने दिए जाने के लिये उनका एक बहाना हो है। क्योंकि वे कहते हैं कि वर्तमान चर्च को सिल नज़ाफत को सिल है इसलिए हम उसी को मानते हैं।

इन उपरोक्त बातों को आम जनता में प्रसारने के निमित्त शत. १), १८ मई १८८४ को G.D.L. Church Malabar में एक आम सभा बुलाई गई थी। मैं तो इस सभा में उपस्थित हुआ। सभा के अरम्भ हो में Synod Resident द्वारा कुछ कठोर शब्दों में बाहर निकल जाते, जब तक कि विषय पर अपनी प्रतिक्रिया होती है और सब बातें समाप्त हो जाती हैं। मैंने अजीब किया कि कुछ सभा में उपस्थित रहने दिया जाए। बहुत मुश्किल से कुछ सभा में उपस्थित रहने की अनुमति मिली। सभा अरम्भ हुई। पहिले को तब भी हुई उपरोक्त बातें सभा में सुनाई गई। मैंने उसका विरोध किया। उसका विरोध करते हुए मैंने अपने Ordination और वर्तमान चर्च को सिल को जायजता के विषय सभा में प्रकाश डाला, और यह भी कि Bengal Synod अपने को चर्च को सिल से अलग रखी है वह कितनी अधिक अनुचित काम है। इस बातों को सुन कर सभा में सनसनी फैल गई। सभा में जितने लोग सिल के इस अनुचित व्यवहार से अनुचित प्रभावित थे - सभी एक एक उठ कर कहने लगे कि हम चर्च को सिल से संबंध तोड़ कर अलग रहना नहीं चाहते हैं। इसलिए चर्च को सिल के द्वारा जो काम हुआ है हमको मानना होगा।

हमारी ओर से निम्न लिखित प्रस्ताव पेश किया गया -

रेल - वर्तमान चर्च को सिल जायज को सिल है। इसलिए हम उसके साथ सम्बन्ध तोड़ कर रहें और उसके सब

कामों को बहारा करें।

II. पाद्री Jival Mathias Synod सिनोड की बिना सिफारिश Ordination ली लिये। ऐसा करने से वह सिनोड का अपना-जामाही उहरा। इससे प्रति सिनोड दृष्टा दें।

III. पाद्री N. M. Synod को जिसका Ordination 22.13.58 को पचई कोरिस्पेंड के द्वारा रान्च में हुआ। पाद्री बहारा करें और एक क्षेत्र दिया दि जावे जिसकी सेवा वरनिभा-नित करें।

^{अब} Bengal Synod की पररिचालि की लेकर पाद्री N. M. Synod, इस भर्त पर भी पाद्री बहारा किया जाए कि वह Commission के काम समाप्त करने तक इसी Bengal Synod के अधीन रह पाद्री का काम करें। पचई कोरिस्पेंड के अधीन हो कर रहे।

IV. यदि पाद्री N. M. Synod, बंगाल सिनोड में बहारा नहीं किया जाता है तो Synod में और से पचई कोरिस्पेंड के साथ पत्र व्यवहार करने Chotanagpur लौटा दिया जाए।

परन्तु हमारे इन प्रस्तावों के प्रति Synod President के मान पर मैं तक नहीं चला। और चूंकि उन्होंने लोगों की संख्या अधिक है जिनका मुकाबल कचित नाचे जाने की और है - वह उन्होंने के बातों पर आड़े रूहे। इस कारण हम अपने संख्या वगैरे के लोगों की और से यह कह कर बचा कि - पाद्री N. M. Synod को हम अपना पाद्री मान लेते हैं। बंगाल सिनोड में जाने होना है हो कर रहेगा। यह बात बार बार और सारा समाप्त करने की अपात्र उठाई गई। तत्पश्चात् सारा अन्त में बाड़ी।

इस तरह हमारे Bengal Synod में विभाजन हो गई जिसका संक्षिप्त वर्णन मैं आप को सुनाता हूँ। यह मैंने उल्लिखित रिपोर्ट है। थोड़े दिनों के पश्चात् हमारे और से Bengal Synod का नाम संगठन होगा और नये संगठित मंडलियों में और से नियमित पत्र व्यवहार होगी। हम आप से सलाह-समिति, बातों और कामों में सहायता मिलने की आशा करते हैं।

प्रभु में - आप का विष्कार -
Rev. N. M. Synod,
22. 5. 58.

2-11

The 3rd Dec: 1957.

REF: NO. 2543, - CC-1.

To

Rev. Daniel Lakra,
President, West Bengal,
G.E.L. Church Gangotia, T.E.

Dear President Lakra,

It is very much regretted that you did not send your representatives for the last Mahasabha and for the Church Council. Your complete silence has raised many doubts, however, the C.C. will like to hear from you the reason of your silence. The reason might be due to the present troubles in the Church but your Synod cannot afford to be isolated or neutral so long the congregation of your synod are members of the G.E.L. Church. They can be only so when they cease to be members of the G.E.L. Church.

Things have changed much and the ensuing full Church Council scheduled for December 10-12, 1957 is going to consider and review the whole situation prevailing in the Church and will take such steps which will have far reaching consequences in the Church.

Please send me a report of your synod for the ensuing C.C. meeting also send your Church Council members - notice has been sent to you earlier. It is reported that in your last Synod meeting held before the Mahasabha you have elected your C.C. member. Kindly inform him by express communication and direct him to reach Ranchi by the evening of December 9, 1957

In case you don't send your C.C. member and continue to non-co-operate, the C.C. will take constitutional steps best suited for the occasion. However, may I request you in the name of the Church again to please co-operate with the C.C.

Please treat it extremely urgent and acknowledge receipt of this letter.

Yours sincerely,

W. J. S. 5/12/57

G. E. L. Ch. Barobisha
Dated The 18th July 1956.

To the Secretary, G. E. L.
Church Ch. Nagpur & Assam

Dear Sir,

It is the matter to report
to you that according to
the decision of C. E. I, after
my ordination, could not
join my post at fixed time.
I beg pardon for that. I
arrived here on the 13th of
June and took charge of
my pastoral work on the
15th. My head quarters ~~is~~
is at Barobisha and
my address is as follows

Rev. J. Bara
G. E. L. Church
Barobisha.
P.O. Barobisha.
H. Jalpaiguri
W. Bengal (Duars)

Yours Sincerely
Rev. Bara



To

The Office of Secretary
नाम
G. E. L. Church-
पता
Council Office
डाकस्थान
Ranchi
ज़िला
Bihar

No. 2644/55

१५
६ वीं जुलाई

Royan Horo.
Barodighi T.E.
P.O. Barodighi
M. Jalfaiquri.
Dobans, W. Bengal.

२

प्रिय मित्र का,

आप की चिट्ठी १३-५-५५, जो रेम.
लगाई के नाम से लिखी गई थी उसका जवाब मैं
देता हूँ।

आप आपका साफ़ साफ़ लिखिये कि औसत
रचना रचना के ऐसा रहते हैं और अथवा ही। अभी
उनके दो बालक हैं जो जल्द ही आईएन के
के पहले ऐसी हालत में रहना शुरू कर चुके हैं। उन
का मंडली सभा मिलते हैं या नहीं। इसका भी
पूरा पता देना चाहिये। इन सब बातों को
जानना आवश्यक है। मंडली आईन के मुता-
बिक चलना और अंग्रेजों का जना आवश्यक
है। मंडली आईन से बचने के लिये ड.प.ए.
मिशन में जाना अच्छी आदत नहीं है। सिद्ध
इसी कारण कि इन दो जनों की जल्दबाजी
नहीं हो सकती है। ड.प.ए. मिशन में चले
जायेंगे, अच्छी तरह नहीं है।

जुलै १५ मंडली में जाना चाहते हैं और
दूकान के समय पुलिस के दिये हैं और इसी
लिये कि आप उनके आईन से बचने के
लिये दूकान अलावा में चले जायें २ इस पर
विचार लिखते और और जयें। मैं
आप के पक्ष के पक्ष लिख रहा हूँ। इन
दो जनों को मंडली में रहना और शांति
मानती है, परन्तु और मंडली के शिखरों

(2)

પરિષદે જાપાનેસ લોકોનો આ ચર્ચ સ્થાપ્યો છે તેના કારણે
જો જુએ તો તે જાણવામાં આવે છે કે ૧૯૧૬માં જાપાની
પાત્રી Daniel Lakso, ઝાંગોરિયા જે પત્ર
આવડાઈ ગઈ છે.

પ્રેમ જે જાપાનેસ લોકોના

Sd. N. E. Horo.

Secretary.

G. E. R. Church

Rancho

No. 2645/55

Babu Suleman Bhugra
Treasurer, Bengal Synod.
Gangohia T.E. G.E. Church
P.O. Kalchini, West Bengal.

2-II

प्रिय महोदय—

आपका जो १२-५-५५ दिनांक १२-५-५५
मिला। आप उस दिनांक के विषय लिखते हैं
जो आगे के काम चुकती आगे के विषय
में जा रहा था।

आपका आपकी १२-५-५५ के
जवाब में मेरा पत्र संख्या २५०७/५५ C.C. 2-II
देखा। उस पत्र के लिखने का आप ने
रखी बातें ही नहीं थी। और आप
रखी बातें मिलाते थे। मेरी चिन्ता लिखने
के बाद आप के रखी बातें ही नहीं
नहीं आती थी। जब आप उस में आपकी
चाहते हैं। आप का रखी बातें २६-५-५५
को आया तो मैं ने समझा कि आगे का
काम है। मुझे म.ओ. Compton में
देखी ही दिखाने दिख गई थी। मैं ने
देखी को अलगवाया 1.2.१०-६-५५ को
आया। और मैं उसी दिन उसे दे दे
दिता। म.ओ. Compton साहब मैं ने
जा रही है जिस में उस में रखी लिख
है। C.C. लखाने से आगे का काम
नहीं दिख रहा है।

मैं समझता हूँ कि आप को
अपने दो का दिखाने साहब हो
रहा।

प्रमद आपका

Sd. W.E. Hoo
Secretary.
G.E. Church
Ranchi.

No. 2643/55.

2-H 9 th. July,

5.

R. Daniel Lakra,
Gangutia T.E.,
P.O. Kalchini, Jalpaiguri,
Duars, WEST BENGAL.

My dear Lakra,

One Shri Royan Horo from Barodighi T.E. writes to say that one pair of lutherans is living as husband and wife without any marriage. They have now two sons. They want to come in and be blessed as husband and wife. I do not know the position whether they are excommunicated or not.

He also complains that the lutherans of this T.E. for one reason or the other want to go over to the S.P.G. church. May I request you to kindly look in to the affairs of this tea garden so that matters be set right. May be, your visit will produce good understanding amongst the lutheran brethren there. Problems in the tea gardens are always complicated and annoying, but let us not lose courage. I have asked Royan to contact you in this matter.

Yours in the service of the LORD !

W. S. H. 9/7/55
Secretary.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Registered Under Indian Societies Act 1860

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B. A.

Ranchi, (Bihar) India.

No. 2637/55

The 8th July, 1955.

To

Rev. Daniel Lakra,
The President,
Bengal Synod,
G. E. L. Church,
Gangotia T. E.
P. O. Kalchini, Dist Jalpaiguri.

Dear Rev. Lakra,

I am forwarding ^{original} a letter from Dimdima
Congregation and request you to visit the Congregation
at an early date and see the Manager of the Tea Garden
and make all arrangements with him that he be pleased
to behave with our Lutherans as he does to the other
denominations and send a full report of your having done
so.

Incl---1.

Yours sincerely,

Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

DT.

Date 13/5/55

Royan HoRo

Barodighi T.E.P.O

Jalpaiguri Dist

Duaras

2/11 महा मनीवार J. Lakra President

आप हम सब परिवारों से ही आप का मंडल
के माई बहिनों को प्रेम सहित होवे।

आपका बला हम सब दुःख सुख दोनों पर है।

क्योंकि हम लोगों के यहाँ कोई पाद्री ठीक से
नहीं पहुँच सकते हैं जिस करारा।

और बिना सांडल से सादी रखी होते हैं।

और एक जोड़ा एक गोठार ही में हो गये

हैं और उसका दो लड़का बालक है।

तो आप इन दोनों का कैसा फैसला करते हैं आप

जिन्ही द्वारा जल्दी से खबर दीजिये।

दो दोनों तो अभी छुटा छुटी ती मछी होंगे।

आप पाद्री में जो फैसला करेंगे। मेरा बिकार

के अनुसार तो सिधा सादी दीजिये।

S. P. ज मिसान का बिसाब और चपलेन तो

बोले हैं बनेगा बोले हैं। वे सब बोले हैं हमारे

तरफ आ जाना हम सादी दे देंगे बोले हैं।

और वे मिसान को एक लड़का मीवासा हुआ था

उन दोनों को सादी दीये हैं।

यदि आप लोग इस इन दोनों को कुद्विचार
पदि नहीं करेंगे तो हम लोग भी इसी प्रकार
चले जायेंगे। और २० ग्रहों पर लुब्धेरान मिसान
को आदमी जस्तै हैं। इस प्रकार है।

हम लोग अभी निसर्ग पर हैं।

हम लोग लुब्धेरान मिसान वाले बोलते हैं उन से
आलिंग करने का विचार किया है। क्योंकि हम लोग
कोई आदमी तक सिर नहीं दते हैं।

आदमी बबलीसभा और आसनान डयर ही होते
हैं। लेकिन हम लोग को इस लुब्धेरान मंडली
को आदमी सा आनन्द नहीं आता है।

मुलं युको ओ प्रति माफि मांगता हूँ।

ईश मेरा चिह्न का उत्तर मेरा दीजिये।

Rayan Harb. G. E. C

Baradighi - T. E. P. O

galpaignurhi - Dist

Duars -

अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये



२७

President, Rev. J. L. Lakra, M.A.B.D. ST

G. E. L. Church Compound, Ranchi

P. O. Ranchi

DIST. Ranchi

Bihar

← दूसरा मोड़ →

भेजने वाले का नाम और पता :-

From Rayan Horo, G. E. L.

Barodighi, T. E. P. O.

Jalpaiguri Dist.

Duars



← पत्रिका के अंदर कुछ न रखिये →

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Registered Under Indian Societies Act 1860

Mission Estd, 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B. A.

Ranchi, (Bihar) India.

No.

The 28th June, 1955.

Extract from the resolution of the meeting of full C.C.
held on the 21st April, 1955.

x x x x x
(g) Head Quarters Congregation ewang Calcutta Lutheran Works.

(1) SANKALP- Head Quarters Congregation ko Synod ka Status
na diya jay.

(2) SANKALP-Lutheran Works Calcutta ko Bengal Synod ke
andar pura hak diya jay is sanbandh Bengal
Synod ko likha jay ki wah apne Synod ko aisa
sangathit kare ki L.W.C. ko Synod ke andar
pura hak mile.

x x x x x

2284-46
Memo No. /55. Dt. 8/6/55.

The above mentioned document is forwarded to

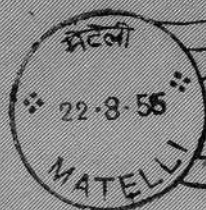
- (1) Rev. S. Kula, Chairman, H. Q. Congregation, Ranchi.
- (2) Rev. D. Lakra, Sy. President, Bengal Synod, Gangotia, T. E.
- (3) Rev. K. D. Soy, Calcutta Works, 5/1/1 Gope lane, Calcutta-14, for information and needful.

B.L.8/6/55.

W. S. 216
Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

2 - II
अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्तर कुछ न रहिये



10

MR. N.E. HORO.B.A.

Gossner, EVANGELICAL LUTHERAN

P.O. Ranchi

Ranchi

DIST. Ranchi

(Bihar)

दूसरा मोड़

भेजने वाले का नाम और पता :-

from. Royan HORO

Barachighi, T.E.P.O.

Jalpaiguri, Dist.

19-8-1955



पत्र काटने से बचें

2-11 her
1958
Sim = reminder
to her
1958

Original letter of this office
No 2643/55 dt 8.7.55
No. 3001/55 dt. 11.8.55.

डा. लि. डा. लि.
Date
समस्त सनैवार पाद्री बाबु आप वी प्रभुसहाय
हैं। मैं आप वी चिट्ठी वी पाया और बहुत
खुशी हो गया हूँ और आपके सुअरी में हूँ
मैं बिमार वी कारण आप वी चिट्ठी को उत्तर
जल्दी मिलने नहीं सका सो माफ़ी माँगता हूँ।
मैं एक चिट्ठी गांगोटिया पाद्री दलेश्वर लकड़ा
की पास भेजा हूँ लेकिन अभी तक कुछ जबाब
नहीं मिला है। या दोनों 19 वर्षों से हैं।
जड़की है कतकुवाँरी वी और लड़का है
अगर मा बन्द टोली को है। आप वी चिट्ठी
की मैं पा कर उन दोनों की सुनाया और बोल
ते हैं उनके नहीं जायेंगे। ड. पी. डी मिसान में बोला रहे हैं
इस से मेरे बिचार है इन दोनों को जैसा माँडली
की निधाम के लाइशा कर लेंगे और सारी कर देंगे
लेकिन दलेश्वर लकड़ा पाद्री मी नहीं ग्राहक है।
याही हम लोग को लुखेरा न ग्राहक है वरिय
मो-60 - तक है। पारचार न करशा से ड. पी. डी में
गिर्जा कर रहे हैं लेकिन हम लोग को सिरने नहीं देने हैं
नहीं देने हैं जिस करशा ग्राहक के ल मगड़ा के ह गोसा गोसा
पार हैं।

जो दो वारे में में बोला कि दोनों मिसन
 गिर्जा करते हैं। सिरनी को मगा करेगे बोला उन
 सब बोले हम का परचार हूँ जब तक मेरे से कोई
 तरफ से कुछ बाहर नहीं मिलने से मगा नहीं
 दोगे बोले रहा है मेरा का परचार। कि हम परचार
 को बोला इस सिरनी को लाने का हक हमारा
 जरूरी है बोला परचार बुद्ध हो गया। क्योंकि हम मी
 सिरनी ले जाते हैं तुम मी तो बराबर मगा
 करने का जरूरी तो है लेकिन S.P.D परचार नहीं
 दे रहा है। हम लोगों का पक्ष को मी बुलाते हैं।
 वे मी नहीं जाता है। सिरनी नहीं देते हैं जिससे
 जरूर गिर्जा जलावा करेगे।

ईश्वर प्रीति हम सगो को रक्षा और भगवद
 धरे। (आमिन) मुल मुक साध करना

Rayan Ho Ro.
 Baradighi T. E. P. O
 Jalpaiguri Dist

G. E. L. CHURCH GANGOTIA T. E.

P. O. KALCHINI. DT. JALPAIGURI.

(WEST BENGAL) THE 18TH JUNE
1955.

THE SECRETARY.

G. E. L. CHURCH RANCHI.

2

महाशय,

प्रिय मित्र।

आप को पत्र से जानती दिया जाता कि बंगाल सिनोद से गत मई
महीने में ताल के बावत आप ६०) साठ रुपया भेजा गया, जिससे आप
२६/५/५५ को RECEIVE करिये हैं। उक्त रुपया वापस लौटा देने
की भर्ती पत्र आप को दिया गया था; पर अब तक हमें उक्त रुपया नहीं
मिला है। जो निवेदन है कि उक्त रुपया यथा जो लौटा देने की
न्याय कीजियेगा। इस नष्ट के निमित्त, मैं आप को धन्यवाद दूँगा।

इति।

प्रह मे आपका सेवा

SYNOD TREASURER
BENGAL SYNOD

G.E.L. CHURCH GANGOTIA.

P.O. KALCHINI.

JALPAIGURI.

(WEST BENGAL)

Suleman Bhongra



THE SECRETARY.

नाम

पता

डाकखाना

जिला

G. E. L. CHURCH

RANCHI

RANCHI

(BIHAR)

2-II

Suleman Vengra
Gangotri T.E.
C.E. & C. Churich.

No 1577/55 CC2-II

P.O. - Kalchini
Dist. - Jalpaiguri (Dooars)
W Bengal.

14. 5. 55

प्रिये- मरशय- माप-को- यीशुसहाय-। माप-को- चिदी-मनी
दुस्त-मिली-है- ५६-कर- ~~ता~~ ~~सूख~~ किया। माप-मुझे- 60/- हाट-रुपये
लोटा-देने-के-लिखे-लिखते-हैं। मैं-ने-माप-का-रुपया-गही-पाया-है
जिस-माप-लिखते-है-कि-माप-ने-मरिमाईर-किया-है। ५६-
वा-विप्लव-लक्ष्मी-मुझ-से-कहते-रहे-कि-दर-मरिमाईर-माने-वाला
है-पर-वह-मिला-ही-गही। अभी-हाल-में-कुछ-मई-लोटा-भी-मापे-थे
उन्हीं-ने-भी-ऐसा-ही-जिक्र-किया। Post Office में-परिचायक-को-जिस
कि-माप-का-समझ-आ-दिगा।
पेश-बुकराय-मैने-ऊर-ओ-प्रेमावद्ध-सोके-को-लिखिते-कि-वह
पैसल-चमड-का-जिल्द-बेचवा-कर-माप-को-तेरा-देगा-

प्रेम-से-माप-का-

निरल एने मरुतोरो
लकेरेरी-जी०-ई० एल-
वर्ग-बी-जी

Dr. 14/5

Dated 14/5/55 Gangotri 16
May Dear Sir G. K. Church
C.C. Secretary P.O. Kal Chini
Sohab आप को मीरा Dist. J. Lal Baiguni
यादु सहाय हीर (Deoband)

आगे समाचार है कि हम लोग इस्वीर
पिता की दया से मले चगे ही है
आप लोगों का भी यही नेक चहते है
पिछारे Secretary सेहाब के Laksh
10/5/55 को गांगुटिया पहुंच गये और
उठ लोग की इस्वीर पिता की दया से
मले चगे ही है

मेरा चिह्न लिखने की खवाबत यही
है कि जो रुपैया मे ने आप के
नाम से 100 रुपैया भेजा है
जो की तब्लार का दम ने लिये
इस पैसा को आप कृपा कर के
छोटा दिलीये करवा की तब्लार
का दम तो दूसरा किसिम की
Rev Dr. Laksh ने बांन्दी कर दिया है
इस लिये आप कृपा कर के जल्दी
P.T.O

बीटा दिजिये और-सक बतहे की
रुक मुन्हा बैरुणाल चमडा से
इहो करवा के कील दिजिये

your faithful fully

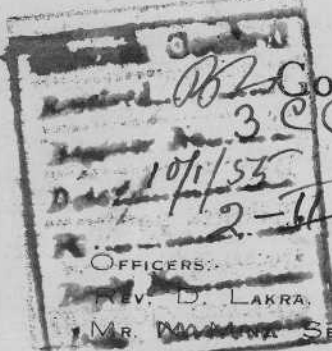
Bengal Synod Treasurer.
Suleman Yengra
12/5/55

C. H. Hare.

- Ranchi
7th Church Campaign

2-11

Free meeting



Gossner Evangelical Lutheran Church
In Chotanagpur & Assam.
Mission Estd. 1845—Autonomous, 1919
BENGAL SYNOD.

OFFICERS:

REV. D. LAKRA, PRESIDENT.
MR. ~~MANJUNATH~~ SECRETARY P. K. Hess.
MR. ~~MANJUNATH~~ TREASURER. S. Vengra.

G. E. L. CHURCH GANGUTIA, T.E.
P. O. KALCHINI.
DISTT. JALPAIGURI.
DOOARS.

No. 1-3/55-

Dated the 4th Jan. 1955.

To
The Rev. J. McAllister,
The Superintendent, Scots Mission Office
Meatelli P.O.; Jalpaiguri Dist.
Dear Rev. McAllister,

The other day I visited the Lutheran Congregation at New Dooars T.E. (Hantalguri). I was very much surprised to learn that you paid a visit to that Congregation on 8/12/54, and conducted a Holy Communion Service.

Now, I must ask you on what authority you visited that Congregation and held a Holy Communion Service without my knowledge? Because, that Congregation is a Lutheran Congregation. The members of that Congregation are born Lutherans from Chotanagpur. They are under my Supervision. I know them very well. They are my people, my relatives. And I tell you that some of them are Excommunicated by the Lutheran Church. So, you being a Missionary, it is beneath your dignity to disregard and disturb the discipline
P.T.O.

of an Indegenous and autonomous Church in this way. It is quite against the "Comity Rule", and if it happens again the matter will be referred to the higher Church Authorities, i.e. the B.C.C., and the N.C.C.

Farther, it is also learnt that Sree Victor Topps and Raphael Topps, these Topps brothers have applied to you for admission into the Scottish Mission.

As to these Topps brothers I beg to let you know that these two brothers are excommunicated Lutheran members. These have become a great troublesome people to the Lutheran Synod of this area and to the Lutheran Church Council at Ranchi, and not only to the Church but ~~they~~ also to the Garden Authorities. There are other members also of the same feathers who flock together with these two Topps brothers. It will go again, against the Comity Rule if you accept them.

Copy to - 1. President G.E.L. Church,
Chota Nagpur & Assam, Ranchi.
2. Secretary Do.

Yours truly

D. L. Akra

Rev. 26/9/55

2-11

Ep. Sri Sushil Barua
Teacher
at Dalsingpara T.E.

Rev. J. Lakon M.A. B.D. Esq. P.O. Dalsingpara

Dist. Jalpaiguri
22.2.55. 5000

Church Council
Received
Register No.
Date
By
Reply
By

Rev. J. Lakon
Rauchi
Doober

You will please find two forms
enclosed herewith which have been duly filled up
and sent to your office for your kind information.

In one form you will find 26 houses and
76 people. They are the Lutheran Christians of
Hartalgar (New Doober) T.E. who have returned to
the Scottish Church on the 20th November 1954.

In another form you will find 5 houses
and 31 people minus 2 deceased persons.

Please note the age of the children. Then
you will learn that there are seven children
between the age of one to six who have not
yet been ~~of~~ baptised. One baby without
being baptised passed away for ever from this
world. One person who, under such circumstances
never participated in the Holy Communion for the
last several years died in the month of Decr.
This form contains the and conveys to you
the information of my family only. If
I give you an information of this type
in detail you will I hope be surprised
to find that there are hundreds of
children over one year old who have not
yet been baptised. Many have left us
for ~~evr~~ evoc. Due to lack of supervision
and sound administration, the condition
of Lutheran Christians in Doober is horrible
in all respects. About a week ago it
has been ~~not~~ represented to me that

P.T.O.

by the Lutheran Christians of Panbari Butee
and Chengmai Butee. That some
people in Chengmai Butee have become
Catholics. Some people in Panbari Butee
have stopped attending Church for the last
several Sundays. Rev. S. Laksh and the
C. C. member do not give you true
informations. They hide their faults. They
might have been reporting to you that
the condition is improving here in Doodar.
It is the Doodar Lutheran unity
that, under the guidance of Late Masih Prakash
Mishra of Malangi T.E. has crushed the
power of Yakub Prabhugaran Swin.
P. J. Susin has no feet to stand now.
You can well imagine
our sorrows and sufferings.
In the middle of January
1955, I had a talk with Rev.
J. McAllister, Scotch missionary for about
an hour. I told him about the rally
that I have received from you.
Of course, I believe your words like
Gospel Truth, but now all of us have
lost our patience. Please excuse me if
I say that this is my last letter to
you so far the Church affairs are concerned.
I am feeling my head very
heavy, I cannot write more.
I wish my family. Thank you very
much for the marriage invitation of my sister
Nirman Rashi. I shall see them when
I come to Ranchi any time.
Yishusabai! Sincerely yours
Please remember us in your prayers. R. Toppo.
Thanks.

House No	Family No		Village	P/S.	Sir.
1.	1	Simon Tiga	Sawai Khutitoly	Simdega	Rauchi
	2	Hana	"	"	"
	3	Ismail	"	"	"
2.	1	Ch. Anand Kujar	Tiga	"	"
	2	Hiramani Tiga	"	"	"
	3	Christie Chit Tiga	"	"	"
	4	Jaimasih Tiga	"	"	"
	5	Filsila Tiga	"	"	"
3.	1	Ruben Tiga	"	"	"
	2	Taramoni Tiga	"	"	"
	3	Niran Tare Tiga	"	"	"
	4	Tagrent Tiga	"	"	"
	5	Lila wati "	"	"	"
4.	1	Phinus Ming	"	"	"
5	1	Patras Tikay	Hingir	Kwdeg	"
6	1	Junas Kerkela	Sawai Khutitoly	Simdega	"
	2	Peyari Kerkela	"	"	"
	3	Paulina Kerkela	"	"	"
	4	Ambita Kerkela	"	"	"
7	1	Prabhu Das Lakra	"	"	"
8	1	Masihcharan Tiga	"	"	"
	2	Rakeb Tiga	"	"	"
	3	Prem Sundi	"	"	"
	4	Premchand	"	"	"
	5	Prem Dani	"	"	"
	6	Nicodim	"	"	"
9	1	Prembukt Kerkela	Bondobae	Kwdeg	"
	2	Silwanti Kerkela	"	"	"
	3	Bandani Kerkela	"	"	"
10.	1	Nicodim Kujar	Hingir	"	"
	2	Post Parmila Kujar	"	"	"
11.	1	David Lakra	Sawai Khutitoly	Simdega	"
	2	Rahil Lakra	"	"	"
	3	Prem pratka Lakra	"	"	"
	4	Peyari Lakra	"	"	"
	5	Ch. Kalyan Lakra	"	"	"
12.	1	Prem pratka Lakra	"	"	"
	2	Lata Sabina	"	"	"

B/2	3.	contd	Other and darsi lakas	S. Khutty	Simdeg	P/S	Ranchi
13.	1.		Naiman Lakas	"	"	"	"
	2.		Phulmani Lakas	"	"	"	"
	3.		Ch Mina Lakas	"	"	"	"
	4.		Titus Lakas	"	"	"	"
	5.		Julius Lakas	"	"	"	"
	6.		Asmit Lakas	"	"	"	"
14.	1.		Pritamasih Topfo	"	"	"	"
	2.		Salmi Topfo	"	"	"	"
	3.		Markas Topfo	"	"	"	"
	4.		Helena Topfo	"	"	"	"
15.	1.		Jakariash Baucher	Belstly	Simdeg	"	"
	2.		Karuna Baucher	"	"	"	"
16.	1.		Jaimasih Mung	Hingis	Simdeg	"	"
	2.		Maloh Mung	"	"	"	"
	3.		Hanuk Mung	"	"	"	"
	4.		Ch. Kuware Mung	"	"	"	"
	5.		Tacadis Mung	"	"	"	"
17.	1.		Daud Lakas	Sawai Khutty	Simdeg	"	"
	2.		Hiramani Lakas	Sawai Khutty	Simdeg	"	Ranchi
	3.		Bisram Lakas	"	"	"	"
	4.		Jamima Lakas	"	"	"	"
	5.		Sudarshand Lakas	"	"	"	"
	6.		Kulinta Lakas	"	"	"	"
18.	1.		Sadrak Bawa	"	"	"	"
19.	1.		Masitdas Lakas	Hingis	Kudeg	"	"
	2.		Paulina	"	"	"	"
	3.		Komal Lakas	"	"	"	"
20.	1.		Prabhu Dayal Lakas	Sawai Khutty	Simdeg	"	"
	2.		Ch. Satay Yakub Lakas	"	"	"	"
21.	1.		Bisram Lakas	Hingis	Kudeg	"	"
22.	1.		Manohar Khalkho	"	"	"	"
	2.		Kasolina	"	"	"	"
23.	1.		Stephen Kujur	Kinkel	Simdeg	"	"
24.	1.		Phulchand Kujur	Sawai Khutty	"	"	"
	2.		Manoh Kujur	"	"	"	"
25.	1.		Jiwan Bawa	"	"	"	"
26.	1.		Jaimasih Munda	Simdeg	Simdeg	"	"
26.	76		people	Seventy six	people		

1. True Copy (Duplicate)		3.	4.	5.	6.	7.		
House No	Members in each family	Names.	Age Year month	Baptised	Confirmed	Death	Signature of the head of the family.	
1.	1.	Sri Victor Toffo.	34.	—	✓	✓	—	Sd/- V. Toffo. 20/12/54
	2.	Smt. Dorothy Toffo.	28	—	✓	✓	—	
	3.	Johnson Toffo	7	6	✓	no	—	
	4.	Lalita Toffo	5	6	no	no	—	
	5.	Melan Toffo.	2	4	no	no	—	
	6.	A Baby (F)	—	Two weeks	no	no	Aug 54	
2.	1.	Raphael Toffo.	31	—	✓	✓	—	Sd/- R. Toffo 20/12/54
	2.	Leahmoni Toffo	25	—	✓	✓	—	
	3.	Jutika Toffo	3	6	no	no	—	
	4.	Olive Toffo.	2	—	no	no	—	
3.	1.	Sushil Bara	40.	—	✓	✓	—	Sd/- S. Bara 20/12/54
	2.	Kamini Bara	33.	—	✓	✓	—	
	3.	Manuel Bara	5	—	no	no	—	
	4.	Sunil Bara	15	—	✓	no	—	
	5.	Joseph Bara	10	—	✓	no	—	
4.	1.	Bijla Pahan	55	—	✓	✓	—	Sd/- B. Pahan 20/12/54
	2.	Hiramani kerketta	48	—	✓	✓	—	
	3.	Promilla kerketta	15	—	✓	no	—	
	4.	Joykumare kerketta	11	—	✓	no	—	
	5.	Bijoy kumarkerketta	7	—	✓	no	—	
	6.	Bimola kerketta	4	—	no	no	—	
5.	1.	Koilas Kujwe	65	—	✓	✓	Dec 54	Sd/- H. Kujwe 20/12/54
	2.	Budo Kujwe	60	—	✓	✓	—	
	3.	Hiralall Kujwe	45	—	✓	✓	—	
	4.	Mariam Kujwe	37	—	✓	✓	—	
	5.	Franklin Kujur	17	—	✓	no	—	
	6.	Stephen Kujur	11	—	✓	no	—	
	7.	Easbr Kujur	7-8	✓	no	—		
	8.	Binoo Kujur	5	—	✓	no	—	
	9.	A Baby (F.)	—	10	no	no	—	
	10.	Habol Kujur	22	—	✓	✓	—	
5	31			23	13	2		
	2			8	18			

Stamp Paid Back

27 / To,

over 100

12 /
Rev. J. Labca,
President, G. E. Luth Church
C. C. Office
Ranchi

RANCHI. DIST.



The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

President:—Rev. J. Lakra, M.A., B.D., S.T.M.

G.E.L. CHURCH COMPOUND
RANCHI, BIHAR, INDIA

Ref No. 4144/54.

Dated the 30th Nov. 1954

Rev. Daniel Lakra,
Gangotia,
P.O. Kalchini,
Dooars, Jalpaiguri, W. Bengal.

My dear Daniel,

Please find enclosed papers and let me know the facts and if you can take any prompt action, please do so, immediately. You may write to the Scottish Missionary that ~~some~~ of them are excommunicated people and it will go against the Comity Rules if he takes them. Also you write any thing more which will pervent the Scottish Missionary from taking them over. I shall write more after hearing from you.

Yishusahay to you.

Yours sincerely,

President,

G.E.L. Church, Ranchi.

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

President:—Rev. J. Lakra, M.A., B.D., S.T.M.

G.E.L. CHURCH COMPOUND
RANCHI, BIHAR, INDIA

Ref No. 4145/54

Dated the 30th November, 1954.

Dr. Carl E. Lund Quist,
Route de Malagnou 17,
Geneva,
Switzerland.

Dear Dr. Lund Quist,

Your letter dated November 23,

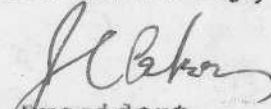
1954, thanks.

If you could wait till January, I could give
you the most upto date figures.

May I ~~have~~^{you} from you and know if ^{you} could wait
for the upto date figures in January 1955.

Kind regards.

Yours sincerely,


President,
G.E.L. Church, Ranchi.

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

President:—Rev. J. Lakra, M.A., B.D., S.T.M.

G.E.L. CHURCH COMPOUND
RANCHI, BIHAR, INDIA

Ref No. 4143/54.

Dated the 30th Nov. 1954.

Mrs. B. J. Krupadanam,
Surguja Lutheran Mission,
Bhathipara,
Ambikapur.

Dear Sister,

Mrs. Lakra and I examined a copper Degcha, quite strong, big enough for 40 persons which will cost Rs. 100/-. Perhaps Rev. Kujur may not be able to take it. But it will be easier for me to take it with me in the car.

So, if you think that you have in your budget to spend Rs. 100/- for this Degcha, please instruct me and if possible send this amount by M.O. I think I can go to Surguja early next January. So I have more than a month.

If you want brass pot of the same size, the price is the same but the copper one is stronger, only you have to give kalai every six months. Please let me know if you want brass pot.

Mrs. Lakra has just gone to Guntur to attend the Federation Women's meeting there. Then she proceeds to Nagpur where she attends the N.C.C. Women's meeting. She returns by the 12th of December.

We trust you all are keeping well. God bless you and the children.

Yours sincerely,

*Rev. J. A. Kujur is
expected to leave Ranchi
on the 6th Dec. 1954.*


President,
G.E.L. Church, Ranchi.

True copy.

To,

The Superintendent,
Scottish Church,
The Maure, Chalsa,
P.O. Matelli (Dooars).

From- Raphael Toppo.
C/O Mr. Junas Tiru,
Treasurer. D-L-Unity,
Banarhat Te. E.
P.O. Banarhat.
Jalpaiguri Dt.
Dated 13-10-54.

Rev. and Dear Sir,

We wish to inform you that the Lutheran Church in Dooars is passing through a great crisis. There are plenty of congregations which have been completely deprived of the services of the Lutheran pastor ever since he came to Dooars in 1949. The matter has been constantly referred to the Church Council at Ranchi but with great regret we have to mention here that the Ranchi Council have been paying no heed to ^{our} troubles. We have lost ^{our} patience and faith in the Ranchi Lutheran Council.

Since Victor Toppo, a well known figure in the Scottish and the Lutheran Churches in Dooars has recently visited several congregations of your Church and he has been advised by them to write to you. We request you Sir to accept us and arrange for the ordination of Sri Victor Toppo as a Scottish pastor. If you are really very sympathetic to us, please believe us that all the congregations that are under our influence will come back to clear your doubts you may write to us to come to you.

Waiting for an early reply.

Yishusahay,

Sincerely yours,

Sd/- R-Toppo.

Copy to :-

The Rev. J. Lakra M.A., B.D., S.T.M.,
President, G.E.L. Church,
Ranchi.

True copy.

30-10-54.

From :-

The Superintendent,
Scots Mission Office,
Matelli P.O.
Jalpaiguri Dist.

To

Sri R. Toppo,
C/O Junas Tiru,
Treasurer D.L. Unity.

Dear Mr. Toppo,

I have received your letters of 13th and am writing after returning from Church and Mission meetings in Kalámping.

It is noted that you have written to the Rev. J. Lakra President of the G.E.L. Church at Ranchi in the connection.

At the moment it is not possible for you to come to me but I may manage to come to you and discuss matter-mean-time I must also await any reply to you from Ranchi.

Very many thanks for your letter.

Yours sincerely,

Yishusahay,

Sd/- J.M.C. Allister.

True copy.

25/11/54.

To

Rev. J.M.C. Allistir,
Superintendent,

Scots Mission Office,
Matelli P.O.,
Dist. Jalpaiguri.

Rev, and Dear Sir,

You will be surprised to hear that your p.c. dated 30-10-54 was received by us on 22.11.54. We had been very eagerly awaiting your reply. Had we received your p.c. earlier we would have gone to Gaikata on the 20th inst to see you there. Only Mr. Victor Toppo had attended the Regional Board meeting held at Gaikata on the 20th & 21st Nov. 54. We heard that our Christian brethren of New Dooars (Hastalguri) T.E. were present in the meeting on Saturday the 20th inst and they were accepted in the Scots Mission by the Rgl Board. We thank you and the Rgl Board for the sympathy shown towards the New Dooars Lutheran congregation. We were told that the Rgl Board had given no much consideration on the personal application of Mr. Victor Toppo and his application has been forwarded to the Church Board in Darjeeling for consideration.

I regret to inform you that we have not received any reply ~~xxxxxx~~ from the Rev. J. Lakra at Ranchi. I am sending a copy of your letter dated 30-10-54 to Rev. J. Lakra at Ranchi and we shall be very eagerly awaiting his reply for some time. May I tell you that we have written several letters within this year to the Church President at Ranchi drawing his attention to the troubles in the Dooars Lutheran Church but we regret to say that we have received no reply to any of our letters. Therefore, we may conclude that we may or may not get reply from him to ~~our letter~~ our letter dated 13-10-54. Of course, the President is very sympathetic with us whenever we meet him and assures us that he would manage for the subsidence of troubles in the Dooars Lutheran Church. But still, as we do not find any change in the present state of affairs we are feeling disgusted with the Lutheran Church in Dooars and particularly with Rev. D. Lakra. Naturally, no one likes to live in the midst of turmoil and oppression. Therefore, there is no other alternative left to us except writing to you.

It is necessary to inform you that Mr. Junas Tiru, treasurer of D.L. Unity is going to his native country in the first week of the month of December '54 on leave for two months, hence our postal address is changed.

Very many thanks for your reply.

Yishusahay.

Yours sincerely,
Sd/- R. Toppo,
C/O. Sri Sushil Bara,
Teacher,
Dalsingpara T.E.
P.O. Dalsingpara,
Jalpaiguri Dt.

N.B. Our present postal address,

Copy to :-

The Rev. J. Lakra M.A. ? B.D., S.T.M.,
President G.E.L. Church,
Ranchi.

True copy.

To,

The Superintendent,
Scottish Church,
The Maure, Chalsa,
P.O. Matelli(Dooars).

From- Raphael Toppo.
C/O Mr. Junas Tiru,
Treasurer. D-L-Unity,
Banarhat Te.E.
P.O. Banarhat.
Jalpaiguri Dt.
Dated 13-10-54.

Rev. and Dear Sir,

We wish to inform you that the Lutheran Church in Dooars is passing through a great crisis. There are plenty of congregations which have been completely deprived of the services of the Lutheran pastor ever since he came to Dooars in 1949. The matter has been constantly referred to the Church Council at Ranchi but with great regret we have to mention here that the Ranchi Council have been paying no heed to ^{our} ~~our~~ troubles. We have lost ~~ewe~~ ^{our} patience and faith in the Ranchi Lutheran Council.

See Victor Toppo, a well known figure in the Scottish and the Lutheran Churches in Dooars has recently visited several congregations of your Church and he has been advised by them to write to you. We request you Sir to accept us and arrange for the ordination of Sri Victor Toppo as a Scottish pastor. If you are really very sympathetic to us, please believe us that all the congregations that are under our influence will come back to clear your doubts you may write to us to come to you.

Waiting for an early reply.

Yishusahay,
Sincerely yours,

Sd/- R-Toppo.

Copy to :-

The Rev. J. Lakra M.A., B.D., S.T.M.,
President, G.E.L. Church,
Ranchi.

30-10-54.

True copy.

From :-

The Superintendent,
Scots Mission Office,
Matelli P.O.
Jalpaiguri Dist.

To

Sri R. Toppo,
C/O Junas Tiru,
Treasurer D.L. Unity.

Dear Mr. Toppo,

I have received your letters of 13th and am writing after returning from Church and Mission meetings in Kalampong.

It is noted that you have written to the Rev. J. Lakra President of the G.E.L. Church at Ranchi in the connection.

At the moment it is not possible for you to come to me but I may manage to come to you and discuss matter-meantime I must also await any reply to you from Ranchi.

Very many thanks for your letter.

Yours sincerely,
Yishusahay,

Sd/- J.M.C. Allister.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Registered Under Indian Societies Act 1860

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary: MR. N. E. HORO B. A.,

Ranchi, (Bihar) India.

No. 4085754.

The 19th November, 1954.

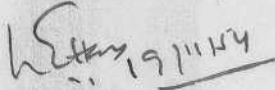
Rev. H. Topono,
Synod President,
Burju.

Manashay,

Kadma (Khunti) Mandli ka Parish enw Ilaka se alag ho jane ke babat Shri P.S. Tiru, Shikshak Khunti High School se ek chitthi ki nakal mili hai jo Burju Ilaka Chairman ke pas bneji gayi hai. Ukt chitthi se aisa malum parta hai ki Kadma se Centralisation aur anya adan pradan band hai. Is sambandh puri suchna ke na hone se kuch kahna katin hai.

Phir bhi asna hai ki is bishay se ap jankar hain ata ap se arji hai ki is bishay par prakash dalne ki kripa karen, taki ham sabhon ke dwara agar wahan ki sthiti kharab hai to sudhari ja sake.

Ap ka bishwasht,


Secretary,

G.E.L. Church, Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Registered Under Indian Societies Act 1860

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary: MR. N. E. HORO B. A.,

Ranchi, (Bihar) India.

No. 4086/54.

The 19th November, 1954..

Mr. P.S. Tiru,
Asstt. Teacher,
Khunti H.E. School,

Dear Mr. Tiru,

I am in receipt of a copy of your letter dated by 8, Nov. 1954 re: Kadma Mandli.

I have asked the Synod President to enlighten me on this matter. After I have learnt the whole things, any action for settling up any dispute can be taken up. In the memo you refer to your report dated 16-10-54. I am sorry, I am not in receipt of the same. May I therefore, request you to kindly send me a copy?

With regards.

Yours sincerely,

W. E. Horo 19/11/54
Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

From:- Rev.M.HEMROM G.E.L.CHURCH, TEZPUR, ASSAM.

To,

The Secretary,
G.E.L.Church Council,
R A N C H I.

2-I

Dated Tezpur the 1st. September 1959

Dear Sir,

You are ^{aware} of the fact that Assam is cut off from the rest of the countries ~~from~~ of India except the Air line due to the recent flood in Assam. Under such circumstances I am obliged to request you to allow me to travel by plane. If I am allowed am sure to present myself for the C.C. Meeting. An early reply is solicited.

With hearty Yishusahay,

M. Hemrom
M. Hemrom,



पोस्ट कार्ड

केवल पता



नाम Mr. N.E.Horo, Secretary,

पता G.E.L.Church Council,

डाकखाना R A N C H I .

ज़िला R A N C H I . (Bihar).

Gossner Evangelical Lutheran Church

In Chotanagpur & Assam.

Mission Estd. 1845—Autonomous, 1919

BENGAL SYNOD.

16-3-54

2-II

OFFICERS:
MR. D. D. LAKRA, PRESIDENT,
MR. P. K. HESS, SECRETARY,
MR. S. VENUGUNTA, TREASURER.

G. E. L. CHURCH GANGUTIA, T.E.

P. O. KALCHINI.

DIST. JALPAIGURI.

DOOARS.

No. _____

Dated The 18th March 1954

The Secretary C.C.
Ranchi.

Dear Sir,

With reference to your letter No 431/54 of the 26th Feby 1954, I beg to inform you that Rev. K. D. Sry was one of the delegates from the Bengal Synod in the last Mahasabha and he has not been disqualified by any action of the Church.

But as the Calcutta work has its direct connection with the C.C. the Bengal Synod could do nothing but keep quiet.

However, you have pointed out to the Synod and the Rev. K. D. Sry has been informed to attend the Extraordinary Mahasabha as one of the representatives of the Bengal Synod.

Farther, it is requested that ^{the matter of} the Calcutta work be made clear to the Bengal Synod, whether it is under the C.C. or under the Bengal Synod. The C.C. resolution P.T.O.

is there, and the constitution is there. But the
Calcutta work has its direction ^{connection} with the C.C.
practically.

Yours faithfully

J. Lakra

Synod President

Bengal Synod

Doon

Names of the Delegates
from Bengal Synod for
the Extra-Ordinary Mahasabha:-

1. Rev. Daniel Lakra
2. Rev. K. D. Soy.
3. Mr. M. D. Ekka.

P. Khem
Synod Secretary
Bengal Synod

11-3-54

J. Lakra
Synod President
Bengal Synod
11/3/54

ता. 24-1-1948 ई.

पच्छिम दुवार्स

चिलौनी बगान

पि. जे. बनारस

2-II

Church Council

Received..

Register No. 109

Date..... 23/2/54

For.....

Ref. No.....

By.....

श्री युक्त महासम्यवाह

महाशय,

Dear Sir,

दुजूर मालिकों को हम सब पच्छिम

माई बहिनों की ओर से प्रार्थना है। हम सब माई बहिनें दुजूर मालिकों के यहां हमारे दुखों को अपनी छोटी ज्ञान से लिखित द्वारा आप लोगों के सामने पेश करने चाहते हैं- सो दुजूर मालिक हम लोगों की यह लिखित को जो लिखने में गलती हो माफ करके ग्रहण करें।

जो हम लोगों की माय्या है सो नीचे लिखते हैं, यह लिखना और अपने दुखों को मालिकों के यहां पेश करना हम लोग जरूरी समझ कर लिखते हैं, कि पच्छिम दुवार्स मराठली के माई बहिनें जो हम लोग पहिले स्कॉटिस मिशन के मन्दर में रहते थे हम अपनी माता मराठली को ग्रहण कर अपनी हम लोग अपनी माता मराठली में आस हुवे हैं और आगे भी रहेंगे। हम अपने मां बापों के सामने बहुत दुःख के साथ ये बातें बतलाना पड़ता है कि हम लोग बहुत दुःख में हैं और आगे भी दुःखी देखते हैं। हम लोग पच्छिम दुवार्स वाले दुःख के कारण से अपनी ही मन्दर में बाबु प्रभु शरण सुरिन को पाद्री ग्रहण करके काम चला रहे हैं, यह करना हम लोगों की की जरूरी हुआ, क्योंकि हम लोगों को स्नान प्रभु भोज मिलना कठिन होने लगा, एक पाद्री से काम चलाना कठिन है और नहीं हो सकता है। हम लोगों के बीच में ये बाबु प्रभु शरण प्रचारक का काम करते आया, अभी डेढ़ साल हो गया, हम लोग सब माई बहिनें पाद्री ग्रहण करने से एक पाद्री का काम करते हैं। आगे भी करते रहे, इसलिये हम सब दुजूर मालिकों के यहां माय्या पेश करते हैं हुवे। हाथों जोड़ करके बिन्ती करते हैं कि हमारे यहां चुना हुआ बाबु शरण सुरिन को ग्रहण कर लें कि यह हम लोगों की पच्छिम दुवार्स चाह बगान या बस्ति में भी प्रभु का मराठली की रक्षा और रखवाली करने पावे। हम लोगों की यह छोटी पत्र को दुजूर मालिक प्रभु प्रीशु मसीह के नाम से ग्रहण करें। अन्त में प्रीशु सदाय।

प्रभु प्रीशु मसीह जी कहते हैं, मैं तुम से कहता हूं यदि तुम में से दो या तीन जन पृथ्वी पर किसी बात के लिये जिसे वे मांगें एक मन के हो तो वह मेरे पिता की ओर से जो स्वर्ग में है, उनके लिये हो जायेगी। क्योंकि जहां दो या तीन मेरे नाम पर एकठे हुवे हैं वहां मैं उनके बीच में हूं। मत्थे 18, 14-20। मांगें तो तुम्हें दिया जायगा। मत्थे 6।

लि. - भाषा लोगों का निवेदन । -

समापति । - सन्तोष हेडन कारलाला बगान
सेक्रेटरी :- J. Timoo. Banarhat. T.E.

खजान्ची :- भासिया डही बन्सारहाट बगान

पंच = राहिल बरला करलोना
जोहन संगी बनारहाट हुका तोपनी करलोना

Shakun. Master. Ziana Ze E. P. School
2005-06-1

Eliyas Hono Indong

Eliyas. Onyue Ze Long.

पाठक मंत्रा

मरणास बगने बिलकाट

जोहन सुरिन बिलकाट

सुखे मान बड़ा बिलकाट

Sheophilus Pija Prachin

Zurrantha T.E.

Ge E. L. Church

चारमध्यास रुका गुरावो
प्रभुसेवक किन्ही चुरावो
रुफेल गिनु

कउक होरो सेनगिलास है सार

Julius Loppo, Kumbai T.E. (Teacher)

मनसिध वरला, कुमलाई (पंच)

महामास
द्वारा माहवाला

महामास
द्वारा

महामास
द्वारा

महामास
द्वारा

महामास
द्वारा

महामास
द्वारा

महामास
द्वारा

मुनीकसुलेन
मुडा सुलेन

सुलेन नेलेन
बनारहाट
राहिल तोपनी

इमनुरल बारला जगल।
जुनसा कौकौडा

इमनुरल बारला

J. S. Swain.

Karbala + F

P. O. Banarhat

Alpauri Dist.

श्री युक्त सत्यवा

महाशय

जी ई रल चार्च कौसिल रांची

मैं चार्च कौसिल के सामने हमारे इवार्स को हलती को लिखता हूँ
मैं लिखित द्वारा पैस करने चाहता हूँ। चार्च कौसिल के सामने मैं लिखने
जोग्या कोई नहीं हूँ मैं दुबल और एक निर्बुद्धी हूँ अपनी छोटी बुद्धी से
चार्च कौसिल को मह पल द्वारा जनाना चाहता हूँ सो चार्च कौसिल से अपील
करते हुए कमल चारण गिर कर प्रार्थना करता हूँ कि जो लिखने में गलती
हो हमारा प्रदान करे।

आगे लिखने की विषयता है कि हम लोगों की इवार्स चाह
बगानों में बहुत से हमारे सलीही माई बहिन हैं जो आज तक कोई
जा नहीं सकते हैं कि हम सलीही हैं बहुत ऐसे हैं जगहों में हैं
जो प्रभु की प्रार्थना तक नहीं कर सकते हैं। साल भर के आन्दर में एक
रोज भी सलीह प्रभु का सुसमाचार सुन नहीं सकते हैं। कितने तो
ससार के जैसे रंग डंग पकड़ लिये हैं आपने को सलीही कहने
तक नहीं सकते हैं और कितने तो दूसरे चार्च आर्थात् ईस्कोटिल के आन्दर
रहते रहते आपने चाल स्वभाव बिगाड़ बाँधे हैं।

आब इवार्स के लिये एक सारी चिन्ता की बातें मैं समझता हूँ हमारे
माई बहानों जो देश से लूथरान चार्च के आते हैं ईघार ईस्कोटिल में
ईस्कोटिल एक ऐसी सस्था है कि कितना ही पढ़ा लिखा माई बहाने रहे
ईस्कोटिल में पढ़ी मिल जय तो बिगाड़ बलना पड़ेगा। आत्मिक ज्ञान से
सादा आलस ही रह जायगा मैं भी एक साल ईस्कोटिल चार्च में था
हमारे लूथरान गिरजा हमारे र आलस पास नहीं था जिसके कारण जन
सुभी पड़ा। चूँकि ईस्कोटिल में रहना सन नहीं हुआ क्योंकि हम अपने
ला नहीं पा सख को लूथरान गिरजा छोड़ना पड़ता है जितने वहाँ
ईस्कोटिल से जाते हैं तब मैं कुछ माई बहिनों को ईस्कोटिल छोड़ने के
लिये राय में ला ले आये। माई बहाने ईस्कोटिल ले आलस होने की
चिन्ता लिये और आमी हम लोग लूथरान गिरजा में जोर देने
वाले हो गये मैं बगान का काम छोड़ कर और बगानों में खोजी
जहाँ जहाँ मैं गया वहाँ के हमारे लूथरान माई बहाने राय में हो
कर ईस्कोटिल को छोड़े। ये सब कामों को ईस्कोटिल के प्रचारकों
को समझूँ हुआ बहुत माई बहिनों को चमकी देती हुए आपने
आल में लाने चाहे पर जो स्था रह गये सो अब तक हमारे लूथरान
में जोग देते हैं नया प्रकार को स साकाने लगे लूथरान में
पढ़ी न प्रचारकों का ठिकाना नहीं है वहाँ तुम लोग दो दिन के

लिये जाते हैं दुसरा = कि जो ईकोटिल में नहीं रहेगा उसको कोई बगान
 में घर या काम कुली काम तक नहीं मिलेगा। मारी बहिनो को बहुत दुख हुआ
 और जब तक दुःख ही है मैं बहुत संकट में पड़ गया क्योंकि पत्नी ना होने
 से मारया बिना स्नान बाल वस्त्र नष्ट हो गये। और मुझे बाँक मिलते जाते हैं
 मैं हमारे पत्नी का खोज में रहा मुझे मालूम हुआ कि एक पत्नी जगोदिया में
 रहते हैं १६४६ साल कुछ चिड़ी पत्नी मरी काना युक्त फिरे कि पत्नी हमारे
 ताला मल दो। कोई जवाप नहीं मिलती थीं जब मारी बहिनो से मरी जवाप
 देना पड़ता है खया मुझे मिला कि हमारी बाड़ी बगान में कुछ मारी बहाने
 नू धारण हो गये हैं मैं वहा पत्नी का खया लेने को गया तो बिक ही मैं
 हमारे पत्नी बहाव १६५० साल में आया हलही बाड़ी आया और हम लोग
 मुन्नकत हो गये। मैं पत्नी बहाव को लपने दुःखो को बतलाया और बहुत
 माल मिली मैं बहुत खूबी हुआ मैं लोट का मारी बहिनो को खूब क
 खबर बतलाया तो बहुत उन लोगो में मरी मानन्द हुआ। जब आगे और मारी
 बहिनो को हम लोगो के साथ में हो गये आगे बढ़ते ही जाने लागे। हम लोग
 पत्नी को बुलाते हैं कोई खया मी नहीं ना जाने का कोई पत्नी है एक
 घर लखिपड़ा में १६५२ साल १७ फरवरी को मैं आया ११ घास खोजने
 को स्थान मिला और एक बलन को आगे दुसरी जगह जाने के लिये कैईर
 बार बुलाया गया पत्नी का कुरसात ही नहीं। कितने बाल बिना
 स्नान सर गये तिल पा पा में मारी बहिनो को बहुत दुख हुआ जब
 सब हमारे उधर में बिगडने लागे रीकी हालत में मुझे कुछ सहन नही बना
 कितने मारी बहने फिर ईकोटिल में लोट गये। इन सब को हाल काने के
 लिये एक चार्च कमिटि बनवाई गयी और चार्च कमिटि मी राय दान
 मुझे एक पत्नी का काम काना पड़ता है और मामी १४ बगान के
 लू धारणो को सेवा में काला हूँ जो चार्च कोटिल मालिक है चिड़ी
 काल जताता हूँ कि ईल काम के लिये चार्च कोटिल प्रवाध को और नहीं
 तो मारी दुःख की तरफ में पड़ी है प्रमु प्रमु सहाय कहते हैं कि जहा
 दो आचना तीन मीरे नाम पर ईकडे हुए हैं वहाँ में उनके बीच
 में हूँ सती १८-२० पद। बचन लें या काम लें जो कुछ करो
 सब प्रमु के नाम लें करो और उसके द्वारा परमेश्वर पिता की
 धन्यवाद हो कुं ३-१७ = स. व. ६७

मेरा जो लिखने में गलती है साफ काना

आता मैं (प्रायः सहाय)

आप को निवेदन श्री S Swain

1958
From - Condt. Nival Matias Sim
2-II Gangotia T. E. Jalpaiguri
(Duars)

Church Council
Received... 10/12/58
Register No. 276
Date... 12.5.58
At... 2-II
By No. ...
Dear Sir,

The Secretary

G. E. L. Church Chotanagpur

G. Assam Ranchi

Sir,

Just day before yesterday
I have reached to Duars (Gangotia T. E.).
We both were together with Candidate
Sebeyan Horo on the whole journey.
We ~~did~~ not come to face any danger
accident on the way. But when I
came down from ^{the} train at Kalchini I
went to another Bagan where the
Scottish church is. There was good
behavior to me and I was there one
night with safety. On the next day I
came to Gangotia to Rev. D. Lakra. I
am here with him and I will be with
him till I know my area. I have already
joined and began my duty, but I am

unknown my area that where to where
it is. So I am with him in order
to show me the area.

I am well and the same idea
for you too.

Nishusahay.

I am - your's faithfully

Candl. N. M. Sen.
Gangolia T.E.
Talpaiguri.

Church Council
Register No. 273 CC
Date 12-5-54
Page 2-II
By ~~Rev. D. Lakra~~
Dated ~~12-5-54~~

Gossner Evangelical Lutheran Church
 In Chotanagpur & Assam.
 Mission Estd. 1845—Autonomous, 1919
BENGAL SYNOD.

OFFICERS:
Rev. D. Lakra, PRESIDENT.
Mr. D. Lakra, SECRETARY **P. Khess**.
Mr. D. Lakra, TREASURER. **S. Venuga**.

G. E. L. Church Gangutia, T.E.
P. O. Kalchini.
DISTT. JALPAIGURI.
DOOARS.

No. 93/B/54

Dated the 6th May 1954

To

The Secretary C. C. 2-II
 G. E. L. Church,
 Ranchi.

Dear Sir,

Thanks God, the Cand. Nival Matias Swini has arrived Gangutia (Dooars) safely on May 3. 1954. He arrived Kalchini Station on May 2, but owing to misguidance he went to Dima T.E. and spent one night there. We had no information about the date and time of his arrival, so he had to face that difficulty. However, we are glad he is well. He is putting up with me at present and for the first time I will take him along with me in my tour throughout the field. On May 16. there is a Dedication Service of a Chapel (Lutheran), kindly constructed by the garden authority at Dalsingpara T.E.

Yours faithfully
D. Lakra

Lutheran Church, Calcutta

Rev. K. D. Soy

5/1/1 Gope Lane,
CALCUTTA-14.

Ref. No. 58/C.

Dated the 2-5-54.

2-11

Church Council
Received... *OK*
Register No. 261
Date... 5/5/54
To... 2-11
Reply No.
Date

To,
The Secretary,
Goss. Lutheran Church, Ranchi.

Sir,

Owing to my father's serious illness at home
I require seven days (3-5-54 to 9-5-54) leave. Would
you be so kind enough to grant my leave for the
said period for which act of your generosity I shall
be much thankful to you.

Yours faithfully,

President for sanction of
leave

hr. 8/5
Secy

[Signature]
5/5/54
K. D. Soy
2/5/54.

Informed in a p.c.
No. 2149/54 dt. 8/5/54
stating that he has been
granted leave for 7 days
from 3⁵ to 9⁵ 54.
President's order

hr. 8/5

Mar 27/4

Bengal file

Gossner Evangelical Lutheran Church
In Chotanagpur & Assam.
Mission Estd. 1845—Autonomous. 1919
BENGAL SYNOD.

OFFICERS:-

REV. D. LAKRA, PRESIDENT.

MR. ~~M. M. MINZ~~ SECRETARY P. K. Hess

MR. ~~D. P. DUNGUUNG~~ TREASURER. S. Vengra

G. E. L. CHURCH GANGUTIA, T.E.

P. O. KALCHINI.

DISTT. JALPAIGURI.

DOOARS.

No.

Dated the 22nd April 1954

2-11

The Secretary C. C.
Ranchi.

Dear Sir,

The Candidate Mihal Mathas Surin has written to the Bengal Synod requesting to send money for his traveling expenses. But the Synod is sorry to inform you that, It had to take loan for the last Extra-ordinary Mahasabha. The Synod is not in a position to send money, so please do arrange for his journey expenses.

Yours faithfully

D. Lakra
Synod President
Bengal Synod
22/4/54

World Mission Prayer League, Inc.

(INDIA)

2, Mackintosh Road,
Darjeeling, W. Bengal.

April 11, 1954

Church Council
Received...
Register No. 927
Date 28/4/54
To 28/4/54
Reply No.
Date

Rev. J. Lakra
Pres. Gosner Evangelical Lutheran Church
Ranchi, Bihar

Dear Rev. Lakra,

I had fully intended to write to you long before this but, as is so often the case, other things called from my time and I have not gotten to it before now.

First of all, I want to take the opportunity to thank you folks of the Gosner Church for your kind hospitality to me and the good time which you showed me. I have learned to know some of you as friends and brothers in the Lord Jesus Christ. As I wrote to Rev. Klimkeit, I will always think of my time amongst you as one of the highlights of my time on the mission field. If possible, I should like to take one of my Nepali brothers there to Ranchi to meet you folks before I leave for the U.S. As I told him about your Gosner Church he was very much taken with it and would like to see it first hand.

Our trip from Rajgangpur to Jamshedpur was very comfortable though uneventful. We had a very nice second class compartment all to ourselves. I had a nice time in Jamshedpur also and was royally entertained by the brethren there. I was surprised to see the way the church is growing there and was happy to see the activity of the whole church in the city.

There is one thing which I have intended to write to you about since I left you folks at Rangangpur. In writing about this I do not intend to be correcting or instructing you folks in any way, but I am writing simply to try and explain my own view and position on the subject. I think, if you are interested in doing so, we can continue to correspond on this subject as a matter of personal discussion. I am thinking of our discussion that last night at Rajgangpur in relation to the place of the layman in the ministry of the church. I felt that I did not get my idea across as I had intended to do.

Director Lokies summarized my statement that night in a way which was not exactly what I had in mind. He said, "You mean we should try

and mobilize the layman more". Although I agreed that that was what I meant, as I thought it over more later I realized that it was not really my meaning. I think that the basis of my not being able to make myself^{point} clear, lies perhaps in a different concept of the term layman. According to strict definition of course, a layman is a man who is not ordained. However, that is not the sense in which I usually think of the layman. To me a layman is a man who holds a secular job by which he supports his family but at the same time is interested in the work of the church and does his best, as an offering to the Lord, to support and further that ministry. As an example take my own case. According to strict definition, I am a layman as I am not ordained. But in another sense, I am not a pukka layman anymore. I am what you might call "semi-professional". If I were back in the U.S. now, I would be thought of in just that way in many circles. For example, I might be a licensed preacher in a Lutheran Church but in that capacity I would often be addressed as "Pastor". In other words I would be associated more with the clergy than with the laity in the minds of the people. In a technical fact I would not be a clergyman but in actual fact I would be thought of as being closer to the clergy than to the laity. I would be engaged in the official ministry of the church in the same way that the clergy are only with more limited duties and responsibilities. Now as I think of the true layman, He works at his job for a living and gives of his extra time to the work of the church. He would most likely do this in full cooperation with his pastory and the official ministry of the church. However his place, type and method of ministry may not be at all identical to that of the professional minister. The real true layman, or rather the layman who is true to the Lord, is the man who will seek to win the man for the Lord who works next to him at his secular job. Naturally he will seek to bring this man along to his church with the hope that he will become a member of that church to which the layman belongs. Such a layman might well conduct Bible classes in his home for those people whom he contacts who would not likely come to a church. He could plan such classes in cooperation with the pastor and would naturally keep his pastor informed of the progress being made in such work. A pastor with vision and foresight would also try his best to make use of such laymen to help him in his ministry. He might use those who are qualified, for preaching in his church and for conducting Bible classes and for doing house evangelism. It is true that many times they will make mistakes but I feel that the example of their zeal to the outside world will more than make up for the mistakes that such laymen will make. And for every one who turns out to be a serious trouble there will be many more who will be a great asset to the work of the church. Such might be the work of the layman in cooperation with the official ministry of the church.

There is another sense too in which the layman might have a real ministry altogether apart from the official ministry of the church which would nevertheless be of real value to the church and in no way reflect

on the layman's loyalty to his church. I am thinking now of activity in such outside organizations, which we have in the U. S., as the Gideons and the Christian Businessmen's League. My own activity when I return to the U. S. and attend school, might well be more with such groups than with the official church. At the same time, the contacts which I make through such groups, I would seek to bring first to Christ and then into the fold of my own church. It is often possible to reach a whole ~~real~~ class of people through such activities which the professional ministry of the church cannot get contact with. Once they are contacted and won for Christ they make good church members. I have found that in my experience as a pilot. I often have had the opportunity to meet and witness to people whom a professional minister could never engage in a religious conversation. Today in the U. S. we have the situation where the professional ministry has a much more limited ~~in~~ sphere of influence than the laity, even in religious matters, and much of the personal evangelism of the church is being done by the laymen on their jobs and during their spare time amongst the people with whom they have contact. In those cases where the clergy recognized ~~and encourage~~ this situation and encourage the laymen in these activities it serves to bring many members into their churches and under their influence. In those cases where the clergy do not appreciate these activities and oppose the laymen it not only loses the layman's contacts for that church, but it also tends to cause the laymen concerned to seek fellowship in other churches where such activities are encouraged. I think that it is true to say that by and large such activities on the part of the laymen are encouraged. At least it has been so in my experience. Most of the pastors whom I have met, are quite happy to have the non-official ~~lay~~ laity busy in this way and they capitalize on their activities.

Now in the light of all this, I would not think of catechists as being pukka laymen when I speak of lay activity in the church. I think of a man like Mr. Panna who holds a secular job but at the same time is interested in the work of the church and does his best to win the lost for Christ and bring them into the church. By the way, I was quite impressed with Mr. Panna and should think that men such as he could make a valuable contribution to the church.

As I said before, I do not write this in any way to tell you folks what to do but simply to let you know how I look at these things. I would be very interested in getting your reactions to what I have written and discussing it further, if you so desire. I hope that you understand the spirit in which I have written this.

I have not seen Rev. Daniel Lakra yet as I failed to get his address from you. Would you please send it to me?

Our folks here are quite happy with my report of my time with you and with the recommendations which I made. However, some of them fear

that we may have some difficulty making such arrangements with the Scots Mission. Some of them feel that if we were to take on the responsibility now for preaching at LeBong, it might make the Scots Mission suspicious ~~later~~ of any approach which the Gossner Church might make later to include our work in the work of the Gossner Church. However, we can think and pray more about that and it might be more apparent what would be the correct move after we have talked with Rev. Daniel Lakra and find out more about the situation. We will keep you informed of all that goes on as I am sure Rev. Daniel Lakra will also do. We are having our Mission Conference Meeting at the end of this month and we will discuss it more fully then and let you know the results. In the mean time, I will look forward to hearing from you on the subject of which I have written.

I trust that you and your family are all well.

Yours In Christ,

WORLD MISSION PRAYER LEAGUE, INC.

Clarence M. Hjelmervik

Clarence M. Hjelmervik,
FIELD CHAIRMAN.

CH/ms

17/3
Lutheran Work, Calcutta

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14
Secretary:—Mr. C. A. D. Parti
60/C S. Roy Road, Calcutta 39
Phone:—PK. 3561

2-11
Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

Ref. No S/44/54

Mr. Z. Horo. Treasurer,
G.E.L. Church,
Ranchi.

Dear Mr. Horo,

For the matter of principle and for the purpose of maintaining proper ledger by our treasurer all C.C. grants to the above congregation may kindly be remitted to Mr. S. Jojowar Treasurer, Lutheran Work, Calcutta. 9 Ismail Street Calcutta-14 only who will acknowledge receipt in future.

The existing arrangement of receiving such sums by the writer will only be appreciated if however, the local Treasurer is on leave or away from Calcutta after duly informing you of being away, under such circumstances the undersigned does not object.

Yours faithfully,

cc to Mr. N.E.Horo, Sect. G.E.L.C.
cc to Mr. S. Jojowar Trea. L.W.C.

S. Jojowar
Secretary,
LUTHERAN WORK, CALCUTTA,

2-II

Lutheran Work Calcutta.

Chairman :- Rev. K. D. Soy,
5/1/1 Gope Lane,
Calcutta 14,

Treasurer :- S. Jojowar
2 Bhowanipur Road,
Calcutta 27.

Secretary :- Mr. C. A. D. Purti,
60/e S. Roy Road, Calcutta 39.
Phone :- PK. 3561.

Ref.No. S/43/54.

Date 1-4-54.

Dear Mr. Moro,

There used to live a young man Anil Khalkho by name in Calcutta. A charge was brought to our congregation by a young girl Roselin Yafat of local Baptist Church. The Committee could not cross examine the parties concerned as the boy ran away before we could do so. It is now known that he is under the jurisdiction of H. Q. Congregation.

Could you possibly trace him or direct this enquiry to the Secretary H. Q. Congregation and if that post is covered by yourself then this will form another subject matter for discussion when I hope to deal with during our meeting. His present address is being reported to be Power House Chutia Ranchi. He is a fair looking young chap.

Yours faithfully,

Sd/- C. A. D. Purti.
Secretary, Lutheran Work
Calcutta.

Memo No. 987/54, dated the 10th April, 1954.

Copy forwarded to Rev. S. Kula, Chairman, Hd. Qtrs. Congregation for enquiry and report.

B.L. 10/4/54.

W.L. 10/4
Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

Boy mistake
opened by me
3.4.54.

Lutheran Work, Calcutta

Church Council

Received...

Register No. 221...

Date..... 3.4.54.

Fr..... 3.

Reply No.....

Date.....

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14

Secretary:—Mr. C. A. D. Puri
60/C S. Roy Road, Calcutta 39

Phone:—PK. 3561

Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

Ref. No. S/43/54

Date. 1.4.54

Dear Mr. Horo,

There used to live a young man Anil Khalkho by name in Calcutta. A charge was brought to our Congregation by a young girl Roselin Yafat of local Baptist Church. The committee could not cross examine the parties concerned as the boy ran away before we could do so. It is now known that he is under the jurisdiction of H.Q. congregation.

Could you possibly trace him or direct this enquiry to the Secretary H.Q. congregation and if that post is covered by yourself then this will form another subject matter for discussion when I hope to deal with during our meeting. His present address is being reported to be 'POWER HOUSE CHUTIA' RANCH. He is a fair looking young chap.

AO 987/54 dt. 10.4.54

Copy forwarded to Rev S Kula, Chairman, H.Q. Congregation for enquiry and report.

Yours faithfully,
R. B. B. B.

Secy CC

Secretary,
LUTHERAN WORK, CALCUTTA

1/11/53

Mr. C. A. D. Parti

No. — (Personal)

2-II

60/C, S. ROY ROAD,
CALCUTTA-39.

Date 1.11.53

Dear Mr. Horo,

We are going to take further steps to get the loan of Rev. Lucas Topano. The advise given to him for a fresh loan from Jamshedpur Parish has been ignored. During Pujas I have been to Jamshedpur and had a talk with Mr. Kandulua who directed me to bring it to the notice of the Parish committee. I am afraid, we will have to do that. A copy of which will be sent to you after our meeting next week. In the meanwhile Rev. Soy who was charged for unofficial drawing of Rs 75/- instead of Rs 70/- p.m. as house rent. He promises us to refund the amount since 1950.

It seems to me that we have quite a large number of ordained thieves in our church and authorities should take drastic measures to put a stop to such undesirable things.

Yours Sincerely,

Atthunk.

1/11/53

736/54

2-II

15th March,

4.

Mr. C.A.D. Purti,
60/C S.Roy-Rd.
Calcutta - 39.

Dear Mr. Purti,

Thanks for your letter No. S/42/54

dated 11/3/54.

Rev. Mitrekaji has not been informed about the proposed deal. I regret, I could not write you about it as promised. I had a talk regarding it with Mr. P.D. Kandulna. Every thin depends upon money and as the Board of Properties is short of funds, we feel, it is rather not within our means to purchase the property at present.

We have not only sympathy but responsibility too towards Calcutta. It is due to shortage of funds again that money cannot be remitted to you earlier. The subsidy is still expected. However, I am requesting the Treasurer to do the needful.

Yours Sincerely,

W. S. 132

Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

13/3

Lutheran Work, Calcutta

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14
Secretary:—Mr. C. A. D. Purti
60/C S. Roy Road, Calcutta 39
Phone:—PK. 3561

Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

Church Council
Received... PA
Register No. 1719C
Date... 15-3-54
For... 2-TH
Reply No.
Date... ..

Ref. No. S/42/54

Date 11/3/54

Mr. N.E. Horro, B.
Secretary,
G.E.L. Church
Ranchi

Dear Mr Horro,

(1) It is expected that the financial position of C.C. will be greatly handicapped these days. Whatever might be the reason I would like you to consider sympathetically as far as Calcutta Congregation is concerned, there should not be such effect which will lead us at our wits end. We have no means to support our Pastor under financial crisis.

(2) I shall be highly grateful to let me know if you have answered Rev. Nitzakaji, the Chaplain of Howrah about the offer of the Church compound. If however, we are unable to take it let others be given the chance.

Para 2 of this letter refers to my letter no S/39/54 of 17/1/54.

Yours sincerely,
A. Bhattacharya

Fullerton Works, Calcutta

Treasurer: S. Jojanna
2 Bowbazar Road, Calcutta 21

Obanah Council
 Received...
 Register No. 1716
 Date 12-3-54
 For...
 Rs. 100/-
 By...
 Rs. 100/-

Chairman: Rev. E. D. Soy
5111 Gope Lane, Calcutta 14
 Secretary: Mr. C. A. D. Puri
60/2, Box Road, Calcutta 20
 Phone: PK 3561

Date 11/3/54

Ref. No. 2/42/54

Mr. K. E. H. H.

Secretary
 C. E. J. Choudhury
 Ramdas

(1) It is expected that the financial position of C. C. will be greatly improved.

9488x5
 47440 4
 2

1945-49
 455-53

10,1

9488x4
 77952
 40400 3
 78352
 101100
 88454

47440
 40400
 87840

Calcutta File

9-11

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

Class Amount No. Date.

Rs. A.

Office of Origin



RECEIPT

FOR INLAND TELEGRAM

(See Instructions on reverse.)

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

INLAND TELEGRAM

A

Class Amount No. Date.

Rs. A.

Office of Origin

Service

Code Instructions



H. M.

Words

Space for Postage Stamps
(Space for additional postage stamps on reverse.)

Charge.

Sent at

To

By

Rs. A.

(If National Cash Register Machine is in use the booking clerk should sign here.)

(Nothing is to be written by the sender above this line.)

If classed EXPRESS
write the class here.

If on Govt. or State business,
write STATE here.

Special Instructions by sender,
e.g., "Reply Paid," etc.
(See Clause 375, P.&T. Guide.)

TO

Name **REVEREND SOY**
Address **5/11 GOPE LANE**
Telegraph Office **ENTALLY CALCUTTA**

ADDRESS FULLY
AND CORRECTLY
FOR
DELIVERY

ARRIVING

SEALDAH

Unable

Monday

perform dedication Arriving Sealdah

How

FROM (To be telegraphed.)

NOT TO BE
TELEGRAPHED

Signature
and
Address or Phone Number of Sender.

SEE NOTICE ON REVERSE.

In case of complaints or application for refunds please enclose this receipt and refer to the telegraph office or origin within thirty days; thereafter complaints should be addressed to the Postmaster-General of the Circle concerned within three months from the date of the telegram. Application for refund which do not involve complaints against the service should be made to the Officer-in-Charge, Telegraph Check Office, Calcutta, within the prescribed period. *In all cases, this receipt must be enclosed.*

**SAVE SAFELY
for the FUTURE**

Buy
**NATIONAL
SAVINGS
CERTIFICATES**
Rs10/- becomes Rs15/- in 12 yrs

ADDITIONAL SPACE FOR STAMPS

Accountant
16/10/52

NOTICE.

The ACCURACY of Telegrams is not guaranteed; the Sender and Receiver must accept ALL RISKS arising from non-delivery, errors or delays. The Director-General shall not be liable to make compensation for any loss, injury or damage arising or resulting from non-transmission or non-delivery or wrong delivery of the telegram, or delay, or error, or omission in the transmission or delivery thereof. The address must contain all the particulars necessary to ensure the delivery of the telegram without search or enquiry. For large towns the name of the street and the number of the house must be given or in the absence of these particulars the profession of the addressee or any other useful information. Even for small towns the name of the addressee must, if possible be accompanied by additional particulars to guide the office of destination in effecting delivery. When a Telegram is addressed to one person care of another the address must contain immediately after the name of the real addressee the words "care of" "C/o" or any other equivalent. The address may also be in the form of Post Box Number or Telephone Number.

Telegram

off. copy

2-II

Reverend Leka

Gangotri TEHSTATE

KALCHIN

Arriving Kalchini Lohis Third February

Samity Corner

Mr. Hallam Soy,
Headmaster Tokad M.E School
Camp. New Garden, Siemotoly
Ranchi

It is reported that you are absent
from your school for more than
2 months & without leave and
without informing the authorities
concerned. It is also reported that
all registers & books of the said
school are with you, and the
Assistant Teachers and Chairman
of the school find it difficult
to run the school.

I understand that this matter
has been brought to the notice
of the Chairman, Singhbhum District
Board.

This action of yours is highly
objectionable. You are, however,
asked to join your school back
immediately.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A.,

Ranchi, (Bihar) India

No. 2012/53.

2-II

The 31st December, 1953.

Rev.D.Lakra,
President Bengal Synod,
Gangotia T.E., P.O.Kalchini, Jalpaiguri Duars,
West Bengal.

Dear Rev.Lakra,

In accordance with a resolution of the Church Council about Shri Prabhusharan Yakub Surin's alleged activities I am to request you to give wide publicity that Prabhusharan Yakub Surin is an unordained man and as such he cannot give Holy Sacraments and perform marriages according to Christian rites. That he has been excommunicated and has not been received back as yet, that whoever is married at his hands is liable for punishment according to Church common laws.

Extract of the C.C. minutes in this respect is attached herewith.

Yours sincerely,

W. E. Horo 31/12

Secretary,
Church Council, Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM. 2-11

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary: MR. N. E. HORO B.A.

Ranchi, (Bihar) India

The 26th Feby. 54. 195

No. 431/54

Rev. Daniel Lakra,
Bengal Synod President,
Gangotia T.E.,
P.O. Kalchini, (Duars).

Dear Sir,

Reference your letter nil dated the 15th Feby, 54 I have to say that your Synod was represented by Rev. D. Lakra, Rev. K. D. Soy and Mr. Philip Khess in the 1953 Mahasabha. According to the constitution they only can attend the Extraordinary Mahasabha. If they have not been disqualified by any action of the Church or by any article of the constitution they are to attend the forthcoming Mahasabha. Mr. M. D. Ekka can attend as C.C. member but his seat will be within the allotted number for the Synod. Hence Mr. Philip cannot attend.

Your Synod will therefore be represented by yourself, Rev. Soy and Mr. M. D. Ekka.

Yours sincerely,

W. E. L. Church
Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

Copy to Rev. K. D. Soy in-charge Calcutta Works
for information & needful.

DT.

W. E. L. Church
Secretary
G. E. L. CHURCH
CH. NAGPUR & ASSAM
RANCHI

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A.

Ranchi, (Bihar) India

No. 431/54

The 26th Feby. 1954.

Rev. Daniel Lakra,
Bengal Synod President,
Gangotia T.E.,
P.O. Kalchini, (Duars).

Dear Sir,

Reference your letter nil dated the 15th Feby. 54 I have to say that your Synod was represented by Rev. D. Lakra, Rev. K. D. Soy and Mr. Philip Khess in the 1953 Mahasabha. According to the constitution they only can attend the Extraordinary Mahasabha. If they have not been disqualified by any action of the Church or by any article of the Mahasabha they are to attend the forthcoming Mahasabha. Mr. M. D. Ekka can attend as C.C. member but his seat will be within the allotted number for the Synod. Hence Mr. Philip cannot attend.

Constitution

Your Synod will therefore be represented by yourself, Rev. Soy and Mr. M. D. Ekka.

Yours sincerely,

W. E. Horo
Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

69/49/53
Lutheran Work, Calcutta

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14

Secretary:—Mr. C. A. D. Purti
60/C S. Roy Road, Calcutta 39

Phone:—PK. 3561

Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

Ref. No. 108/C.

Date 10-9-1953.

To
The President.
Northern Synod,
G.E.L. Church, Lohardaga. (Ranchi).

Sir,

I am in receipt of your letter # nil dated the 7th August 1953 ; *Thanks for the same.*

Further I regret much for the negligence of your Office. You should have kept an Office file for correspondents etc. I will remember ^{well} the words you spoke to me during last M/S. but I had requested you to send me an Office note, which you have done now.

To your remarks may I produce you my Original letter's copy. I'm submitting herewith for needful.

C.C. to the Secretary,
G.E.L. Church Ranchi.

Yours faithfully,

K. D. Soy wls

Lutheran Work, Calcutta

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14
Secretary:—Mr. C. A. D. Parti
60/C S. Roy Road, Calcutta 39
Phone:—PK. 3561

Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

True Copy.

Ref. No. Nil.

Date 15th Jan. 53.

To
The President.
Northern Synod, Ranchi.

Subj:— Enquiry of the boy Johan Barla S/O
Daud & late Shilwanti of the village
Bharno of Chatti Parish, P.O. Khukra, Dist.
Ranchi; and the girl Nilmani Minj D/O
Phulchand & late Jaywanti Jayo of the
Village Raghunathpur of Mandar Parish
P.O. Sons, Dist. Ranchi.

Sir,

Will you let me know the following items about the
above mentioned boy & girl which belong to your Synod.
They are here since two months with Babu Prabhushay
Bara of Bharno working in the Bhagor Company W 372.
Tollygunge, Calcutta-33. These boy & girl want marriage.
They state that they have engaged here at Tollygunge
recently.

- 1). Do they have fled away from their homes ?
- 2). Are they pure bachelors ?
- 3). Do their parents agree their marriage ?
- 4). Do their parents as well as the relatives know
their whereabouts ?
- 5). Can you recommend for their marriage ?

I shall be much thankful to you if you kindly
enable me to perform their marriage here at Calcutta.
Anearly reply solicited.

Thanking you.

Yours faithfully,

Sd/ K.D.Soy. 15/1.

2-11
No 1804/53

4th December

3

Rev. K.D. Soy,
5/1/1 Gope Lane,
P.O. Entally,
Calcutta-14.

Dear Rev. Soy,

Thanks for your letter. I have enquired from Mr. Kandulna if he can procure Solfa types for his Press-for the purpose of printing "Durang Puthi". Last time he said he would. I am writing him again to-day. We have to see how much we can invest in this work. A formal sanction of the Executive, at least, is required. I am sorry we are not having it earlier than January next.

Shall inform you when I hear from Mr. Kandulna.

Sincerely yours,

W. H. M. 4/12/53

Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

B.L.4/12/53.

2-II
No 1805/53

4th December, 3

To

P.D.Kandulna, Esqr, B.A.,
Superintendent,
G.E.L.Church Press,
27 Hume Pipe Road,
Jamshedpur.

Dear Sir,

Inviting reference to our talk here ~~xxxxxx~~ regarding printing "Mundari Durang Puthi", I have to inform that I had again a talk with the Asst. Manager of the Press, I learn from him that he has written you about it.

The point is - if you are going to purchase Solfa types that will suit the C.C. and the Press. If not, let us send it to Baptist Mission Press, Calcutta, Rev. K.D. Soy and Mr. C.A.D. Purty will look after its printing and other things. Rev. K.D. Soy informs me that Mr. Norman Eltes of that Press agree to get it printed even if we are not paying him any advance in the beginning.

However, I think, you can procure the required ^{you} types. They are not very costly as I gathered from talks.

May I know what steps you propose to take.

Expecting an early reply.

Yours sincerely,

H. K. S. 4/12/53
Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

B.L.4/12/53.

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

President:—Rev. J. Lakra, M.A., B.D., S.T.M.

G.E.L. CHURCH COMPOUND
RANCHI, BIHAR, INDIA

Ref No. 1786/53.

2-11

Dated the 4th December, 1953.

To

Rev. K.D. Soy,
5/1/1 Gope Lane,
P.O. Entally,
Calcutta-14.

Dear Rev. Soy,

Finally December 9th and 10th have been fixed for the Calcutta Committee to meet at Lee Memorial. I am arriving on the 9th morning. Please meet me at the station.

Please also make a plan of our visit to different parts of Calcutta for the survey work. Please enquire where, what kind of Lutherans are living in Calcutta.

Yishusahay.

Yours Sincerely,

J. Lakra
President.

B.L.4/12/53.

Lutheran Work, Calcutta

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14

Secretary:—Mr. C. A. D. Purti
60/C S. Roy Road, Calcutta 39

Phone:—PK. 3561

Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

Ref. No. 123/C

Date. 26. 11. 53

To, the Secy
G. E. L. Church, Ranchi.

होरो गोमके के धाँसुहाय,
जुगि लेका तेगिंग हड़ा कना
कर कोमि कोइंग सब खवड़ केदा।

दुरंग पुधि नंग चिल्ला होवाओ तना ?
मरु, मले दो नेरे सोबेन लेका तेले तैयार जना
लेकड़ागी ले दूपा दड़िया। मोरु सिरमा जकेद जेस
के पोएसा का मोमाइ रेयो-ए सहतिंगे या।
मकरिंग तेया मारोम मबु मागुए चाए आएबु
एमाइ रेयोए राजिमिया। कौ सिल माक्रींग मारोम
ए उठावे रेदो ओझो:गी बेस। एडमान्स एमन
ओरो: जेतन दरकार बनोला। मबुका: सनेंग,
लेकड़ागी मेने रेदा मरु सेकड़ा ते लेकड़ा

पुष्टि

मौलाना कुल नामाङ्कन में ।
इस नामाङ्कन के अनुसार

212 नमः ।

म 811

K. D. Jy

- 1) The Press will be only the ~~Printer~~
- 2) The Printer either here or anywhere shall be the Publisher
- 3) The Publisher shall be the Munda Committee or the Council as may be.
- 4) I suggest, the publisher be Munda Committee will ~~also~~ get half the Council through the Council.
- 5) The Council may sometimes direct the Profit & The Committee the other half.
- 6) Council may for any needful.
- 7) Let us try once our Committee for any needful.
- 8) Let us try once our Calcutta Work for Durand Pathi

K. D. Jy

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845--Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A.,

Ranchi, (Bihar) India

5th Nov,

3.

No.

The 195

2-II

To,
Rev. K.D. Soy
5/1/1 Gope Lane ,
Entally , Calcutta _14.

Dear Mr. Soy,

Understand that you have a copy of Munday
Durang Puthi corrected with self notes. If you kindly send
me tha-t copy immediately .

Durang Puthi has exhausted in the Press and
we need fresh publication with new Edition.

Treat it urgent.

Yours faithfully,

W. E. L. Chuch

Secretary,
G.E.L.Chuch, Ranchi,

M.H/

Rev. D. LAKRA

G. E. L. CHURCH,
GANGUTIA, T.E.,
KALCHINI P.O.,
Jalpaiguri Dist.,
(Dooars)

2-11
The Secretary C.C.,
G.E.L. Church,
Ranchi.

17-XII-1953.

Dear Sir,

Received your Reminder Letter No 1787-1807
of the 4th Dec. 1953, regarding Synod's Quota for
1953. Now, I beg to inform you that the
Bengal Synod (Dooars) has already given a
part of its quota amounting Rupees eighty-four
(Rs 84) out of the total amount of Rs 104/-
the remaining amount of Rs 20/- (Rupees
twenty) only, is being sent.

Yours faithfully
D. Lakra

REV. D. LAKRA

G. E. L. CHURCH,
GANGUTIA, T.E.,
KALCHINI P.O.,
Jalpaiguri Dist.,
(Dooars)

The Secretary,

G. E. L. Church,
Ranchi.

17 - XII - 1953.

Dear Sir,

Received your letter No 1844-59/53

of 10/12/53. Thanks.

It is by all means desirable that that the "Mendari Durang Puthi" be reprinted with Solfa Notes. No matter if the price of it be a bit high, and most of our people know not the Solfa Notes.

Farther more I would like to suggest that, why only Mendari Durang Puthi, let our Sakshibani, Kharis Along, Kumrukhi Dandi and Aradhana be printed with Solfa Notes.

May God Bless and make Agassiner Church rich in Hymns for His glory.

Wish you a Happy Xmas and a bright New year.

Yours faithfully
D. Lakra
17. XII. 53

Lutheran Work Calcutta,

From:- Rev.K.D.Soy.

Calcutta.

10/11/53.

To, Sri N.E.Horo.
The Secretary.
GEL Church, Ranchi.

2-II

Dear HORO,

I am going on ten days' leave for some works, while I may see you and we can have some glances over my solfa notes which I am taking with me according to your letter of 5/11/53. For Durang corrections I could not do as desired, only a few have done.

Yours faithfully,

K.A. Soy

Church Council

Received... ..

Register No. 301 CC

Date 13/11/53

Fr. - B. Singh

Reply No.

Date

पोस्ट कार्ड

केवल पता



नाम Sri. N.E.Horo.
(Secy).

पता Gossner Lutheran Church,

डाकखाना RANCHI.

ज़िला RANCHI. (Bihar).

E.Rly.

her
11/11
Lutheran Work, Calcutta

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14

Secretary:—Mr. C. A. D. Purti
60/C S. Roy Road, Calcutta 39

Phone:—PK. 3561

Ref. No. 38/5/53

Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

Church Council

Received... ..

Register No. 299

Date 12/11/53

For

Reply No.

By

For

2-II
Date 10.11.53

To The Secretary
G. E. L. CHURCH, BANGALORE

Dear Mr. Horo,
Many thanks for your letter No 1543/53
of 4.11.53. That was ^{the state} affair of things I found when
I arrived in Calcutta. The committee is inexperienced
in church matters. Generally the statement of Receipt &
Expenditure is given yearly and in previous years
was submitted by the chairman only and nobody
as a committee knew about it. We will certainly
submit one at close of the year and since the
year is almost now at close the monthly statement
for 1954 will come into force from January.

You will appreciate also that some
of our office bearers are beginners and we cannot
expect every thing from them even we cannot ask
explanations otherwise they will resign. So as far as
I am concerned these things also receive due consideration.
About centralisation, I think you will appreciate we
cannot straightaway centralise the collections. If we
had done during Sept & Oct 53 what would have

Lutheran Work, Calcutta

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14

Secretary:—Mr. C. A. D. Purti
60/C S. Roy Road, Calcutta 39

Phone:—PK. 3561

Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

Ref. No.

Date.

happened to our Pastor who was without a penny for 60 long days. We were worried about the grant on Sunday last when we met and there is no other way but to stop centralisation till grant is received.

Rev. Soy is now on a ten day holiday from 10th to 19th Nov on private business and I do not know how Pastors are granted leave if he has not informed you this may be an information to this effect.

Rev Soy's house rent amounted to Rs 170/- (Dec 50 to 51 & 52 and Sept 53) which he is refunding. Please send me Bengal Pastors key scale D.A.T.A. etc as we very often get application for increment which is beyond our consideration and hence if reasonable Calcutta Pastor's salary may be considered. We cannot consider this nor can we give him more than what C.C. gives.

Yesterday I received Rs 400/- for Calcutta work for the month of Sept + Oct.

Yours sincerely,
Atbink.
10/11/53

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

(Mission Estd 1945 - Autonomous 1919)

ASSAM SYNOD

G.E.L. CHURCH ASSAM-SYNOD

No.....

Date.....

OFFICERS.

President Rev. S. Horo.

Vice-President Rev. A. Topono. M. Hemvow

Hony Secy. & Treasurer Mr. M. D. Parti. Cand. P. Hemvow

G.E.L. Church Tezpur

P. O. Tezpur

Dt. Darrang

Ref No. AS/47/53

The 16 th. October 1953.

To,

The Secretary,
G.E.L. Church Council, Ranchi.

Dear Sir,

I have the honour to bring to your kind notice that the Executive of Assam Synod considered very deeply and resolved that the Assam Synod is badly needed for a Literature committee. She wants to publish some needful books and pumplets etc. for the benefit of the christian public.

I would therefore request your favourable consideration.

Thanking you,

Yours faithfully,

[Signature]
Secretary
Assam Synod.

Enclo:

1. ~~Executive~~ Proceeding of Assam Synod Executive.

Church Council

Received.....

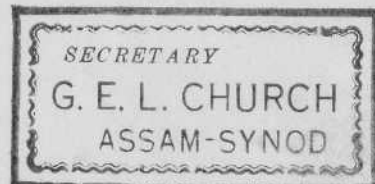
Register No.....

Date.....

Fi. 2-1

Reply No.....

Date.....



Office of The G.E.L.Church Assam Synod.

Dated Tezpur The 16th Oct 53

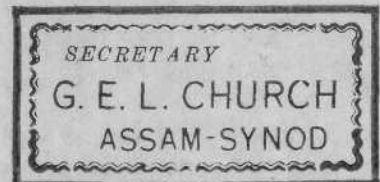
Extract from the minutes of the Assam Synod Executive Committee held on 14th October 1953 for your information and necessary action.

Item No.8 Literature Committee:-

Kaha gaya ki Assam men ek literature committee ki nihayat darkar hai. Alochona hone par phisla^a huwa ki Assam men ek literature committee kaem karne ke liye C.C. se ija-jat manga jai.

Bhuvron
Secretary

Assam Synod



Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

(Mission Estd 1945—Autonomous 1977)

ASSAM SYNOD

G.E.L. CHURCH, ASSAM-SYNOD

No.

Date

OFFICERS.

President Rev. S. Horo.

Vice-President Rev. A. Topano. M. Hemvow

Hony Secy. & Treasurer Mr. M. D. Partti. Cand. P. Hemvow

G.E.L. Church Tezpur

P. O. Tezpur

Dt. Darrang

Ref No. AS/48/53

The 16th. October, 1953.

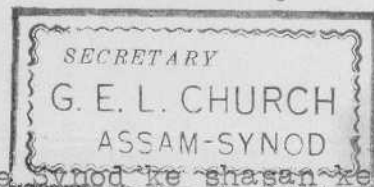
Extract from the minutes of the G.E.L. Church Assam Synod Executive Committee held on 14-10-53 at Tezpur is forwarded to you for your information and necessary action.

Plummer
Secretary,
Assam Synod.

ITEM NO. 4.

(a) SYNOD SHASAN:-

Report hua ki ~~hikar~~ Synod itne dinong ke Synod ke shasan ke anubhaw par Synod apne men yah anubhaw karti hai ki age ko Upper Assam Ilaka ko Synod ke shasan par chalane men thak gai. Alochna hone par yah sankalp hua ki hamare C.C. membrong ke jariya agami C.C. Baithki men C.C. ki ek Commission ati shigar bhejne ki arji ki jawe.



Church Council

Received.....

Register No.....

Date.....

By *2-1*.....

Reply No.....

Date.....

14/10/53
Lutheran Work, Calcutta

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14

Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

Secretary:—Mr. C. A. D. Parti
60/C S. Roy Road, Calcutta 39
Phone:—PK. 3561

Church Council

Received... 226cc

Register Ref. No. 114/C

Date... 10/10/53

From... To...

Reply No.

Date... The Secretary,

G.E.L. Church, Ranchi.

Sir,

Subject:— Reminder of the letter No 92/C.D/.3-8-53.

May I kindly draw your attention to my above
mentioned letter for needful.

I shall be much thankful to you for your
act of generosity.

Yours faithfully,

K. D. Soy 8/10

1910

Lutheran Work, Calcutta

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14

Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

Secretary:—Mr. C. A. D. Purti
99/C. S. Road, Calcutta 39
Phone:—PK. 3561

Church Council

Received...

Register No. 115/C.

Date...

To...

Reply No. To...

Date...

Date 8-10-53.

G.E.L. Church, Ranchi.

Sir,

Regarding the Guila matter as lastly I informed you in my letter № 105/C.D/.4th Sept.1953.I regret to let you know that the Rev.Lakra is not giving us any further informations.Our Secretary Mr Purti has sent a letter to him on/6-9-53. his letter № 33/S/53 and the Carbon copy of which is sent to you also,but no reply yet.It is one of the serious cases of here to be solved out soon.The only delay of correspondence make us unable to proceed on our works.

I,therefore,request you to kindly help us in the above matter for which act of your generosity I shall be much thankfull to you.

Yours faithfully,

8/10

Mr. 14/7/53

Ranch.
13/7/53

2

बिहार विधान सभा।

The Secretary
G-E L. Chell, Gottenagte, 1 Assam
Ranch.

Dear Sir,

I thank you for your
letter of the 2nd July '53, forwarding
me the resolution (E-d-11) of
the meeting of Church Council
held from 22nd to 26th June '53

I shall try my best
to prove worthy of the reports
placed on me.

Church Council
Received.. <i>PC</i>
Register No. <i>111</i>
Date <i>14/7/53</i>
By <i>Edw. Chell</i>
Reply No.
Date

Yours sincerely
S.K. Bage

REV. S. TOPO

G. E. L. CHURCH, PANISANI,
PALKOT P. O.,
Ranchi Dist.,

15 - 10 1953

Church Council

Received...

Register No...

Date...

For...

Reply No...

Date...

Sir,

It is to let you know that there is a considerable matter about my pay bill of Doors which is left pending in the C. E. since a year. on account of it I often troubled and get obstacle in my work.

There for I request you this should be cleared. So my request is to give time and place in the agenda of this session. I will go to Ranchi for the same to ~~per~~ Ram For this act of

1923

10

12

your kindness I shall
be ever thankful
to you.

your sincerely

W. B. P.

Office
H. put up
with several files in
my study
us 26/10/53

To

The Secretary

C. E. L. Church
Ranchi

Dated - 22nd Oct 1953

Church Council
Received...
Register No. 242 CC
Date 26/10/53
Reply No. 2-II
Date

Sir,

I beg to submit my salary and T. A. bills for February to July 1950 shown month by month.

The claims for salary differ from month to month because I have deducted the amounts which I received from the synod. I have submitted this bill at the time of my transfer from the Duars, and I was told in the meeting of the Church Council that my bill will be paid. I am sorry that I have not been paid.

I am in great need of money and my bill is pending for a long time.

I therefore request you to kindly pay it as early as possible. Further I beg to say that I hear from many people that a false charge is brought against me saying that I embezzled the Duars money. If any member of the Church Council has any such doubt I am prepared to appear before the Church Council to prove I am innocent.

Yours faithfully

Rev. S. Topko
Panisani.

Pay Bill of Duars from Rev. S. Toppo from
February 1950 to July 15, 1950.

Month of February 1950 Salary dues		Rs. 5- 0-0
T.A. in February		9- 8-0

Month of March 1950 Salary with Duars		
D.A.	...	35- 0-0
T.A. in March	...	22-12-0

Month of April 1950 Salary Duars D.A.	...	35- 0-0
T.A. in April	...	4-12-0

Month of May 1950 Salary Duars D.A.	...	35- 0-0
T.A. in May	...	

Month of June 1950 Salary Duars D.A.	...	35- 0-0
--------------------------------------	-----	---------

Month July 1950 Salary Duars D.A.	...	42- 8-0
-----------------------------------	-----	---------

Total	...	424- 3-0
-------	-----	----------

Provident Fund	...	7- 0-0
----------------	-----	--------

Total	...	431- 8-0
-------	-----	----------

Less The income of the Kalchini Congregation of 1 month is with me with Asnan & Prabhuhoj dan	...	23- 8-0
---	-----	---------

Grand Total		403- 0-0
-------------	------	----------

(Rupees four hundred and three) only.

Sd/- Rev. S. Toppo.
16-7-50.

T.A. Bills of Rev. S. Toppo in Duars from February 1950
to April 1950 for the Congregational
Works and purposes.

(1)	Month of February 1950 -- Salary Lory fare from Kalchini to Alipore on Private Truck		Rs. 1- 0-0
	2 meals at Alipore Rs.		3- 0-0
	Lory fare Alipore to Samoktola		1- 3-0
	Morning Tea at Samoktola at 10 a.m.		1- 0-0
	Boat fare at Raidak river by boat both sides		1- 0-0
	Back journey from Kamakhguri to Samoktola, tax at Samoktola on Cycle,		1- 0-0
	Tea at Samoktola		1- 0-0
	Contingency for office correspondance		1- 0-0
	Total		9- 3-0
(2)	Month of March 1950--		
	Borobisa to Kamakhguri by boat		0- 3-0
	Tea at Samoktola		0-12-0
	Food at Alipore		1- 3-0
	Gangotia to Gaikata-Tursa bridge (Private as tax) fare with cycle		0-12-0
	Tea at Lalgaon * xxx 10 a.m.		1- 3-0
	Gangotia to Alipore on private truck (fare)		1- 0-0
	Alipore to Samoktola lory fare with cyle at evening Bus (to meet Schotis Missionary for Church business)		3- 0-0
	Fooding charge at Samoktola at evening		1- 2-0
	Come back on cycle to Alipore and halted there for 1 1/2 days to meet with the Sub-Inspector of Schools on School business (Tea and fooding chareges)		4- 4-0
	Returned back.		
	Gangotia to Alipore (to Sub-Inspector of Schools on School business, lory fare)		1- 3-0
	Back		1- 3-0
	Gangotia to Dimdima, lory fare on Church business		2- 0-0
	Dimdima to Gaikata, on truck (private truck) on Church business		1- 2-0
	From Gaikata to Hartalguri, lory fare on Church business		2- 4-0
	Total		22-12-0
(3)	Month of April, 1950---		
	At Raidak tour with the President Rev. J. Lakra, paid to Driver & Khalasi for Tea and Nasta		1- 6-0
	Returned and from Malangi to Dimdima, truck fare		1- 0-0
	Tea at Dalgaon		0- 6-0
	Contingency expenses for office work		2- 0-0
	Total		4-12-0

इन् प्रो. नु. का
स्व. मे. मे. उप. वि. का
मे. ड. उ. का. है। यह
स्व. वि. है और
पा. वि. S. वि. का
काम का अ. वि. का
मंडली मे. का
वि. मे. ओ. वि. का
है।

Rev. P. P. L. P.
24-4-53 -

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary: MR. N. E. HORO B.A.

Ranchi, (Bihar) India

No. 1543/53.

2-11
The 4th Nov. 1953

To

The Secretary,
Calcutta Work.

Dear Mr. Purty,

Thank you for your letter No.5/36/53 dated 1-11-53. Pastors salary for Sept. & Oct. could not be sent due to non-availability of funds.

Since Calcutta is a diaspora work C.C. has a direct responsibility. When the C.C. pays its Pastors should the C.C. not know what he works and how the money is spent at Calcutta? Should not the C.C. know Calcutta work's Statement of Receipt and Expenditure every month?

You will remember that formerly Calcutta work used to centralise all its income to the C.C., but somehow it was stopped.

Please, therefore, in future submit Statements of Receipt and Expenditure every month to the C.C. so that I can arrange to send you regular grants.

Your Pastors salary for two months is remitted today at your address.

Yours sincerely,

Mr. C. A. D. Purty
60/C. S. Roy Road
Calcutta 39.

Secretary & Treasurer G.E.L. Church,
Ranchi.

15. 4/9
Lutheran Work, Calcutta

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14
Secretary:—Mr. C. A. D. Purti
60/C S. Roy Road, Calcutta 39
Phone:—PK. 3561

Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

2-11
Ref. No. 105/C.

Date 4th Sept. 1953.

To
The Secretary,
Goss.Luth.Church, Ranchi.
Sir,

Thanks for your letter Nos 1226/53, 1224/53, 1222/53,
and 1220/53. dated 24th August '53.

According to your letter No 1260/53.D/.19-8-53.
I beg to inform you that ~~Rev. S.~~ Revs.S.Surin Takarma
and L.Lakra Gumla have only replied yet to us.Rev.
Surin sent his reply to our Secretary Mr.Purti and
Rev.Lakra to me.

Mr.Throps & Mr. Sandil will be duly informed
about the Gharbandhu.

Yours faithfully,

K.D. Soy 4/9

Mr. C. A. D. Pati,
-60/C. S. Roy Road Cal-39.

No 1326/53

Daruli

9/9/53

2-II

Dear Mr Pati,

Reference your no. 33/5/53 dt-6-9-53.
I ~~am~~ are issuing instructions to the Synods for
proper ~~maintenance~~ maintaining of ^{their} offices, as people
really need intensive education.

Rs 20/- has been remitted to you
Patan a few days ago. Thanks, you

W. H. 7/9/53
Secy-Tn

has. 9/9/53
Lutheran Work, Calcutta

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14

Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

Secretary:—Mr. C. A. D. Purti
60/C S. Roy Road, Calcutta 39

Phone:—PK. 3561

Ref. No. 33/2/53.

Date 6-9-1953.

Dear Rev. Lakra,
Subj:— Basanti Eka & C.D.Minj.

The first letter of enquiry on receipt of your letter dated 17th May 53 was sent to you by Rev. Soy on 20-5-53, his letter #35/C. refers. Your P.C. dated 29-8-53. refers to having received it and accordingly made enquiries etc. That being the first letter from Rev. Soy all details and actual position of the girl were mentioned. May I point out to you that this delay has caused us anxiety and hampered our progress in the church and reflects bad administration and unbusiness like. I am more surprised to note that after receiving Rev. Soy's letter #35/C. and then upon making enquiries you say that your letter dated 17th May '53. was not written back to Rev. Soy as to you by you. You should have written back to Rev. Soy as to your surprise on the matter and further after enquiring the whereabouts of the girl and writing several letters to the father of the girl you say that you do not know them.

I suggest that you should have a church pad or a personal pad if you have not one yet and matter of this importance should only be written. How could I believe even this P.C. of your dated 29-8-53 was written by you? More reminders to this effect have been sent to you on 20-6-53, 10-7-53 and 14-8-53 and you seem to have mentioned one of 14-8-53. and I regret to inform you that the letter dated 17-5-53. signed Rev. L. Lakra is with me in my file and will not be sent to you for verification of signature.

You now consider the numbers of letters our pastor has written you and the money spent unnecessarily was undesirable. Also you make out how much time and energy is lost. Consider also there in terms of every time, every such case and to every pastor our congregation spends money and wastes her valuable time.

2

In future all church matters of this nature may
be referred to the undersigned as pastor is usually
chairman and not secretary as this is another office.
I shall highly appreciate if in future it will
please see that no more of my valuable time is lost
and the writer will only be too glad to know that
even this letter was not written in vain.

Yours faithfully,

R. C. A. D. Ford

Secretary.

in general & particularly

*Rev. Rakha -
immediately*

C.C. to Secretary, E.L.C.
with a request to ask all
pastors to have a Church Pad
if you consider this suggestion
worth while.

I suggest that you should have a church pad or a
personal pad if you have not one yet and matter of this
importance should only be written. How would I believe
every this P.C. of your dated 20-8-53 was written by you?
More reminders to this effect have been sent to you on
20-8-53, 10-7-53 and 14-8-53 and you seem to have mentioned
one of 14-8-53 and I regret to inform you that the letter
dated 17-8-53 signed Rev. L. Rakha is with me in my file
and will not be sent to you for verification of signature.
You now consider the numbers of letters our pastor
has written you and the money spent unnecessarily was
undesirable. Also you waste out how much time and energy
is lost. Consider also there in terms of every time, every
such case and to every pastor our congregation spends
money and wastes her valuable time.

9.9.53

Victor Toppo from Dnars -
Points from his talk -

He is excommunicated for a gross misconduct - that he convened
a meeting twice without the permission of the Synod President.

Running Cause of dispute - Raronini Michiani - Bisram Tisay - they were
illegally both from the S.P.G. mission. They were had illicit
Connexion. One girl was pregnant. The boy absconded and
went to Dnars. There he was again in love with Naini
Sahan of the Baptist Church of Dnars. She was formerly at
Dumppur. Now a nurse.
It is alleged that Rev. D. Lakra wanted to
solemnise a marriage between Bisram Tisay & Naini Sahan.
Michiani & Tangtangoly - }
Bisram Tisay & - }

This matter was referred to Rev. H. Dayal. S.P.G. Ranchi.
He requested Rev. D. Lakra to settle the matter of Michiani and Bisram at Ranchi
& then take up the case of Michiani Bisram's marriage
with any other girls.

A special Committee was set up including Rev.
D. Lakra & Victor to decide the case -
Whether Naini should be married to Bisram -
The Committee consisted of 8 members - formed by
Rev. D. Lakra. The committee decided in favor of Bisram.
Naini's marriage & 3 members of the special committee
including Victor objected, the members were excommunicated
in 1950. They were ex-communicated in 1950.

Then another committee was formed by the Illaka - in
which Victor Toppo, David Xaxa & Alfred Kispotta.
Victor came to Ranchi, contacted Rev. H. Dayal & Dr.
took a letter from him with a request to settle Michiani &
Tisay's case forth & then take up the matter.
In Illaka meeting again when the matter was put -
then diff between Victor group & Rev. Lakra
was intermi fixed. Victor left the Illaka.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

MEMBERS OF THE CHURCH COUNCIL.

- | | | | | | |
|---|---|----|------------------------------------|----|-------------------------------------|
| 1 | Rev. J. LAKRA, M.A., B.D., S.T.M.,
President, G.E.L. Church,
Ranchi. | 6 | Mr. S. NAG, Assam. | 18 | Rev. C.B. AIND, Koronjo. |
| 2 | Mr. C.D. SIRKA, Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi. | 7 | Rev. DANIEL LAKRA, Bengal. | 19 | Mr. AUGUSTUS KERKETTA,
Koronjo. |
| 3 | Mr. Z. HORO, Treasurer,
G.E.L. Church, Ranchi. | 8 | Rev. H. TOPONO, Burju. | 20 | Rev. P. BECK, Manbhum. |
| 4 | Mr. P.D. KANDULNA, B.A.,
Secretary & Manager G.E.L.
Church Property, 27, Hume
Pipe Road, Jamshedpur. | 9 | Mr. H. SOY, do. | 21 | Rev. J.A. KUJUR, Northern
Synod. |
| 5 | Pt. C.M. TIGA, K.B. Head
Quarters Congregation,
Ranchi. | 10 | Rev. M. EKKA, Central
Province. | 22 | Mr. NAINSUH MINZ, do. |
| | | 11 | Rev. C.K. BHENGRA,
Govindpur. | 23 | Rev. ZAKARIAH KHALKHO, Orissa. |
| | | 12 | Mr. S.M. BAGE, do. | 24 | Rev. S.M. BAGE, do. |
| | | 13 | Mr. P.C. HORO, Hazaribagh. | 25 | Mr. N. KERKETTA, do. |
| | | 14 | Rev. S. BAGE, Khutitoly. | 26 | Mr. I. MINZ, Singbhum. |
| | | 15 | Babu SULEMAN BECK, do. | 27 | Rev. S. SURIN, Takrma. |
| | | 16 | Rev. A. BARA, Kinkel. | 28 | Mr. BARNABAS SURIN, do. |
| | | 17 | Mr. JOEL KUJUR, do. | 29 | Rev. C.B. MINZ, Western Synod. |

Ranchi, (Bihar) India

No.

The 195

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A.,

Ranchi, (Bihar) India

No. 1260/53.

The..... 195

Rev. K.D. Soy,
Chairman LWC,
5/1/1 Gope Lane,
Calcutta 14.

2-II

Dear Sir,

Reference your No.97/C dated the ~~122~~ 19 th
August '53.

Rev. S.SURin from Takarma writes that a copy
of the resolution of Itam Mandli Panch in the matter of
Jaimasih Barla's excommunication has been sent on 11 th
August at the address of the Secretary LWC.

Kindly, therefore, enquire whether the said
resolution has reached Mr. Purty or not.

I have not heard from the other Pastors. Shall
inform you when I hear from you.

Copies of Gharbandhu which Mr. Sandil wanted
are not available. However, I have asked the clerk-in-
charge Gharbandhu to send him some copies of other months
at Mr. Throp's address.

With regards,

Yours faithfully,

G. E. L. Church 31/8/53

Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

Recd. 4/8/53
Forwarded to
The Secretary
C.E. for in Jarma-
D. Lakra
Synod of Bangladesh
President
Mornai I.E.
Dingdinga
Goalpara
8-8-53. Assam.
Banyawar, Rev. Daniel Lakra. yishu
Sahay.

Ap ko likh ne ka abhipray yahi
hai. 27-7-53 Padri P.S. Surin c/o
Santosh Herenz Korbala I.E. P.O. Banar-
hat Dist- Jalpaiguri likhte hain ki
main masihiyon ki ek chhoti Man-
dli sthapna kar un ki charwahi kar
raha hun par mera koi Sahayata
dene wala nahi hai. Wah Sahayta
mangta hai.

Mehar bani karke Padri P.S. Surin
kawan hai? ^{likhiye} Tangika List-men main
us ka nam dekha par nahin mila.
yadi aisi bat hai to ap ke jila
ka hai ap un ko Sahayta kijiye.
Pura pura Jankari is bishay

मेरे मुझे دیجिये तकि
मैने उसको उचित-जबाब
दे सकुं.

N. Gopono
Precharak
Jobe Line
Dingdinga
Goalpara
Assam

for
Rev. O. Eie
Mornai
I.E.

पोस्ट कार्ड

केवल प्रेता

Rev.

नाम Daniel Lakra

पता Gangotia I.E. Kalchini

डाकखाना Duars Bengal

ज़िला Jalpai Guri



प्रचारक बनू Mr. Gibson को

यही सहाय !

18/8

1953

आपकी जिद्दी ता. ११/५/५३ भी मिली। बहुत
अन्यवाद। P. S. Office कोई पाद्री नहीं है। वह हमारे
सिनोद की ओर से प्रचारक बहाला गया था। पर
अपने सीमा के बाहर चला गया। वह अपने को कुछ
समझने लगा और अब तक समझता है - जैसा
प्रेरित किया ५: ३६+३७ के विषयदास और चट्टा
बलीली समझते थे। उसने कितने मराउली-बाहर-
वालों को और कितने ती मोले भले अच्छे लोगों को
भी अपनी ओर खींच लिया और उनके बीच
खूद पाद्री का सब काम करना शुरू कर दिया।
सिनोद की ओर से चित्तौनी के साथ मना किया गया
पर नहीं माना। मन्त में वह मराउली शहरन के
अधीन रखा गया। कौंसिल में रिपोर्ट हुआ।
कौंसिल से उसको नोटिस दिई गयी है।
अब आप लोग जैसा जला सोचते हैं।

अपने स्वतः का जवाब दीजिये।

आप का विवेक

D. Lakra

Forwarded to the Secretary &c.
for information and
needful
D. Lakra
Synod Pres. Secy
Bengal Synod
Dooars

5/1/53
Lutheran Work, Calcutta

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14

Secretary:—Mr. C. A. D. Purti
60/C S. Roy Road, Calcutta 39
Phone:—PK. 3561

Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

2-11
Ref. No. 92/C.

Date 3rd August '53.

To
The Secretary,
G.E.L. Church,
Ranchi. (Bihar).

Sir,

According to your letter No 134/51/F 2 II.D/ 23rd
January 1951 I beg to remind you that the resolution of the
Minute of the full C.C. held on 9-12th Jan. 1951 Item No 20
is still dark to me, for since more than one and a half
year The Bengal Christian Council could not issue any
information of its meetings to me.

I, therefore, request you most humbly to see the matter
and enlighten me for which act of your generosity I shall
be much thankful to you.

Yours faithfully,

K. D. Soy
Pastor,

Lutheran Work, Calcutta.

5/1/1, Gope Lane, Entally;

Calcutta-14.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary: MR. N. E. HORO B.A.

Ranchi, (Bihar) India

No.

1166/53

2-H

The 11 th August 1953.

Mr. C. A. D. Purty,
60/C. S. Roy Road,
Calcutta 39

Dear Mr. Purty,

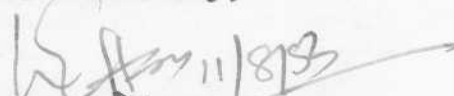
I am leaving Ranchi this evening for Madras to attend the F.E.L.C. Executive meeting. I shall try to drop at Calcutta on my way back.

I have certain matters to discuss with you re: Calcutta work. I have ~~taken over~~ been ~~charged with~~ appointed as Treasurer also from this month in addition to my own duties. That is because our Treasurer is not keeping good health. We are sending only Rs100/- for your Pastor this time, it is all because of the paucity of funds. The Federation subsidy has not yet been paid to us. We shall try to send the remaining sum as early as possible.

I shall let you know from Madras when I can come to you. There is also a meeting of the Surguja Board on 18 th at Guntur. That may delay my coming.

Please inform Rev. Soy about me.
With best regards to all of you.

Yours sincerely,


Secretary, GEL Church.

21/8
Lutheran Work, Calcutta

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14
Secretary:—Mr. C. A. D. Purti
60/C S. Roy Road, Calcutta 39
Phone:—PK. 3561

2-II
Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

Ref. No. 31/5/53

Date 10.8.53

Dear Mr. Horo,

I am in receipt of your letter No 1053/53 of 24/7/53. Thanks very much.

I think after I wrote to you last about the financial matters our a/c up to August 53 is going to be up to date, although it has not been worked out in detail*. I have instructed our treasurer to let me know if there is any dislocation. * This means '52 allotment was due and we were quite right to ask the treasurer to come. Now we do not want him to come.

By the way, I am very sorry to hear that Treas. has mental trouble.

I believe the Pastor has sent a copy of his application for Rs 20/- as T.A. and on scrutinize we found the following facts. The present figure is Rs 15/- P.m.

Here is the outline of how T.A. is spent

Lutheran Work, Calcutta

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14
Secretary:—Mr. C. A. D. Purfi
60/C S. Roy Road, Calcutta 39
Phone:—PK. 3561

Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

Ref. No.

Date.

	Place of ^{meeting} travelling	exp. ^{per week} both way	Total per month
Monday -	Karay ^a	-11/6 both way x 4 =	Rs Rs P. 0-10-0
Tuesday -	- but shown ^{as expense} -11/6	" " x 4 =	0-10-0
Wednesday -	Barangachi -18/-	x 4 =	2-0-0
Shipar Thursday -	Shipar -110/-	x 4 =	1-4-0
Friday -	Barakpur 111/-	x 4 =	4-4-0
Saturday -	* Santagachi or Kankinara 119/-	x 4 =	6-4-0 Rs 15-0-0

* Santagachi
is close by and exp. will be
less but we have taken into

account the longest journey
For two Sundays he also should sacrifice, look at us
For Kharghur we pay all exp.

For two Sunday Pastor is in the local

and We do not consider anything more than
what he is getting at present & is ^{not} necessary at all.
We have already complains that he is not
visiting some places and what which he can

Lutheran Work, Calcutta

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14

Secretary:—Mr. C. A. D. Purti
60/C S. Roy Road, Calcutta 39

Phone:—PK. 3561

Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

Ref. No.

Date.

visit without having to spend extra money
and what would you think with Rs 20/- The
will be saving more out of T. A. So committee
does not recommend anything more than what
is being given now. We have asked him to submit
how T. A. is being spent

We have however, authorised the Pastor
to spend Rs 5/- as contingency

Treasurer Rs 5/- ..

Secretary Rs 3/- ..

I know without T. A. pastor cannot work
and committee fully appreciate the difficulties
if pastor may have to experience and if the
committee finds the T. A. really exceeds Rs 15/-
we would certainly recommend Rs 20/- or Rs 30/-
whatever the case may be.

Lastly, how much do you think we are paying
for the Pastor's house rent? You may find out
from the Treasurer and let me know by
return of post.

yours faithfully,
R. H. S. S.

198/53

17. 9/93
Lutheran Work, Calcutta

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14

Secretary:—Mr. C. A. D. Purti
60/C S. Roy Road, Calcutta 39

Phone:—PK. 3561

Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

Ref. No. 97/C.

Date. 19/8/53.

To
The Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

Sir,

I beg to state that the we the Lutherans of other Provinces, who have come for living are neglected by our Pastors of Chottanagpur. We need to deal some important matters with them, but owing to their negligencies we are not able to do any thing and thus our several cases are still left pending since long time. Viz.

1) Rev. L. Lakra Gumla. Re:— Basanti Ekka & C.D.
Minj adultery case. Letters on—

Date.	No.
20-5-53.	35/C.
20-6-53.	nil.
10-7-53.	79/C.

2). President Northern Synod.
Re:— Johan Barla S/O Daud & late Shilwanti of Bharno & Nilmani Minj D/O Phulchand & Jaywanti Jayo Minj of Raghunathpur for marriage.

Date 15-1-53.	No nil.
9-6-53.	47/C.

3). Lohardaga Pastor. Re:— Karuma Kujur D/O Mica of Karak. Enquiry whether she was Excommunicated or not? Correspondent since 1951.

4). Rev. S. Surin Takarma. Re:— Jaimasih Barla of Itam. Enquiry whether excommunicated or not and if any resolution for re-admission? Correspondence since last three months.

I, Therefore, request you most humbly to kindly help me in clearing up the above matters, for which act of ~~ex~~ your generosity I shall be much thankful to you.

Thanking you in anticipation.

Yours faithfully,

K. D. Soy 19/8

Rev. S. Surin

12) 2000/11/16/-
11/02
80/80

Re: Jainoath Bels of 9tham,
Takoma Syood - to write him.

Cententes a lui —

Expen. 2225/

Incen. 600/-

CC grant to C Work →

Rs 64/5/6 up to July. due

Calcutta works

1. Burial — Cemetery —
Cooperation with Burial Board.
2. T. A. of the Pastor —
cc. resolution re: stoppage of
his fixed T.A. — to be commu-
nicated to the C.W. —
Raising of T.A. amounts.
3. Pastor's home —
4. Bengal Christian Council —
Rev. K.D. Sanyal's Ref no 92/ —
df- 3.8.53.
5. Relationship —
6. Report of work to be submitted
to the CC.
7. Signboard to be hanged at the
church gate —
8. Khavaghar brothers — 10 families
have been brought to the C.W.
(Haltera churning)
9. Synod — Sub: — [↓] Lawrence Lalton
Ref: 35/c df- 20.5.53, for Secan
in C.W. df 20.6.53 —
— CB, mung — had brought along with
him a gift. —
79/c — df 10.7.53.
His own wife has eloped with some one
else.

Northen Sengha Pindal

dy 15-1-53 ref ul - re: Jham
Daka sp. Daud & late Shubani
Pala of village Khema Chatti
Panch ~~self~~ P.O. Kurru &
Nimani Ming dy Phulchard
late Jaisanti Jago ming
have eloped (with Rajkumar)
madam Panch dy Sonah Daud
— now at Talyguz — They want
marriage.

Ameri du ju Rev K. A. Gyp
47/c 4/9.6.53

Abnandaga

Loharadaga — Kalle.
Kruna Kupi of Karak
dy Mica Kupi of Karak,

Ranchi -

Enquire whether she was
excommunicated or not -

Her daughter's name is — Chitl
Nimanti Hemlata in 1851 — she was
13 yrs.

21

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A.,

Ranchi, (Bihar) India

No. 1053/53

The 195
24-7-53

My dear Purty,

Thank you for your No. 28/5/53 which I received yesterday. I must assure you that we in the church council have appreciated your difficulties. We had a long discussion on this matter -representation in the church council. Our constitution has been so framed that it excludes Calcutta in the general question of representation. The Central Congregation finds its representation due to its conspicuous position. It is, because, when the synodical type of constitution was being framed that both the groups - dissenters and the other claimed this area as theirs. Such is the origin of the Central Congregation. So it was decided to keep it free from all future encumbrances. So it was said that Calcutta cannot be brought in par with the central congregation. As a matter of principle all diaspora areas were debarred from representations.

But for convenience sake it was decided to keep, Calcutta within Bengal Synod. I know there are diverse opinions on this arrangement. I quite agree ~~xx~~ when you say that it will take long time when Calcutta and Duars can feel that they are in one Synod. It may not be quite convenient still, it is ~~just~~ just for representation. When this was decided upon it was felt that money should be ~~sent~~ sent through the Bengal Synod. This can be solved, as it was discussed, that in actual remittance it will be addressed to the Calcutta works with an intimation to the Bengal Synod office. I think, this will settle the affair.

All these matters will be settled for all

all time when the constitution is amended accordingly.

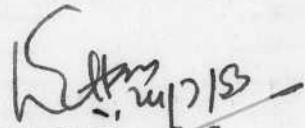
Regarding financial questions : Treasurer is unable to go to Calcutta, as you proposed sometime past. He is sick .He has some mental trouble. Personally I wish him some rest. Because of his illness we have been unable to do full justice to every body. We have engaged an experience Accountant for some days. The former clerk has left. Experienced ones are not easily available. I shall certainly see that the Treasurer sends ~~xaguxix~~ money regularly and sufficiently. Regarding the Pastors Travelling Allowance, your opinion will be respected.

The best thing in getting things expedited from the Treasurer is to write me immediately so that I can discuss with him and persuade him to send you regularly all amounts .

Yes, Pastors as well as others will have to work hard. We should be enterprising and active. No dispondency pessimism. Laymen and women have now much responsibility towards the Church. The Laity will have to be taken as active partners than mere helpers or assistants.

With regards,

Yours sincerely,


Secretary, C. C.
Ranchi.

W277
Lutheran Work, Calcutta

211

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/11 Gope Lane, Calcutta 14
Secretary:—Mr. C. A. D. Purti
60/C S. Roy Road, Calcutta 39
Phone:—PK. 3561

Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

Church Council
Received... <i>CC</i>
Register No. <i>132</i>
Date... <i>24/7/53</i>
Fr. <i>2-11</i>
Reply No.
Date.

Ref. No. *28/5/53*

Date *21. 7. 53*

Dear Mr. Horro,

I am in receipt of your letter No 941/53 of 14th inst and also of 16th inst. Thanks for both. I will advise the party accordingly.

With regards to your former letter I believe you had a good discussion on one resolution and am sure at least some members appreciated the idea. You will probably appreciate also that because there is no representation to C.C. no body knows what is happening here even the President does not know. It will be long time when Calcutta & Buaras can feel that they are in one Synod and to me it is still impossible to attach Calcutta with Buaras as far as administration is concerned.

I could not quite follow the last but one sentence of C.C.'s decision which reads — "Calcutta ke liye jo rakam bheji jaygi wah Synod ke jariye hogi". Is Calcutta grant being sent through the Synod? It means another long time to reach here.

What about our second resolution?

You see we are in a mess about accounts.

Lutheran Work, Calcutta

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14

Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

Secretary:—Mr. C. A. D. Purti
60/C S. Roy Road, Calcutta 39
Phone:—PK. 3561

Ref. No.

Date.

We cannot go on paying the pastor whatever past bills he submits. I have been wasting my valuable time writing to him (Treasurer) and not only one but many. I hope you will appreciate also that this is a serious matter and would not have been raised in the form of a resolution had it been not so. You will agree with me that there has been something wrong either with the Tre. or our Pastor which no body knows and we wanted to settle it with a good will and constructive motive.

Another thing, there has been a very irregular payment of our Pastor due to Calcutta grant being delayed. We all know about Calcutta where house rent and church hire and our salary etc must be received regularly and in time; otherwise Pastor must get turned ^{out} from the rented house and not only that ~~but~~ he will starve to death for want of his salary.

Calcutta work is fully depending on the grant

Lutheran Work, Calcutta

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14

Secretary:—Mr. C. A. D. Purti
60/C S. Roy Road, Calcutta 39

Phone:—PK. 3561

Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

Ref. No.

Date.

received. Rs 15/- was paid as his T.A. now he has applied for Rs 20/- but we must scrutinize and C.C. must send Rs 20/- as T.A. on our recommendation. This is the business of Tr but if no money is received we cannot pay him and he cannot work and we better close down Calcutta work.

In your early letter you mentioned about how our church can be self sufficient. In the early history of our church people only paid Rs - 14/- annually as subscription and the church was going on. At present some of our ladies each pay Rs 5/- per month as subscription. Rest of the money came through open heartedly in the form of Stewar Simi, ~~say~~ thanksgiving etc. I must say one thing that pastors must work hard to get people to know God, when minds are prepared hands will also give for the church.

Yours Sincerely,
Attthick.
21/7/53

2-II
has 24/6
Church Council

Received... 102

Register No... 394/53

Date..... 24/6/53

to 2-II

Reply No.....

Date

पोस्ट कार्ड

केवल पता



नाम Sri N.E.Horo B.A. (Secy)

पता G.E.L.Church Compound,

डाकखाना RANCHI.

ज़िला Ranchi. (Bihar).

Eastern Railway.

From:-Rev.K.D.Soy.

5/1/1 Gope Lane,
Calcutta-14.

To

20/6/53.

Mr N.E.Horo(Secy)..

G.E.L.Church,Ranchi.

Dear Mr Horo,

Very many thanks for your kind information of the 18-6-53 No 768/53, but I regret to say that the money sent has unfortunately been not reached here yet. An early enquiry may follow soon.

Further I would like to request you for the regularities of payments for mainly we the people of towns and cities do feel its importance and do suffer if otherwise. Please note that just now I have got the M.O. of Rs 200/- (Two hundred rupees) sent on 18/6

Please **try** to send the Treasurer for a furlough. It is great pity that even in his complaints of physic he is doing very hard duties.

May God bless you.

Yours sincerely,



GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845--Autonomous 1919.

Secretary: MR. N. E. HORO B.A.,

Ranchi, (Bihar) India

No.

940/53

The 14th July, 1953

Extract from the resolution of the meeting of the full C.C. held from 22nd June to 26th June 1953.

X X X X X
CALCUTTA LUTHERAN WORKS. " Calcutta Lutheran Works ke Secretary tatha Chairman ke patar is bishay par parha gaya. Kaphi bahas ke bad yah tay hua ki Calcutta Lutheran works ko Church Council se usi tarah arthik sahayta milni chahiye jaise ab hai par organically sangathan ke nisbat yah Bengal Synod ke satha rahe aur uska pratinidhitwa Bengal Synod ke satha hoga keyonki yah uske andar hai. Calcutta ki samanta Head Quarters Congregation ke saman nahin ho sakti hai. Keyonki yah mang Constitution ke mutabik nahin hai. Calcutta ke liye jo rakam bheji jaygi wah Synod ke jariye hogi. Report ya hisab ka byora bhi Synod ke jariye bheji jaygi.

X X X X X
The above mentioned document is forwarded to Rev. K.D. Soy and Rev. D. Lakra, Synod President Bengal Synod, for information and necessary action.

B.L.14/7/53.

W. L. Lakra
14/7/53
Secretary,
Church Council,
G.E.L. Church Chotanagpur & Assam,
Ranchi.

211
Lutheran Work, Calcutta

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14
Secretary:—Mr. C. A. D. Purti
60/C S. Roy Road, Calcutta 39
Phone:—PK. 3561

Church Council

Received... *PK*

Register No... 17/6/53

Date... 17/6/53

Fr. ... 2-7

Reply No.....

Date.....

Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

Ref. No. 22/S.

Date. 15/6/53.

To the Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

Dear Mr Horo,

Many thanks for your both letters. Our meeting only took place on 14th instant and so now I am able to send the following resolutions for the consideration of the next C.C. meeting due on 22nd instant.

Calcutta Resolution.

Although under Political boundaries Calcutta is under Bengal Synod; yet Lutheran work in the largest city of India for the last 18 years has been directly under the supervision of the Church Council at all times and by all means and that there has been no connection whatsoever till now with the congregation of Duars in Bengal.

1). Therefore resolved that Calcutta Congregation may sympathetically be brought under direct contact with the Church Council as part of H.Q. Congregation and by physically represented in the C.C. and wherever representation is concerned.

2). There has been no effective committee prior to 1953 the present ^{committee} is not responsible for any financial discrepancy. This subject has been referred to the treasurer C.C. for action but the committee regrets for neglecting such an important matter. Therefore resolved that the treasurer may kindly be directed to initiate in this respect promptly.

I shall be very thankful to you on receipt of the action taken on the above action resolutions.

Yours faithfully,

C.A.D. Purti
(C.A.D. Purti).

Secretary. 15/6/53

L. W. C.

Lutheran Work, Calcutta

Rev. K. D. Soy

5/1/1 Gope Lane,
CALCUTTA-14.

Ref. No. 37-39/C.

Dated the 25-5-53.

To,

The President,

G.E.L.Church, Ranchi.

Sir,

I beg to lay the following for your kind perusal.

That I understood Calcutta is direct under the Church Council, where diaspora work is to be done. I am still in the dark for the plan of this place. I am now confounded with the relationship also. I found Calcutta in the area of Bengal Synod, but no concern with the Synod. While representing in the last Mahasabha Calcutta was counted with Bengal Synod. About the administration it is like that of H.Q. Congregation Ranchi. We centralise all the incomes of here, we submit annual statements and Census to the C.C. directly. We have no representation in the C.C. The salaries and other expenses are met by the Federation through C.C. I cannot understand the right position of Calcutta.

I, therefore, request you to kindly clear up my above problems and guide me to plan for the Calcutta Lutheran Work. I do need the Treasurer C.C. soon for the guidance of budget

budget and finance matters here. Please spare him
for a short period of time (at least for three or
four days). I shall be much thankful to you for
this kind act.

Yours faithfully,

Copy to the Secy.
G.E.L. Church,
Ranchi.

*To the Secy
L. W. Cal.*

K. D. Singh 25/5

9/10/52



513/52. 7

Returned to the
Secretary, R.E.L.
Church for amicable
settlement, with
the authorities of the
Scotch Mission.

J. D. H. 8/10/52

Secretary,
BIHAR CHRISTIAN COUNCIL

Received on
25th Nov. 1951
D. Lakra
25/11/51
Bengal
Synod

Sima Jia Estab

2-II

महाशय गंगा

मना, ठार पा दो ताकु की Lakra
और Lutherani महीसा के इलाका समा के मोड़िया
को पोरु साहय दीवे ।

आप समी को मालुम दीवे

कि हम डिमा मराडकी के मोड़ सब सब से ले
कर के इस्कीच मिशन में रहने के बिचे मित्राय
किये । हम लोग इस्कीच मिशन के पाद्री
Emmanuel Kachhap को बुला कर के इस्कीच
मराडकी में रहने के बिचे सबह ले लिये ।

हमो ने एक दरमस्त जो इस्कीच मोसन में मिलने
के बिचे देस किये । दरमस्त हमो का मंजुर किय
गया । अब बुधेरात महीसा से हमो का कुछ
सहाय नही है । आप समी को मालुम दीवे

मसीह मोड़ गंगा ।

Jonathan Doffoo ई लिपास तीरवो
Simon Tirki

Kunjal Tirkey 2/1/51 अनिस्की

Jusap elliny

काशी।
महाम सारि

Forwarded to the
G. P. & Church
Ranchi for
D. Lakra
Synod
16/2/52

देवा
स्वा.

Loyal Kajar

मोमल मोगा

देवा मोगा

देवा मोगा

मोमल मोगा

मोमल मोगा 2

देवा मोगा

मोमल मोगा

मोमल मोगा 1

Gabriel

मोमल मोगा

Adhin

Khakha

मोमल मोगा

मोमल मोगा

मोमल मोगा

मोमल मोगा

मोमल मोगा

2-II

Gossner Evangelical Lutheran Church

In Chotanagpur & Assam.
Mission Estd. 1845—Autonomous, 1919
BENGAL SYNOD.

OFFICERS:-

REV. D. LAKRA, PRESIDENT,
MR. N. MINZ, SECRETARY
MR. D. P. DUNGUNG, TREASURER.

G. E. L. CHURCH GANGUTIA, T.E.
P. O. KALCHINI.
DISTT. JALPAIGURI.
DOOARS.

No. 63/52...

Synodal Report (Bengal Synod)

Dated The 28th Oct 1952

सन्देशोक्तमान परमेश्वर पिता की कृपा से Bengal Synod में लुथेरान संगठन का काम जनपाइगुड़ी और दार्जिलिंग (दोनों) जिलों के अन्दर हो रहा है। अब पहले की अपेक्षा लुथेरान मराडालियों की संख्या बढ़ते जा रही है और भविष्य में और बढ़ेगी।

लुथेरान संगठित मराडालियों की आत्मिकदशा पहले की अपेक्षा अभी बहुत कुछ सुधारा की ओर जा रही है। मराडाली में नशा का व्यवहार, सातवीं आज्ञा के विरुद्ध, बिना शादी रखना-रखनी हो कर जीना, और तबीज का व्यवहार (ये तीनों बुराइयाँ) राज्य करते आ रहे हैं। अभी लुथेरान ~~मराडाली~~ ~~मराडाली~~ जो इन तीनों शक्तियों के ~~विषय~~ विरुद्ध छोट ~~मराडाली~~ लड़ाई करना पड़ रहा है। तबीज के संबंध में ~~मराडाली~~ ~~मराडाली~~ भाई-बहनों से कहा जाता है कि छोटा नागपूर के पाद्री प्रचालक तो इसके बारे में कुछ नहीं कहते हैं? जिससे वैसे जगहों में भाई-बहनों को सम्मान में लौटता आ जाता है।

सिनोद में माध्वारी मीटिंग होती है जहाँ प्रत्येक प्रचालक परा अपनी माध्वारी मराडाली आमदनी सेन्ट्रालाइज करता है। कितने प्रचारक परा निश्चिन्तता से न तो बैठकियों में उपस्थित आता न अपनी आमदनी ही सेन्ट्रालाइज करता। जिसके कारण सिनोद के अन्दर के कामों को सम्भालने में मुश्किलता आ जाती है। माध्वारी जितना आमद होता उससे अधिक खर्च होता है। इसी से सिनोद की C.C. देन चुकाने में पीछे पड़ना हो रहा है।

हमारे कितने भाई-बहनें हैं, जो अब तक अपने को ~~मराडाली~~ ~~मराडाली~~ मिशन के अंग गिनते हैं। ये भाई बहनें दुबसे में लुथेरान संगठन के विरोधी होते हैं। लुथेरान काम भी कमचारियों को शैतान का काम और शैतान के नाम से पुकारते हैं। इस तरह से दूसरे भाई-बहनों को लुथेरान संगठन में आने से रोकते हैं। वे भाई-बहन कहते हैं कि दुबसे में हम लोग स्कॉटिश मिशन के अंग हैं; छोटा नागपूर में हम लोग लुथेरान हैं। ऐसे भाई-बहनों के विषय देखा गया है कि बिनाहादि के लिये छोटा नागपूर जाते हैं; तो छोटा नागपूर के पाद्री-प्रचालक, बंगाल सिनोद अथवा यहाँ के लुथेरान पाद्री के बिना किसी प्रकार के शिफारिश शादी-बिवाहादि दे देते हैं। कौंसिल का ध्यान रखा जाता है कि इस ओर

Gossner Evangelical Lutheran Church
in Chotanagpur & Assam
Mission Estd. 1845 - Autonomous 1919
BENGAL SYNOD

G. E. L. Church Gossner, T.E.
P. O. KALCHIN
Distt. JALPAIGURI
Dooars

OFFICERS:
REV. D. LAHRA, President
MR. N. MINZ, Secretary
MR. D. P. DUTTA, Treasurer

Dated 1952

No.

हमारी सहायता करें।

सिनोद की ओर से लखनौपाड़ा मराठली (परिष्कारित) के लिये बाबू प्रभु शरणा यादव सुरिन प्रचारक बहाल किये गये थे। प्रचारक प्रभु शरणा यादव सुरिन कुछ महीने बीते एक निरिक्त दरवास्त के साथ C. C. Secretary (Ranabhi) से मिले थे। बाद में Ranabhi से और अपने प्रचारकपरा में यह प्रचारक लगे कि मुझ को Church Council से बर्तीस्मा देने का अधिकार मिल गया है, और उसी प्रकार वे अपना नाम भी शुरू कर दिये हैं। प्रभु शरणा यादव सुरिन, कौंसिल सेक्रेटरी को क्या दरवास्त दिये और उनको कौंसिल की ओर से क्या अधिकार दिया गया है? बंगाल सिनोद अनजान है। अभी प्रभु शरणा यादव सुरिन को सिनोद की ओर से प्रचारक नाम से छुट्टी दिया गया है।

कलकत्ते के साथ हमारे बंगाल सिनोद का क्या संबंध होगा? कौंसिल इसको सामकाम देने की कोशिश करें।

प्रभु में आप का सेवक:-
N. Minz. (Synod Secretary)
Bengal Synod (Dooars)
The 28th Oct. 52

D. Lahra
Synod President
Bengal Synod
(Dooars)
28/10/52

Suleman Oberghara
28/10/52

Gossner Evangelical Lutheran Church

In Chotanagpur & Assam.

Mission Estd. 1845—Autonomous, 1919

BENGAL SYNOD.

OFFICERS:-

REV. D. LAKRA, PRESIDENT,

MR. N. MINZ. SECRETARY

MR. D. P. DUNGUNG. TREASURER.

G. E. L. CHURCH GANGUTIA, T.E.

P. O. KALCHINI.

DIST. JALPAIGURI.

DOOARS.

No. 39-56/53

Dated 9th MARCH 1953

Office of the Synod of the G.E.L. CHURCH IN BENGAL Synod.

To,

BABU JUNAS TIRO. CHILAU NI T.E.

{ G.E.L. CHURCH BAROBISHA.

{ P.O. BAROBISHA.

निम्न लिखित धारा भाषा की जानकारी के लिये भेजी जाती है।

D. Lakra
Synod President
9/3/53

YOURS FAITHFULLY.
N. Minz.
Synod Secretary.
G.E.L. Church Barobisha.
Dooars

EXTRACT from the 11th Lakra Meeting held on the 8th Feb. 53 at Barobisha G.E.L. Church.

Subject:- मिन्हा - शरसा दल का उलखलान।

5(b) जुनास तिडू, दास मोन्नाम - चिलौनी बगान, पो: मो: बन्ना (हाट), जिला - जलपाईगुरी, भारत
पिता मृत फिलिप तिडू, गांव भी प्रयागपारा - जो शींगसा, पेरिस कांज बोली, सिनोद - बुर्खे
अपने विवाहिता स्त्री की छोड़ कर, गांव की आमुस भेंगरा की बेटी (नाम बड़ात) की भगा कर
इन्हीं में भाता था। रास्ते में आमुस भेंगरा अपना बेटी की जुनास तिडू से धरन कर लौटा ले गया।
अभी जुनास तिडू मिन्हा - शरसा दल के उलखलान कारियों में एक है। जुनास तिडू
प्रमु शरसा याकूब सुसिन की मराजली शासन प्रसाती के विरुद्ध काम करने में प्रोत्साहन
वालों में एक है। इस कारण इसका फैसला जाला है कि जुनास तिडू की मराजली शासन
प्रसाती के विरुद्ध चलने के कारण मराजली के छोटी सजा में रखा जावे।

इन्का मराजली बाह का पुन्ना आगामी ता. २६-३-५३ को दलदवाही लूथेरान गिर्जे
में किया जावे। इसकी जानकारी इन्का और तारी के सब लूथेरान प्रयागपारा, जो सिनोद मोफिस
रांची और छोटा नागपुर में के अपना सिनोद की दी जाय। पुन्ना के पहले फैसला की
जानती इसकी सिनोद मोफिस से दिया जावे।

Copy, 10

1 The President. G. E. L. Church Chota Nagpur and Assam.

2. " Secretary

3. All Synod Presidents.

2-II

281/53

24th February, 3.

To

Mr. C.A.B. Purty.
I.C.I. (India) Ltd.
37/1 Tiljala.
Calcutta-19.

Dear Mr. Purty,

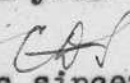
We are indeed very glad to have some days spent with the Calcutta congregation and specially thank you for your particular efforts in trying to make us acquainted with the affairs of the Calcutta congregation.

I could not write you earlier because soon after our return to Ranchi we found ourselves deeply immersed in our daily duties and had to face all sorts of problems. We were invited to Amlessa in Burju synod for celebrating the Golden jubilee of the Amlessa Ilaka. Then we had to visit other places like Govindpur, Marcha etc. Whatsoever troubles there were the Lord is removing slowly but surely.

Now I am busy making programme for the next Mahasabha which is going to be held from 19th April 1953. You may like to be informed in certain matters and I shall be glad to inform you when you like.

It is encouraging to hear from Mr. Z. Horo, Treasurer G.E.L. Church that you are doing your best to raise the amount of centralisation from Rs. 45 to Rs. 100/-. May God help you in your efforts to make the G.E.L. Church self-supporting.

Thank you very much for all your cordial reception and meetings,


Yours sincerely,

My dear Lakra.

5/1/1 Gope Lane, Entally
Calcutta 14.

14.10.52.

May I favoured by any note from you. I felt quite desolated. As I heard you had been to Military Camp (I on the Bihar Reg) and could do the successful work. It was the glory of the Almighty and let us thank Him for the same.

Well ~~as~~ I have some problems - Would you help me to solve them. — I Shall I call Calcutta in the Bengal Synod? II If Calcutta is within the Bengal Synod, why any link is not possible yet. III How the Bengal Synod can adopt the Synodical system? IV Why Bengal Synod

17/10/52
M
seem to be only a
nominal? V Is
there any means to
preserve the name
of Bengal Synod?

With best Complements
to you all. We are
abright and do hope
you the same.

Yishusachay
yours sincerely
K.S. Dey

POST CARD

REPLY

ADDRESS ONLY



16/10/52
KALCUTTA
Rev. D. Chinnel Lakra.

Rev. D. Chinnel Lakra.
S. L. Chinnel Lakra.
G. E. L. Chinnel Lakra.

Rev. D. Chinnel Lakra.
S. L. Chinnel Lakra.
G. E. L. Chinnel Lakra.

Rev. D. Chinnel Lakra.
S. L. Chinnel Lakra.
G. E. L. Chinnel Lakra.

Rev. D. Chinnel Lakra.
S. L. Chinnel Lakra.
G. E. L. Chinnel Lakra.

Pastor
GOPE LANE, ENTAIR
KALCUTTA-14

Gossner Evangelical Lutheran Church
In Chotanagpur & Assam.
Mission Estd. 1845—Autonomous, 1919
BENGAL SYNOD.

OFFICERS:-

REV. D. LAKRA, PRESIDENT.

MR. N. MINZ. SECRETARY

MR. D. P. DUNGUNG. TREASURER.

2-II

G. E. L. CHURCH GANGUTIA, T.E.

P. O. KALCHINI.

DISTT. JALPAIGURI.

DOOARS.

Dated the 26th Oct 1952

No.

To
The Secretary C.C.
Ranchi.

Dear Sir, Would you kindly give a space for the following few points in the Agenda of the Full C.C. Meeting to be held in the month of Nov. next for discussion, consideration and any final conclusion and oblige? —

I Problems shown by the Calcutta Pastor Rev. K.P. Soy in his letter of 14/10/52, addressed to Rev. D. Lakra (Dooars), (Letter enclosed).

II Lotteries in the Evangelical Church, whether doctrinally allowed or disallowed.

Yours faithfully
D. Lakra

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A.,

Ranchi, (Bihar) India

No.

942/53

The 16th July, 1953

Mr. C.A.D. Purty,
60/C S. Roy Road,
Calcutta-39.

Dear Mr. Purty,

With reference to your letter No. 24/S/53 dt. 4.7.53. I have to say that law stands against both the parties. One of them must bring a case of cancellation of marriage before the Court of a Munsiff. That can be possible as both the parties will have in difficulties if marriage is not cancelled. The case must be for cancellation of marriage and not a divorce suit. Next moves can be done after this.

Yours sincerely,

W. L. M. 14/7/53
Secretary,

Church Council,

G.E.L. Church Chotanagpur and Assam,
Ranchi.

B.L. 14/7/53.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A.,

Ranchi, (Bihar) India

No.

947/53

The 16th July, 1953

Mr. C.A.D. Purty,
60/C S. Roy Road,
Calcutta-39.

Dear Mr. Purty,

With reference to your letter No.24/S/53
dt.4.7.53. I have to say that law stands against both
the parties. One of them must bring a case of cancellation
of marriage before the Court of a Munsiff. That can be
possible as both the parties will have in difficulties
if marriage is not cancelled. The case must be for
cancellation of marriage and not a divorce suit. Next
moves can be done after this.

Yours sincerely,

B.L.14/7/53.

Secretary,
Church Council,
G.E.L.Church Chotanagpur and Assam,
Ranchi.

17/5/53

Lutheran Work, Calcutta

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14
Secretary:—Mr. C. A. D. Purti
60/C S. Roy Road, Calcutta 39
Phone:—PK. 3561

Ref. No. 24/5/53

Treasurer:—

Church Council
Received... D. Toppe
Register No. 81/53
S. J. Jowar
Date: 12/7/53
2 Bhawanipur Road, Calcutta 27
For:
Reply No.
Date: 7/53

on back of
last page

Dear Mr. Horo,

We have a case here and would like to know the attitude of the Church in this respect. That a girl was married to a man some 12 years ago. They lived together for a short time after marriage but have parted from each other without any issue. Whatever the reason of their breaking the marriage law is not known. This girl an I.P.G. walla happen to be in Calcutta for a job and while here fell in love with a young lad of our Church. They had a girl born to them and the boy was excommunicated for living a family life.

They are living together for the last 8 years or so and the family has grown.

On the other hand, the boy with whom this girl was married is alive and has adopted an illegal wife and have children and we are not much concerned except that he is alive

7/17/59
Lutheran Work, Calcutta

Chairman:—Rev. K. D. Soy
5/1/1 Gope Lane, Calcutta 14
Secretary:—Mr. C. A. D. Purfi
60/C S. Roy Road, Calcutta 39
Phone:—PK. 3561

Treasurer:—S. Jojowar
2 Bhowanipur Road, Calcutta 27

Ref. No.

Date.

and so this excommunicated boy cannot be re-admitted in the church nor married to this girl.

I know such cases are difficult to consider. The girl is double faulty but boy has one fault and has already applied for re-admission in the church and I must inform him the church's view or advise. The church may change its view and may be now different from what it used to be.

I am sorry for not being able to write to you in connection with ^{your} previous letter in fact this letter should have been sent a month earlier but am so busy these days & physically exhausted.

By the way, I am waiting for your replying me in connection with our resolutions duly sent to you for the C.C. agenda.

I am slightly unwell, rest are doing well.

Yours Sincerely
R. B. Bhowanipur
4/7

2/10/75

The last will stand
 the first the way
 of marriage
 before

the last time
one of them may
bring a case of marriage
cancellation before
the marriage court
not a divorce suit

I am waiting for you copy
 in connection with our resolution day and
 to you for the C.C. papers.
 I am slightly unwell, but on day well.
 Of the way, I am waiting for you copy
 in connection with our resolution day and
 to you for the C.C. papers.
 I am slightly unwell, but on day well.

from Lincoln
L. F. F. F. F.
1/12

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary: Mr. C. D. Sirka.

Ranchi, (Bihar) India

No. 38/53

The 8th January, 1953

To

The Rev. K.D.Soy.
5/1/1 Gope Lane Entally,
Calcutta.

Dear Rev. Soy,

The President and myself are reaching Calcutta on the 14th morning by Ranchi Express and we would like to meet you at the station in order to discuss certain matters regarding Calcutta work. You will also please bring some lay leaders who are interested in the matter particularly the gentleman who wrote two letters to the President regarding the future work of Calcutta. His name is C.A.D.Purty of 74, Ballegunj place, Calcutta.

Yāhsahay to you,

Yours sincerely,

C.D. Sirka

Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

B.L.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM,

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary: Mr. C. D. Sirka.

Ranchi, (Bihar) India

No. 37/53

The 8th January, 1953

To

C.A.D. Purty, Esqr.
74, Ballegung place,
Calcutta-19.

Dear Mr. Purty,

Your two letters to the President many thanks.
The President and myself are arriving at Howrah station
on the 14th morning and we would like to talk to you
on Church matters in Calcutta at the Inter Class waiting
room. We travel by the Ranchi Express which reaches ~~xx~~
Calcutta early in the morning.

Yishusahay,

Yours sincerely,

C.D. Sirka
Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

B.L.

Form II

प्रश्न

उत्तर

1. कितने रूख्खान बालको ने स्नान पाया ? 6
- 2 और 2 mil
- 3 कितने ने ~~दुध~~ पाया ? 1
कितने प्रभु भोज से भलग किये गये mil
- 4 कितने दूध रीति से मराडली से निकाले गये mil
- 5 कितने स्नान पाये हुए भर गये ? 1
- 6 कितने प्रभु भोज से निकाले गये फिर
ग्रहरा किये गये mil
- 7 कितने मराडली में ग्रहरा किये गये mil
- 8 कितने बर प्रभु भोज बांटा गया ? 23
- 9 कितने खाने हारे थे ? 500
- 10 कितने विवाह हुए ? mil.

92 मराडली विजाता :-

एतवार सिरनी	Rs. 124-15-9
बड़ा सिरनी	28-2-6-
अन्य बाद-	
प्रभु भोज,	- Rs. 40-6-0
मराडली पैसा	- 156-0-0
स्नान दान	- 5-6-0
काटनी	- 86-15-0
प्रभु प्रति दान	- - -
मवा (वाता)	- - -
राजा ब्राह्म	- - -
अन्य दान	- - -

Total Rs. 441-13-3

Census for the year 1951. Calcutta Lutheran work

Rev. K. S. Roy
5th January 1952.

23 500/28
1408
138

कॉफियर

तरतीब संख्या	नाम जिला का	पंजिह नंबर स्टेट	नाम गांव अपना	रोल	किरने पाटी	किरने फलप प्रकार के पुलादि	किरने घर	किरने बुविस्का पापे	किरने धर्म खोज के इस सन	किरने दृढ़पान पापे इस हे	हिंदु खंडाली और उड़िया	मुन्डा	हो	उरां व	सन्तान	रखडिया	किरने बराबर नकीले-जीने	किरने तवालफ के विरुध	किरने दृढ़पान पापे इस सन	किरने दृढ़पान पापे इस सन	किरने दृढ़पान पापे इस सन	किरने दृढ़पान पापे इस सन	किरने दृढ़पान पापे इस सन
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
1.	Bengal		Kharagpur	-	1	9	35	-	18	-	9	-	25	2	-	-	3	33	-				
2.	Midnapur		Military Camps	-	-	3	33	1	29	1	23	-	3	6	-	-	-	33	-				
3.	Calcutta		Santagaachi	-	-	5	15	1	10	-	5	1	9	-	-	-	2	10	-				
4.	Howrah		Basantgaachi,	-	-	6	20	-	15	-	7	1	9	2	-	-	1	16	-				
5.	Do		Belly & Lilooah	-	-	6	20	-	15	-	7	1	9	2	-	-	1	16	-				
6.	Hoozgli		Bandel	-	-	3	9	-	5	-	-	-	9	-	-	-	-	5	-				
7.	Serampur		Serampur	-	-	3	9	-	5	-	-	-	9	-	-	-	-	5	-				
8.	24 Pargana		Kaukinara & Barakpur	-	-	14	43	-	32	-	22	-	18	-	3	-	2	32	-				
9.	Calcutta		Dum Dum	-	-	3	10	-	7	2	3	-	5	-	-	-	1	7	-				
10.	"		Alipur	-	1	3	12	-	10	-	10	-	2	-	-	-	-	10	-				
11.	"		Bhawaniapur	-	-	2	5	-	4	-	1	-	5	-	-	-	-	5	-				
12.	"		Harington St	-	1	8	17	-	15	5	3	-	9	-	-	-	2	1	14	-			
13.	"		P. Circus	-	-	3	4	-	4	-	4	-	1	-	-	-	-	4	2				
14.	"		Hospitals & Colleges	-	-	3	4	-	4	-	4	-	1	-	-	-	-	4	2				
15.	"		Gope Lane	1	1	2	4	-	4	-	4	-	0	-	-	-	-	4	-				
16.	Total			1	4	61	207	2	153	8	91	2	95	10	3	2	12	173	2				

I निम्न संख्याओं का Report देने को नहीं है जिससे उस का जाना भी नहीं बनाया गया है। अर्थात्: —
५५६, १०, १४, २० से ३२, ३६ से ४७, और ४६ से ७५.

II यहाँ लोग बराबर आते जाते रहते हैं जिससे घर संख्या और जन संख्या में कमी बढ़ी होती रहती है।

III नम्बर ३६ - गिर्जा^{घर} का है। अपना नीज गिर्जा नहीं है - दूसरे के गिर्जा घर में भाड़ा देकर गिर्जा किया जाता है। सो उस का Report भी नहीं दिया गया है।

जहाँ की सही -

K. S. Roy
5/1/52.

प्रश्न

उत्तर

१३. कितने प्रायः काल ? —

७) सन्तो क विष्ट — 1

K.A. Ly
Pastor Calcutta.
5/1/52

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

President:—Rev. J. Lakra, M.A., B.D., S.T.M.

G.E.L. CHURCH COMPOUND
RANCHI, BIHAR, INDIA

Ref No. 1549/52

Dated, the 3rd Dec. 1952.

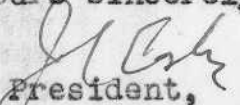
Dear Rev. Soy,

We have to submit a report on the work in Calcutta. I would request you to kindly send me replies to the following questions :-

1. Number of Baptised membership in your congregation.
2. Number of Christians in the Tamil, Telegu, congregation. If there is no Lutheran congregation of these people, please let me know the number of such Christians in Calcutta, as far as you know.
3. Number of Santali Lutheran congregation in Calcutta.
4. Monthly income of your congregation.
5. Monthly expenses of your congregation including your expenditure.
6. Can we look after Calcutta from Purulia or Tata?
7. Is it possible to start a Tamil-Telegu Lutheran Church at Calcutta?
8. Are our services attended by a good number of our Christians.
9. Can we have a united service for all, Tamil, Telegu and Hindi speaking people?

Please write to me as soon as possible.

Yours sincerely,


President,
G.E.L. Church, Ranchi.

True Copy

To
The Synod President
G. K. L Church Gangotia
P.O. Kalchini (Jalpaiguri)

Revd & Dear President,

माता-दिना-२ दिनांक- २४/१२/५२ को-कोच
व गंगा-मे-श्री- Masih Prakash Mung के समुपदिष्ट-में-सम-वैठकी
हुई, जिस-मे-निम्न-लिखित-मंसली-के-गई-सव-उपस्थित-थे-

- | | |
|----------------------|-----------------------------------|
| (1) Rydak T.E. Sree | Victor Toppo. Preacher. |
| | " Suleman Kujur |
| (2) Panbari Buoti | " Barnabas Keketta |
| | " Nasrit-Laksa Teacher (Preacher) |
| | " Masih Bakkash Bhengra. |
| | " Juel Bara. |
| (3) Khotsamari Buoti | " Hirabai Kujur |
| | " Hebol Kujur |
| (4) Gangotia T.E. | " Masih Charan Turkey |
| (5) Lohitai Buoti | " Bigla Pahan. |
| (6) Satabee T.E. | " Emmanuel Kujur |
| | " Barnabas Mung |
| | " Mukhael Khalkho |
| (7) Malangi T.E. | " Masih Bakesh Mung |
| (8) Beech T.E. | " Christophar Keketta (Preacher) |
| | " David Khalkho |
| | " Suleman Khalkho |
| | " Manohar Khalkho |
| | " Christo Sabai Laksa. |
| | " Raphael Toppo Teacher |
| | " Abifuse Laksa |
| | " Dhankum an Khalkho |
| | " Manohar Kishotta |
| | " Musa Laksa |
| | " Mohan Keketta |
| | " Mohan Khalkho |
| (9) Dalsingpara T.E. | " Susil Bara. Teacher |
| (10) Lakhi para T.E. | " Prabhu Saran Surin Preacher |
| | " Jidan Beck |

- (11) Talasbari TE. Shree Santosh Kerketta
 (12) Chillawmi TE. " Junasim Preacher
 (13) Karballa TE. " Santosh Heng Preacher
 Srimati Rachel Barla.

इस मिति मे - 5 मीस के Lutheran Church को - वर्तमान -
 परिक्षिति - पर - गु. सो च - विचार किया - गया - सर्व समिति - से -
 200000 Lutheran Unity स्थापित - की गई ।

मिति के - उपस्थित मेबर ग. 11 ने - लमीटी - के - सामने यह
 मांग - पेश - किया - कि - ममी - 200000 में - एक - हो - पाई -
 योना (Rev. D. Lakra) के - होने - से - विस्तृत - मिशन - दोग - में
 मिशन - लाह - करने - में - बहुत - हो - म सुविधा - हो - रही - है
 इस लिये - पाई - को - सहायता - के - लिये - मोर - लाह - को - मची -
 वह - स - चलाने - वा - संग्रालने - के - लिये Rydak TE के
 Preacher Sree Victor Poppo को Pastor's Short Course के
 लिये 21 वीं Church Council के - पास - भेज - दिया - जावे -
 मोर - जिस तरह - से - वी - उनको ~~200000~~ Ordination का
 पदवास्त कही - कर - उनको - 200000 में - हो - पाई - का
 लाह - दिया - जावे - । इस लिये - इस के - निशान में - पाई - के
 CC के - पास - जल्द - मिले -

President - Masihprakash Prasad 28.12.52

Vice President - Prabhuparan Sarin

21005 - H-42 - NO 15 - 1515 - 1515 - 1515

Treasurer - Jagan

Christophar Kerketta

Daud Khadda

Santosh Kerketta

Emmanuel Kuyar

Susil Bara.

Victor Poppo

Secy

28.12.52

22.1.52 26.12/PT/AM

Inhibition by Junasim

Copy to The Church Council Secretary C&L Church
 to The Synod President C&L Church Gangotri TE
 to The President C&L Church Chotanagpur
 + Assam.

[illegible]

No 178534-31-1-53

NO 179/53 dk 31.1.53

Copy to Synod President

Copy to Synod President
The President of the Church
The Synod President of the Church
The Church Council Secretary
The Church Council Secretary
The Church Council Secretary

True Copy

The Synod President
C. A. L. Church Gangotri
P.O. Kulehni (Jalpaiguri)

Rand & Rear President

ਮਾਨ-ਵਿਧ-੨ ਵਿਧੀ- 40-੨੨/12/52 ਓਮ-ਜੀਵ
 ੧੦-੧-੧੦-ਮਾਨ-ਵਿਧੀ-੨ ਵਿਧੀ- 40-੨੨/12/52 ਓਮ-ਜੀਵ
 ੧੦-੧-੧੦-ਮਾਨ-ਵਿਧੀ-੨ ਵਿਧੀ- 40-੨੨/12/52 ਓਮ-ਜੀਵ

- (1) Rydak T.E. Sura Vitor Toppo Teacher
" Suleman Mungu
- (2) Pombani Basti " Barnabas Kerketta
" Nasir-Lakea Teacher (Teacher)
" Masih Bokash Bengra
" Juel Bara
- (3) Khitsamar Basti " Hiralal Kijir
" Hebol Kijir
- (4) Gangotia T.E. " Masch Charan Teacher
- (5) Lalkhalai Basti " Bigla Pohan
- (6) Satabee T.E. " Emmanuel Kijir
" Barnabas Mung
" Mikhael Khalkho
- (7) Malangi T.E. " Masih Bokash Mung
- (8) Beech T.E. " Christophar Kekella Prashant
" David Khalkho
" Suleman Khalkho
" Manohar Khalkho
" Christo Sabai Lakea
" Raphael Toppo Teacher
" Hifuse Lakea
" Dhan Kurnan Khalkho
" Manohar Kerketta
" Musa Lakea
" Mehan Kekella
" Mehan Khalkho
- (9) Dalsingpara T.E. " Sewil Bara Teacher
- (10) Lalkhipara T.E. " Prabhu Saran Singh Teacher
" Jidan Beck

- (11) Talasbari TE. Shree Santosh Kerketta
(12) Chillanmi TE. " Jnanatma Preacher
(13) Karballa TE. " Santosh Hegazy Preacher
Gurmati Rakesh Basla.

इस-मिडिंग में - डूमीस के Lutheran Church को - वसुधैव-
कुटुम्ब इति - पद - गुण - सोच - विचार - लिया - गया - इस-समिति-से -
इसको Lutheran Unity सम्मिलित-को गई ।
मिडिंग - के - उपरि व मेमबर गरीब - लसीटी - के - समग्र यह
मार्ग - पेश - किया - कि - मंत्री - Doctors में - एक - हो - पाई
गया (Rev. D. Lakshmi) के - होने - से - निरुद्ध - मिशन - को ग - म
मिशन - का - कर - में - बहुत - हो - म सुनिश्चित - हो - रहे है
इसलिए - पाई - को - एडवर्ट - के - लिये - मोर - का - को - मकी
तरे - से - चलाने - का - समालोचन - के - लिये Rydak TE के
Preacher Sree Vidya Thero को Pastors Short Course के
लिये श्री श्री Church Council के - पास - भेजा - दिया जावे
कोर - जिस तरे - से - वन - उठका ~~होकर~~ Ordination के
व्यवस्था करी - कर उठका - Doctors में - ही - पाई - का
का - दिया - जावे - । इसलिये - इस-के - निम्न में - पाई - के
EC के - पास - जल्द - मिले .

President - Masihprakash Singh 28.12.1952

Vice President - Prabhakaran Surin

Treasures - Jivan Beck

christophar De Kella

David Khakha

Dantosh Keshella

Emanuel Kuyper

Susil Bara

James Turner

Victor Toppo

Edg

28.12.52

Copy to
 to the Church Council Secretary G.E.L Church
 to the Synod President G.E.L Church Ranchi
 to the President G.E.L Church Chota Nagpur
 & Assam.

1082/52

25th August, 2.

To
Rev. K. D. Soy,
5/1/1 Gope Lane Entally,
Calcutta.

Dear Rev. Soy,

Received your P.C. (private) dated 20.8.52 according to which I understand you expected me to see at Calcutta sometime this week. As there was no fund available for my journey to Madras I could not go and so all the programme fixed for that side had to be dropped.

I think you have already settled up your disagreement with the other church members. I had a talk about this with Mr. Z. Surin.

Sakshibani is out of print and is not yet ready. You will have to wait for it.

As the Synod could not send in their dues the Pastors Refreshers course is not going to be held this year. Please tell the Pastors of Assam when they ask you, through officially it has been circulated in all the synods.

By the way I would like to know if you ever get invitation from brothers of west Duars. One Catechist recently came to me and asked me about a pastor. As we are short of pastors at present I told him that they could invite Rev. D. Lakra of Duars. When speaking of Rev. D. Lakra ~~xxxxxxx~~ he informed me that Rev. D. Lakra is so much engaged that he does not get time to spare his visit to Western Duars. More over ~~xxxxxx~~ he tells me that it is more convenient for you to visit that it is for Rev. D. Lakra to visit them because of the conveyance difficulties. If his report is correct I think it will be great spiritual uplift for the people of Western Duars if you pay them occasional visits at an interval of 3 or 4 months. I do not compel you to do so but you may think how important it is to shepherd these people who are very much neglected because of our incompetency. I would like to hear more about it.

Yishusahay.

Yours sincerely,

C. D. Surin

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845-Autonomous 1919.

OFFICERS AND MEMBERS OF THE EXECUTIVE.

- 1 *President:* Rev. J. Lakra M.A., B.D., S.T.M.
- 2 *Secretary:* Mr. C. D. Sirka
- 3 *Treasurer:* Mr. Z. Horo
- 4 Rev. J. A. Kujur
- 5 Rev. S. Bage
- 6 Rev. H. Topno
- 7 Mr. P. D. Kandulna, B.A.
- 8 Mr. B. Dangwar, B.A.

OTHER MEMBERS OF THE CHURCH COUNCIL.

- | | |
|----------------------|-----------------------|
| 9 Rev. S. Horo | 19 Mr. A. Puri |
| 10 Rev. K. D. Soy | 20 Mr. S. Topno |
| 11 Rev. C. K. Vengra | 21 Mr. M. Topno |
| 12 Rev. C. B. Aind | 22 Mr. P. Lakra |
| 13 Rev. Z. Khalkho | 23 Mr. H. Samad |
| 14 Rev. S. M. Bage | 24 Mr. R. K. Kujur |
| 15 Rev. M. Topno | 25 Mr. C. T. Panna |
| 16 Rev. S. Surin | 26 Mr. N. Kerketta |
| 17 Rev. C. B. Minz | 27 Mr. P. D. Bagraila |
| 18 Rev. U. E. Kujur | 28 Mr. M. Toppo |

G. E. L. Church Compound
Ranchi (Bihar) India.

No.

The.....19

I would like to hear more about it.
who are very much neglected because of our incompetency.
you may think how important it is to shepherd these people
interval of 3 or 4 months. I do not compel you to do so but
Western Dares if you pay them occasional visits at an
think it will be great spiritual uplift for the people of
the conveyance difficulties. If his report is correct I
visit that it is for Rev. D. Lakra to visit them because of
towards him tells me that it is more convenient for you to
not get time to spare his visit to Western Dares. Now over
informed me that Rev. D. Lakra is so much engaged that he does
later of Dares. When speaking of Rev. D. Lakra's engagements he
pastors at present I told him that they could invite Rev. D.
came to me and asked me about a pastor. As we are short of
invitation from brothers of west Dares. One Catechist recently
By the way I would like to know if you ever get
officially it has been circulated to all the synods.
Please tell the pastors of Assam when they ask you, through
Pastors Kerketta's course is not going to be held this year.
As the Synod could not send in their dues the
You will have to wait for it.
Sakshidant is out of print and is not yet ready.
this with Mr. S. Surin.
agreement with the other church members. I had a talk about
I think you have already settled up your dis-
programme fixed for that side had to be dropped.
for my journey to Madras I could not go and so all the
Calculate sometime this week. As there was no fund available
according to which I understand you expected me to see at
Received your P.C. (private) dated 20.8.55

Yashwanth.

Yours sincerely,

मान्य श्री, Private 5/1/1 Gope Lane, Centally
आप को धीरुसहाय ।
Letter 14
20.8.52.

हम लोग आप: मान्य हैं । आप सब का भी कुशल मंगल
चाहते हैं ।

आगे मुझे सुनने में आया कि आप Federation meeting
के लिए जाने वाले हैं और यहां भी आते हैं । Babu Zakkari
Surin साक्षी करारी के लिए 12/8 अठारह रुपया वरिष्ठ पौल
वर्ला के पास दोड़ के आये हैं । कृपया उसको साथ में लेते
आइये । ~~और~~ यहां की मराठली का मांग है कि और दो सौ
साक्षी करारी ~~दिए~~ किताब चाहिए । सो यदि पुस्तक तैयार
है तो दो सौ पचास किताब ~~में~~ जमा में लेते आइये ।
ताकि मराठली की मांग जल्द पूरी होवे ।

इस साल Pastors
Refresher Course की
समावना है - कब तक
आशा की जा सकती
है ? आशाम के छादों में
सब मुझसे प्रहते रहते हैं।
आप लोगों को प्रभु का
आशीर्वाद मिले ।

आप का विनम्र

K. S. Singh

POST CARD

REPLY

ADDRESS ONLY



Mr. C. D. Sirka

G. E. L. Church

Compound,

Ranchi

(Bihar)
B. R. Rly.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845-Autonomous 1919.

OTHER MEMBERS OF THE CHURCH COUNCIL.

OFFICERS AND MEMBERS OF THE EXECUTIVE.

19 Mr. A. Puri
20 Mr. S. Toppo
21 Mr. M. Toppo
22 Mr. P. Puri
23 Mr. H. Puri
24 Mr. H. Puri
25 Mr. H. Puri
26 Mr. H. Puri
27 Mr. H. Puri
28 Mr. H. Puri
29 Mr. H. Puri
30 Mr. H. Puri

9 Rev. S. H. H.
10 Rev. K. D. Soy
11 Rev. C. K. V.
12 Rev. C. B. A.
13 Rev. K. K. R.
14 Rev. S. M. B.
15 Rev. M. Toppo
16 Rev. S. S.
17 Rev. C. B. A.
18 Rev. U. K. P.

7th August, 1952.

To
Rev. K. D. Soy,
Gope Lane,
Entally,
Calcutta.

Dear Rev. Soy,

We have received a letter addressed to "the Bishop Yule Lakra Gossner Evangelical Lutheran Church Ranchi" from one C.M. Datta, 4 Nandan Road, Calcutta-25. Going through the letter we could not come to any conclusion regarding the dispute and friction prevailing at Santragachi. As we are in dark about the matter we hope you will please enlighten us about it and have the matter settled amicably. of

The original letter/Mr. C.M. Datta is enclosed for your perusal.

Yours sincerely,

C. D. S.
Secretary,
Church Council, Ranchi.

B.L.7/8/52.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845-Autonomous 1919.

OFFICERS AND MEMBERS OF THE EXECUTIVE.

- 1 President: Rev. J. Lakra M.A., B.D., S.T.M.
- 2 Secretary: Mr. C. D. Sirka
- 3 Treasurer: Mr. Z. Horo
- 4 Rev. J. A. Kujur
- 5 Rev. S. Bage
- 6 Rev. H. Topno
- 7 Mr. P. D. Kandulna, B.A.
- 8 Mr. B. Dangwar, B.A.

OTHER MEMBERS OF THE CHURCH COUNCIL.

- 9 Rev. S. Horo
- 10 Rev. K. D. Soy
- 11 Rev. C. K. Vengra
- 12 Rev. C. B. Aind
- 13 Rev. Z. Khalkho
- 14 Rev. S. M. Bage
- 15 Rev. M. Topno
- 16 Rev. S. Surin
- 17 Rev. C. B. Minz
- 18 Rev. U. E. Kujur
- 19 Mr. A. Parti
- 20 Mr. S. Topno
- 21 Mr. M. Topno
- 22 Mr. P. Lakra
- 23 Mr. H. Samad
- 24 Mr. R. K. Kujur
- 25 Mr. C. T. Panna
- 26 Mr. N. Kerketta
- 27 Mr. P. D. Bagrailla
- 28 Mr. M. Topno

G. E. L. Church Compound
Ranchi (Bihar) India.

No.

The.....1

We have received a letter addressed to "The Bishop
Vole Lakra Gossner Evangelical Lutheran Church Ranchi" from one
G.M. Datta, 4 Nandan Road, Calcutta-25. Going through the letter
we could not come to any conclusion regarding the dispute and
friction prevailing at Santnagari. As we are in dark about the
matter we hope you will please enlighten us about it and have
the matter settled amicably. The original letter Mr. C.M. Datta is enclosed for
your perusal.

Yours sincerely,

Secretary,
Church Council, Ranchi.

B.L.V/8/32.

17/5/2

ता. ८. ७ - ५२.

जो ई रल चार्च पश्चिम इवार्स
मूटांग जलपाई गुड़ी।

श्री युक्त सन्तवार सहाय

जो ई रल चार्च प्रेसिडेन्ट रांची
आप को हमारे जो ई रल चार्च पश्चिम इवार्स मूटांग
सरडली के माई बहिनो को और सौ योसे सहाय

इजुर सलिक आप को कार्य किया जाता
है कि हम लोग तो पहिले इस्कोटिस सरडली को थे
आसी हम लोग इस्कोटिस छोड़ दिया। पश्चिम इवार्स तुरसा
नदी से पश्चिम में हम लोग बहुत तकलिय से पेड़ हं हर
कहीं बयतिस्मा धाम खोजन पेड़ हुय हं हम लोग कोई
उपय नही पते हं सौ इजुर सलिक को आपो किया जाता है
कि हम लोगो का दुस ती आप ही दूर करेगे। आप रक पट्टी
दिये हं जो पुरबी इवार्स गजोटिया में रहते हं। वह ती
आकेला होने के कारन से हम लोगो को सेवा में बहुत तकलिय
पते हं। हम लोगो के पश्चिम इवार्स तो साल सार से रक बर
आया तो आपा नही तो नही इसी जो प्रमु सोज या स्नान है
मागी होने चहते हं नही सकते हं। उनको रधार माने का फूर
सात ही नही हं जब जब बुलाते हं ऐसा ही जबाप पते हं कि
हमारा फूरसत नही होने के कारन से नही जाने सका। और नही
तो माने का प्रोग्रस बनाते हं और नही मानते हं। आसी यही तकलिय
हम लोगो का है कि प्रमु सोज और स्नान नही पते हं। और
दुसरा भी हम लोग आगे बढ़ने को रस्ता भी नही पाते हं।
आसी पश्चिम इवार्स से गुगारह बरह सरडली हो चुका जो
लूथरान में गिरजा मते हं। बाबू प्रचारक प्रमु सारन इन
सब सरडली यो को देख साल करबार करते हं और इन्ही के
जारीये से सरडली भी जल्द ही उठ खाड़ी होते जाती हं और भी
आशा करते हं कि आगे और सरडली मिलते जरगो नये प्र
बाबू प्रचारक, प्रचारक ही के हररक बगानो में धूम धूम के
सरडली को खोज पर बहुत जिजड़ से लगे हं। हररक बगानो
के सेनेजल और साईयो से मिल मिल के काम पर लगे हं
इन्हे आगुवाई से आसी दो जगह पर बगान में धाम सेला भी
किये हं और आगे भी ऐसा ही करने चहते हं

दुजूर सलिक को भी यही प्रशंसा करते हुए हाँ हाँ जोड़
बिन्ती करते हैं कि जबू प्रचारक को हम लोग आपने
तरफ से सांगते हैं और भेज देते हैं कि आप हैं पादरी का
का सहायक पर ग्रहारा का पद आसामिन् दिख जाय।
इतना ही बात लिख कर भाना करते हैं।
हम लोगों की प्रार्थना प्रभु के नाम से ग्रहारा भिजा जाय।
आइन्हे आप सलिक हैं। (माना से यीमुसहाय)

Parasit test + 10 galcata
mol. Prakash for 1000 galcata T: E

उत्पादित रक्ता मेमलकटा कान

જુના ૧૫ તિથિ ચિત્રાવતી
Jhingsay Chitauri

इम नरुण-वारुणकरवला

से नंगा सा है डे ज कर रहा।

महादत्त दुंगा दुंगा
वा मा न डावा -

જોહાન રોસે કરનામગુડો

बहिष्कार व्यवस्था

कैवल्य

थीमास-लकड़ा सीरा-घाट

जुलम के जूत रेडबेग

प्रमुं सहय अई नंदं वा मा डा गों
वि श्रवामः डुगडुग नामानडागां

Lukas Dwunglung Bamanglana.
नैन सुका लकड़ा मे रकटा हिन्दु पाड़ा

Na-hum. Merg. Hench. Para.
Nathaniel. Sanga. Maloli-bari + E.
Prabhu-dahay. Soy-murum. Haldibari
सुगान दास बरना हादी बड़ी

Jiman. Idemrom. Haldibari + E.
युमून मिहि खदी बड़ी

Santas. Kerkhita
Phalashari T.E.

समुसल लुगुन फला सवाड़ी
Nasri Ekka. New Door.

Received through
Prabhu-sharanyakanta Sw
Western District
West-Bengal

Santas Kerkhita
Phalashari T.E.

CD
29/1/52

Santas Kerkhita
Phalashari

Jiman, Beck
Village Lakhipara
P.O. Bandachel

Dist. Jalpaiguri
West, Bengal

Gossner Evangelical Lutheran Church

In Chotanagpur & Assam.

Mission Estd. 1845—Autonomous, 1919

BENGAL SYNOD.

OFFICERS

REV. D. LAKRA, PRESIDENT,

MR. N. MINZ, SECRETARY

MR. D. P. DUNGUNG, TREASURER.

G. E. L. CHURCH GANGUTIA, T.E.

P. O. KALCHINI.

DISTT. JALPAIGURI.

DOOARS.

No. 62-65/51

To,

Dated the 15th Dec. 1951

Rev. J. Kuzur (Synod President)

Northern Synod (Ranchi)

Sir, आप की हमों का यीशु-सहाय मिले। वर्तमान में हम सब कोई यहाँ पिता की अपाए गया से कुशल में है। भाशा भी प्रार्थना है कि आप सब कोई भी कुशल में होंगे।

लिखने की विशेष बात यह है कि गत ता. ३-१२-५१ की मटेला बगान के एकजवान (बाबू बसन्त कुमार मिंज) पिता सुखेमान मिंज, गांव चिरीडाँड़, कींडरा इलाका, हाल मोकाम सचकया बगान, जलमाइगुड़ी से एक चिट्ठी मिली। जिसमें वे लिखते हैं कि उनकी शादी का बन्दोबस्त सँची पत्थल कुदुवा के बाबू भाईने केरकेड़ा की बेटी से हुआ है। इस बाबत में वे स्क्रीटिश मिशन के अधिकारियों (पाद्री फ्रेय सर्विस और पाद्री इम्मानुएल स्कू) से सिफारिस लेकर आप के यहाँ भेजे हैं।

हम लोग आप की धन्यवाद देते हैं कि आप इस सिफारिस पर आपत्ती डालते हैं। क्योंकि मटेला वाले जो भी हमारे ही लुथेरान हैं और जो भी लुथेरान कलौशा अभी तीन बरषों से यहाँ काम कर रही हैं, जो भी अब तक आपने को स्क्रीटिश कलौशा के ही गिनते हैं। बाबू बसन्त कुमार मिंज की चिट्ठी पाकर पाद्री डॉ. लकड़ा और मैं मटेला गये थे। स्क्रीटिश मिशन के अधिकारी पाद्री फ्रेय सर्विस, बाबू बसन्त कुमार मिंज और वहाँ के प्रचारक फिलीमोन केरकेड़ा से हमों की बात-चीत हुई। पर वे हमारे लुथेरान कलौशा के विरुद्ध ही बातें किये। और यों हम दोनों दुखित मनु के साथ लौट आये।

अब इस बाबत में हम लोगों का कहना है, "अगर आप लोग ^{सादर} ^{से} ^{सुनते} हैं कि वहाँ की मराडली जो कि लुथेरान भाई-बहनों की मराडली है, स्क्रीटिश मिशन की रहे ली आप उन्हें स्क्रीटिश अधि-

कारियों के सिफारिस दी से उनकी शर्त दे दीजिये। और नहीं तो उनकी हिदायत दीजिये
 कि वे अपने जो दुबसे के लुथेरान मराडकी के अधीन ^{के} शर्त को सिफारिस ले लेंगे।
 क्योंकि यहाँ भी मराडकियाँ हैं, जो लुथेरान होकर भी अभी तक स्कोटिश की
 के अधीन हैं; जो कहते हैं कि दुबसे में लुथेरान कलौशा के अधीन न रहकर भी छोटा
 नागपूर में लुथेरान कलौशा के अंग हैं। इनसे हम बहुत दुरदुलये और दामकाये जाते
 हैं। इनका कहना यह भी है कि दुबसे में लुथेरान कलौशा नहीं दिनेगी।

सो ऐसी २ बातों के संबन्ध में अगर दुबसे के लुथेरान अधिकारियों के सिफारिस
 बिना आप लोग काम गुजा देते हैं, तो अपने ही कलौशा के जड़ पर खुदकाड़ लगाते हैं।

अन्त में आप लोगो से यही अजी रहता है कि अपने २ दैनिक प्रार्थना में जहाँ दुब
 कीजियेगा ^{कि} ईश्वर हमारी अगुवाई करे।

धौशु-सहाय।

D. Lakra
 Synod President
 Bengal Synod
 (Dooars)
 10/12/51

आप का निरनस्ता -

N. Dimx.
 Synod Secretary
 Bengal Synod. (Dooars)
 10.12.51.

Copy to:-

1. President. G. E. L. Church Ranchi.
2. Secretary " " " " "
3. Rev. Theodor Kuzur. G. E. L. Church Kandra.

28/1/52

Report

Bengal Synod (Doors)

1. Bengal Synod की ओर से निम्न लिखित रिपोर्ट ए.ए. के सामने पेश की जाती है—

1. **1** बंगाल सिनोद के मराउली कामों में गड़बड़ होते हुए भी किसी प्रकार काम चल रहा है। फिलिपी आत्मिक जीवन में बहुत कुछ उन्नति तो दिखता है, फिलिपी मगड़ा सब तक है। जिसके कारण से बहुत बात श्री कामों की उन्नति में बाधनाइयां हो रही हैं। एक पार्टी के जोप होने से दूसरी पार्टी का संकट दिखता है। इस हालत में बंगाल सिनोद की आर्थिक दशा में निहायत शोचनीय है।

2. एक प्रचारक बाबू अलफ्रेड निलसपोट्टा, गांव खुटी टोली - सिमडेगा, खुटी टोली सिनोद का, अपने को और अपने प्रचारकपरा को स्मोटिश कलेशा की सौंप का बिना छुट्टी गत अक्टूबर 1951 को छोटा नागपूर भाग गया। सिनोद की ओर से को सिल की अर्जी की जाती है कि ऐसी पर उचित कवाई की जावे। यही कि ऐसा काम कलेशा के विरुद्ध है।

3. समूचे इवर्स में जितने लुथेरान भाई-बहन हैं, सब के सब किसी छोटा नागपूर के किसी न किसी सिनोद से हैं। इस लिये छोटा नागपूर का सिनोद जब तक हमारे सहायतान को हमकी किसी बात में उन्नति कलना कलिन है। सो इस ओर को सिल का ध्यान विशेष रीति से रखा जाता है।

16. कौंसिल की जनाया जाता है कि सिनोद के अन्दर पूर्ण डुबसी में तीन बार
बस्ती भरा दीया है। उनमें बातेबिसा एक है जहाँ हमारा एक छोटा सा हाता है, जिसमें
एक प्राइमरी स्कूल भी है। 1948 से वहाँ एम. ई. सेकसन भी खोला गया है। 1949
में चार विद्यार्थी (तीन लड़के और एक लड़की) एम. ई. प्रोवा के लिये मद्रास ^नगुड़ी
H.E. School भेजे गये थे। 8-48 की बात है कि उनमें से दो लड़के और एक लड़की
उत्तीर हो गए हैं। एम. ई. सेकसन के लिये स्टाफ पाने में परेशान हो रहे हैं।

गत वर्ष के दिसम्बर महीना में उक्त स्कूल क्रमाउन्ड की जलपाइगुड़ी स्कूल
डिस्ट्रिक्ट बोर्ड रजिस्ट्री के साथ मांगा था; पर उसमें अप्रति पेश की गई है।

इसी मिशन हाता के सटा में 10 एकड़ का जोत जर्मन विन्डने वाला है। जिसके
बिक्री का प्रोमिशन स्थानीय प्रचारक बाबू बेन्यामीन हुकुम के नाम से मिल गया
है। उस जमीन का लगद बदाम 2000 दो हजार रुपया है। ऐसे समझौदा में हम ऐसे
निरुपाय पड़े हैं कि अगर मौका रबी जाय तो पछताना पड़ेगा। श्री इस लिये सिनोद
की ओर से कौंसिल की ओरी भजी पेश की जाती है कि जितना शिष्ट हो उस
जमीन को लेने में रकम से हमारी सहायता करें। बिनाकुल सहायता नहीं तो पैचा
के तौर पर भी सहायता दिया जाय। उक्त जमीन खरीदने के लिये ^{लगद} 15000 डेढ़ हजार
रुपया हम निरुपायों को पैचा देकर सहायता कीजिये। सिनोद का कहना है कि
उक्त रुपया पांच वर्ष के अन्दर लौटा देगी।

आगे प्रार्थना से हमारी सहायता कीजिये।

D. Lakshmi
Synod President
(Dooars)
25/1/52

प्रभु में भाव का सेवक —

N. Minx. (Secretary)

Bengal Synod (Dooars)

25-1-52

D. Lakshmi
Synod President

25-1-52

Appld has been purchased in the name
of a person with Rs 2000/- and this has been
returned.

Disinfectant

5/21/82

2000

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary: Mr. C. D. Sirka.

Ranchi, (Bihar) India

No. 1011/51

The 30th August 1951.

To

Rev. K.D.Soy,
5/1/1 Gope Lane, Entally,
Calcutta.

Dear Rev.Soy,

I am glad you have been awarded license to solemnise marriages and also you are appointed as Registrar of Births and Deaths. The West Bengal Government has also sent me the information regarding your appointment. Now I hope you are making vigorous efforts to built up a really active congregation in Calcutta and its suburb.

I could not go to Federation meeting this time on account of illness. When you visit Santragachhi next please tell Zakariah Surin about our illness. Now we are getting better day by day and hope to regain our health fully soon.

Our good wishes to you and Mrs.Soy and aslo to Miss Soy.

Yishusahay.

Sincerely Yours,

C.D. Sirka
Secretary,
Church Council, Ranchi.

5/1/11 Gope Lane, Cuttack
Calcutta 14.
Dated the 23rd Aug 1951.

To,
The Secretary,
G.E.L. Church Ranchi.

Sir,
I beg to inform you that I have got the
notification for the Registrar of Births and deaths from
the Government of West Bengal. I am sending
here with the copy of the letter and Notification.

Yours faithfully,
K. D. Roy 23/8
Pastor Calcutta.

Rev. K. D. Soy,
Ilaka Chairman.

5/1/1 Gope Lane, Eutally
G. E. L. CHURCH
BURJU
Cal. 14. P. O. MURHU, DT. RANCHI

No.

True Copy.

Dated 19

Government of West Bengal.

The Registration Directorate.

No 4336.M.

From The Registrar General of Births, Deaths and
Marriages, West Bengal.

To,

Rev. K. D. Soy

5/1/1 Gope Lane, P.O. Eutally, Calcutta 14.

Calcutta Dated the 21st Aug 1951.

Sir, With reference to your letter No 865/51/F. 12.
dated the 19th July 1951 regarding your appointment as a
Registrar of Births and deaths under Act II of 1886,
I am to forward herewith a copy of the Home (Pol.)
Department Notification No 3039-P/14E-2/51, dated the
16th May 1951 and to state that from the 2nd Para of the
aforesaid notification it will be seen that you have already
been appointed as a Registrar of Births and Deaths for
the District of 24 Parganas.

Yours faithfully,

so/ Illegible

Personal Assistant
for Regr. Genl. of Births, Deaths and
marriages, West Bengal.

Rev. K. D. Soy,
Ilaka Chairman.

G. E. L. CHURCH
BURJU
P. O. MURHU, DT. RANCHI

No.

True Copy.

Dated 19

Government of West Bengal.
Home Department.
Political.

Notification.
No 3039-P/14.E-2/51.

Dated, Calcutta, the 16th May, 1951.

The Reverend K. D. Soy, Ordained Minister of Religion of the Goswami Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam, is authorised under section 6 of the Indian Christian Marriage Act, 1872 (XV of 1872) to solemnize marriages between persons one or both of whom is or are ~~x~~ Christians and under Section 9 of the Act ~~x~~ to grant certificates of marriages between Indian Christians.

2. He is also appointed under Act ~~x~~ II of 1886 to be a Registrar of Births and deaths for the District of 24 Parganas.

By order of the Governor,
Sd/ R. Gupta.
Secy. to the Govt of West Bengal.

Rev. D. Lakra
ILAKA CHAIRMAN.

G. E. L. Church,
~~MURBHA~~ GANGOTIA
HANDHUMUNNA DOOARS

Date 28.8.1950

To

The Secretary C.C.,
G. E. L. Church,

Ranchi.

Sir,

Received your letter of the 21st Aug. 1950, addressed to
Rev. S. Toppo. Thanks.

Rev. S. Toppo has made and still making a
great disturbances in the whole of Dooars, against the
Church Council, against the Lutheran Church, against
the President and so on. I have no hesitation in
telling you these things because Rev. Toppo is ~~as~~ in fact
doing so. He is trying his best to win over the Lutherans
and to go over to the Scottish Church. He has won over
the Bastiwalas. I visited all the Basties and found them
quite bent towards Rev. S. Toppo. As regard Barobisa School
Rev. Toppo has not yet given charge of it. The Ilaka asked him
to hand over charge, but he kept quiet. I can not let you
know all things in this letter. Mr. P. P. Toppo is going for short
course in Ranchi. I have request him to let you know all
things and he will tell you every things.

I have not yet submitted my Bill, because
of the difficulty, that some of my articles are left in Calcutta.
Because of the disturbances there is no centralization, so
no money in the Ilaka Fund and no pay for the Pastor.

Please help me by your prayers and suggestions,
and directions & instructions. Yours faithfully, D. Lakra

20/10/50 From The Rev. S. Toppo
Kamakhaquri

Kamakhaquri Basti
P. O. Kamakhaquri
Dist Jalpaiguri.
21- 8- 50

⑦ F-21 To
The Secretary
G. E. R. Church
Ranchi.

Dear Sir,

I received your letter of 11th August on 20th August 1950. I am sorry that I could not go to Chhotanagpur and to join in my work at Panisani. Though I had promised to return back very soon. This is only because the circumstances did not allowed me. You will not believe which I want to tell you, but the fact is true. This time it was more difficult to travel in the train than that time while President Lakra had come to Duars.

Those days the booking was closed for some months owing to the disorder of the ways and Bridges. Even then the Train was so rush owing to the Hindu Muslim Golmal. It was very difficult to get in the Train in the middle stations where the Train stops for a few minutes. Up till now I do not have thought even in my mind of not going but seeing the difficulties I have stayed so long time. I have been told these days that the Train goes two time and the rush is little less. Now I am waiting for the

~~the~~ little good weather because these days in
Duars it rains day and night. I hope it
will be less by the coming months. Therefor
I have thought of going in September. I
shall try to go before 15th if we shall be
allright. ~~Because~~ Some weeks before we
were suffering from feverish, and dysentry.

One thing I wish to tell you which
I came to know that the seven congregation has
separated themselves from the synod as they
have sent an application for information to
you and the President. Really the people are
so much troubled. Every body's heart is
full of pain and sorrows because the
flourishing periods of the church work has
been checked at once in the very beginning.

I came to know by the heads of the congregation
that is from four Bastis and three gardens they
want to be separate congregations to separate
themselves for ever from the Lutheran church; this is
possible because most of them are converted by the
in to christianity by the Scottish church. They are
in want to come in Lutheran congregation only
because they are Oricon and of relationship.

Sheeally in these Bastis I have spent night and
day to make them understand. When they were
satisfied with my answer then only they
agreed to come in the Lutheran church.

Now I am very sorry to see the situation of the
Congregation. ~~The~~ Inside the Congregation everywhere
it seems ~~into~~ into division. You will not believe
but it is the fact because the people are of different
types in Quars though all are of Chhota Nagpur. Rev.
Rev. Kula had once visited he can explain.

Therefore I request you please kindly make
the understand so that they will be selfishly and
the Congregation will not be divided in to parts.
If all the Congregation will centralize its income
then soon it will be in flourishing stage.

Be my Love and yeshusahay
to you.

yours Sincerely
S. Topko.

Barobisha. G. E. L. Charach

10/1/50

18-9-50

प्रभु में जोर बाबू निमदास मीन
को मेरे ओर से प्रीतिशाय पहुंचे अंग
हम सब ईश्वर पिता की अपारा दया
से साबुसल हैं अपरा है की अपरा
लोग भी पिता ईश्वर की दया से शा
नुशाल होंगे अंग बाबू यह है की
१०-६-५० को बैठ को के लिखे अपरा
मुझे स्वत मेले थे सो १८-६-५० को
में पाया सो हम कैसे जा सके सो
अपरा को मलूम होवे और अपरा को हमारे
मन की इच्छा प्रगट करने की बात लिखे
हैं सो हमों का मन की इच्छा तो यह है जो जेसा
हमिस की पायसल भी की ८. १०/१० या
हुवीस में रहे सो हमों का कहना है की हुवीस
में ८. १०/१० और दमिस्तल लकासी रहे

वर्तमान ये दो महीने हो गए हैं
 दुर्वास का काम चलें और इस
 सब दुर्वास की मण्डली और
 बंगल से नोड मान का दोनों पक्षों
 को दुर्वास में रखता है होने से
 हमों का कोई कहना ही नहीं है
 जो अब लागा हुआ का के रखीया
 के साथ रहीं जो मिल के पास होने
 मही को दुर्वास में रहने की शर्तिका
 योमने की कृपा मिजोगा-रती
 B. Kujar M. d. Master



Buboo. ch. King (Master)

2nd

V. Satali. G. M. P. School

P. O. Husimra

D. Galpaigne

Received on
The 17th Sept 50
N. Minz
17.9.50

To

The Haka E. E. L Church Duars

Through The Secretary E. E. L Church
Duars Ilaka

Dated 8th September 1950

True Copy
Kept in the Synod
D. Lakshmi
22.9.50

मुख्यवार E. E. L Church Duars Ilaka मेम्बरों को हमारे यह
विद्येद E. E. L Church Duars Ilaka को ओर से विशुद्ध
आप (Duars Ilaka) को लिख जानने का अभिप्राय यह है कि,
इस के पहले जो कैशक मण्डली मिल कर आप के पास एक
दस्तावेज लिख कर भेजी है, उसी के अनुसार अब हम तन, मन, धन
काम सुरू कर दिने हैं। एक छोटा सा विषय को लेकर आप (Ilaka)
सारा Duars का सब प्रकार की काम को एक बड़ा लोहे की जंजीर से
जकड़ा कर सात आठ महिला रखे थे और रखे हैं, उसको एक
नायी श्रोम धारा हम तोड़ दिने हैं। नायी श्रोम धारा क्यों व्यवहार
करना पड़ा उसका कारण आप को फिर से पूरा लिख जानने विशेष
आवश्यकता नहीं समझते हैं। क्योंकि आप (Duars Ilaka) खुद सात
आठ महिला उस जंजीर को तोड़ने के लिये कितना चेष्टा किई,
किन्तु कुछ ना हुआ। इस पर यह Duars Ilaka से विद्येद छोटी
Duars Ilaka दुःख भरे हृदय से लेकर, यह नायी श्रोम धारा
(Ilaka बँकरी) से भागा हो यह बुरा दो में एक कर देती है। इसमें
आप जो भी समझिये या सोचिये, पर अब हम (विद्येद Ilaka)
नायी श्रोम धारा के शक्ती को लेकर चलेंगे। आप जो Rev S. S. S. को
के पास School का Charge Rev D. Lakshmi को दे देने को लिखा था,
पर हम Charge देने नहीं दिये हैं, और न किसी को देने देंगे। इस
सब विषय को लेकर और Rev S. S. S. जो अब तक Duars
में हैं और रहेंगे, दोष लगाते हुए C.C. में लिख भेजे हैं और
साथ भेजेंगे। Rev S. S. S. कल ही Duars छोड़ चले जाते पर
हमारे कारण से ही इतने दिन ठहरें हैं। क्योंकि उनके जाने में हम
बिल्कुल सहमत नहीं हैं। इस विषय को लेकर हम C.C. में भी लिख
भेजे हैं। हमों का पूर्ण विश्वास कि आप (Ilaka) और C.C. यह
नहीं चाहती हैं और न चाहेगी कि Duars में Lutheran कलशिया
दो भाग हो कर रहे। अगर ऐसा ही है कि Duars एक हो
कर रहे, तो आप (Ilaka) C.C. से यह आजी करे कि
Rev S. S. S. भी Duars में रहे और C.C. भी इस प्रकार की किसी
को सहन करे। यदि ऐसा हो जाती है तो हम आज या कल ही फिर
से एक Duars Ilaka बन जाते हैं। नहीं अब हम आप से
मिले हैं, और न कभी मिलेंगे। माफ़ी के कारण आप (Ilaka) और
C.C. में जानना चलते हैं कि, ऐसा क्यों हुआ, हो रहा है, और होगा।
Kite kite fight; chimney broken, who responsible? कि कर्तव्य विमुक्त
ता. 3.9.50 को यह नायी श्रोम धारा (विद्येद Ilaka) काम सुरूगा
में आई और आपने बीच का मण्डली आमदानी जो 7.8. महिला का

का जमा या Centralise कर के प्रचार-माध्यम और पाद्री का
 तख्त दे दिने हैं। ~~श्व~~ भागों को इस प्रकार से ही काम चलेगी-
 हम तो चाहते थे और चाहते हैं कि आपस में मिल जायें
 पर आप अगर हम से मिलना नहीं चाहें तो चाहते हैं और
 न चाहेंगे, वह तो मना और मतलब की बात है। पिता इच्छा दोनों
 की रक्षा करे। आप से मिलना Rev S. J. P. हमारे बीच Duars में
 रहना ही समझा जाय और नहीं तो नहीं। C.C. को भी इस
 विषय को जनाया ~~का~~ है और जनावेंगे। इस से C.C. को भी
 पूरा मालूम होगा कि हम आपस में मेल-रखापन करने को
 कितना चेष्टा किया, परन्तु आन्वीर-चेष्टा का ~~क~~ फल हुआ
 Rev S. J. P. को C.C. बदली कर के Duars को दो भाग कर देती है।
 अब इस दो भाग का कारण कौन रहा? क्या C.C. S. J. P. ?
 न हम और न कोई दूसरा? कृपाया उत्तर देंगे? कृपाया उत्तर में
 चींटि को कान अंठों को मत निगालिये, निगालना है तो दोनों
 को निगालिये और कुनना हो तो दोनों को कुनिये। क्योंकि
 दोनों प्राणी हैं। हीरा चोर भी चोरी है खिरा चोर भी चोरी
 है। गत 9/8/50 ता. के बैठकी में यह प्रस्ताव हुआ कि
 Rev S. J. P. भी Duars में रहे। इस पर Mr V. J. P. ने कहा
 कि अगर Duars में Lutheran कलीशा की बिनाश चाहते
 हैं तो रहें। अब विचार कर देखिये Rev S. J. P. Duars
 रहने से बिनाश होने वाली है? न उन के ~~क~~ न रहने से अर्थात्
 बदली से? ^{जैसे} गत ता. 3.9.50 की बैठकी में Dalsingh Bara
 का Master Sushil Bara का उत्ति. Nesh-हमों का
 बैठकी का स्थान ओ ता. Barobisha E. E. L. Church M. E.
 School Compound 8/10/50

अधिक और क्या लिखें।

गोड़ा लिखना अधिक सम्भव नहीं पर

अधिक लिखना गोड़ा सम्भव नहीं।

इति

Duars Naka से

विदेह

नाथी शरोम चार Duars Naka

8th September 1950

Forwarded
 to the Secretary
 C.C. Rameli
 for consideration
 and action.
 J. Lalita
 22-9-50

N. Mima
 Synod Secretary
 22.9.50

From the Rev. S. Toppho
Panisani.

Panisani
28.9.50.

Dear Sir,

I have arrived Panisani to take charge and to join in my work on 27th of Sept 1950. I could not come earlier because as soon as I arrived to Gumla I fell ~~at~~ ⁱⁿ sick. So I was suffering from fever for six days. Secondly uptill now the ~~si~~ Gumla Sindega Lorry service is not running. By chance I got a truck and going to Sindega so I could come up to Kundholi and from there I came down to Panisani. But uptill now I do not have began my work. There are no body to give charge of the Naka. The Naka secretary ~~has~~ has resigned recently and expired from this world. The old treasurer has resigned from his work. Now I do not have got thalar. But yet I have called the Naka on 3.10.50. If the Naka meeting will held then I shall take charge from them. Then I shall begin my work with thalar this is my ~~2~~ idea. I have informed the synod President

If he comes then then it is better will be better.

The house where Rev. P. Lakshmi was living has been taken by the owners. The people say that uptill now he is not in good terms with the Shakra. Owing to ^{him} the Panisami congregation has been ~~def~~ divided in to two parts.

Now what happens in the Shakra meeting. Uptill now the question has been not kept before him about the house.

For the time being I have arrived alone. I do not know when the service bus ~~goes~~ starts for Sindiga. You were saying about the Nap for thallar, I have given to Isaac talor. He has ~~written~~ down my name and Nap. Now a days any how I am keeping well. Hope you all be the well.

Be my Love and Yashaswari to you.

Yours sincerely SPW.

G. E. L. Church, Bengal Synod

Bengal Synod का रिपोर्ट -

Ranchi Church Council के फैसलेनुसार Bengal Synod की लुथेरान मराडली की गोममाल बाबत C.C. की ओर से दो मेम्बरों की एक Commission भेजसकई गई।

उनके अनुपस्थिति में चार बैठकी के बाद ता: 24th July 50 को Synod ने Rev. S. Topko से Charge लेकर Rev. S. Lakra को दी। खेद की बात है कि Barabisha Mission M.F. School का Charge Rev. S. Topko से अब तक नहीं मिली है।

वर्तमान में छोटी-बड़ी 24 प्रचारकपदा हैं। ~~अधिकांश~~ ^{ये}

Rev. S. Topko के C.C. Transfer order न मानने के कारण मराडली में अशान्ति फैली है। और पूर्वी दुबसे की बस्ती मराडलियां, उनके तरफ सानी होकर इलाका से भी सम्म संबन्ध छोड़ दिई है।

Bengal Synod से Short Course के लिये 2 candidates दरवास्ता दिये। उनमें एक Puran Prasad Topko अभी Short Course में पढ़ रहे हैं। दूसरा दरवास्ताकारा Baboo Victor Topko थे। उम् काम होने के कारण उनका दरवास्ता C.C. की उसके सूबिचा के लिये भेजा गई।

वर्तमान समूचे Quers में भरपूर के दो भागी होने और
मशान्ती के द्वारा अधिकतम दशा भी भक्ति सौचनीय है।

D. Lakra
Synod President
8. 10. 50

N. Minz
Synod Secretary
8. 10. 50

No. 472/50.

Rev. D. Lakra
ILAKA CHAIRMAN.

Gangotria T.E.
P.O. Kalchini
Doars

G. E. L. Church.
HORELON
MANBHUM

Date 17-9-1950

To
The President, For the C.E.
to the G. E. L. Church, Chota Nagpur and Assam,
Ranchi.

Sir,
With great sorrow I beg to inform you that I have been encircled by difficulties from all sides on the way of my duties and undertakings.

The first and foremost difficulty has been created by Rev. S. Topo, who has formed a party with the congregation in Basties. That party has given up to keep connection with the Ilaka. That party is directly making correspondence with the C.E. I do not know what steps the C.E. is taking about this or what direction the C.E. is giving to the Ilaka to deal with the matter.

Another great difficulty has been created by Mr. M.C. Dickey (Munsi), a leading member of the Gangotria congregation. Why only of the Gangotria congregation but of the whole Doars. The difficulty is this, that he has kept his sister-in-law (sali) as a second wife, and a daughter is born to them. The local Pracharak Panth, at first did not dare to bring the matter into consideration and pass any resolution against M.C. Dickey. I show them their weakness about their duty. So at last they brought the matter in their meeting and opined for the Excommunication.

of Mr. M.C. Tikay and his sister-in-law. Biswasini Ming.

And to-day the 17th Sept. 1950 I announced the Excommunication of Mr. M.C. Tikay and Biswasini Ming in the Gangotria Church for Adultery.

I do not know whether Mr. M.C. Tikay will leave his sister-in-law, Biswasini Ming or not. I pray you to write him a few lines with instructions to give up his sister-in-law. Because this is another great blow to the Lutheran Church of Doon.

Because of this there is centralization. On the 10th Sept., there was a meeting at Halibosi (Gaikata). Only 4 or 5 congregations centralized their income. So the Pracharaks of those congregations were given their pay up to Aug. '50 and I was given my pay for July '50 only. Because there was no money in the fund. This is another great difficulty I have been facing.

Malangi congregation has split into two parties. All the Uravans belong to S. Pappo's party & all the Kharias belong to right party.

The C.C. is requested to see to it and to take immediate steps against this.

Yours faithfully
D. Lahra

tl: 30-8-50 Malangi N: 8

प्रभु में पंखों आई पदरी सहेब आप को
हो बरीन हो बाचा हो तिनो परशो को
हम तिनो जानों का बहंत १ येशुमाया
हो प्रेम का पुमा पहुंच आई सहेब
आप लोगो को मलुम होवे कि
मसिखानो का मा और मसिखानो दोनो
बोखार होता है आई सहेब आप लोगो
का समचार कैसा है सो हम लोगो को
मलुम नही है पर येशुवार पिता
के उपर आशा रखते है आलाचांगा
हो रखा होगा आई सहेब आप को
अक बात जनाता हुं कि बरीबिमा
और कमैखागुड़ी 5-6 आदमी आया था
tl: 27-8-50 को मालागी में मिहोंग
तारा कर मालागी का परचार और
उम का आयदी मिसे ५ आदमी था
हम तो नही गाया था तो बात में सुनत
हुं कि बारीबिमा कमैखागुड़ी का
बिचार है कि परती बनावेगे आई सा
सुना पदरी S: दोपो जी था पर
समुचा बात फाई मला नही हुं वा
फिर से कमैखागुड़ी में मिहोंग
वहाया है

8:11 02-8-50

आइ प्रेस आब में प्रेम से
बोझ करता हूं तिनो परसो
का फिर से योशुआया

(1: आप का पिरीय आई
धामि पर का प्र दुंगा दुंगा

Recd.
1-9-50
m

Forwarded to the C.C.
for information and
needful.
D. Lakshmi
1-9-50

Rev. D. Lakra
IRAKA CHAIRMAN.

Gangotri T.E.
P.O. Kalehini
Doors

G. E. L. Church.
RUMULTA.
MANRUM (MARR)

Date 1. 9. 1950

Top
The Secretary C.C.

G. E. L. Church, Chit Nagpur of Assam
Ranchi.

Sir,

What Rev. S. Toppo is doing in the whole of Doors, here is one letter sent to me by one Lutheran brother of Malangi, it will give you the proof of what I have written in my previous letter. The things are going on from bad to worse, only because of Rev. S. Toppo. The C.C. is requested to see to it and take immediate steps about this.

yours faithfully

D. Lakra

Kamatkhyaguri G. E. L. Church

P.O. Kamatkhyaguri

Jalpaiguri

Dated the 10th Oct. 1950.

11/10/50

F-2 II

To

The Secretary,

G. E. L. Church Ranchi

Sir

सन्निधय निवेदन है, कि गत 8th Oct. शनिवार
करीब 7½ बजे बिहान-से करीब 2 बजे तक हमारे आलम
इलाका Barobisha G. E. L. Church में बैठी थी।
इस बैठकी में पांच मंडली से प्रतिनिधि उपस्थित हुए थे;
यथा :- Kamatkhyaguri, Barobisha, Chenguari,
Pambari और Malangi T.E.
बैठकी में उपस्थित, उपरोक्त पांच मंडली के प्रतिनिधियों (पंचों)
ने पाँचे पौसला किये कि, Church Council में भेजी गई,
पहले के दरखास्त नुसार; Council जब तक हमारे बिचार
पह पाँच पूरा नहीं करती है, तब तक हम (पह इलाका)
Quars Glaka से आलम ही रहेंगे, और अपना 2 मंडली
आमदानी सेंटरलाइज करते-हुए काम जारी रखेंगे।

2.

उक्त पांच मंडली में एक Primary और एक M.E. School है,
मोठ कर्मचारी पांच प्रचारक और चार शिक्षक हैं;
इन 9 कर्मचारी में तमाम January To Sept. 1950. पह
इलाका दे चुकी है, केवल Master P.C. Ming Barobisha
M.E. शिक्षक का Rs 63 देना बाकी है।
जिससे उक्त पंचों मंडली के कर्मचारी उत्साह के साथ
अपना काम चला रहे हैं।

Sir तबसे इलाका बैठकी जो 12th Nov 50 Chenguari
में बैठेगी उस रिपोर्ट में आमदानी और खर्च का पूरा 2
हिसाब-देगे।

इति

P. Shanwar
Secy

For Barobisha

Glaka.

10/10/50.

Burabishu. G. E. L. Church. M. E. School

मन्मथर महाशय सेक्रेटरी शहर के युक्त विन्यामोन क्लब को
जो रोज की शुरुआत पढ़िये और समाचार पढ़ें हम लोग अपने पिता
इश्वर को अपना दया से सरिरिक दशा में आच्छे है नाशा है की
आप लोग ये पिता इश्वर को दया से अच्छे होंगे और बात कह
है की हमारे इवारस की दशा को तो आप लोग जानें हो है पर
हमें को फिर्चा इवारस की दशा को आप लोगों जिनाने पड़ता है सो कह
है की इवारस में लूचैरन कलीशा को लाने में सुरु उलगुलन
करने वाला भीकदार होयो दुख और उरों के अपने जाने से हो
गया लिक्कीन हम लोग जब देखा को रंघी कौशील १ पदो
ठे दशा को इवारस के लिये भेज दिया तब हम लोग लूचैरन
दुख नहीं लेने होतें प्रीति जब पदो और और काम करने लगा
और एक हाई स्कूल इवारस में खाड़ा करने के लिये मिशनरी
पक्षों के लिये कुछी स कामे लगा के अपना पैसा उठाने में
जोर देते हुए बागान के सदेव लोगो के सधारन आदमां लोको
तब धन १०००० रुपया का कलेकसन हो गया और सब
और पदो के बात के अनुसार चलने लगा और पदो S. 7 p. 10
को अपने अपने को पढ़ि हो २०० रुपया स्कूल के नाम
से उठाया गया बाभी कपो के दुख में भी और मरुली
आमदनी सब को पदो खोज करने दिसवा के ताक कराने लगा
इसमें भी कपो के मन में बेचारुन हुआ और पदो के
विरुद्ध में लोगों को उताराने लगा की जो कुछ इवारस में
दिखा हम लोग दिया पदो S. 7 p. 10 ले नदिये दिया और को
अच्छी रुपया पैसा का खोज कराना है दिसव किताब बनाना है
तब बागान के के रुका अदमी पदो के विरुद्ध में कुछी बागी के
द्वारा दोष लगाना और उसे गुदने को फिकर करने लगा
और ऐसा २ अदमी जैसा गगों दिया का मुनिस जो गुप्त में हो
सो रुका भा और अच्छी फगद रूप में भी रुका है भीकदार
भी वैसा ही है और रुकल भी वैसा ही है उसी गोलमल
मिटाने के मिताव करने के लिये हम लोग २ महिला तब
पिक्कीर दिया लिक्कीन पदो १ भा भी ले लवाड़ा सदेव आया

लिफ्टिन लकड़ा सदेव डूवारस का फगड़ा की डूवारस में ना
मिदा का उस हाथी में ले गया प्रोद्ध कमो सन बहराया कमो सन
मो नहीं अप्या डूवारस का फगड़ा रद गया आ यो बिना सोच
विचार का का जो शील ड. ७५५० को बदलो कर दो
इस कार्या हमी का डूवारस दो भाग हो गया अपै
जब तक डूवारस में ड. ७५५० फिर नहीं येजते है ~~बसा~~ हो
रेगा अप्या जो डूवारस को चालाई चहुत है तो फिर डूवारस में ड. ७५५०
करे ज दिजेगा अपे येजने को कृपा कि बिचगा नहो तो यकी स्थित
में डूवारस तिरु की तर हो जायगी क्योकि वैसा यहूवा लोगो के
हम लोग जाने कल नहो है और ड. ७५५० के ऐसा डूवारस में कोई
किसी के द्वारा काम सुफल नहो होगा हम लोगो को समझ यह को
को इस कोरिस मिशन में रहने से हम लोगो का जितना सुख सुखीदार हो
तो माला मण्डली में अपने से उसे यो कहां अप्य सुख सुखीदार होगा
लिफ्टिन देखने में अप्या को उसे यो बे हतर दुरदसा में हम बड़ जाये है
अप्य लोगो जन्ते है को अकाश या स्वर्ग में दुष्ट दूत ने लड़ाई उठाया उर
ने उसे जमिन में पड़ ग दिया स्वर्ग में सन्ती हो गया वैसा ही यी कही
ने डूवारस में घमण्ड लाया ओ लड़ाई उठाया उसे डूवारस से दहा देने
हो से डूवारस में सन्ती होगी सो हो अप्य लोगो को करतव्या या
लिफ्टिन उस के बेपीरित में अप्य लोगो काम किया ~~क्योकि~~ जिस के
पास हम नहो है जिस के पास मेल प्रेम नहो है उस का अप्या
किस प्रकार का है और वह किस प्रकार मण्डली का गजवा
हो सकता है और उस अंधे अगवा के पीछे हम जानबूझ कर
क्यों कर सा सकते है डूवारस में मीकटोर किसी प्रकार मण्डली
को काम को योग्य नहो है तो अप्य लोग के सब को जानबूझ
कर यो डूवारस के लिये का विचार करते है सो अप्य हो
लोग जन्ते है और अधिक का लिख लिखने से जगत में यो
जगा नहो मिलेगा या नहो समेगा - इतने अप्य लोगो सु विचार का
अप्या कारो - Benjamin Kujum Panobishas y. E. L. church
caticest and H. M. Mast

संकेत — गोस्वर एवं जेलिकन व्यूथान
चर्च कौन्सिल के निकट निवेदन.

महासय,

हम लोगों को यह मायूम हुआ है कि हमारे वर्चमान का प्राप्ति बाबु L. Toppo को बदली च-उधारपुर की हो गई है। किन्तु हमारी उम्मीद थी कि अगर उनको और कुछ दिन यहां रहने दिया जाय तो यहां की स्थिति बहुत कुछ सुधर जायगी क्योंकि कि हम यह देखते हैं कि हाज ही में उनको काम करने का सिखसिका मायूम हुआ है और ये काम भी शुरू हो गई है। थोड़ा दिन में यह काम नियमित रूप से होने की आशा है। यदि वे चके जाते हैं तो नये कामे बाके के किसे यहां का रहन सहन अनुभाव करने में कुछ दिन बग जायेंगे और इस प्रकार से शुरू किया हुआ काम में भी रुकावट पड़ जायेंगे।

फिर हमें यह भी ज्ञात हो रहा है कि गोस्वर ककिसा ककिसा के प्राप्ति यहां फिर नहीं आयेगी पर सन्तान मिशन के प्राप्ति आयेगी। अगर और किया जाय तो हमारे चर्च में अभी कोई सन्तान भाई नहीं है। इस प्रकार से सन्तान मिशन के यहां आने से शायद उतना उत्साह नहीं होगा जितना कि हमारे गोस्वर ककिसा के प्राप्ति के आने से होगा।

अतएव आप लोगों से हमारे नम्र निवेदन है कि कुछ दिनों के किसे (कम से कम एक वर्ष के किसे) बाबु L. Toppo प्राप्ति रह जाय और ये Calcutta का काम गोस्वर ककिसा की और से संचालन किया जाय, आगे आप लोग समझें

आप लोगों के भाई

ककिसा व्यूथान चर्च से
मेम्बर जन

1. Ch. St. Puri
2. Ch. Chandugan Pious
3. Juna Kandulna

2. S. Aind.

5. S. Kandulna.

पारम मित्रं
Immanuel Kadulna..

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : Mr. C. D. Sirka.

Ranchi, (Bihar) India

No. 869/51/F-2II.

The 19th July 1951

To

Rev. Daniel Lakra,
Synod President,
Gangatia T.E.
P.O.-Kalchini,
Dooars.

Dear Rev.Lakra,

For a long time you have not written to me any thing after the sad demise of your son. I am anxious to know whether the West Bengal Government have granted you the license enabling you to solemnize marriages in your congregation. Please let me know atonce so that I could take further step on the matter. Rev.K.D.Soy has been granted the required license and he has informed me of this recently. I will be glad to know if you are granted the required license. Here we are in good health. Presudent J.Lakra is still in Germany but will shortly leave for Switzerland.

Yishusahay.

C.D. Sirka
Secretary

G. E L CHURCH
CH NAGPU & ASSAM
RANCHI

No. 2 II

Gossner Evangelical Lutheran Church

In Chotanagpur & Assam.

Mission Estd. 1845—Autonomous, 1919

BENGAL SYNOD.

OFFICERS:-

REV. D. LAKRA, PRESIDENT.

MR. N. MINZ, SECRETARY.

MR. D. P. DUNGUNG, TREASURER.

G. E. L. CHURCH GANGUTIA, T.E.

P. O. KALCHINI.

DISTT. JALPAIGURI.

DOOARS.

No. _____

Dated the 31st May 1951

To

The Secretary C. C.,

G. E. L. Church, Chotanagpur & Assam

Ranchi.

Sir,

Herewith I beg to ^{submit} information regarding the formation of Bengal Synod.

Further, I beg to inform you that the "Barobisa" party has come back in the Ilaka and now there is no party in Dooars Ilaka. Only Mr. Victor Boppo and his own family members keep themselves aloof from the local congregation and Ilaka as well. I do not know what to do with these people.

As regards marriage License, I have not yet received it.

yours faithfully

D. Lakra

35 17-211

Camp:- Malangi T. E.

Hasimara. The 14th March 51

The Secretary.

G. E. L. Church

Ranchi (Bihar)

Sir,

आप को जनाया जाता कि Chengamari Basli मराठी एक लुथेरान मराठी है, जो कि कुछ महीना पहले बांग्लादेश पार्टी के साथ शामिल हो चुकी लुथेरान इलाका से अलग हो गई थी।

अब ता. 22 जनवरी 1951 को इलाका बैठकी में बांग्लादेश पार्टी से अलग होकर अपना मुजाफा पत्र उक्त इलाका बैठकी में दारिबल को। इलाका Chengamari Basli मराठी के दरनास्त पर बहस भी विचार करते हुए उक्त मराठी को फिर से अपने में ग्रहण कर लेता है।

सो C. C. को मायूम होवे कि जनवरी 1951 से चेंगमारी मराठी बांग्लादेश पार्टी में नहीं है।

योग-सहाय।

प्रभु में आप का दास:-

N. Minx.

Synod Secretary
of Bengal Synod
X

Office of the Haka or Synod Sabha of the G. E. L. Church

In Duars.

The 14th March 1951.

निम्न लिखित चारों ओर मौसिम की जानकारी तथा सुविचार के लिये भेजी जाती है।

Yours Faithfully

N. Minz.

Synod Secretary
G. E. L. Church Duars.

Extract from the Haka meeting held on 11th March 1951 at
Gangolia G. E. L. Church.

Subjects: I पाद्री एस. टोप्पो का विम. II बातीबिसा पार्टी का दरनास्त और

III C.C. देन।

8.(b) जनवरी १९५० से जून १९५० तक का Rev. S. Toppo के काम का, न भागद-स्वच का कोई रिमांड नहीं है। इसकी छोड़ दूसरा रिपोर्ट इलाका नहीं दे सकती है। और न उनके नाम पर कुछ फैसला कर सकती है।

5. बातीबिसा पार्टी के 1st March 1951 के दरनास्त पर जिसका कापी उक्त पार्टी, मौसिम सेक्रेटरी को भी भेजी है; यह फैसला हुई कि उक्त पार्टी के दरनास्त को मौसिम C.C. में दी गई है। इस कारण C.C. से कुछ सलाह न पाने तक, इस दरनास्त पर कोई फैसला नहीं सुना सकता है।

P.T.O.

7. Bengal Synod को C.C. देन १५० मगया है। C.C. देन पर बहुत बात-
 बिचार हुआ; पर निरुपाय ही का Duam Malca समा की घड़ी फैसला
 करना पड़ा कि, "C.C. देन को चुकाने के लिये सिनोद तैयार होते
 हुए भी १८५० के लिये उक्त देन १५० मगया चुकाने को असमर्थ है। कारण
 C.C. को खुद माफूम है कि समूचे दुबसै में अशान्ती और दो भागी अब
 तक भी है। सिनोद खजाना में १८५० के दिसम्बर महीने तक कुल बचत
 सिर्फ २३ रु. है। अतएव C.C. से सिनोद को अर्जी है कि १८५० का
 C.C. देन माफ किया जाय।"

(16) ^{12.7} II Calcutta Lutheran Work,
Annual Statement 1950.

1. Etwar Serni	Rs 131-8-6.
2. Ghara "	Rs 27-2-9
3. Dhangabad	Rs 7-13-0
4. Snan Dan	Rs 4-10-0
5. P. Bhog "	Rs 32-1-0
6. Mandli Chanda	Rs 227-12-0
7. Shadi Fees	Rs 10-0-0
8. Katni Dan	Rs 19-11-6
9. Assam Relief	Rs 22-10-0
10. Naya Khani	Rs 4-3-0
11. Anya dan	Rs 5-1-0
12. C.C. Grant	Rs 492-8-9
(Half June - Dec '50)	Rs 1219-0-9

Total Rs. 1711-9-6

Expenditure: - 1. Contingent Rs 22-8-9
2. Pastor's Pay Rs 1219-0-9
(with House rent and advance)
3. Sent to C.C. Rs 470-0-0

Total Rs 1711-9-6

S. J. S. 17.1.51.
Treasurer

K. J. S.
Chairman
17.1.51.

Office Copy

OFFICE OF THE G.E.L.CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.
RANCHI.

Memo No. 134/51/P-211

Dated 23rd January, 51.

The undermentioned document is forwarded to
Rev. K.D.Soy and Mr.K.K.Sokey for information.

C.D. Singh
Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

Extract from the minutes of the full C.C. held on
9-12th Jan., 51.

Item No. 20.

20. Bengal Synod: Bengal Christian Council se affiliate
kiya jawe aur ush ka pratinidhi Rev. K.D.Soy
aur Shree Kiran Kumar Sokey hi rahen.

1986/50/F-2II

20th Dec.,

50.

To,

Rev. K.D. Soy.

5 $\frac{1}{1}$ Entally Gope Lane
1 P.O. Entally
Calcutta. 14.

Dear Rev. Soy,

Your application to President for ten days leave is granted with effect from 26th December, 50 till 4th January 1951. Kindly take note of it for your guidance. Wish you Happy Christmas & bright New year.

Sincerely Yours,

C. D. Singh
Secretary,

G .E.L.Church, Ranchi.

No 1986/50/P-211 d/20/12/50.

To,

The President,
G.E.L Church, Ranchi.

Sir, As my brother-in-law's marriage is going to be held on the 28th Dec 1950 and I will have to attend it without fail, kindly grant me leave for 10 days i.e. 26th Dec 1950 to 4th January 1951.

I shall be much thankful to you for this act of kindness.

No. 621/50
d/-19/12/50

19/12/50

Yours faithfully,

K.D. Dey 15.12.50.
Pastor Calcutta.
Lutheran Work.

OFFICE OF THE G.E.L.CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.
R ANCHI.

Memo. No. 19/6-17/50/E-2-II

Dated 11th Dec.,
1950.

Copy

~~The undermentioned document~~ is forwarded to Duars
Ilaka for information and necessary action.

Ch. S. S. S.
Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

Extract from the minutes of the Executive
Council held on 1-5th Dec., 1950.

Item No. 3. Finance:-

Rev. S. Topono's bill and letter:-

Read the letter with the bill of Rev. S. Toppo
Dated 1-12-50. Resolved that a copy of the whole
document be forwarded to the Duars Ilaka for veri-
fication and consideration for payment if true.

True Copy

N^o 1916-17/50
24/12/50.

To,
The Secretary G.E.L. Church.
Ranchi

Dated Ranchi, the 1st Dec., 1950.

Dear Sir,

I beg to put my request before the C.C. for the kind and favourable consideration about my pay as it is given below.

On account of the Dours trouble there was no Centralisation from the month of January 1950. During that time I had been transferred therefore I ~~was~~ could not draw my salary. According to the C.C. order I was to join in my posted place from the 15th June, 50. but I could not.

1. I was in the C.C. meeting up to the 16th June, 1950. at Ranchi. After that the Railway foot had been broken so the Train was suspended for some days. So I went in the month of July and gave charge to Rev. D. Dakra on 16th July, 50. That day the Bengal Synod was unable to pay up my salary, but it has been told that the Bengal synod will pay the due amount up to the 16th July when there will be money in the synod. But in the C.C. meeting it has been told that the Duars money is in the C.C. treasury so you will be paid here as far as I remember and this idea has been given in the meeting. But yet I have submitted my bill to the synod. But up till now I did not have received any amount of my pay. Therefore I am requesting to the C.C. giving the true copy of my bill for consideration. I had given one application to the synod but the synod guided me to apply to the C.C.

2. After giving charge I was to come to the Chotanagpur soon but on account of the way difficulties I remained in Durars till the 13th of Sept., 1950.

(i) Difficulty was this that the Train time was not certain. There was one time Train so it was very rush.

(ii) That very time there was a Hindu Muslim golmal so the people were going and coming from the Assam. Therefore it was very rush.

(iii) The Train was coming in the nearer station at night.

(iv) For a week we were suffering. For that I had written to the C.C. Secretary also.

On account of these things I could not come to panisani in time now the question comes that from where shall I get my salary from 5th July to the 15th September, 1950.

I therefore, request to the C.C. for the kind consideration about my pay and my Thalar which had been stolen away on the way.

Yours Faithfully Servant,

Sd/ S. Toppo
1/12/50.

XXXXX

3.

MONTH OF APRIL.

At Rydak tour with President
gave to Driver Plus Khalasi for teaRs. 1/6/-
Malangi to Dimdima Truck fare..... Rs. 1/-
Tea at Dalgaon.....Rs. -/6/-
Contingency for the Office work.....Rs. 2/-

Rs. 4/12/-

Month of February 1950 Salary Due~~s~~ was Rs. 5/-

T.A. 1950 in February 9/8/-

Month of March 50. Salary with Dours D.A. Rs.85/-

T.A. in March ---- Rs.22/12/-

Month of April 50. Salary and D.A. ----- Rs.85/-

T.A. in April.----- Rs.4/12/-

Month of May 1950 Salary and D.D.A. ----- Rs.85/-

E.A. -----

Month of June 1950. Salary and D.D.A. --- Rs.85/-

T.A. -----

Month of July up to 15th only ----- Rs.42/-

	Rs. 424/8/-
Provident Fund	
	7/-
	Rs. 431/8/-

The income of the Kalchini
Congregation

Asnan~~a~~ and P. Bhoj with me

	Rs. 28/8/-
Total Rs.	403/-

Sd/- D. Toppe.
16/7/50.

Month of February 1950 -- Salary and T.A. Account of Dours.

Salary received Rs.80/- only out of Rs.85/- and T.A.

February:- T.A. Lory fare Kalchini to Alipur on private truck. Rs.1/-
Two meal at Alipur ----- Rs.3/8/-
Lory fare Alipur to Samoktola ----- Rs.1/8/-
~~xxxxxxxxxxxxxxxx~~
Boat fare in the river Rydak both side. Rs.1/-
Back journey Kamakhagini to Samaktola Tea At samoktola
on cycle....Rs.1/-
Contingency for Office.....Rs.1/-
Morning Tea at samoktola at about ten O'clock. Rs.1/-

Rs.9/8/-

MONTH OF MARCH, 50.

Barobisa to Kamakhagani BoatRs./8/-
Tea at SamoktolaRs./12/-
Food at Alipur.....Rs1/8/-
Gangotia to Gairkata-- Tarsa bridge fare with cycleRs./12/-
Tea at Lalgaon.....Rs.1/8/-
Gangotia to Alipur on a private truck.....Rs.1/-
Alipur to Samoktola Lorry fare with Cycle
at evening buss.....Rs.3/1/2
Tea or Food at evening at SamoktolaRs.1/2/
Came back on cycle to Alipur and Halted 1 1/2 days
to meet with the Subinspector of Schools
tea and food.....Rs.4/4/-
Gangutia to Alipur (to the Sub-Inspector of
Schools lorry fare)Rs.1/8/-
Coming back from Alipur to GangutiaRs.1/8/-
Gangutia to Dindina Lorry fare.....Rs.2/-
Dindima to Gairketa truckRs.1/2/-
Gairkata to Hartalguri~~a~~ lorry fare.....Rs.2/4/-

From Rev. S. Toppo
Laka chairman

G. E. L. Church
Panisani
9.1.50

To

The secretary
G. E. L. Church
Ranchi.

Dear Sir,

I received the resolution of the executive council held on 1-5/15 Dec. 1950 Memo No. 1968/50/F-2xii on 20th Dec. 1950. In which I have been ordered to explain the cause of writing a letter to Barobisa. According to it I was in hope of getting a copy of that letter but up till now I do not have got it. So I delayed in sending it. Please excuse me for it.

I am ~~writing~~ writing this according to my memory. One point which I remember ~~is~~ which is the main point of writing such letter to Barobisa is in my mind which I am going to explain to you below; And owing to that I was to write मैं जाऊंगा आप लोग दूरता से खड़े रहिये।

Cause - The congregations were disappointed at my transfer so soon and owing to the quarrel and friction of the few people. The situation of the new organised congregation at once became

in to weak position therefore their faith became less
in to this that the Lutheran church will take care
of us peacefully or not. Because I had turned them
in to a Lutheran congregation after a long struggle
~~on~~ of one full night. Hence forth they had appealed
to the C. C. Through the President and the secretary
to cancel the transfer order and to return me
back in to Duars for the time until the situation
settle down peacefully.

The leaders of the Basti area were mostly
confounded to see the situation therefore their strong
desire was to catch hold of me in coming to
Chhotanagpur from Duars. They did not even willing to
help me in coming ~~from~~ up to the Railway Station. At this
I made an inquiry from the heads of the congregation
and came to know that they had a mind of go back
to their different churches from where they had
been baptised. ~~and came to~~ In those Basti
congregation together with two or three garden
in to Christianity by Baptist church some by the
sets Scotis church and some are baptised by
the Lutheran church in Chhotanagpur. But they
came in to one flock only because of cast.
Regarding other cast such as Kharias and
Boros who had been baptised by the scottish
church have separated themselves themselves
from the Lutheran Congregation; though they
were in one congregation before my going
there.

Seeing this I called a meeting of
~~those~~ the head men of those congregation
and made them understand after a
long discussion.

they represented ^{all} the past ~~wording~~ point which I had told them at that time while I had gone to ~~them~~ in bring them in to Lutheran church. One thing they told to me ~~we~~ that we will appeal to the C.C. to cancel the transfer order and if the C.C. cancels it ~~they~~ then you will come again or not? I said to them you can appeal to the C.C. and if my transfer order will be canceled then I will come again, but I say to you all it will take time so you all must remain ⁱⁿ strong in stand in what you are now. That is you have come in the house of your mother so you must not go out from the mother's house. Even then they said that you are going from Quars on account of blame so we do not believe that you will come back; therefore you should leave some of your ~~be~~ luggages in Quars. So from ^{all sides} ~~every~~ ways that very question comes.

Seeing their strong desire I was to say that very word that is I will come. But in fact there is nothing but ~~to~~ to make them into a peaceful mind and to save the congregation from becoming in to pieces.

Really I was in difficulty ~~to~~ in coming to Chhotanagpur leaving the congregation in such a condition. If my idea was to go into the Scottish Church, then I would not have come to Chhotanagpur from Quars. But this is not in my mind. During that very time I had written one letter to the President

describing all these things from Kamakhaguri.

In fact I am not fond of going to Duars therefore I had opposed ~~in~~ to the President from the very beginning while I had been transfer to Duars. I do not go willingly but I went only because the President told me that this ^{is} the call of christ so you must go to Duars. Then only I made up my mind to go for christ sake.

I tell you that my call in ministry was against my ~~own~~ will therefore I say to you that I am not for myself but for christ. ~~There~~ I am to serve in His duty in every corner of this world. I have offered ~~him~~ my life for him so I can not go against ~~his~~ His will.

My letter was only the reply of his letter. I could have produce that letter to you but unfortunately where it has been lost. I ~~can~~ explain more could have explained it more if you had called me to say personally.

yours faithfully
S. Topko.

11/2/50

20

The Secretary G. E. L. Churuchi

Ranchi —

Detached Ranchi the 1st Dec. 1950.

Dear sir,

I beg to put my Request before the c. c. for the kind and favorable consideration about my pay, that as it is given below.

on account of the Dours trouble there was no centralisation from the month of January 1950. During that time I had been transferred therefore I could not draw my salary. According to the c. c. order I was to join in my posted place from the 15th June 1950; but I could not.

1. I was in the c. c. meeting up to the 16th June 1950 at Ranchi. After that the Railway pool became had been broken so the Train was suspended for the some days. So I went in the Month of July and gave charge to Rev. D. Lakera on 16th July 50. That day the Bengal Synod was unable to pay up my salary, but it has been told that the Bengal Synod will pay the dues amount up to the 16th July when there will be money in the synod. But in the c. c. meeting it has been told that the Dours money is in the c. c. treasury and so you will be paid here as far as I remember and this idea has been given in the meeting. But yet I have submitted my bill to the synod, and that the copy is not But uptill now I did not have received any amount of my pay. Therefore I am requesting to the c. c. giving the true copy of my bill and the consideration, and pay I had given one application to the synod but the synod guided me to apply to the c. c.

2. After giving charge I was to come to the Chotanagpur soon but on account of the way difficulties I remained in Duars till the ~~13th~~ 13th of September 1950.

- (i) difficulty was this that the ~~time was~~ Train time was not certain. There was one time Train so it was very rush.
- (ii) That very time there was a Hindu muslim golmal so the people were going and coming from the ~~Assam~~ Assam. Therefore it was very rush.
- (iii) The Train was coming in the nearer station at night.
- (iv) For a week we were suffering. For that I had written to the C.C. Secretary also.

On account of these things I could not come to Jaisani in time now the question comes that ~~from where~~ from where shall I get my salary for from ~~15th September~~ to 15th July to the 15th September 1950.

I therefore request to the C.C. for the kind consideration about my pay and my thalar which had been stolen away on the way.

yours Faithful servant

A. S. P. P. O.

1/12/50.

Month of February salary Due was Rs 5/-
T. A. in February — Rs 9/8/-

Month of March salary with Donat D. A. Rs 85/-
T. A. in March — Rs 22/12/-

Month of April salary + D. D. A. — Rs 85/-
T. A. in April — Rs 4/12/-

Month of May so salary + D. D. A. Rs 85/-
T. A. —

Month of June so salary + D. D. A. Rs 85/-
T. A. —

Month of July up to 15th only. Rs 42/8/-

Rs 424/8/-

Provident funds 7/-

Rs 431/8/-

Th in copy of the Kachin Congregation
Asnan + P. Bhu with me. — Rs 28/8/-

Total = Rs 403/0

Rw: S. Toppo.

16/7/50

Month of February 1950 — Salary and T. A. Account of Donar.

Salary Received Rs 80/- only out of Rs 85/- + T. A.

February:— T. A. Lorry fare ~~Kalchini~~ to Alipur on private Truck. ~~Rs 1/4~~ ~~Rs 1/8~~ Rs 1/-

Two meal at Alipur. ————— Rs 3/-

Lorry fare Alipur to Samoktola ————— Rs 1/8/-

Morning Tea at Samoktola ~~at about 10~~ ~~Ten O'clock.~~ Rs 1/-

Boat fare ~~at~~ in the River Rydak both side Rs 1/-

Back journey. Kamakhaguri to Samoktola. Tea at Samoktola Rs 1/-

on cycle ————— Rs 1/-

Contingency for office ————— Rs 1/-

Month of March 50:— Rs 9/8/-

Barobisa to Kamakhaguri boat ————— Rs 1/8/-

Tea at Samoktola ————— Rs 1/2/-

Food at Alipur ————— Rs 1/8/-

Gangotia to Gaikata — Tura bridge fare with cycle — Rs 1/2/-

Tea at Dalgaon ————— Rs 1/8/-

Gangotia to Alipur on a private truck ————— Rs 1/-

Alipur to Samoktola ~~to~~ Lorry fare with cycle Rs 3/-

At evening buss ————— Rs 1/2/-

Tea or food at ~~night~~ evening at Samoktola

Came back on cycle to Alipur and halted

1 1/2 days to meet with the Sub-inspector

of schools — Tea and food — Rs 4/4/-

Gangotia to Alipur (to the Sub-inspector of

schools Lorry fare) — Rs 1/8/-

carriage back from Alipur to Gangotia Rs 1/8/-

At Gangotia to Dimdima Lorry fare — Rs 2/-

Dimdima to Gaikata truck — Rs 1/2/-

Gaikata to Hartal guri Lorry fare Rs 2/4/-

Month of April — Rs 22/12/-

Month of April —

At Rydak tour with President

gave to 2 Drivers for + Khalasi for Tea — Rs 1/6/-

Malang i to Dimdima Truck fare — Rs 1/-

Tea at Dalgaon ————— Rs 1/6/-

Contingency for the office work ————— Rs 2/-

Rs 4/12/-

В. л. № 3: Яна е (e)

Read the letter with the bill of Rev. S. Topko
dated 1.12.80. Resolved that - a copy of the whole
the Doars Muka

dated 1.12.80. Resolved that - a copy of the whole document be forwarded to the Doars Shika for verification and consideration for payment -
true.

Copy forwarded to Alaska Dept. Duane Hake
for information and message

Copy forwarded to
in verification of information and necessary
action.

At evening hours
 Alfie to come to the ~~road~~ ^{road} for with you
 I brought to Alfie on a private track

1st day. To meet with the sub-inspector
same back on cycle to Alipur and the total
tea or food at night or at 10 o'clock

of 'schools' - Tea and food -
 Gampathi to Alipur (to the sub-inspector of
 school, Alipur) -

that I am not to be
convinced from this to forget

Al. 1

25 55 25

— Virga 3 Virga 1

At Rydal four with President
came to a house for a short time.

Continued in the
Tea at Belgorod
Belang to obtain some tank for

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Office Copy

Secretary : Mr. C. D. Sirka.

Ranchi, (Bihar) India

No. 1888/50/R-211

The 21 st Nov. 1950.

To, Rev. K.D.Soy
5 Karaya Road
P.O. Circus

Dear Rev. Soy,

While looking through pending papers I came across your letter dated 11-10-50. Probably your letter reached me just when we were sitting for the Council. I only remember the matters concerning the transfer of your lodging (intally or somewhere else for which we have already advanced money. The matter of transferring your quarters was discussed in the C.C. and your proposal approved. So please hurry up and let us know when you are going to your new quarters. I shall send you the Resolution C.C. when the minutes will be ready. The monthly rent of the house for Rs. 50/- has been approved. But please try to raise your funds so that at least your rent money may be covered from the local subscription. We expect more also.

Regarding help for the maintenance of the Church at the Old Mission Row I presume you could have your self decided in consultation with the members of your Congregation. A monthly rent of Rs. 10/-p.m. can be raised conveniently and the proposal accepted. However we agree to have the Chapel for our peoples' service. The matter will be put in the next C.C. meeting but in the mean time we approve of your settlement. We hope your Congregation will be glad to have a building for worship now. May God help you and guide you and strengthen you all in these days.

Yours Sincerely,

C.D. Sirka
Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

Kamakhaguri Basti

P.O. Kamakhaguri

Dist Jalpaiguri

15th August 1950.

From Rev. S. Toppo:

Kamakhaguri.

Dear Sir,

आप को हमों की ओर से अभ्युसहाय ।
हम लोग आज कल अच्छे ही हैं। भाशा करते हैं
कि आप लोग भी अच्छे ही होंगे। आज कल मुन्ने²
Quars का हालत दशा देख मुन का मन में बड़ा
बेचैनी है। जब मैं बस्ती तहक अपना सामान
लेने^{नाया} तो उन्हों ने मुन्ने बतलाया कि हम लोग
कौशिल में उजुर दरखास्त पेश किया है और
उस का काफी मुन्ने बतलाये। मैं ने उन से
अनेक सवाल जबाब किया और पाया कि वे
सचमुच दुःखी हैं। इन बस्ती चार बस्ती
आर्पात बरोबरीला, चेंगमरी, पानवाड़ी और कमाखा-
गुड़ी के जनताओं का मन कभी बहुत ही बिगड़ा
हुआ है साथ ही साथ और तीन बगान भी हैं।

साथ ही आप लोग पाये होंगे। मुन्ने दुःख इस
बात में है कि वे अभी जहां वो वही जाने के
लिपे ठान चुके हैं। कितने बपतिस्त के Chawak
के हैं वे बपतिस्त ही की ओर जोरने का इरादा
रखते हैं। मैं ने इन को लुक्शन मंडली
में लाने के लिपे रात भर दिन भर समझाया

और अभी मेरे काररा उन का दिल उदास होता है
तो मुझे भी अपशोच लगता है। कि मैं क्या करूँ।
आप से मेरा इतना ही, बिन्ती है कि आप उन को
समझा दीजिये। उन की जो मांग होती है विशेषकर
मिन्ट का दहाना उस पर इन का रुख भी
बिश्वास नहीं होता है। अगुनों का कहना है कि
एक निष्ठ निर्दोषी को दोष लगा कर क्यों बदली
दोगा और वह जो दोषी वर है सो यों ही दोड़
दिया जाता है। क्यों वह भी दण्ड नहीं दिया जाता
और यहां से हटाया जाता है। अगर वह यहीं रहेगा
तो निश्चय है कि मंडली दिन भिन्न होगी। क्योंकि
अभी वे अपने दोषों को दोष नहीं गिनते हैं। जैसे
मलीचरणा मुसीबों अपना साली को दूसरा औरत बनाया
अभी उस से एक बालिका पैदा होगी है वह
कीबि डेढ़ महीना होगा पर मंडली सजा का
शिफारीस मंडली पंच अब तम नहीं लाती है।
वह यों ही दोड़ दिया गया है। जिस का फल
स्वरूप अभी गंगोटिया मंडली दो भाग से हो
गया है। फिर आप के सामने Mr. V. B. N. Singh
Rs. 300/- तीन सौ रुपया का मद्रा साथ में
ले इलाका की लौटाने के लिये दो महीना का
समय (मुदत) लिया था पर अभी तम
एक पैसा भी नहीं लौटाया है। व्यक्ति

अनेक प्रकार के पनों का आमदनी भी खर्च का दिया है। जैसे चोगमरी, रैयडल और मैनाबड़ी आदी का ज़िन्दा - Rydak विशिष्ट खजाना से भी पंचानवे लपेटा वस ले गया है। इन सब को देख कर लोगों का विश्वास दिन 2 घटता जाता है। इतना दिन में न सिर्फे President साहब आप लोग साथ ही सोचते होंगे कि मैं जब जस्त नहीं जाता हूँ। हाँ मैं कारणा वश कोशिल का October में पूरा नहीं कर सका लेकिन मेरा वर्र वैसा बुरा नियत नहीं है। कि मैं भी Council से लड़ते दरा बनू।

सच पुछिये तो मैं अनेक दिन Station गया लेकिन मीड़ से देख का मुझे शहर नहीं हुआ। ठीक उसी समय में पाकिस्तानों से और हिन्दुस्तानी से लोग इधर उधर आना जाना करते थे। ज़िन्दा रास्ता के खराब होने के कारण माल का बुकिंग नहीं होता था। बीच के स्टेशनों में माल माल के साथ चढ़ता भयान्त मठित है। अभी थोड़े दिनों के बाद ही दो Time Train खुलने वाली है ज़िन्दा पुल भी तैयार हो जाएगा तो मैं सुनिश्चित था कि आते वाला मठित वर्र में जाऊंगा। मैं जानता हूँ कि मेरा ही हानौ है लेकिन क्या करूँ। थोड़े दिन पहले हम लोगों का तबियत भी ठीक नहीं था अभी तो

पाय: ठीक ही हैं। मेरा तबबतलप 829) न. पा० से
एक तीस रूपया बकाया होता है। इलाका अब तक एक
पैसा भी नहीं दिया है। Synod की बैठकी हुई लेकिन
अब तक centralization नहीं हुआ है। सब जो होगा
में नहीं जानता है। आप तलाप के विषय में क्या
कहते हैं? क्या Council देगी भणवा नहीं? अभी जैसा
पुरन परिणत इलाका (Synod) में कहता है कि तलाप Council
ही देगा।

President साहब मैं बार-बार आप से अनुरोध
काला हूँ कि आप कोई उत्तम उपाय सोचिये ताकि
सभी को शान्ति हो जाय कम से कम Congregation
पर अभी ध्यान दीजिये नहीं तो पीछे और
बहुत कठिन होगा। क्योंकि अभी situation बिलकुल
बिगाड़ गया है। आप कोई तरह का जबाब जल्दी
से दीजिये क्योंकि अभी मैं भी ऐसा Position में
पड़ गया हूँ कि ना मुझे छोड़ के जाना बनता है
और ना रहना ही बनता है। क्योंकि बस्तियों में
विशेष कर मेरे घर ही के लोग हैं जो इस इतना
निन्दा और शिकायत की बातों को सुन कर थोड़ा
गर्ज ही जाते हैं। इस कारण उन का हलाक
इस तरह का होने कि समुदा इतना शान्त हो
जाय। अभी अभी तो जितना होने आने वाले है
उन का भी ठिकाना नहीं है। मैं आप से अजी
काला हूँ कि मुझे उद्दे मुहिना की दूरी दीजिये।
आप का सेवक
D. P. W.

107
9/8/50 L.

The C.C. Secretary
G. E. L. Church Rauchi

Through The President
G. E. L. Church
Rauchi

मान्यवर सिसि मेम्बरो को निम्नित मराड़ीलियों को माई
बाहिनो को और से येशु सहाय / आगे आप लोगो का
निम्न लिखित मराड़ीली पांचो को फैसला मैली जाती है आप
लोग इस बातों पर गुरु तौर से खान भिन कर हम दुखी पांचो
का दुःख दुर करें। पहली बात प्राप्त हुवा कि पुराना पाद्री
S. Zoppo भी हुवास में रहे और दोनो पाद्री मिल कर कलौसा
को काम को सम्माले बहुमत से प्राप्त पास हो कर कामादि
फैसला करती है कि हम चारो मराड़ीलि मिल Rev. S. Zoppo
को रखे और उनका जीविका का भी प्रबन्ध करे।
जब तक की आप इस को फैसला पुरा नहीं करते हैं। हम
नहीं जानते हैं। किस कारण से Rev. S. Zoppo को हमरे हुवास
से बहुत ही जालदी बादली किया गया है। आम् सभा को
फैसला यहा बैठकी बहुत दुःख के साथ बदली के विषय
एक बातों को सोच बिचार करते हुं हुवास के आठोनीमास
लुथेरान चान्च के आम् सभा के फैसला पर चयाज देती है
जिस में प्रेसिडेन्ट सहज दुवास जानता दुवारा पास कराया को
चेयार मेन सिट में आम् सभा हुवास गोलमाल के विषय
गौर सोच बिचार कर फैसला किया कि Rev. S. Zoppo
हुवास में रहे और काम करे इस पर प्रेसिडेन्ट भी आपना
इच्छा प्रकश कर आम् सभा को इस फैसला को दूगये।
आज इस फैसला के विपरि में Rauchi Council और
President को और फैसला आती है इन को झंझर करते हैं
इस बात पर कामेठि सोच बिचार कर फैसला करती है कि
आम् सभा को फैसला रद्द ना किया जाय। कामेठि फैसला

J. T. O.

करता है कि जब तक ८८. इन बातों को विचार करते हुए
पूरी फ़ैसली नहीं देती है तब तक निम्न मराइली कामना
कामदनी सिनोद से अलग ही सेंटलाइज करीगी और
मराइली समझी सभी कामों को बेंगाल सिनोद से अलग ही
करेगी और Rev. S. Joseph को हमारे अनुवाद से पुचाने
नहीं देगी जब तक कि Victor Joseph को बेंगाल सिनोद से
बिलकुल ना निकाल दिया जाय क्योंकि इस के द्वारा वह सिनोद
के खजाना में बहुत चोट खाई है जैसे वर्तमान तक में सिनोद से
करीब (1500) रूपैया कि डेडहाजार रूपैया कि गुलमाल है।
क्योंकि आरम्भ ही से Victor के द्वारा ही गुलमाल कि
सृष्टि हुई और आगे की नी होती रहेगी; क्योंकि जो कालिशा
के एक पीरोहित से जीवन भर मिल नहीं सकते हैं तो हमारे
जानता से कैसे मिल कर काम कर सकेंगे। केवल इतना ही
नहीं पर मराइली को कामदनी चंदा आदि उन के द्वारा गुलमाल
है जैसे Rydak Parish के खजाना से 95 रु गायब और
Chungmare के मराइली कामदनी से करीब 60 रु गायब
कर खाये हैं और खाते हैं जिस से हम Victor को
बिलकुल नहीं चाहते हैं।

"चैंगमासी प्रचारक पन पंच

- १ सुलेमन लकड़ा
- २ मनभासी बाड़ा
- ३ सहाय खलखो
- ४ Nathaniel ming
- ५ मनोहर मिंज

बारोकिशा प्रचारक पन पंच

1. Benjamin Kayne. paracharak
2. Manohar Linky (School Master)
3. Kamil Kerkela
4. Hanuk Kijur
5. पिलमीन एका
6. Samuel Kerkela
7. ग्रे. C. Mirry (Teacher)
8. वसमान खल
9. बायभास लकड़का

"दानबाड़ी प्रचारक पन-पंच"

1. Haramprakash Zotto (Teacher)
2. आरनावास केरकेरा (प्रचारक)

"नारातीली (कामेखाबुड़ी) प्रचारक पन-पंच"

1. David Ekpa (Teacher)
2. Mshidos Ekko
3. Simon Ming
4. मारटान घनवा
5. ओवास तीरणि
6. प्रतरस तिकी
7. Philip Dhanwar

10/8/50

From - Mr. Victor Tappo
H.O. Catechist -
G.E.L. Church
Ryddak I.E.
Ryddak P.O.
Dist. Jalpaiguri
Dooars
Dated the 6th Aug 50

To
The Secretary,
G.E.L. Church
Rauchi
Through the Synod President -
G.E.L. Church, Dooars.

महोदय,
G.E.L. Church. C.C. के फैसले के अनुसार मैं 3 माहने का Pastors short course के लिए मैं Bengal Synod की ओर से प्रभु की सेवा के लिए उस short course में भर्ती होने चाहता हूँ। मेरा जन्म स्थान Rauchi जिला Champur का नाम Bihainskumbे गाँव है। मैं Champur Lutheran Mission U.P. School में 1935 साल में U.P. दाखल किया। 1936 साल में Gumla Town School में भर्ती हुआ हूँ। 1937 साल में class VII पास हुआ। 1938 साल में class VIII में था। घर की गरीबी हालत की वजह से उसी साल के Nov. माह में School छोड़ दिया। करीब 2½ वर्ष तक मैं नागपुर ही में रहा और घर में बेचैनी की वजह से इधर उधर घूमना जीवन बिताया। Hrang, Jalpaiguri, Kumbi Naratoly इत्यादि कई मराठ लिपि में मैंने प्रचारों की अनुमति से गिरा किया करता था। लापर जब मुझे मातूम हुआ कि Bihains में प्रचारक का सम्म मिलना है तब मैं 1941 साल में Dooars आया। प्रथम में METELL T.E. में आया, और प्रायः समूचे Dooars में मैं घूमा, और जगह जगह पर गिरा कर दे भी किया। मुझे Begun में अन्यान्य काम भी दिला मगर मुझे उसमें मन्ती नहीं मिली। इन्कार की मन्ती कृपा हुई कि 1942 साल के March माह में मैं Rev—

G. Johnston (Scotch missionary) के द्वारा Rydak मराउली का Late-
Joy Kumar Sauga भी जगह पर-
Catechist नियुक्त किया गया। Scotch
mission के Presbytery लामा की मंजूरी पर
दो 3 वर्ष Pastors Training के लिए चुना-
गया। 1944 से 1946 तक कुमरा: वार्षिक
3 इमतिहान में पास हुआ। तब मेरी ordination
का विचार होने लगा। लेकिन Scotch miss-
ionary का supervision से मैं असमर्थ
होकर 1946 ई. ही में मेरे गुप्तरीत से मैं ने-
Lutheran मारा लामा की बुनियाद गली
और 1947 साल के March माह में मैं ने
मेरे कई सहकर्मियों की मगूवाई और
सहायोगिता से पहली Lutheran मारा लामा
School के Kalchini T.E. में हुई।

इसकी कृपा से हम लोगों की सेवा
और लामा दिन का दिन मजबूत होती गई।
यह देख कर Scotch missionary ने मेरे
अपर विरोध व्यक्त किया और Revd. G. Fair
Service ने मुझे यह भी कह दिया कि —
तुम्हारा तलब इतना बड़ा दिया जायगा मगर
तुम Lutheran Organisation के मत बनाओ।
लेकिन मैं अपने सिद्धान्त पर ही अटकर रहा। मुझे
Kalimpong में Ordination के लिए दो बार
Notice भी भेजा गया, मगर मैं नहीं गया।
1948 साल में दूसरी मारा लामा बनी, तब से
Scotch missionary का मुझ पर कड़ा नजर
हुआ और 1949 के April माह तक
पाने करीब 13 माह तक मुझे वेतन नहीं मिला
लेकिन मैं ने मानव्य से ही घर का काम
किया। और 1949 के G.E.L. Church
की वार्षिक महा लामा में Ranchi में हम-
लोग मारा मंडली से मिल गये। अभी तक मैं
H.O. Catechist होकर ही Rydak मंडली
में घर का काम कर रहा हूँ।

Lutheran समा समा के कायम होने के
 शुरू ही से मैं समा का और इलाका का
 Secretary का काम 12th April 1950 तक
 किया।

मेरी पहली भावी 1942 साल में हुई थी
 लेकिन इन्वर सी रखा से वह वहाँ के लिए
 बिदा हो गई। मैं ने दूसरी भावी 1946 साल में
 किई। अभी मेरे दो बच्चे हैं और मेरी स्त्री
 भी जीवित है। मेरा उम्र करीब 29 वर्ष है।

प्रभु की सेवकार मैं ही मुझे भान्ती
 मिलती है। प्रभु की सेवकार के लिए मैं लालमिश्र
 हूँ और प्रभु से ही मैं सामर्थ्य चाहता हूँ।

अब मैं मेरी C. C. से यह प्रार्थना हूँ
 कि C. C. की ओर से इन्वर सी रखा और
 भद्र राह मुझे मिले। जिसमें प्रभु का एक
 योग्य सेवक बनूँ।

प्रभु में आप का सेवक

Victor Tofto

Forwarded
 to the C.C. for
 its own consideration and
 action on account of funds
 age according
 to the C.C. resolution.

D. Lakshmi
 Synod President
 6.8.50

N. Minz
 Synod Secretary
 Bungal Synod
 6.8.50

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

F. N. 2/50-II

Secretary : Mr. C. D. Sirka.

Ranchi, (Bihar) India

No. 1343/50.

The 19th Sept., 1950.

To

The Rev., K.D. Soy
65 A. Theatre Road
P.O. Circus
CALCUTTA.

Dated Ranchi, the 19th Sept., 1950.

Dear Rev. Soy,

Your letter dated 13-9-50 received. Thanks
Mr. Z. Horo reached here safely and has gone to Burju
yesterday. We had a talk about the new house you want to
shift. We desire to have the house you mention. But as
the Council is to meet on 14-10-50 I think the matter will
have to be decided by the Council. Mr. Z. Horo will come
next week and so I think the required advance will be
forwarded to you after his return to Ranchi. Your proposal
about the new house seems to be approved. Hope you are
keeping good health there. My regard to Mrs. Soy and Miss
Soy.

Yours sincerely,

C.D. Sirka
Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

F. N. 2 II

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : Mr. C. D. Sirka.

Office Copy
Ranchi, (Bihar) India

No. 1298

The 11th September 1950

To

The Secretary
Bengal Synod (Satali Basti
P.O. Hashimara Dooars.

Bengal Synod ke sab' angon ko yishusahay. Padri S. Toppo ko notice di gain hai ki agar we August Mahina ke bhitari Chotanagpur na lowte to usko suspension ka hukum council se diya jayga. Ab ap logon se yah arji kijati hai ki council ke suspension ke hukum dene men ap logon ki kuch apati hai to janaiye. Council 14 October se baithti hai. Tab tak men aplogon ka bichar council office men a jana chahiye. Is darmian men agar Padri Samuel Toppo Chotanagpur lawt jawe to halat badal jaigi par agar wen nahin lawtte hai to suspension ka sawal agami council ke samne rakhnahi hoga. Iswar kare ki Padri Samuel Toppo jald Chotanagpur lawtenge aur uske suspension sawal council ke samne lana na pare,

Copy to:-

Rev. D. Lakra
Rev. S. Toppo.

S/D. C. D. Sirka.
Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

211

Calcutta Lutheran Work.

Chairman

REV. ~~L. TOPSON~~ K.D. Soy

Secretary

S. ROY

Treasurer

H. PURTI

5, KARAYA ROAD,

P.O. CIRCUS

Calcutta, the 22-8-1950

मान्य सेक्रेटरी;

गो. एवं. लुथेरान चर्च संघी ।

आपको धीयुसहाय ।

कृपया निम्न बिन्दु के उत्तर को देने के लिये मुझे सहायता कीजिये - जो कि Requinta से F.E.L.C. के Rev. M.W. Mayer ने गत 8.8.50 को भेजा है । मैं ने Rev. L. Topson को लिखा था कि वे भी सहायता नहीं दे सके । यहां मैं कुछ Records नहीं पाता हूँ । मैं भर्त्सित करता हूँ कि शीघ्र ही जहां तक हो सके मुझे गत फरवरी 29. 1950 के Benagaria meeting का

मिनट जो कल कर्ता के काल से लेवे था और Rev. J. Lakra, Rev. J. Gausdal और Rev. L. Topson ने जो Benagaria meeting में ^{सिमाविष्ट किया कि} ~~कलकत्ता में~~ और एक पाटो रहे जो दक्षिण का होवे इसके विषय में अनेक Recommendation तथा किये इस का नकल भेज दीजिये कि यहां का Records ठीक रखने हों और Rev. Mayer को यथोचित उत्तर दें सके ।

मैं Rev. Mayer को बिंदु के नकल भी भेजता हूँ ।

Yutur Federation file
L.D. Soy

आप का विद्युत,
K.D. Soy

Calcutta Lutheran Work.

Chairman

REV ~~W. D. SONG~~ K. D. Song

Secretary

S. ROY

Treasurer

H. PURTI

5, KARAYA ROAD.

P. O. CIRCUS

Calcutta, the _____ 195

Copy of the letter of Rev H. W. Mayer.
Secy. F. E. L. Church.

Ramganga
St. G. 8. 50.

Rev. Joel Lakera,

Rev. J. Gausdal and

Rev L. Toftens.

Dear friends,

On February 21st copies of the Benagaria report on Calcutta Work were sent to each of you. Please let me know to what extent it has been possible to implement the recommendations: or write to me concerning what parts of the Recommendations may be feasible and practicable.

I have once more written to the church presidents of the Southern Churches to take up with their Church bodies points A 1. and 5-b. in the recommendations which pertain to the calling and support of Pastor from the Southern churches.

Sincerely yours
sd/ H. W. Mayer,
Secy. F. E. L. C

Calcutta Lutheran Work.

Chairman
REV ~~L. TORO~~ K.D. Soy.
Secretary
S. ROY
Treasurer
H. PURTI

5, KARAYA ROAD,
P. O. CIRCUS

Calcutta, the 19th July 1950.

To,

The Secretary,
G.E.L. Church Ranchi.

Sir,

According to the letter of the Chaplain
J.L. Hansen of the Old mission Church
11. mission Row Calcutta 1 of 29th/30th June
1950. Our Calcutta committee met on
the 16th July 1950 and resolved that
the C.C be asked to meet the monthly
contribution towards the Church
maintenance of the Old mission
Church, which is going to be had for
the Lutheran Church services.

Rt to K-D. Soy to inform the
C.C. what amount will be yours faithfully,
required for the purpose
W.S.

K.D. Soy
Chairman.

Rev. D. Lakra

MANBHAM

4/7/57

Malangi T.E.
P.O. Hasi mareG. E. L. Church.
MANBHAM QUARTERS.
MANBHAM (M.A.S.)

Date 30-6-1950

To the C.E. Secretary G.E.L. Church
Ranchi.

Dear Sir. कोमिशन में लिखने का अभिप्राय यह है कि हम लोग Rev. D. Lakra के सापेक्षिक मिलने के असम लिङ्ग देन से होकर 20 जून रात 2 बजे सांजुशली हम सब मलांगी पहुँचे। मैं नये पाद्री के परिवार औ सामान के साथ आया। पर दुःख तो था कि ड्वार्स में कोमिशन पंचायत के ठहरावट अनुसार कोमिशन नहीं आया। न Rev. S. Janga ही पहुँचे। पर कोमिशन से एक चिठी मिली। जिससे मालूम हुआ कि रास्ता खराब होने के कारण नहीं आ सके।

इसका व्यवहार मैं नीचे लिखते हूँ। मैं पुरु लिखा। आया। और ठहरावट तक 24 मीर को हम लोग दूसरे गाड़ी से हावड़ा आये। और खिलास होरी पाद्री दूसरे गाड़ी से पहुँचे। उनके पहुँचने पर यह मालूम हुआ कि H. Mingo हवा जहाज से आसाम जायेंगे। फिर उन्हें से रेल गाड़ी लाइन का समाचार मिला कि जाना कोठिन है। हम लोग तो हवा जहाज से आसाम जायेंगे। मैं बहुत समझाया कि आप लोगों को जरूर जाना चाहिये। जब रास्ता खराब है तो आप लोग कैसे नहीं जा सकते हैं। और हम सब कैसे जा सकेंगे। कलकत्ता में हमों के रहते हुए भी हवा जहाज का टिकट कर लिये बिना सोचें। जिसके कारण निरगसता में पड़कर हमों को कलकत्ता से चलना पड़ा। तब तक Rev. S. Janga नहीं पहुँचे थे। 24 जून को हम लोग कलकत्ता से रवाना हुए।

और उसी समय Rev. S. Tappin पहुंचे। पर वे भी
साथ में नहीं आये। हम लोग साकुशल मलांगी पहुंचे,
पर कमिशन के न आने के कारण और Rev. S. Tappin
भी नहीं पहुंचे। जिसके कारण 22 जून की पंचायत
बुध भी नहीं हुआ। और जो कुछ इलाका मेम्बर गए
आये हुए थे। एक छोटी कमिटी बैठ कर यह फैसला
किया गया। कि कमिशन के बिना डूकर्स को गोल
माल साफ नहीं हो सकता है। इस लिये यह विचार
किया गया। कि तार द्वारा कमिशन मेम्बरों को
बुलाना चाहिये। और 2 जुलाई को कमिशन पंचायत
गुंटिया में बैठेगी। Rev. S. Tappin भी 26 जून
को मलांगी पहुंचे। जिसके कारण चार्ज भी नहीं दिया
गया है। नया पाद्री अन्धा के समान मलांगी में बैठे
हुए हैं। पर यह गौर विचार कर देखना चाहिये। कि
उसी खराब रस्ते पर Rev. D. Lakra साकुशल
निग्रत समय पर पहुंचते हैं। और Rev. S. Tappin
और कमिशन मेम्बर वारा भी उड़ाकर चढ़ने की
लाज सा से कमिशन पंचायत भी नहीं हो सका,
अदसीच वश डूकर्स की क्या अवस्था होगी
में नहीं जीत सकता है। इस पर Rev. S. Tappin
आकर Rev. D. Lakra की के सामने धूम धूम कर
अपने मेम खाहिका के साथ भाईयों को उसका रहे
है कि आप लोग ए.ए. में लिखें कि पूना पाद्री
को जाने नहीं देंगे। भाईयों को चला रहे हैं। जब
Rev. S. Tappin को रखने का चिन्ता ए.ए. में
जाता है। तब Rev. D. Lakra के लिये 800
रु. भेज दीजिये कि वे वापस चले जायेंगे। और

साथ में भी गी-पला जाऊंगा। क्योंकि मैं Rev.
D. Lakra को साथ में लाया बोल कर मुझसे
उनका बहुत बड़ा बिबाद हुआ। और यह भी बोलने
कि अगर हमें को इवार्स में रखने के विषय
Disregard कोई बात नहीं किये। मैं दुःखित
हूँ। कि E.E. जी जिसला को मैं कैसे तोड़

सकता हूँ। उनका इच्छा है इवार्स में रहना
D. Lakra भी दुःखित है। कि वापस चला
जाऊंगा। क्योंकि S. Tappa D. Lakra
से बोलने कि अगर बहुत बुरा किये।

कनी खनी वाला भी अपना जगह नहीं छोड़ा
है। न सरहा पानी वाला भी अपना जगह
नहीं छोड़ा है। अगर बहुत बुरा किये। सो
हम दोनों बहुत निरास हैं E.E. को शोध
800) रु० भेजे जावे कि Rev. D. Lakra
वापस चले जावे। - दुःख के साथ यह

बड़ा निरव रहा है। कमिशन को फिर तार
दिया जा रहा है। President-साहब
Rev. J. Lakra को हमें को पीशुसहाय
देकर यह ससाधार-जानाई एगा। और शुभ
अगर लोगों को प्रभु में
सेवक।

Pandit

P.P. Tappa.

Masimachan

Rev. D. Lakra

IRAKA CHAIRMAN

G. E. L. Church.

PURULIA

MANHUM (BIRAR)

Date _____ 19

Rev. D. Lakra
HAKA CHAIRMAN.

G. E. L. Church.
PURNIMA Gangutia
MANBHUMBAR Dooars.
Date 8.8.1950

The Secretary, C. C.,
G. E. L. Church

Ranchi.

Sir,
Your letter dated the 19th July 1950 was duly received by me. I am very sorry to inform you that the Rev. S. Toppo is still in the Dooars with his family. The Synod, in a way, forcibly took charge from him on the 23rd July 1950, and that also partly not the whole charge. Then the Synod asked me to take over the charge. With heavy heart I had to take that charge. No sooner did I receive the charge than I went to visit the Western Congregations. Most of the Congregations, as I found, are in good understandings. The Rev. S. Toppo went to Eastern Congregations with his family. Now, he is at "Kamekhyaguri". Report came to me that he moved the congregations of "Bastie" to hold meeting in his favour at "Barobisa". So he has formed a strong party in his favour. It is heard that the party has given the resolution of its meeting to the C. C. The whole Dooars is now formed, so to say, in three parties; the seceding party, the Toppo's party and the third party is in favour of the C. C. resolution.

So, the c.c. can easily understand in what position I have ^{been} put. I find it difficult to do my Pastoral work.

On the 6th Aug. the Ilaka meeting was held in which Rev. Toppo was also present. He has submitted a bill of about four hundred Rupees to the Ilaka and there is no money in the Ilaka Fund. All the money has become fly. Because of the parties, there is no centralization. So, no pay for me. I do not know what to do.

The Ilaka is sending the student P.P. Toppo for Short Course. So he is going to Assam for entrance Examination. Mr. Victor Toppo has also applied. He has given his age 29 years. So his application is directly sent to the c.c. for its own consideration.

Now, I am no more at Malaugi. I have come to Gangubia. So, please write me in Gangubia address, as it is in Fujika.

Yours most Sincerely,
D. Lakra

Rev. D. Lakra

PLAKA CHAIRMAN.

G. E. L. Church, Malangi T.F.
P.O. BURUHIM Hasimara
MANDHUM (MUR) Duars.

Date _____ 19

The Secretary, C.C.
G. E. L. Church, Chittanagpur & Assam.

Ranch.

6/10
Sir,
With due respect I beg to state that according to the transfer order of the C.C., and according to the suggestion of the Commission, I left Purbia on the 24th June. Rev. P. Beck had not come to Purbia by that time, so I handed over the charge to the synod secretary Mr. R. K. Kizur. I was released on the 22nd June before the whole congregation assembled in the church for farewell. Mr. P. P. Toppo was with me. He first came to Purbia and we started for Howrah by evening train. In Calcutta we met Rev. Hore & Rev. Ming. We spent Sunday in Calcutta. Rev. K. D. Seng was sick. Rev. Ming conducted the Sunday service. The Assam pastors decided not to travel by train but by plane. They told us that the Commission can not go to Duars because of the impossibility of the train journey. They must have written to the C.C. about all these matters.

So, I, with my family and with my bag and baggage, left Calcutta for Duars, accompanied by Mr. P. P. Toppo. On suggestion of the Assam pastors I left my three trunks containing books in Calcutta. When we were in the Sealdah Station on the 26th, Rev. Toppo came to see us, just before

the train started from the station, but not to accompany us.

We came, by train up to Siliguri, via Sakrigali ghat and Manihari ghat, by train.

Then from Siliguri to Mal station we came by Bus. Then from Mal station we came to Hasimara.

^{this side} Train runs from Bagrakot. We reached Hasimara at about 3 AM. on 28th June. The bridge in between Siliguri & Bagrakot is standing as it was but both sides of the bridge have been washed away. It will take time to be repaired.

Thanks God, we reached Hasimara in safe.

Now, I am at Hasimara (Malangi). I do not know which place will be my head quarter.

Rev. Topps is expected to reach here by 29th.

There is no difficulty for Assam passengers. There were several passengers (for Assam) in the train on the day we came to Duar. The Commission could have come to Duar without difficulty.

Please help me through your prayers and suggestions.

Yours faithfully

J. Lathen

Pastor -

Malangi
P.O. Hasimara
Duar

कि लकड़ा साहब मेरे पिता से बहुत प्रेम रखते थे। मुझ को भी प्यार करते हैं। और मैं सम्मता हूँ। कि लकड़ा साहब मेरे लिए भी जीवन में कुछ कर देंगे। आप लोगों के काम और व्यवहार से मालूम हुआ। कि आप रोज़ेल और भिखोर को प्यार करते हैं। और डूवर्स भूधरेन भाईयों को नहीं। आप उनको छोटा नागपुर में ले जाकर काम दीजिये। डूवर्स ने पूरब से पच्छिम छोटा नाग कोई भी भिखोर को नहीं चाहते हैं। कि डूवर्स में रहे। पर यह चाहते हैं। कि वे छोटा नागपुर चले जावें। लकी मराठों की अप्रतिम जागृति होगी। डूवर्स भूधरेन कल्लिशा के जनता गायों की ओर से यह अजीब पत्र आप को शरया में अर्पित किया गया है। कृपया आप उचित विचार करके डूवर्स जनता की उद्वेग कर देंगे।

धीरु सहाय।

प्रेम के साथ आप को प्यारे जनता गया।

P.R. विष्णु

- | | |
|------------------------------|-------------------------|
| 1 Masih prakash ming Malangi | 7 E / Salangbara P.H. |
| 2 Dharanprakash Durgling | 19. Nites Katakhamjorke |
| 3 दो लुस दो पी | 20 WAMHIAI TOPI |
| 4 Timothy Ming | 21 पर मु लो। ५५५ |
| 5 इलियास लकड़ा | 22. Hamelangur |
| 6 S.K. MING | 23 Satati T. E. |
| 7 मरकासो | Mikhael Kalkho |
| 8 लुकास कुल्लु | 24 मिनीस पंठो |
| 9 Rainigash ming | 25 निमल कुल्लु |
| 10 Juncus Beck | 26 इलियास मेरकेदा |
| 11 paulus dungang | 27 दारुलन सड़। |
| 12 Jurel ming | 28 प्रेम लीका सरनो बड़ी |
| 13 [Redacted] Sagar lelung. | |
| 14 [Redacted] Patras kulu. | |
| 15 C. H.A. Horo | |
| 16 Samuel Dhalkho | |
| 17 Noel Kesar Daulto | |
| 18 [Redacted] Sulaman Di | |

~~F 2 II~~
Gossner Evangelical Lutheran Church, Dooars.

Rev. S. Toppo,
Chairman.

Raidak P. O.
Dist. Jalpaiguri.

Date 17. 11. 1950

To

The Secretary
G. E. L. Church Ranchi

Dear sir,

The church council had decided about my head quarter to Rydag. I had been there and saw that the conveyance from Rydak is very difficult. So I transferred my head quarter to Gangutia. Now I want to transfer it again for certain reason unless any Centre is not made by the synod of the C. C. with Padri's harbor.

I therefore request you please kindly allow me to do so.

Yours sincerely
S. Toppo.

Ganguteo
7-E-
30/4/50

प्यारे बाबू D. K. P. P.
मैं आप को एक बात जनाता हूँ
कि लोग लाम्ही लकड़हारे को
नहीं बतलाते हैं कि आप लोग
सब मोड़ें राखी जाते हैं
मैं फिलिप स्वारवा से सुना हूँ
आ कृपा करके आप लोगों का
बिज को कोई दूसरा जगह में
बन्यावरस करके जाना चाहिये
दिन स्वराप है मैं आप लोगों का
बिज बिज को रखने नहीं सकगा
आका का डर सगाँ को सहम हुना
है सो मेरा लज है आपना बिज
दूसर जगह बन्यावरस किजीये

Masichuan Tiskay
Ganguteo

To
Rev. S. Lippo
Gangulā

11-9-9
11-9-9✓
11-9-9✓

34-13-3
40-0-0
5 24-9

Gossner Evangelical Lutheran Church Duars.

The 18th April 1950.

The C.E. Secretary C.E.L Church Ranchi

And the President C.E.L Church Ranchi.

महोदय आप को हमो को सादर प्रेम योशु सहाय.
होवे। लिखने का विशेष अभिप्राय यह है। कि डूबर्स में आप
लोगों के आने से डूबर्स वासियों को बहुत आनन्द था। पर आनन्द
के बदले निरासता बढ़ गया। आप को मालूम था, कि सेन्ट्रल ट्रे के
मूल विचार को कार्या योशु में सादर के पूर्ण दोष लगाया गया
था। हम लोग समझते थे। कि आप को आने से सब अशांति मिट
जायगी। पर देखा गया, कि भिक्वोर टोप्पो के निर्दयता के कारणा
जिसे अशांति दिन दिन डूबर्स में फैलता चला रहा है। **Catholics C.E**
के फेलो अनुसार Rev. S. J. 1910 डूबर्स लूथेरन मराडली में काम
करने के हेतु भेजे गये। आप के डूबर्स टूर से मालूम हुआ। कि
Rev. S. J. 1910 साधारण जनता से सम्पर्क गये। रफेल टोप्पो
मसिह चरवा तिरको ओर भिक्वोर टोप्पो के अधीनता में डूबर्स
टूर का सब काम समाप्त हुआ। जिससे तुरन्त और सोनकोस
पक्ष के बीच किसी भी मराडली में प्रोग्राम के अनुसार उपस्थित
नहीं हो सके। फिर बहुत दुःख के साथ काम करना पड़ा। समस्त
मराडली के भाई बहिन बहुत ही असन्तुष्ट हुए। हाथी पोता, मलांगी
मराडली आदि मराडली के मेनजरों ने भाईयों से बोले। आप लोगों के
प्रोग्राम का कुछ विचार नहीं है। असल में, कि मेनजरों से भाईयों
के उपर सिखायत पडा सकता है। मलांगी विभाग भी हर एक कामों
को Rev. S. J. 1910 के विरुद्ध ही करते है। मलांगी आम सभा में
भिक्वोर टोप्पो बोले, कि मेरा पिता मरने को पहिले मुझे को बोला था।
बेटा आज तब से तुम मेरी को माफ किया। अथवा किसी को माफ
दिया है। भिक्वोर ने कहा, पिता जो आज तब से मैं किसी को
माफ दिया है। न किसी से माफ लिया। अपस्वार्थता के कारणा
Rev. S. J. 1910 से मिलने नहीं चाहते है। वे रुक नबी है। प्रभु से बात
करते है। जब प्रभु कहेंगे तब वे मनुष्यों से मिलेंगे। इसका उद्देश्य
यह है। कि Rev. S. J. 1910 डूबर्स में अब तक नहीं घुसे है।
इस बात को वे १२ मार्च को बिस्वा पेरिस पंचायत में बोले थे।
अब बिस्वा को जिये। कि १६ अप्रिल को आप को नेकता दिया
गया था। कि प्रेम भोज करे। पर आप मलांगी मराडली के भाईयों
को कुछ न समझ कर रफेल और मसिह चरवा को बहुत माननीय
सम्मान कर गंगुटिया गिर्जे के संस्कार के निमित्त बिस्वा सोचने वाले
गये। जब आप ही डूबर्स के सब कामों को करते है। तब C.E.
से Rev. S. J. 1910 को डूबर्स में क्यों भेजा गया। जाना जाता है।
कि Rev. S. J. 1910 को डूबर्स में काम करने को अनुरोध है। अब
मसिह चरवा के काम को निरुद्ध करने। Rev. S. J. 1910 को अयोग्य

29
20/7/49

F-211

Copy of the letter of Rev. L. Topno, Calcutta.

3 Karaya Road,
Dated the 16th July 1949.

Dear Sir,

In connection to your letter dated 12th July I beg to say that I have been allowed to stay here in Calcutta six months more. You will get official information from the C.C. Secretary, I hope.

I therefore may not work with you till December next. Please arrange so that the work of Chakraborty may not suffer much.

With yishusabhai

yours obedient servant
in the Lord

Sd- L. Topno.

19.7.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : Mr. C. D. Sirka,

Ranchi, (Bihar) India

No. 1127/50/F-24

The 19th July, 1950.

To

Rev. S. Toppo
Gangotia T.E.
Kalchini. Duars.

Dear Rev. Toppo,

From various sources reports have arrived that you are unwilling to hand over charge to Rev. D. Lakra. Perhaps you have misunderstood the functions of the Assam Pastors. They were not a Commission to take up all the charges to be brought before them and decide. Their duty was to see that the handing over charge is peaceful and the Church in Duars forgets the past unpleasantnesses.

As per order of the Council please hand over charge at once to Rev. D. Lakra and return to your new post at Panisani immediately for Panisani is vacant now. Please treat this as urgent and return to Chotanagpur before the end of this month without fail.

It is regretted that you took your wife and children in spite of advice that you should not take them.

Your sincerely,

Copy to:-

The Rev. Daniel Lakra.

C. D. Sirka
Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

17/8/50

Gangutia
Garden
P.O. Kutchin
26.7-50

Dear Sir,

I Received your
letter of 19th July 1950 on 24th
instant. Thank you very
much for this information

I regret that the
why and whom such reports
goes to you. I had never
told anybody ~~to~~ such
things. I had already
handed over the charge
before your letter comes
to me. On the day ~~with~~
it was for which it was
fixed I could not go

~~for certain reason~~
for my son was
suffering from Dysia
and it was about
10 miles to go while
the Registers and
accounts were at
Gangukia. It was
nothing but to give
trouble once. These
days we are not well
again my elder son is
suffering from Pechis
I can't tell you when we
are going but we shall
try to go in this month. J.F.

POST CARD

ADDRESS ONLY



To The Secretary

G. E. L. Church

Ranchi

P.O. Ranchi

Dist- Ranchi

7/10/50

G. E. L. Church: Beech T. E.

Hasimara, The 16th July 50

महामान्यवर पाद्री साहब Bengal Synod
President Rev S. Toppo को

श्रीशुसहाय

आगे मैं Bengal Synod का Secretary
के हिसाब से गत 9th July 50 Synod
के चुनी हुई कमिटी की फैसले के अनुसार
कमिटी की ओर से आप को जरूरी नोटिस
दिधा जाता है कि कमिटी इस बात के
लिए दुःखित है कि आप बिना काररा
गैरहाजिर हुए; चूंकि आप के समापतित्व
में आज की कमिटी बैठक Broom मंडली
में टहराई गई थी।

दुःख के साथ लिखना पड़ता है कि
आप के अनुपस्थिति पर हमारे नये पाद्री
Rev D. Lakshya बैठक में शामिल नहीं हुए।
आज के लिए कमिटी की ओर से Mr S
Bhengra समापति चुने गये। आप की बात
होवे कि यह बैठक फिर भी अगामी तां
23rd July 50 को आप के कंगले में टहराई
गई। क्योंकि आप के बिना कमिटी को

P.T.O.

कुद करना नहीं बन पड़ा इसलिये कमीटी का
भार और जबाब देही आप के उपर है। समा
में उपस्थित सदस्यगणों के खिलाने-पिलाने
का भार आप को बन्दी बस्त करना पड़ेगा।
सहानुभूति के साथ कमीटी, Synod का
भार अपने कंधों पर लेना चाहती है।

प्रश्न में आप का:—
N. Mitra.

Secretary
Bengal Synod.

I

2nd Satali G. M. P. School

Hasimara. The 1st Aug. 50.

सिद्धेश्वरी महाशय,

आप को धीरे से सदाशिव । हम लोगो को वर्तमान परिस्थिति
हालत दुःख-सुख दोनों ही चला रहा है । ग़ारा भी प्रायेण ही कि आप लोग
बुझान में है ।

महाशय, आप को मैं मैं वर्तमान Bengal Synod की परिस्थिति
ब. संक्षेप से बतलाते हुए यह पत्र लिख रहा हूँ । गोशाला नमस्ते को महा-सभा
के बाद ए. ए. के फैसलेनुसार Rev. S. Topko की बदली भी Duars में आसाम
के पाद्री S. Horo and Rev. H. Minz नमस्ते को दुबले जावे भी Duars के
गोशाला को शान्तिपूर्वक गये जाइंगे ।

नमस्ते की नमस्ते Rev. S. Horo, Tejpur (Assam) के नमस्ते
ठहरावत अनुसार ता: 28.6.50 को Malangi Church में नमस्ते की बैठकी
बैठने वाली थी । ठहरावतनुसार उक्त तिथि को न तो नमस्ते की पहुँच और
न Rev. Topko ही । इसका सभा में उपस्थित सदस्यगण Panelit P.P.
Topko के सभापतित्व यह नियम पाल किये कि यह नमस्ते की बैठकी आगामी
ता: 9.7.50 को Gangolia Church में बैठे । Rev. Topko पहुँच जावेगे ।
दोनों नमस्ते की मेम्बरों को ता दिया जाय कि उक्त बैठकी में वे होजि जावे ।
एक बात फल गया था, ता: 28.6.50 को बैठकी में नमस्ते की से नमस्ते की
भी से एक चिट्ठी मिली थी ।

अब ता: 28.6.50 को ठहरावतनुसार ता: 9.7.50 को Gangolia Church
में नमस्ते की बैठकी । पर नमस्ते की फिर भी न आये तो नमस्ते की चिट्ठी के
अनुसार नमस्ते की आरम्भ किया गया । ~~Rev. S. Horo~~ ^{Rev. D. Lakra} ~~Rev. S.~~
Topko के सभापतित्व । Rev. D. Lakra उपस्थित सभा द्वारा यहाँ के पाद्री ग़ारा
P.T. 0.

II.

किये गये। पर नव Charge भ्रदान-प्रादान की बात निकली तो Rev. S. Topko ने कई बातों की वजहों के दुरु जो वे कि अभी ठीक से हिसाब किताब नहीं किया गया, हो अभी Charge देने में मुश्किल है। सी सभा की ओर से हिसाब किताब पूरी तरह सम्म साफ करने के लिये १० मेम्बरों की एक कमिटी बनाई गयी। ओर यह बैठकी आगामी ता: 16.7.50 को Beech Church में हटाने के दुरु सभा को भुला दी गयी। १० मेम्बरों की कमिटी में है:— Rev. Topko; Rev. Lakra; Mr. V. Topko; Mr. N. Minra; Mr. D.P. Dungalung; Mr. S. Bengra; Mr. M.P. Minra; Mr. P.C. Minra, Baboo D. Khakha and Mr. Ch. F. Kerkella.

ता: 9.7.50 को हरबराकुसार फिर भी ता: 16.7.50 को Beech Church में उक्त दस सदस्यों + भिजिरो की कमिटी उक्त विषय पर बैठी। सभापति Rev. Topko and Mr. P.C. Minra ने सम्म सिनाए वाली भावी सदस्य उपस्थित थे। सभापति Rev. S. Topko के चिन्ता कारण अनुपस्थिति पर Mr. S. Bhengra को सभापति चुना गया। Mr. S. Bhengra ने सभापतित्व पर S. Topko के विरुद्ध एक नोटिश लिखा गया जो Rev. Topko को दिया गया जिसका copy C.C. को दिया जाता है। तदुपश्चात सभा प्राथमो सीधे बरनास की गई। यही दस सदस्यों की नवी कमिटी फिर ता: 23.7.50 को Gangotri में बैठने को ठहराई गयी।

अब ता: 23.7.50 को दस सदस्यों की कमिटी Gangotri में बैठी। ओर ता: 23.7.50 को Rev. Topko को Bengal Synod का Charge, Synod Secretary को देना पड़ा ओर Synod Secretary के साथ से Rev. D. Lakra को Synod President का Charge मिला

III

गया। ता. 23.7.50 को मिनिटर ^{C.C.} को दिया जावेगा। अब
Rev. S. Toppe को अपने जगह पर ^{C.C.} प्रैसने के अनुसार जाना है।

एक बात भूल दुर है — ता. 16.7.50 + ता. 23.7.50 को
बैठकी में जब तक Rev. Toppe से Synod का Charge नहीं
भटा लिया गया; Rev. D. Lakra को भी उस ~~स~~ सदस्यो
की कमिटी में नहीं लिया गया।

प्राई लिट लिखा जानेगा।

सप्रेम इति। मायु-सहाय।

प्रभु से आप का सेवक—
N. Mitter

Bengal Synod Secretary

Rev. D. Lakra

ILAKA CHAIRMAN.

G. E. L. Church:

PURUBA.

MANERUM (Tribes)

Duars

Date 17. 7. 1950

To

The Secretary C.C.

G. E. L. Church, Chota Nagpur and Assem
Ranchi.

Sir,

I hope, my letters of 29-6-50 and 11-7-50 might have reached you. I beg to inform you that I have not yet been given Charge, by Rev. S. Toppo. In the meeting at Gangutia, on July 9. Rev. Toppo said that he was not ready to hand over Charge. He was the Chairman of the meeting, and a date of handing over Charge was fixed on July 16., at Beech Bagau. But Rev. Toppo did not turn up for the meeting. So, no handing over of Charge. I am still just like a guest in this Duars. I am not at Gangutia. I am at Malangi, in the house of Mr. Dharamprakash Dungdung. How long shall I remain in this way. It will be better for me to go back from Duars. Because neither Rev. Toppo nor his family is willing to leave Duars. Please let me know, at your earliest possible date, what to do in this circumstances. Rev. Toppo does not talk with me.

I beg to remain

Yours most ^{Sr.} obediently
Daniel Lakra (Pastor)

INDIAN TEA ASSOCIATION

TELEGRAPHIC ADDRESS :

"TEA"

TELEPHONE NOS.

BANK 6081, 6201, 6202

ROYAL EXCHANGE

POST BOX No. 280

CALCUTTA-1, 4th April 1950 .

No.

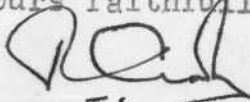
N. 3629.

The Secretary,
Gossner Evangelical Lutheran Church
in Chotanagpur & Assam,
Ranchi,
Bihar.

Dear Sir,

With reference to your letter
No. 511/50/F-2-11 dated the 30th March
1950 I have to suggest that you refer
the matter direct to the Manager of the
garden on which the Rev. S. Toppo will be
resident.

Yours faithfully,



Asstt. Secretary.

 JDS:KM

Church of Scotland Guild Mission.

Railway Station :

ALIPUR DUAR,
ASSAM RY.

MAHAKALGURI.

P. O. & T. O. SAONTALPUR.
DIST. JALPAIGURI.

Ref. No.

Dated 18.4.50. 19

The Secretary,
G.E.L. Church.

Dear Sir,

Enclosed you will find a copy of the agreement arrived at at Malangi between the G.E.L. representatives and those of the U.C.N.I. and the Church of Scotland Mission.

This is intended for your information and for files for future reference.

With all good wishes,

Yours sincerely,

K. McParsons

for
G. McParsons
Secretary

**REPORT OF A MEETING HELD AT MALANGI TEA ESTATE, DUARS,
on Tuesday April 11th., 1949.**

There were present the Rev. J. Lakra, Rev. S. Suren, Rev. S. Toppe and others representing the G.E.L. Church, and the Rev. E. Ekka, Rai Sahib George Mahbert and the Rev. G. McLaren, representing the United Church of Northern India and the Church of Scotland Mission. The meeting opened with prayer.

The minute of the Behar Christian Council of November 1949, with reference to the Duars situation was read, and was taken as the basis of discussion. After a full consideration of the matter, and of the problems involved, the following agreement was reached:

The meeting decided to recognise the following Churches and groups as being under the jurisdiction of the Gosner Evangelical Church as at this date:-

A. Transferred before the B.C.C. meeting in November 1949:

1. Tea gardens: Malangi; Beech; Dalsingpara; Barnobari; Satali; Kalchini; Dimas; Aachapara with Chaspara, Mechpara and Bhatpara; Rangmati; Gangutia with Raimatang and Chinchula; Salbari; Majherdabri; Rydak with Neirabari.
2. Villages: Chenguari; Barobisha; a partial group in Telepara in the village of Marathali.

B. Transferred after November 1949:

1. Tea Gardens: New Duars T.E.; and partial groups in Gaikatta, Haldibari, Dindima, Molakata, Mangdala, Binaguri and Mantupara.
2. Villages: Panbari; and partial group in the village of Khutimari.

It was further agreed that if any Church or Group in future wishes to transfer from the U.C.N.I. to the G.E.L. Church, or vice versa, nothing should be done hurriedly; but that the said Church or Group should take up the matter through its own local Duars Church Committee in the first instance, namely the Western or Eastern Duars Kirk Session of the U.C.N.I., or the Duars Lutheran Elaka.

It was enjoined on all the Christian Brethren in the Duars that the work of the Church should be carried on in mutual love and in Christian Fellowship and that the competitive spirit of taking away members from another Church should be discouraged.

511/50/F-2-II

30th March,

50.

To

The Chairman,
C.C.Bell.
C/O Mrs. Jains Findley,
Indian Tea Association, Calcutta.

Dear Sir,

Rev. S. Toppo who has been deputed to work in the Duars among our people by us has applied for his ration to you. We shall be greatly obliged if you kindly grant him the necessary ration usually awarded to the workers there.

Rev. S. Toppo is working in the Duars as Pastor among the Lutheran Christians. His Headquarters is at Gangotia Tea Estate, P.O. Kalchini.

Yours faithfully,


Secretary,
G. E. L. Church.

CBECM/2C.

Sender: Rev. H. F. E. Borutta
G. E. L. Church. Chaibasa
Distr. Singhbhum. Bihar

Chaibasa, 1. IX. 49

F-2-II

To
The Secretary of the G. E. L. Church of Chota Nagpur and Assam.
G. E. L. Compound
Ranchi

Dear Mr. Sirka,

herewith I am sending the report of my visit to the Duars. I hope very much, that pretty soon you can arrange a meeting between our Church and the Scottish Mission that the pending matter may be brought to an end.

I understand the matter is very urgent, as it does not only concern the both Churches but the Teaplanter too. The Planter stated already, that our Church made a bad start, so let us get rid of this criticism.

With my best wishes to you, I am with many Yishu sahai

Yours sincerely

H. Borutta.

Full Call
9/9/49
Duars, Full
12/9/49
Dinner

Report of the visit in the Western and Eastern Duars
N o r t h - B e n g a l .

According to the request of the President of the G. E. L. Church, I paid a visit to the Lutheran Christians, who separated themselves from the United Church of Northern India and rejoined their Mother-Church, i.e. the G. E. L. Church of Chota Nagpur and Assam.

In Darjeeling the missionaries of the Scottish Presbyterian Church approached me and lodged many complaints against the G. E. L. Church, they criticized the way, how the G. E. L. handled the matter and received the Lutherans, without having consulted the Scottish Mission. The Scottish missionaries accuse the G. E. L. Ch. for lack of real brotherly understanding and dealing. They complain about the visits of the Rev. S. Kula and the Rev. L. Topno to the Duars, that they did not take up personal contact with the missionaries in charge of that area. The Scottish missionaries can't understand, that the G. E. L. Ch. took such drastic action and reported the fact to the N. C. C., to the Bengal Christian Council and Bihar Christian Council in accusing the Scottish Mission and justifying the action. They understand, that all has been done due to the report of Victor Toppo, who misleded the Lutherans in the Duars.

Victor Toppo is for the Scottish missionaries not a reliable man, as he has committed following faults:

1. Victor Toppo has broken his oath of fidelity given to the United Church of Northern India.
2. Victor Toppo was dealing in the black market
3. Victor Toppo was active in politics, he was the Secretary of the Gurka League, which is connected with the Communists.
4. Victor Toppo has collected money on behalf of the U. Ch. N. I. and never handed over the money to the Church. He even did not give an account.

Victor Toppo himself confessed his four actions to me.

The Scottish missionaries understand, that the separation of the Lutherans from the U. Ch. N. I. is due to the agitation of Victor Toppo. They therefore request the G. E. L. Ch. to take up a personal contact with the Scottish Mission and to start "de novo" negotiation in order to come to such an understanding, that both parties may become satisfied.

The Planters in the Duars take the part of the Scottish Mission. They criticize the way, how the G. E. L. Church dealt with the Scottish Mission. They still understand, that the Scottish Mission is the only authority of the Lutherans in the Duars, with which they still deal. The Planters request, in case both Churches come to an agreement, the G. E. L. Ch. to take up connexion with the President of the Indian Tea Association, that he may support the change and also give to the Lutheran Church the help, the Scottish Mission received through all the years.

The Planters do not criticize the charges, the Lutherans are bringing against the Scottish Mission. Here the Planters are taking the part of the Lutherans. They very well understand the request of their workers for a better spiritual care.

The Planter Mr. Pullan and the Planter Mr. Smyth stated, that compared with the work the Roman priests are doing, the Scottish Mission has neglected the Lutherans. So the Planters are in full sympathy. They mentioned one missionary, Rev. Frank Williams who was for many years in charge of the Lutherans, that his work for the Lutherans was like nil. Later, when I met Rev. Fairservice, who is in charge now for that area, said, he was sorry about Rev. Frank Williams but the statement of the Planters is just.

Here I have to add, that the Planters stated, that since Rev. Fairservice has taken over the work in the Duars, the situation has improved.

During my touring I came across many congregations. As a neutral observer, I have to state, that I too, well understand the request of the Lutherans. I met one Congregation (Ranganati) where the Lord's

Supper was not given for two and a half years. In Atchapara a member of the Lutheran congregation said: Are we animals, that no one is giving to us the Lord's Supper, that so seldom a preacher is coming to us, teaching the Word of God. We want a better treatment". In Beech-Tea-Garden the Lutheran complained about a Catechist, who came to give a service, but he was not able to finish it, as he was too much drunken. The same complain about the same Catechist came to me from several congregations.

Due to such facts, the Christians have suffered a lot and the moral and the christian way of living is low. Drinking of liquor is in full swing. Superstition is strong. What struck me most was, that christian children had received non-christian names in their baptism. I inquired how this could happen. The parents said: "We did not know, what name we should give, so the Padri gave the name". The Lutheran heritage is disappearing. When I was baptizing children the parents did not know by heart the "Apostolicum" nor the confession of baptism. I met married people, who did not have their confirmation. The greatest number of our Lutheran, the Catechism is unknown book.

In all, the standard of the Lutherans in the Duars is far from the standard of christian life, we have here in Chota Nagpur. The Lutherans returning from the Duars back to Chota Nagpur are a danger to our congregation here. Therefore the G.E.L. Church is bound to watch and to care for the Lutherans in the Duars too.

The Scottish missionaries face the fact, that they have lost control over the Eastern Duar, they know well the spirit of the Lutherans that side, that they never will join the U.Ch.N.I and that they never will submit themselves to the Scottish Mission. Still the Scottish Mission is not prepared to hand over the whole Duars, western and eastern Duars.

The proposal of the Scottish Mission is:

The G.E.L. Church should take over the Eastern Duars only, i. e. the area between Toorsa-river and Sankos-river. One condition they make: the G.E.L. Ch. should place one Missionary in the Eastern Duar, who would be a garant for a good co-operation.

To me it seems advisable, that the G.E.L. Ch. should agree to the proposal of the Scottish Mission and take over first the Eastern Duar, but it should be made clear to the Scottish Mission, that the aim of the G.E.L. Ch. will always be, to take over all the work in the Duars, where members of the G.E.L. Ch. are living.

The Planters are also very much interested to have a missionary that side (Eastern Duar) with whom they could deal in general all the problems concerning the Lutheran Christians. They say, that a missionary would be a neutral man, between the Planters and the Lutherans. The Planters fear very much, that an Indian Padri would have a very hard task to be neutral between both parties. They say, the Indian Padri would naturally take the part of his people.

The Lutherans themselves (Victor Toppo supports the request very much) like to have a missionary too, who could be of great influence upon the Planters for the sake of the Church and for the sake of the Christians. Victor said: "I hope the Church will keep its promise and send us the missionary."

I myself can only support the request of the three different groups, as I have found, that the R.C. Ch. is very strong in the Duars even the Adventists have started a big move to get hold of the Duars.

My personal proposal would be, that the G.E.L. Ch. should entrust the whole work of the Duars to the GoBner Mission for organizing the work for a certain time.

H. Borutta.

To

F-2-II

Wg
01/11/49

The Secretary,

G. E. L. Church,

Ranchi.

Dear Sir,

Received your letter ordering me to go to Chakradharpur as its Parish Pastor. I beg to submit the following for your kind consideration and action.

1. That I received your letter on the 4th of July when I came back from my Tours in the Congregations in the Duars. It was therefore impossible for me to carry out the order at once. I came to Ranchi on the 8th and explained the situation to the officers of the Church. I request you to kindly excuse me for not joining work in Chakradharpur on the 5th of July 1949.

2, (a) Further I beg to state that for the following reasons I am unable to leave Calcutta at present until December 1949. Please allow me to stay there until December 1949.

(a) I had recently been suffering

from severe attack of Asthma, I have not yet completely regained my health. I have yet to take several injections. My wife is in family conditions and she is not fit to make any such long journey.

(C) That I have been just able to organise the Lutheran congregation in Calcutta. Members are daily increasing and there is every hope that from the month of August 1949 the Calcutta congregation will be able to contribute at least Rs 40/- rupees forty per month to the Central fund of the Church Council.

3 / (a) That with my experience of four years in Calcutta I strongly feel that the Pastorate there should not be permanently abolished. Even in future there should be a Lutheran Pastor there and the Lutheran congregation which has been organised at a heavy cost should have go on growing for the glory of our Lord Jesus Christ in the Metropolis and its surroundings.

(b) Since now a Synod for Bengal has been organised within the G. E. L. Church with a very prosperous work started in the Duars, it is

necessary that Calcutta with all its importance and educated Lutheran Congregation to become a source of strength and support spiritually and morally.

(C) Then again the Lutheran Congregation in Calcutta has the prospect of becoming a living link between the Lutheran Churches in Chotanagpur and the Lutheran Synod in Assam.

I shall be ever thankful to you for this act of kindness.

Dear

the
8th July
1949

Yours sincerely,

L. P. S. P. S.

Postor Calcutta.

CHURCH OF SCOTLAND GUILD MISSION.

CHALSA.

Railway Station :—

P. O. & T. O. MATELLI.

CHALSA, Assam Ry.

Dist. JALPAIGURI.

Dated 8 March 1950.

To Mr. C. D. Sirka,
Secretary,
G. E. L. Church,
Ranchi,
Bihar.

Dear Sir,

I thank you for your letter 431/50/F-2 II of the 2nd of March, 1950, and for your telegram of the same date. We are very sorry that the Rev. J. Lakra, has been unable to come.

Unfortunately we are unable to report much improvement in the situation here. At a meeting held on Monday of this week one case of recent trouble was dealt with. At this meeting your pastor, the Rev. Samuel Lakra was present and was permitted to speak. He had the position very clearly explained to him by Rai Sahib George Mahbert, an elder of one of our congregations in the Eastern Himlayan Church Council and a member of the Executive Committee of the General Assembly of the United Church of Northern India. Mr. Mahbert will be corresponding with your President, the Rev. J. Lakra.

It would appear that there is every likelihood of continued outbreaks of misunderstanding and trouble until a definite agreement about the areas to be supervised by the two churches is reached. Such trouble seriously detracts from the value of the Christian witness of both churches in this area. It is therefore very important that the Rev. J. Lakra come here as soon as possible in order that an early settlement be made.

The Rev. G. Fairservice leaves for furlough on the 10th, Friday, of this month and I have taken over his duties. I shall have my time divided between the work here in the Duars and work in the district around Kalimpong in the

hills but letters to me at the address on the letterhead of this letter will be forwarded to me in Kalimpong should I be there when you write. I am not giving you a date for the Rev. J. Lakra's visit. Before doing so I will wait until I hear from you as to possible dates for him to come here. It will not be possible for me to be here during the first week in April as we have meetings in Darjeeling then.

Yours sincerely,

D. McHutchison

(Rev. D. McHutchison)

I thank you for your letter of 21st March, 1950, and for your telegram of the same date. We are very sorry that the Rev. J. Lakra has been unable to come. Unfortunately we are unable to report much improvement in the situation here. At a meeting held on Monday of this week one case of recent trouble was dealt with. At this meeting your pastor, the Rev. Samuel Lakra was present and was permitted to speak. He had the position very clearly explained to him by Rai Bahadur George Lakra, an elder of one of our congregations in the Eastern Himalayan Church Council and a member of the Executive Committee of the General Assembly of the United Church of Northern India. Mr. Lakra will be corresponding with your President, the Rev. J. Lakra. It would appear that there is every likelihood of continued outbreaks of mismanagement and trouble until a definite agreement about the areas to be supervised by the two churches is reached. Such trouble seriously detracts from the value of the Christian witness of both churches in the area. It is therefore very important that the Rev. J. Lakra come here as soon as possible in order that an early settlement be made. The Rev. J. Lakra leaves for Darjeeling on the 10th, Friday, of this month and I have taken over his duties. I shall have my time divided between the work here in the Dars and work in the district around Kalimpong in the

431/50/F-2 II.

March 2,

50.

To

The Rev.G.Fairservice,
"The Manse". Matelli P.O., Dist. Jalpaiguri.

Dear Rev.Fairservice,

We have received your letter addressed to President Lakra and also the wire. Thanks. I am very sorry to let you know that our President is out on tour in our Church field and will not be back till 4th of 5th of this month.

In your letter you have asked him to be present at Gairkata on Monday 6th in the meeting but as a matter of fact he will not be able to leave Ranchi before 11th because of a case which is still going on. Perhaps you have heard the name of the village Gumru which has been so much connected with his case. The date of hearing of the case has been fixed on the 11th March in the Khunti Court and so President Lakra has to appear before the court on the 11th. Hence I most earnestly request you to maintain peace in the Churches in Duars. After 11th when the case will be finished President Lakra will be free to visit you on any suitable date you desire. But for the present I pray to God that He may give you wisdom and power to guide the people and to make them live in peace and harmony. A wire to this effect has already been sent to you.

Sincerely yours,

C. S. Sirma
Secretary, G.E.L.Church,

26

INDIAN POSTS AND



TELEGRAPHS DEPARTMENT.

NOTICE. This form must accompany any inquiry made respecting this telegram				Charge to pay Rs.		Office Stamp. As. 27 FEB 1908	
Handed in at (Office of Origin) Kanchi		Date. 2/	Hour. 6	Minute.	Service Instructions		Words. 23
TO President Lahra Reverend Silas Bage Hassunguda				Recd here at 18		H. 9 M.	
Janservice wire your presence urgently required in district monday morning 6th march situation critical							

N. B.—The name of the Sender, if telegraphed, is written after the text

Mr. Fair service

Case 11th impossible going
6th. Now President on urgent
urgent tour.

Plie Lakra
- city Surka

27.2.55
M. S. S. S.
M. S. S. S.

26

President Lakra
Care Reverend
Silas Lafe.
pharsing vda

Church of Scotland Mission.

Rev.G.Fairservice M.A.,
The Manse,
Matelli P.O..
Jalpaiguri Dist.,
24.2.50

Rev.Joel Lakra M. A.,B.D.,S.T.M..
President,G.E.L.Church,

Dear Mr.Lakra,

I meant to write to you some time ago, but unfortunately I have been off for a while as a result of an attack of pneumonia. You will have received a copy of my letter to Rev.Samuel Toppon, dated 2.1.50 in which I made an official complaint against his breaking the amicable arrangements we made at the last meeting of the Bihar Christian Council.I regret very much to inform you that this unauthorised visit of Rev,S.Toppo to our area has done tremendous harm.It is a great tragedy to see groups of Protestant Christians so close to each other in faith and outlook at daggers drawn with each other in a Hindu environment. What a bad example it gives to outsiders,of our faith,

As a result of Samuel's visit one of our teachers, P.P.Toppo who is also a catechist has come under ~~the~~ influence and as he is a leader in the community his influence has caused great dissension and bitterness. We do not mind his becoming more attached to ~~k~~ your Church, but what we do object to is that his propaganda and activities have all been carried on in a secretive and underhand manner while on the surface he has been pretending to be a loyal servant of the U.C.N.I..

We have not dismissed P.P.Toppo from our service. After a panchayet to deal with his case, he was allowed to continue as a teacher. He was told that while we took no objection to his serving the Lutheran Church, he could not be permitted the use of the Church at Gairkata Bazar for the conduct of Lutheran services as it was likely to lead to a breach of the peace which would be a bad example amongst non-Christians.

Unfortunately P.P.Toppo did not take this warning. I have just had a report that last Sunday he and some of his supporters set upon our catechist at Gairkata and by force and threats made him give up the key of the church. This action so incensed many of our village Christians that there is every possibility that unless wiser counsels prevail they will take strong counter-action against such behaviour and the result may be a breach of the peace.

To settle this sorry business once and for all, I therefore request you that you make your visit here a matter of the highest priority and request you to come without fail, as I am sure that you will be most anxious to preserve the good name of your Church which is being spoiled by irresponsible and unauthorised conduct. There will be a meeting at Gairkatta on Monday 6th March at 10 a.m. Would you please come to Chalsa on Sunday 5th of March. I have already wired to you on this matter. You will be able to catch the Assam Link Express either at Manaharighat(23-00 Saturday) or Katihar(1.21). This train comes right to Chalsa Junction arriving about 4 in the afternoon.

Rai Sahib G. Mathur has also been notified.

With kind regards.

Yours sincerely
G. Fairservice

106

INDIAN POSTS AND



TELEGRAPHS DEPARTMENT.



NOTICE.			Charge to pay		Office Stamp.
This form must accompany any inquiry made respecting this telegram.			Rs.	As.	
Handed in at (Office of Origin)	Date.	Hour.	Minute.	Service Instructions.	Works.
	25	10	40	18 Lw	23

To	President Lakra Lutheran Church Ranchi	Recd. here at	H.	M.
----	--	---------------	----	----

your Presence urgently requested
 In duars Monday morning
 Sixth March situation critical

letter follows fair service
 mission material

No. 3 The name of the Sender, if telegraphed, is written after the text.

8 1.3 each



QIA 2500 NAIGI

INTERNATIONAL DEPARTMENT

100

No. 55-62/50.

Ranchi
10-2-50

Dear Mr. Barutta,

Your letter dated 7-2-50, thanks.

Dr. Jhmdls and Dr. Pölkson will both visit your field for a short period along with me and possibly Mr. Klimkeit. I give below our tentative programme which if not revised will be the final one.

- Febr. 26. Arrival at Kulanga at 5.16 a.m. Breakfast at Kulanga and meeting with the congregation at Kujridipa. Rev. Z. Khalkho to arrange with Mrs. Bailey for breakfast. Return to Rajgangpur for service and midday meal.
- Febr. 27. Start from Rajgangpur at 8 a.m. by Bus after breakfast. Arrival at Sundargarh at 9.30 a.m. Stay at Sundargarh, meeting with the congregation. Arrangement for stay to be made by local ~~badies~~ leaders.
- Febr. 28. Leave Sundargarh at 3 a.m. after breakfast by Bus. Arrive at Jharsuguda and stay there. Meeting with the congregation. Leave Jharsuguda at 2.50 a.m. for Chakradharpur.
- March 1. Arrive at Chakradharpur by 7.30 a.m. Mr. Barutta to take charge of the party and make his own programme. Jamshedpur may also be on the Programme but the party will leave the area on the 2nd March either from Jamshedpur or Chakradharpur.

Yours sincerely,

H. Chandra
President,
G.E.L. Church, Ranchi.

Copy to Mr. P. D. Kandulna.
Rev. Z. Khalkho.
Mr. F. D. Silas Eage.
Mr. Naas Kerketta, Sundargarh.
Mr. S. P. Kandulna, Ranger Sundargarh.
Mr. J. Klimkeit.

Notes to be provided by the Synods concerned.

Little

symp

Little Four Meger

West

Smith's Dispensary

Handwritten notes and signatures in the top right corner.

Living in, also 6 1/2 ...
of with ...

first name ...
name of ...

first name ...
name of ...

name of ...
name of ...

name of ...
name of ...

name of ...
name of ...

name of ...
name of ...

Toorsa-Jainti Sub-District, D.P.A.

Bhatkawa T.E.

No. 1

12/12/1949

The Rev. Samuel Toppo,
Lutheran Mission,
Rydak.

Dear Sir,

Please note that your appeal for a house to be built in Klchini at the expense of local gardens was put before a Sub-District Meeting, and I have been requested to inform you that members are of the opinion that this matter must be taken up through the Indian Tea Association from your Headquarters in Nagpur.

Yours faithfully,

Sd. Mc. Mac Intyre

Chairman,
Toorsa-Jainti Sub-District,
D.P.A.

Copy to :-

The Rev. Fairservice,
The Manse, Matelli P.O.
Dooars.

Address of The Quars officers.

Synod President. To

The Rev. S. Topo

Gangutia T. E.

P.O. Kalchini

Jalpaiguri Dist

Secretary -

To

Mr. Victor Topo

Ryda T. E.

P.O. Ryda.

Jalpaiguri

Treasurer:-

To

Mr. Gharamprakas

Dungdung.

Malangi T. E

No. 8

P.O. Malangi

Jalpaiguri Dist.

G.E.L. Church Rydak
13-2-50

To
The Secretary G.E.L Church Council
office, Ranchi

D/ Sir,

In my previous report I had mentioned about Gaikata parish panchayet. which is going to be held on 18th January 1950. at Gaikata Mission Compound.

Due to some disturbance by the Rev. G. Fairservice it is now ~~cancel~~ stopped.

Here, with I am enclosing a copy note of Rev. G. Fairservice for information guidance and compliance.

J. D. P. O.
Secretary.
B. Synod.

Extract from the minutes of the full Scottish Kirk session panchayet held on January 4-1-50 at Chalsa manse.

Church of Scotland Guild Mission
Chalsa.

Date 4-1-1950

Rly Station
Chalsa. Assam Rly

P.O. & T.O. METELU

To
S. P. P. Taloo
Gairkata School.

NOTICE of Dismissal

This is to inform you that from to-day's date your service under the above mission have been terminated forthwith for conduct unbecoming your profession.

In lieu of a month's notice, salary will be paid you to the end of current month.

You are required to vacate the school house premises immediately and to hand over charge of the school to the assistant master.

The decision to dispense with your services was made by unanimous vote of the Quars mission Panchayat.

You are requested to come to Chalso Maunse before the 15th of

January to settle all your existing
accounts.

Signed
G. Fairserore
Superintendent

प्रेसिडेन्ट

गोस्वामिनर एवंगेलिकल लूथेरान

चर्च, क्रीटानागपुर और आसाम ।

महामाधवर प्रेसिडेन्ट साहब,

आप के निकट हम
अपना दीन अर्ज पेश करते हैं और आशावान हैं
कि आप और आप की चर्च कौंसिल हमारी
हालत पर उचित विचार कर हम पर अनुग्रह करेंगे ।

हमको यह जान कर अत्यन्त आनन्द हुआ है
कि लूथेरान कलीशिया अपने उन लीगों को
जो इधर उधर छितरे हैं और जिनकी आत्मिक
सेवकाई उचित रीति से नहीं हो रही है, बटोरने
और उनकी कलीशिया के अन्दर ले आने और
उनकी रक्षा और चरवाही की चिन्ता कर रही है ।

हम दरखास्तकारी भी बहुत बरसों से रांची
जिले से, विशेष कर गोबिन्दपुर इलाके से यहां
दिनाजपुर जिले के बलूरघाट सबडिविजन कितने
गांवों में आ वसे हैं । हमको यहां अपनी
जीविष्ठा के लिये आना पड़ा और चूँकि यहां
हमारी लूथेरान कलीशिया काम नहीं करती है ।
हमको वपतिस्त चर्च के शरणा में रहना पड़ा । अब इतने
वर्षों के अनुभव से हमको यह साफ मालूम हुआ कि हमारी
आत्मिक सेवकाई की निहायत ही घटि है और हमारी किसी प्रकार
आत्मिक उन्नति नहीं हो सकती है । हम अबतक भी छितरे
और खोये हुए बिन रखवाले की

भेड़ों की नाई हैं खोर चाँद हमारी
 सुधिन ली जाय तो हमारी निहायत ही बुरी
 अवस्था होगी ।

इस कारण आप से हमारी यह
 दीन बिनती है कि आप हमारी सेवाकार्ड के लिये भी
 लूथेरान कलीशिया की खोर से सुबन्ध करने की कृपा कीजिये।
 आप यदि आवश्यक समझें तो आप खुद या किसी चर्च
 कौन्सिल के सदस्य को भेज कर जांच कर लीजिये
 और जैसा आवश्यक हो उचित प्रबन्ध करने की शीघ्र
 कृपा कीजिये । हमको अब बपतिस्त चर्च के शरणा में रहने
 से किसी प्रकार का भरोसा नहीं हो मालूम पड़ता है ।
 हम आप की कृपा के लिये प्रदा कृतार्थ होंगे -

The 10th Jan 50.

मोस्तापूर

आप के आशावादी
 मोस्तापूर के रूष्टियान भाई सब

- पो. ओ. बलूरघाट १ Dubia Barla
- जिला दिनाजपूर । २ Joseph Barla
- ३ शंभूजी शरण Sal Hanjugan Horo
- ४ Lukar Barla
- ५ David Barla
- ६ Jacob Barla
- ७ Prabhu shaya Jororo
- ८ Graham Swin
- ९ ईसाईय ईमरेम
- १० श्रीमती गंगा

Chorchi
 Rachel
 21/1/50

Rep. L. J. Jororo
 of K. K. K. K.
 Road Calcutta
 Post Office
 to visit the
 place and
 submit a
 report to the
 Council before
 31-1-50 to be
 expenses to be
 met by the
 brethren

दिनाज शर मि. १३ का रिपोर्ट

प्रेसिडेन्ट जी. ई. एल चर्च घोटानगर और
मसामर

महाशय — आप के हिदायत के मोताबिक मैं
दिनाज शर जिले के रिस्त्रानों के दरखस्त पर वहां
जाकर स्थानीय जांच पड़ताल किया और निम्न
लिखित रिपोर्ट आप के पास निम्न पेश करता हूँ

उपरोक्त रिस्त्रान लोग दिनाज शर जिले के
बलरघाट सब डिविजन के कितने बहुत गांवों
में बहुत वर्षों से बसे हुए हैं। विशेष कर
मसामपुर मोलतापूर, कलिका पर बंगालीशर
रतोरनमा, निकेशवा और कुकारन आदि कस्बों
में हमारे गोविन्दपुर इलाकका से जाकर बसे गये
हैं। वे हमारे लखेरान रिस्त्रान ही हैं। पर
उनके वहां लखेरान कलिशा का काम नहीं
है उनको रहना अप्रसिद्ध रिस्त्रानों के साथ है
और उपासना यदि के लिये अप्रतिष्ठा गिरजा
जाना पड़ा। ऐसा कि होते होते वे प्रायः

अप्रतिष्ठा चर्च के देख भाल में ला गये।
पर इतना बरस उनके साथ और शरणा में
रहने पर भी अप्रतिष्ठा चर्च की सेवा काई से
सम्बुद्ध नहीं है और अपनी माता पंडली को
रह रह कर याद करते और उससे मिलना
चाहते हैं। और उनकी सेवा और देख भाल
माता पंडली से की जाय यह उनकी बड़ी इच्छा
और संकल्प है। उनकी चली पूरी लाशा है

कि माता मंडली ही से उनकी आत्मिक
और सामाजिक उन्नति होगी। यही कारण
है कि जौभा पांच वर्षों से कहनेकी आत्मिक
सेवा काई जैसे साधे देना, वपतिस्सा देना। बहुत
भोज वारना नहीं है। जौभा वपतिस्सा चर्च से
मिलना नहीं चाहते। परन्तु वे लला गिरा
घर बना कर गिरा करते और माता मंडली
की सहायता की आशा लगाये रखे हैं।

उनकी आत्मिक जीवन में ऐसी भी घटी
घिबनाई है कि वे सच्ची बिना रजिस्ट्री और
आशीष के सिर्फ हाथ धरा धरी कर बिबरी
करनेही है सच्ची हो जाती है।

यदि माता मंडली उनके लिये चिन्ता
न करे और उनको अपनी देव माल में
न लावे तो उनकी आत्मिक पशा निहायत
करी हो सकती है, ऐसा कि वे होते 2 संस्कारिक
भी हो सकते हैं।

इसलिये मेरा सिफारिश है कि य बिबई
इह वटी मंडली को माता अपनी रुवा उनके
हाथ फैला कर ग्राह्य कर लेवे और
उनके लगी के अनुसार अपनी देव माल
में ले लेवे

इति
Bij Kumar.

[Signature]

11. 2. 1950

1 (2) (4)
Gossner Evangelical Lutheran Church, Dooars.

Rev. S. Toppo,
Chairman.

Gangotri T. E.
Raidak P. O. Kalchini
Dist. Jalpaiguri.

Date 29-12-1949

To

The Secretary
G. E. L. Church
Ranchi.

Dear Sir,

It is to let you know that I had given an appeal to the Managers within Toorsa Jaintia Sub-District for a house to be built at Kalchini at the local expense of the local gardeners. That matter has been brought in the District meeting, and the chairman was directed by the members to inform me that the appeal should be given by the Headquarter Ranchi to the Indian Tea Association (I.T.A.) Calcutta.

Here with I am sending the copy of my appeal. Please make an appeal and send it to the I.T.A. Secretary or the Chairman. Please request them about my ration also. Address of the chairman is this

To The Chairman C.C. Bell 2
c/o Mrs James Findley.
Indian Tea Association
Calcutta.

Yours
faithfully
S. Toppo

1 (2) (4) Gangotri T.E.
P.O. Kalchini
Talpaiguri.
29/12/49

To
The Secretary
G. E. L. Chuschi
Ranchi.

Dear Sir,

I received your information
regarding Trained M.E. Masters. I am sorry
there is not girls school. We are going to
make a boys ~~in~~ M.E. school from
3 January 1950 at Barabisa. Please
send one B.A. Passd with money
for the M.E. school Headmaster.
For this I shall be thankful to you.
Yours. Faithfully
S. P. M. 1

1 (2) (4)
Gossner Evangelical Lutheran Church, Dooars.

Rev. S. Toppo,
Chairman,

Gangotia T.E.
Raidak P. O. Kalchini
Dist. Jalpaiguri.

Appeal.

Date _____ 19

To

The Managers,

Sir,

I beg to lay the humble request in a few words under your kind consideration and disposal. I am a ~~Padri~~ of an Autonomous Lutheran church in Chhotanagpur. The Lutheran brethren and sisters ~~in Christ~~ of the Chhotanagpur has come in the Dooars and scattered in the Tea gardens here and there. They are working in your garden and earning on their livelihood. Most of them are coolies.

They requested the Church Council at Ranchi to send one Padri in order to feed them with a spiritual food. The Council has sent me (namely Rev. Samuel Toppo). I have arrived here few months ago on 28th June 1949. After the arrival I made round in some of your ~~garden~~ garden and searched them out. Mostly of my Christians are in Tura Jorjenty District ~~in~~ in within the Eastern Dooars.

Now I wish to do something for the Kingdom of Christ but the difficulties before me is that; I do not have got a Padri ~~quarter~~ quarters where I can get shelter and to do my Pastoral work. Owing to this I have left my family in Chhotanagpur. I wish to make Kalchini as a Centre and a quarter should be built here as the localization of the Kalchini is best ~~for~~ ⁱⁿ every respect.

Now these poor coolies can not build any quarter unless they are helped because the things are very costly in the Dooars. Secondly they do not have got any funds. We are carving way the mission work with our poor subscription offered in the church services. As the church is Autonomous.

I therefore request to all the managers of this district to help us by giving subscription from each garden, so that we ~~poor~~ poor people can make a quarter. We are going to subscribe a poor subscription of Rs 2000/-.

For this act of your kindness I shall be ever thankful
to you.
Yours faithfully
S. Toppo.

Agg.
20/11/49.

1 (2) (4)

To.

The President

G. E. L. Church

Ranchi

Dated the 18th Dec. 1949

Dear Sir,

मैं Bengal Synod का Secretary के हिसाब से "डुर्वास की लुथेरान मंडली" के विषय कुछ रिपोर्ट आप के सामने पेश करता हूँ; आशा है कि आप लुथी के साथ ग्रहण करेंगे।

1. — डुर्वास इलाका की बैठकी ता 27th Nov. 1949 को Salalu के खूबत गिर्जाघर में पाद्री S. Topf के समापनत्व में बैठी थी। जिसमें निम्नलिखित चारों सर्वसम्मति से मंजूर कि गई — (a) Rydak Parish (b) Kalchini "

फिर भी Gairkala एक भलग (नया) पैरिस बनने जा रही है। डुर्वास इलाका की फैसला नुसार V. Topf Secy D. Khakha, और C. Jophar Kerkella तीनों ने ता 12th Nov. से 19th Nov. 1949 तक निम्नलिखित मंडलों में पहुँचे हैं जैसे Demdema, Gairkata, Naugdalla, Haldibari, Banarhal, Hartalguri, Sakhipara, Mogolkala.

Gairkala के Hrd. Pandit P. Prasad Topfो सब जगह अगुवाई कि ये हैं। कोई ऐसा मंडली नहीं है जो Lutheran Church को ग्रहण नहीं करती है, लेकिन कई कारणवश उन्हें अभी देव जाना पड़ रहा है। अभी हाल ही में 2 नया मंडली Gairkala, Hartalguri, Demdema अपने की लुथेरान कॉलमा का अंग समझती हैं, और यह घोषणा पत्र Scotch पाद्री Rev. G. Fairbairn की देखभाल है। हमको उन्हें लुथी के साथ ग्रहण कर अपने हाल में लेते हैं। Gairkala एक नया Parish बनाया जाय और इसका भार Pandit P. Prasad Topfो के ऊपर रहे।

2. — अभी डूकस के लिए नये प्रचारकों का इकट्ठा होना है इसीलिए मैं Babu. Dhankuwar Kujar को Rydak Parish के नाम से "प्रचारक काम" के लिए कौंसिल की ओर से भिजारिस चाहता हूँ।

मैं अनुरोध करता हूँ कि कौंसिल इसे - ग्राह्य करे और डूकस इलाका की भिजारिस देवे ॥

3. — निम्नलिखित पेरिस की कार्यकर्तगिरा इस प्रकार रहेगी : —

(A) Rydak Parish
V. Toppo Chairman. Rydak
D. K. Kujar Secy. " "
S. Lakra. Treasurer, Chaugmara

(B) Kalchini Parish
Rev. S. Toppo Chairman
C. Jophar kerketta. Secy. Beech
S. Khakha Treasurer. " "

(C) - Garikala Parish
Pandit P. Prasad Toppo Chairman
Nasri Ekka Secy. Hartalguri
Samuel Kujar Treasurer. Demdema.

The arrangement is provisionally approved. The whole matter will be placed before the Council meeting in January 50 and the report will be communicated. The Rev. S. Toppo will perform ministerial service, (sacraments etc) for all parishes till further arrangement is made by the Council.

Yrs. Loving Child
Victor Toppo
Secretary
Bengal Synod.

18-12-49

C. D. Sika
Secretary
20/12/49

40000/- for 8 stalls.

8 stalls @ 60/- = 480/-

40000

300 x 12
36000

480/-

300 - 30,000

The arrangement is provisional
approved. The whole
month will be there
before the consent must
Jan. and the result
will be commensurate
the Dec. 5. 10/10 will
perform ministerial
services (Sacraments etc.)
baptism, etc. etc.
further arrangement
is made by the
Council.

Ranchi
22.6.49

Rev. S. Toppe allowed
to attend the full
new C.E. meeting
held 22.6.49

Through the Council G.E.D. Church
Ranchi
President G.E.D. Church
Ranchi.

File II
2

Sir,

I beg to inform that, as the Suars
has been formed a new Flaka in the
Gossno Church, there are many things
which should be supplied by the C.E.
one of which is mostly needed for
the time being is sacramental instrument
instruments.

I therefore request the C.E. to
make an arrangement of it before my
departure for the Suars.

You are the Honour to be
Sir

Yours obediently
S. Toppe

To the
Careful Presiding
23/1/49

Doors. File

United Lutheran Church
WESTERN, DUARS—Kalchini Circle

REV. V. TOPPO.
Aam Sabha Secretary.

RYDAK T. E. & P. O.
HATHIPOTA T. O.
ALIPUR DUAR.

Place before
the ex-
25/2/49

Members of the Aam Sabha Dated 30/1/1949.

Executive Committee
Chairman.

1. James Minz Kalchini *Deputy*
2. Selaman Bhengra vice chairman *member*
3. Victor Toppo Sec Rydak T.E. *member*
4. Mark Probst Minz Treasurer *member*
5. N. Minz Teacher.
6. Haromprokari Durgdung
7. दाऊद खारवा प्रचीन ✓
8. Markicharan Luky ✓

25/2/49
Secretary

उपरोक्त कार्यकारिण कोमिटी (Executive Committee)

के सदस्यगणों का यह घोषणा है, कि हम लोग आम-सभा को Scottish Church (स्कोटिश चर्च) के अधिन-अर्पण करना नहीं चाहते हैं।

इस विषय ता० 19/12/1948 रविवार को Gangutia T.E. में एक पंचायत Advisory Committee of the Aam Sabha (सलाह कारिण आम सभा) के नाम पर निर्धारित किया गया था जिसमें 25 मेम्बर हाजिर थे।

उक्त 25 आम मेम्बरों के द्वारा उपरोक्त आठ सदस्यगण आम सभा की Executive Committee

के चुनाव में जास हुआ है।

तो 30/1/1949 रविवार को -
Hasimara Malangi के सुस्त गेजों पर मैं आठ
सदस्यगणों से Executive Committee की बैठक
हुई थी -

निम्नलिखित प्रस्ताव मंजूर किए गए -

(क) कमिटी के बिफारिसानुसार (Newhas Mining) और
M. C. Birkey प्रतिनिधि चुने गये हैं वे दोनों रॉपी
माकर प्रसीडेंट जेम्स जे. लकड़ा एम. ए. बी. डी. एस.
सी. एम. से मुलाकत करें।

(ख) आम सभा हम लुबेरान चर्च वालों का है किसी दूसरे
का एक इकट्ठा नहीं है।

(ग) आम सभा के द्वारा भव्य द्वारा सम्बन्ध दोरानगपुर
और अक्षम सी स्वाधीन लुबेरान कॉलेज के साथ
होगा।

(घ) बिदाई की दरखास्त तालिका जितना इसका दुई
है फेपरमैन और सेक्रेटरी की सही के साथ पाद्री
साईब फेपर सार्विस के पास रजिस्ट्री के द्वारा
भेजी जावे।

(ङ) Members of the Nam Sabha Executive
Committee के उन आठ सदस्यगणों का
नाम एक कोपी (Copy) दरखास्त साज के
साथ भेजी जावे।

Yours faithfully.

Secretary

NAM SABHA, U. L. C.

RAJENDRA T. E. Toppo

8/2/1949

United Lutheran Church

WESTERN, DUARS—Kalchini Circle

REV. V. TOPPO.

Aam Sabha Secretary.

RYDAK T. E. & P. O.

HATHIPOTA T. O.

ALIPUR DUAR.

Placed before the
Ex. To R. 25/2/49

Dated 9/2/1949.

The President

G. E. L. Church
RANCHI

महाशय,

निम्नलिखित मण्डलियों के प्रतिनिधियों
सब अपने को गेस्टर चर्च के अधिन सौंप
देने हैं; कृपया सम्मिलन की चेष्टा करें।
सब जगह तैयार हैं।

1. Rydak T.E. एक प्रचारक का सेन्टर है उसमें
की मंडली — Rydak, Mainabari, Hatipotha,
Newlands.
2. Kalchini — एक प्रचारक का सेन्टर है उसमें
की मंडली — Gangutia, Lothabari, Dimba,
Patlakhawa, Mathura, Chinchulla, —
Damanpur, Rajabhat T.E. और 2 बगनों
में बड़े भाई बहने रहते हैं जिनका नाम नहीं
दिया जाता है।
3. Hasimara T.E. एक प्रचारक का सेन्टर है।
Malangi T.E. Satalu T.E. Dalsingpara,
Vannobari, Chuapara, Achhapara, Metch-
para, Satalu Basti, और 2 बगनों का नाम
जहां बड़े भाई लोग रहते हैं नाम नहीं दिया
जाता है।

Ranchi से लौट कर मैं एक भी चिट्ठी नहीं लिखा, इसके लिए मैं दुःखित हूँ लेकिन जो भी हो मुझे बर्मा कीजिएगा।

"आम सभा" बिषय पर ता० 19 Dec 48 —

"Advisory Committee of the Ham Sabha"

Gangulie T.E. कोई लगभग 55 मेम्बर से बैठी- थी। सभी की सलाहानुसार अभी ५ लोग Kirk session (कर्मभेरा) पंचायत को भेज कर अलग (कर्मभेरा) पंचायत कायम किये हैं। Rev. G. Fair service प्रचारकों का तनखाह भी बन्द कर दिया है।

बिदाई की दरखास्त तालिका तैयार होकर रजिस्ट्री द्वारा Rev. G. Fair service को भेजी गई। Executive Committee की चिट्ठी भी आप को भेजी गई है। आप लोगों की इधर-आने की आशा सब जगह देखी जा रही है। इसके लिए भी तैयारी पर है।

हम लोग दो प्रचारक James Ming Victoroff और Nemhas Ming Teacher, RANCHI आप के पास आने वाले हैं। साथ में Bilokan Kindo को भी लेते जा रहे हैं।

ता० 2nd Feb 1949 को मैनेजर से इज्जत लेकर Inquiry Committee बैठे थे। इसके बिषय की एक मिनिट भी लेते जा रहे हैं।

United Lutheran Church

WESTERN, DUARS—Kalchini Circle

REV. V. TOPPO.

Aam Sabha Secretary.

RYDAK T. E. & P. O.

HATHIPOTA T. O.

ALIPUR, DUAR.

Dated _____ 194 .

इसलिए अब माका रिपोर्ट आप के हाथ में
होए देकर यह लिखना है कि Bilokan
Kundo का पूरा जैसला होना चाहिए।
मैं एक मित्री Mrs. Manonil Kundo को
भी देता हूँ।

Bilokan अभी भारी चिन्ता में पड़ा
है। RANCHI तक जाने का उसका इच्छा
भी नहीं था। खैर प्रभू की इच्छा का
है।

मान्यवर प्रेसीडेंट साहब, अब मैं मुझे
आपका लिखने की भाँति नहीं।

कृपया मुझे अच्छे बालक की
मित्री गृहणी को।

बड़े प्रेम के हाथ हम परिवारों का
भी सहारा मिले।

Secretary
AAM SABHA. U. L. C.
RAIDAK T. E.
आप की तब्यस्ति

Victor Toppo
9/2/49

हिन्दुस्थान-बर्मा और लंका के लिये प्रार्थना का दिन ।

रविवार ७ दिसम्बर १९४७ ई०

इस वर्ष का वार्षिक प्रार्थना का दिन ऐसी दशा में आया है, जिसको कि हम वर्ष भर आगे न जान सकते थे । देश की स्वतंत्रता का दिन नियत समय के कई महीने पूर्व ही आ पहुँचा और बड़े आनन्द और धूमधाम के साथ १५ अगस्त को भारतवर्ष ने अपनी पूर्ण स्वतंत्रता को प्राप्त कर लिया । देश का बंटवारा जिसके लिये कि हम आशा करते थे कि टल जावेगा, न टला; परन्तु उसका वह रूप न रहा जो कि उसके कर्त्ताओं ने ठाना था । बंगाल व पंजाब और दूसरे स्थानों में झगड़ों और दंगों के कारण हिन्दू और मुसलमानों के मध्य में गड़बड़ी उत्पन्न हो गई है । इस प्राचीन देश के प्रेमी इस नयी स्थिति में बड़े धन्यवाद के साथ प्रवेश कर रहे हैं; क्योंकि देश के लोगों और अंग्रेजों के बीच बिना युद्ध व खून खसूर के ही स्वतंत्रता प्राप्त हो गई । परन्तु वे बड़े दुःखित हैं कि देश के खण्ड हो गये और चाहे भविष्य के लिये भली आशा और आनन्द के विचार हैं, तौभी उनके मनों में डर और दुःखा भी भरी हैं ।

और दूर आँखें उठाने पर हम देखते हैं कि हम एक अशान्त संसार में रहते हैं । चीन में का घरेलू युद्ध हमारे पड़ोसी देश की सफलता में बाधक है । इण्डो-चीन और मडागास्कर में अशान्ति है ही । दक्षिण आफ्रिका में जाति भेद-भाव की रीतियों से संसार के करोड़ों मनुष्यों को खिजाव और दुःख पहुँच रहा है । रूस और पश्चिमी राज्यों व अमेरिका के विचारों का मत-भेद चल ही रहा है । जर्मनी और जापान में विदेशी पल्टनों का कब्जा है ही, जिसका फल हम से छिपा है । खाने की वस्तुओं की घटी और दामों की बढ़ती व पैसे के मूल्य की घटी के कारण बहुत लोग बड़े संकट और घटी से जीवन व्यतीत कर रहे हैं । यहाँ और बाहर हम इसी प्रकार की स्थिति का सामना कर रहे हैं और यहेंजकेल नबी के साथ हम भी चिल्लाते हैं कि “तेरे खेवनेहारों ने तुझे गहिरें जल में पहुँचा दिया है” (यहेज० २७:२६) । जितने भी स्वप्न हमें युद्ध के समय दर्शाये जाते थे सो सब झूठे से दीख पड़ते हैं । हमारे मामलों की सच्ची दशा दानियेल के इन शब्दों में पाई जाती है कि “मैंने अपने परमेश्वर यहोवा से इस प्रकार प्रार्थना की और पाप का अंगीकार किया कि हे प्रभु तू महान और भययोग्य ईश्वर है जो अपने प्रेम रखने और आज्ञा माननेहारों के साथ अपनी बाचा पालता और करुणा करता रहता है । हम लोगों ने तो पाप कुटिलता दुष्टता और बलवा किया और तेरी आज्ञाओं और नियमों को तोड़ दिया । हे प्रभु तू धर्मी है और हम लोगों को आज के दिन लजाना पड़ता है अर्थात् यरुशलेम के निवासी आदि सब यहूदी बरन क्या समीप क्या दूर के सब इस्राएली लोग जिन्हें तू ने उस विश्वासघात के कारण जो उन्होंने तेरा किया था देश देश में बरबस कर दिया है उन सभी को लजाना ही है । पर यद्यपि हम अपने परमेश्वर प्रभु से फिर गये तौभी वह दयासागर और क्षमा की खानि है । बरन सारे इस्राएलियों ने भी तेरी व्यवस्था का उल्लंघन किया और ऐसे हट गये कि तेरी नहीं सुनी इस कारण जिस श्राप की चर्चा परमेश्वर के दास मूसा की व्यवस्था में लिखी हुई है वह श्राप हम पर घट गया क्योंकि हमने उसके विरुद्ध पाप किया है । हे मेरे परमेश्वर कान लगाकर सुन आँखें खोलकर हमारी उजाड़ की दशा और उस नगर को भी देख जो तेरा कहलाता है क्योंकि हम जो तेरे सामने गिड़गिड़ाकर प्रार्थना करते हैं सो अपने धर्म के कामों पर नहीं तेरी बड़ी दया ही के कामों पर भरोसा रखकर करते हैं । हे प्रभु सुन ले हे प्रभु

पाप क्षमा कर दे प्रभु ध्यान देकर जो करना है सो कर विलम्ब न कर हे मेरे परमेश्वर तेरा नगर और तेरी प्रजा जो तेरी ही कहलाती है इसलिये अपने निमित्त ऐसा ही कर।”
(दानि० ६:४-५, ७, ९, ११, १८, १९)।

चाहे आज इतनी बातें दुःख की और निराशा की दिखती हैं तौभी पूरी कहानी इसी एक प्रकार की नहीं है। ईश्वर के आनन्दमय अचम्भे की बातें होती ही रहती हैं। आगमन के पहले इतवार को हमें इतनी बातों के लिये ईश्वर को धन्यवाद और स्तुति करनी होगी कि जिस बारे में हम अभी इस प्रार्थना की पुकार के तैयार करते समय विचार भी नहीं कर सकते।

ऐसे संसार के मध्य में एक खीष्टियान जन अपनी किसी खोज के कारण नहीं, परन्तु ऊपर के प्रकाश के कारण चार बड़ी बातों को दृढ़ता से कहता है :—

पहिली यह—कि यह संसार ईश्वर का संसार है। वही इस संसार का सब से बड़ा अधिकारी और राजा है। वह कभी अपने राज्य को त्याग नहीं सकता। इस संसार के लिये उसका एक अद्भुत अभिप्राय है जो एक दिन पूरा होगा। मनुष्य के कुल दुष्ट मनोरथ ईश्वर को हरा नहीं सकते। वह हमारी भूलों को भी अपने उपाय में बिन देगा। सर्वशक्तिमान ईश्वर राज्य करता है।

दूसरी बात—यह है कि ईश्वर की निज पूर्णता यीशु मसीह की व्यक्तित्व में बसी। उसने परदा हटाकर हमें ईश्वर के मुख की सुन्दरता और महिमा को दिखा दिया। उसके जीवन, मृत्यु, पुनरुत्थान और स्वर्गरोहण के द्वारा उसने हमारे लिये ईश्वर के पास फिर पहुँचने का मार्ग बना दिया है। खीष्ट ही में एक दिन ईश्वर स्वर्ग और पृथ्वी की सब वस्तुओं को पूरा कर देगा।

तीसरी बात—यह है कि खीष्ट ने अपने लिये पृथ्वी और स्वर्ग में एक कुटुम्ब बना लिया है अर्थात् उसकी मगडली जो कि उसके अनुग्रह का सब से बड़ा यंत्र है उसी को वह अपनी भरपूरी से भरपूर करता जा रहा है। उसकी मगडली बार बार उससे भटक जाती है परन्तु वह अपने कुटुम्ब का बराबर साथ देता है। और—

चौथी बात—यह है कि इस कुटुम्ब को जानना चाहिये कि इस संसार में उसका कर्त्तव्य क्या है। उसकी पवित्रता और एकता ही उसके विशेष गुण या गहने हों, क्योंकि इसी मगडली के द्वारा ईश्वर संसार से बोलता है।

इस कारण एक खीष्टियान की चिन्ता ईश्वर, उसके खीष्ट, उसकी मगडली और इस संसार से जिसमें वह रहता है, होनी चाहिये।

इन चार बातों को करते हुए खीष्टियान इस बदलते हुए संसार में सब बातों का सामना कर सकता है। आज उसे कहा जाता है कि अपने ही लोगों पर भरोसा और विश्वास करे और अपने को उन्हीं की सद्बिच्छा पर छोड़ दे। सब से बढ़कर उसका मूल्य कर्त्तव्य है कि जिस किसी भी देश में वह हो, वहाँ खीष्ट का सा जीवन व्यतीत करे। वह अपने कर्त्तव्य याने जीवन से और बात से खीष्ट की साक्षी देना कभी न भूल जावे। वह सदा उनका मित्र रहे जिन पर सताव हो और उनके समान न हो जो केवल उसी समय चिल्लाते हैं जब उन पर अन्याय हो। उसे चाहिये कि वह हक के लिये कम बोले और जिम्मेवारी के लिये अधिक। झगड़े का प्रेम उसके जीवन से निकल जावे। उसे चाहिये कि कभी अधिकार की खोज में न रहे। उसे चाहिये कि अपने आप को पूर्ण रीति से मगडली की पवित्रता व एकता, उसके भाईचारे व आराधना व सेवकाई और साक्षी में लगा दे। उसे चाहिये कि वह उनमें मेल करवाए जिनमें झगड़ा हो गया हो और अपने विदेशी मिशनरी भाइयों के साथ मिलकर मसीह यीशु को और उससे छुटकारा देनेवाले अनुग्रह को ऊँचा करे।

हमें चाहिये कि हम ऐसी धार्मिक अभिलाषों के साथ ७ दिसम्बर को गिरजे में अथवा घरों में इकट्ठे हों कि अपनी विन्तियों को अनुग्रह के सिंहासन के आगे बिनोवें।

पहले हम थोड़े समय शांत रहें जिसमें कि जो बातें इस प्रार्थना की पुकार में हमें बताई गई हैं, उन्हें स्मरण करें और उनपर विचार करें।

इस शांत समय के पीछे हम कुछ समय अपने ईश्वर की भक्ति में बिताएं वह जो ऊपर राज्य करता है और जातियों को अपनी मुट्ठी में पकड़े रहता है, पूर्ण पवित्रता और प्रेम का ईश्वर जिसकी शक्ति अपार है और जिसका प्रेम असीम जिसमें कोई अदल बदल नहीं और न ही कोई मोड़ और जिसकी इच्छा कभी टलने की नहीं—प्रार्थनाओं का उत्तर देनेवाला ईश्वर जिसके सिंहासन के पास उसके बालक कभी भी जा सकते हैं। और अब हम ईश्वर को अपने पूरे मन से उसकी सब मगडलियों के लिये जो उसने हमारे साथ की है धन्यवाद दें:—

हम उसको धन्यवाद दें—उस प्रेम के सुसमाचार के लिये जो उसने अपने पुत्र यीशु ख्रीष्ट हमारे प्रभु को दान करने से दिया।

हम धन्यवाद करें—उसके पवित्र आत्मा के दान के लिये जो ईश्वर के लोगों का अगुवा और शान्तिदायक है।

हम धन्यवाद करें—विश्व सम्बन्धी मगडली के लिये जो हमारा घर है और उसके उस बड़े कर्त्तव्य के लिये जो संसार में है।

हम धन्यवाद करें—कि संसार में धार्मिक शांति की चाह बढ़ती पर है, चाहे बहुत सी बातें इसके विरुद्ध सी दिखती हैं।

हम धन्यवाद करें—कि पूरी स्वतंत्रता मिल गई है और कि हम उस आदर्श तक पहुंच गये हैं जिसके लिये कि देश इतने समय से कोशिश कर रहा था।

हम धन्यवाद करें—उस एकता के लिये जो कि दक्षिण भारत की मगडलियों ने प्राप्त की है और उन सब एकता के लिये भी जो उत्तरीय-भारत में किये जा रहे हैं।

हम धन्यवाद करें—अपने उन प्रतिनिधियों के लिये जिन्होंने इस वर्ष ब्रिटेनिया, कनाडा और उत्तरीय अमेरिका में पुरानी और नई मगडलियों को एक दूसरे के निकट लाने के लिये बड़ा काम किया।

हम धन्यवाद करें—संसार के जवानों के सम्मेलन के लिये जोकि (Oslo) ओसलो में हुआ और उस बड़े समाचार के लिये जिसे कि जवान सब देशों में ले गये हैं।

हम धन्यवाद करें—उस मिशन के लिये जिसे कि ख्रीष्टियान विद्यार्थी संस्था ने पिछली गर्मियों में चीन देश को भेजा जिसके कारण कि इन देशों की मगडलियों में अधिक मेल पैदा हो गया ॥

हम धन्यवाद करें—नेशनल क्रिश्चियन कौंसिल (National Christian Council) और उसकी तीन-साला बैठक के लिये जिसने कि समस्त मगडली की इस बदलनेवाले समय में साफ अगुवाई की।

.....

आओ अब हम थोड़े समय पाप अंगीकार और पछतावे की प्रार्थना करें और अपने पापों और अयोग्यताओं को ईश्वर के सामने रखते हुए उससे क्षमा पाने की विन्ती करें।

हम मान लें—कि यह हमारे ही स्वार्थ के कारण है कि हम एक दूसरे का विचार नहीं करते और कि मेल करवाने के काम को हमने पूरा नहीं किया, और कि क्षमा करने में भी हम इच्छुक न रहे कि हमारे ही कारण हमारे बीच में फूट पाई जाती है।

हम मान लें—कि हम जो “पृथ्वी का नमक” और “पहाड़ियों पर की ज्योतियां हैं” अपने ख्रीष्ट के जीवन के मार्ग को दूसरों पर दर्शाने में असफल रहे हैं।

हम मान लें—कि हमारी दुर्दशा जिसमें कि आज हम पड़े हैं सो हमारे ही कुनकुनेपन व मन की ठगड़ाई व खीष्ट के राज्य की ओर उत्साह न रखने के कारण हैं।

हम मान लें—कि परमेश्वर के राज्य के सम्बन्ध में हम ढीले-पोले हैं। हम जानते हैं कि आज की घड़ी में हम तब ही सफल होंगे जब हम यीशु के चेले एक ही मृगड में बंध जावें। परन्तु हम अपनी पुरानी प्रथाओं में ऐसे जकड़े हैं कि हम आज की समस्याओं को पूरी करने में असफल हैं।

हम मान लें—कि हमने अपनी भलाई के लिये इस संसार के देवताओं पर भरोसा किया है और राजाओं के राजा और प्रभुओं के प्रभु का विश्वास-घात किया है।

हम मान लें—कि हमने अपनी जिम्मेवारियों का विचार न करके अपने हकों के प्राप्त करने की ही बड़ी चिन्ता की है।

आओ हम ईश्वर से विन्ती करें कि वह अपने अनुग्रह के कारण हमें जमा करे और हमारे मन और ज्ञान को ऐसा ताजा कर दे कि हम नई रीति से अपने आप को उसकी सेवा के लिये अर्पण कर सकें।

और आखिर में आओ हम अपनी विन्तियों को प्रार्थना के सुननेवाले ईश्वर के पास विनोएँ। आओ हम प्रार्थना करें—

हम प्रार्थना करें—कि जातियाँ नई रीति से ईश्वर की ओर फिरें जिससे कि वे धार्मिकता और शान्ति को सब मार्गों से ऊँचा समझें।

हम प्रार्थना करें—कि हिन्दुस्थान और पाकिस्थान न्याय और दया के कार्य करने में एक दूसरे से बढ़कर हों और कि कम संख्यावाली जाति की वे विशेष चिन्ता करें और कि वे एक दूसरे की ओर खींची जावें और कि अन्त में खगड के स्थान में एकता और मेल हो जावे।

हम प्रार्थना करें—कि दक्षिण भारत में जो मगडली में एकता हो गई है सो उस मगडली को संगति में और भी साहसी बनावे और कि बची हुई कठिनाइयाँ भी जल्दी सरल हो जावें। हम यह भी प्रार्थना करें कि उत्तरीय भारत में की मगडलियों की एकता के उपायों पर ईश्वर की ऐसी आशीष हो कि मगडली ईश्वर से पाये हुए कर्तव्य के पूरे करने में आगे बढ़ सकें।

हम प्रार्थना करें—कि “नेशनल क्रिश्चियन कौंसिल” ईश्वर की महिमा करने में और अधिक बढ़े और कि राज्य के सम्बन्ध में—धर्म की शिक्षा के चलाने में ख्रीष्टियान कुटुम्ब के सम्बन्ध में—गाँव के ख्रीष्टियानों की आर्थिक दशा के सुधार में—मिशन और मगडली सम्बन्धी काम की पूर्ति में—ख्रीष्टियान दवाखानों में—ख्रीष्टियान नव-युवकों के कार्यों में और दूसरे सब यत्नों में नेशनल क्रिश्चियन कौंसिल ईश्वर के विचार अनुसार अग्रुवाई पावे।

हम प्रार्थना करें—कि विदेशी मिशनों और देशी मगडली में ऐसा मेल हो कि वे एक ही संगति में जुड़ जावें।

हम प्रार्थना करें—कि “नेशनल मिशनरी सुसायटी” (National Missionary Society) की आगामी तीन-साला बैठक की जो बड़े दिन के सप्ताह में होनेवाली है ईश्वर की ओर से अग्रुवाई हो।

हम प्रार्थना करें—कि “इन्टरनेशनल मिशनरी कौंसिल (International Missionary Council) और उसके अधिकारियों को ऐसा बल मिले कि वे युद्ध के बाद के बढ़े हुए मिशनरी काम को पूरा कर सकें।

~~Unemployed~~

Kalchini
P. O.

4. 7. 49

Dear Sir

I reached to

Doodars on 30th night.
At first I arrived to Kalchini
and from there I went to
Gangotia Tea garden. There
is our congregation of about
50 to 60 houses. ~~There~~
on Sunday I had taken
the Church service there
and now I ~~am~~^{have} ~~begin~~
my work here. Today I
am going to Malango.
Uptil now I could not have
gone to Raikote. It is
too far from here. I have

informed Mr. V. Toppe
to come to Gangotri.
It is my request as
well as peoples to
know that my marriage
license should be
sent soon. We are
helpless. Please let
you know that it
is my joining report
to the P.C.

Yours faithfully
S. P. Mo

POST

ADDRESS



The President
C. E. L. Church
Ranchi

P.O. Ranchi, Bihar
Ranchi

1096/49/F-2II

August 10, 49.

To

The Rev.S.Toppo,
Rydak T.E.
P.O.Kalchini, Dist Duars.

*Gango Ti a T. E.
P.O.Kalchini*

Dear Rev.S.Toppo,

We had written for your marriage license to Government of Bengal but from there we are asked to let you know that you are to put the application through your Commissioner. You will please therefore let me know as early as possible under which Commissionerary your Ilaka falls so that we can forward the application to you properly written. Please give us clearly your address in the following manner :-

- (a) Your Head quarters
- (b) Post office ----- District -----
Commissionary.

This is required because your petition is to be forwarded through the Commissioner to the Higher Authorities.

Yours sincerely,

G. E. L. Church
Secretary,
G. E. L. Church.

CBBCM/2C.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.S.Toppo Synod President (Bengal), Mr. Victor Toppo and the Treasurer G.E.L.Church for information guidance and compliance.

C.D. Sirka
Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the full C.C. meeting held on October 7-11, 1949.

Item No. 3 (2).

" 3. Congregational matters :-

(1) xxx xxx xxx xxx xxx

(2) The house heard the situation of Duars' Lutheran Christians from Rev.H.Borutta and Rev.S.Toppo.

Resolved that the Gossner Lutheran Church is prepared to gather up all her children who are scattered and are willing to come back and receive other people of those areas who would be willing to come into her fold. Further resolved that the salaries of Rev.S.Toppo and Victor Toppo be extended till December 1949.

Sd. J.Lakra.
 18.1.50.

Sd. C.D.Sirka.
 Secretary,
 G. E. L. Church.
 12.10.49."

EASTERN HIMALAYAN MISSION COUNCIL.

Kalimpong,
28 July, 1949.

The Secretary,
G.E.L. Church,
Rauchi.

Dear Sir,

We were asked, when sending the enclosed minute, to send also a letter which may help to explain the wording of the minute.

1. In referring to the action of the Gossner Evangelical Lutheran Church as unilateral we wished to stress the fact that that action was taken without the slightest consultation being held with either the United Church of Northern India's Eastern Himalayan Church Council or the Church of Scotland Eastern Himalayan Mission, in whose joint care the Christians of the Duars Tea Garden area have been for so many years. The Church of Scotland has cared for them and supplied Pastors and Catechists for over sixty years.

2. We are surprised that the letter from the Secretary of the G.E.L. Church containing a number of inaccurate statements about the situation in the Duars has been broadcast to the N.C.C., the Bihar Christian Council and the Bengal Christian Council. Some of these statements imply neglect of the Duars Christians. We have, it is true, not done for them all that we wished to do, but we have honestly tried, with our limited resources in men and money, to give as much attention to the shepherding of the Christians who came from Chota Nagpur as to our local Christians.

3. For a number of years now we have had two missionaries in the Duars, one inside, the other outside, the Tea Garden area, and our experience has been that on the occasions on which only one missionary was available it was the Tea Garden section of the work which was provided with the missionary.

4. One of the complaints made by the Tea Garden Christians in recent years has been that there are fewer Mission Schools in the Tea Garden area than in other parts of our field. It is, however, well known that the Mission is not free to open schools in Tea Gardens. We have always gladly received Christian pupils from the Tea Gardens in our other schools and even given help in needy cases to meet the cost of education. On no occasion have we refused to admit to our schools Christian pupils from the Tea Garden area.

5. As regards the shepherding of the Christians from Chota Nagpur, we have on more than one occasion asked the help of the Church in Chota Nagpur in order to get into, and keep, touch with those who had so migrated, but the information sought has not been supplied. Our Catechists have always, to the best of their ability, reported the number of Christians who have newly come to their parishes and their names too when these were discoverable.

6. The Church and Mission Councils, within whose jurisdiction the Duars lie, are quite willing to enter into discussion with the G.E.L. Church regarding the Duars situation, and they ask that, in order to make such discussion possible, the G.E.L. Church will restore the position which prevailed before they took the action complained of as unilateral, and enter into new negotiations which may lead to a stronger, because united, Christian witness.

Yours sincerely,

W. J. Fairweather
Secretary.

W. J. Fairweather

G. Fairweather

EASTERN HIMALAYAN MISSION COUNCIL.

Extract from the Minutes of the meeting of the Eastern Himalayan Mission Council held in Kalimpong on 28 June, 1949.

199.COMITY.

Mr. Fairservice reported on correspondence with the Gossner Evangelical Lutheran Church, Ranchi (ref. Minute 183(c)). Council heard with regret that the G.E.L. Church had taken unilateral action in a matter which affects so deeply the life of the Church in the Duars. It was decided to refer this matter to the Church Council and to ask their most earnest consideration of it. A copy of this minute along with a letter from Mr. Fairservice and the Secretary was ordered to be sent to the Secretary of the G.E.L. Church, Ranchi, the Bihar Christian Council and the N.C.C.

Certified True Extract by:-

Countersigned by:-

W. J. S. S.
Secretary.

A. C. S.
Chairman.

From :-

The Reverend Daniel Lakra,
G.E.L.Church, Purulia.
P.O.Purulia, Dist. Manbhum.

To

The Secretary to the Government of West Bengal,
Political Department.
Writers' Building, Calcutta.

Through

The Deputy Commissioner,
Manbhum, *Purulia*

Sub :- Grant of License under section 6 and 9 of the
Indian Christian Marriage Act (Act XV of 1872) to
the Rev.Daniel Lakra for the territories under the
administration of the Government of West Bengal.

Sir,

In compliance with letter No. 703 C M from the Registrar
General, Births, Deaths and Marriages, West Bengal dated the
19th July, 1949, I Daniel Lakra of Purulia, District Manbhum
beg to apply for the grant of licenses under the Indian
Christian Marriage Act XV of 1872 sections 6 and 9 for the
territories under the administration of the Government of
West Bengal to me.

2. It is also respectfully requested that I Daniel
Lakra may be appointed to function as Registrar of Births
and Deaths under Act VI of 1886 within the Province of West
Bengal.

Yours faithfully,

From :-

The Rev. Daniel Lakra,
G.E.L. Church, Purulia.
P.O. Purulia, Dist. Manbhum.

To

The Secretary to the Government of West Bengal,
Political Department.
Writers' Building, Calcutta.

Through

The Deputy Commissioner,
Dist. Jalpaiguri, Jalpaiguri.

Through

The Registrar General of Births, Deaths & Marriages.
West Bengal.
Writers' Building, Calcutta.

Sub :- Grant of License under section 6 and 9 of the
Indian Christian Marriage Act (Act XV of 1872) to
the Rev. Daniel Lakra for the territories under the

1417/49/F-2 II

October 3,

49.

To

Rev.G.Fairservice,M.A.
The Manse.
Matelli P.O.
Jalpaiguri Dist. West Bengal.

Dear Rev.Fairservice,

The letter of your Secretary dated 20th July will be placed before the Council of the G.E.L.Church on the 7th October, 1949. There are matters in the said letter which could be disposed of only by the Council of the Church. The 6th point says that a discussion on the Duars matters is possible only if the G.E.L. Church restores the position which prevailed before they took the action complaint of a unileteral. I am afraid this is a very difficult proposition and the Council of the G.E.L.Church must consider this point before any negotiation is contemplated.

I shall communicate to you the action of the Council as early as possible.

Yours sincerely,

C.D. Saha
Secretary,
G. E. L. Church.

CBBCM/2C.

1227-28/49/F-28. 2 II

September 1, 49.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.S.Toppo and the Rev.L.Topno for information, guidance and compliance.

C.D. Birka
Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the full C.C. meetings held on June 22-25, 1949.

Item No. 19.

" Synod President for Dyars :-

Since Rev.L.Topno is transferred from Calcutta to Chakradharpur, Rev.S.Toppo be appointed as President of the Bengal Synod.

Sd. J.Lakra.
President.
22.8.49.

Sd. C.D.Birka.
Secretary.
25.6.49."

CEBCM/3C.

December 3, 49.

To

The Rev. L. Topno.
3 Karaya Road.
P.O. Park Circus. Calcutta.

Dear Rev. Topno,

We have received a letter from the brethren of Calcutta Congregation requesting us to retain you or to send some experienced Pastor for Calcutta. As the matter of Calcutta work has been referred to the Federation, I write to inform you that the Council desires for the present ~~is~~ that you remain at Calcutta till the Federation report is received. I therefore ask you to remain at Calcutta till further order from the Council.

I hope you are trying your best to improve the financial and spiritual position and possession of your congregation.

Yishusshay.

Yours sincerely,

C. D. Sen
Secretary,
G.E. L. Church.

CBBCM/23.